वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा परीक्षण प्रतिवेदन

Annual Report & Audit Report

2017-2018

दि एशियाटिक सोसाइटी

का

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा परीक्षण प्रतिवेदन, 2017-2018

दि एशियाटिक सोसाइटी
का
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा परीक्षण प्रतिवेदन,
2017-2018

दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700 016

प्रकाशक
प्रोफेसर सत्यब्रत चक्रवर्ती
महासचिव
दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट
कोलकाता 700 016

जानुयारि, 2019

मुद्रक
दि सरस्वती प्रिन्टिंग वर्कस
२ गुरुप्रसाद चौधुरी लेन
कोलकाता 700 006

विषय-वस्तु

1	एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा	9
2.	अध्यक्षीय भाषण	11
3.	महासचिव की रिपोर्ट	20
4.	एशियाटिक सोसाइटी की परिषद (2016- 2018)	25
5.	योजना बोर्ड एवं स्थाई वित्त समिति	27
6.	समिति एवं उप समिति	29
7.	वर्ष 2017 के पदक,प्लॉक एवं वक्तृता पुरस्कार प्राप्त करने वाले की सूची	36
8.	अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक अपनाए गए प्रमुख संकल्प एवं रिपोर्ट की गई मदें	39
9.	कार्यकलापः प्रकाशन अनुभाग	48
10.	कार्यकलापः पुस्तकालय अनुभाग	52
	पुस्तकालय	52
	संग्रहालय	58
	परिरक्षण	60
	रिप्रोग्राफी	61
	आगंतुक पंजी से उद्धरण	62
11.	कार्यकलापः शैक्षणिक अनुभाग	63
क.	अंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं	
ख.	जारी बाह्य अनुसंधान परियोजनाएं	
ग.	अनुमोदित किंतु न शुरू हुई परियोजनाएं	
घ.	मासिक बैठकों में पढ़े गए शोधपत्र	
12.	कार्यकलापः स्टाफ प्रशिक्षण,स्वच्छता कार्य योजना(एस ए पी) एवं हिंदी कार्यक्रम	82
13.	कंप्यूटरीकरण, आधुनिकीकरण एवं अवसंरचनात्मक विकास	85
14.	एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारी (2017- 18) की सूची	86
15.	वित्त, लेखा, बजट एवं लेखापरीक्षा	91
16.	वर्ष 2017-2018 से संबधित वार्षिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट	93
17.	दृश्य-सामग्री	117

संवेदना संदेश

निम्नलिखित सदस्यों, प्रसिद्ध हस्तियों, शुभचिंतकों , सोसायटी के कर्मचारियों और भूतपूर्व कर्मचारियों के निधन पर एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता गंभीर संवेदना व्यक्त करती हैः

कालिका प्रसाद भट्टाचार्य
मंजुला बंदोपाध्याय
वी आर राव
तृप्ति चौधरी
अपूर्व कुमार मांझी (कर्मचारी)
सुभाष चटर्जी
सिराज -उल -हक (कर्मचारी)
तपन चटर्जी
बिजली बाला पाल
रतनलाल ब्रह्मचारी
परिमल चंद्रसेन
सुख रंजन सेनगुप्ता
राजेश हेला(कर्मचारी)
अपूर्व चंद्र बार ठाकुरिया
नरेश चंद्र दत्ता
ओम प्रकाश सिंह (कर्मचारी)
मणिदीप चटर्जी
अरुण शर्मा
परिमल कुमार चक्रवर्ती
दिलीप कुमार कांजीलाल
तूलिका मजूमदार
सविता चौधरी
यशपाल
शोभा सेन
रामस्वरूप सिंह (कर्मचारी)
पंडित शतकारी मुखोपाध्याय

प्रियरंजन दास मुंशी
साधना चटर्जी
सुप्रिय चौधरी
ध्रुव ज्योति घोष
डी एन नंदी
पूर्वी मुखर्जी
हेतुकर झा
सुकुमार देव
निर्मल दास
वीरेश्वर बनर्जी
दिलीप कुमार घोष
सत्यजीत चौधरी
रिद्धि शंकर रॉय

1.
एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा

सम्मानित भाषाशास्त्री और आंग्ल -वेल्श वंश के अध्येता सर विलियम जोन्स द्वारा उच्चतम न्यायालय, कोलकाता के ग्रैंड ज्यूरी हॉल में आयोजित एक बैठक में 15 जनवरी, 1784 को एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना की गई ।इस अवसर पर सर विलियम जोन्स ने घोषणा की:

"अन्वेषण एशिया की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित होगा और इन सीमाओं के अंदर इसकी जांच का दायरा व्यक्ति द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा उत्पन्न वस्तु तक विस्तृत होगा।"

इस तरह 233 वर्ष पहले एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा का शुभारंभ हुआ जिसने प्राच्य अध्ययन में नई शुरुआत का आगाज किया।

यह भारत में अधिगम का प्राचीनतम संस्थान है और इसने भारतीय इतिहास के उत्थान और पुनः जागरण के शुभारंभ में महत्वपूर्ण योगदान किया है ।एशियाटिक सोसायटी कई तरह से इस देश में स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन, भारतीय संग्रहालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ,भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और इसी तरह के अन्य कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की समृद्धि और विकास का महत्वपूर्ण संस्थान रहा है।

प्रारंभ में एशियाटिक सोसाइटी के सदस्य केवल यूरोपीय नागरिक थे। 1829 में भारतीयों को सोसायटी का अंग बनने की अनुमति दी गई। 1885 में राजेंद्र लाल इस संगठन के पहले भारतीय अध्यक्ष बने ।स्थापना के प्रारंभिक वर्षों में संगठन बिना किसी भवन के चलता रहा। 1805 में सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध कराने के पश्चात इसका सरकारी भवन 1808 में बनकर तैयार हो गया। वर्तमान भवन 1961 में उसी स्थान पर बनाया गया और भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा 22 फरवरी 1965 को इसका उद्घाटन किया गया।

सोसायटी का पुस्तकालय सूचना का भंडार है जहां विश्व की विभिन्न भाषाओं की पुस्तकों के 130000 खंड तथा 109000 जर्नलों का असाधारण साहित्यिक संग्रह है। 1814 में स्थापित संग्रहालय सोसायटी का बहुमूल्य अंग है जिसमें प्राचीन पेंटिंगों, पांडुलिपियों, मूर्तियों, उत्कीर्ण लेखों ,मुद्राओं और अन्य बहुमूल्य कलात्मक वस्तुओं का सुंदर संग्रह है।सोसायटी के अनुसंधान, अनुवाद ,संगोष्ठियों और प्रकाशनों की प्रामाणिकता तथा एशिया के गंभीर विश्लेषण की विश्वभर में प्रशंसा की जाती है।

सोसायटी के महत्व और कला व साइंस के सभी क्षेत्रों में उसके अपार योगदानको देखते हुए भारत सरकार ने 1984 में इसके द्विशताब्दी वर्ष के दौरान संसद के एक अधिनियम द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की ।एशियाटिक सोसायटी अधिनियम 1984 के अधिनियमन से भारत सरकार ने इसके रखरखाव और भावी विकास का दायित्व अपने ऊपर ले लिया।

एशियाटिक सोसायटी के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं :-

एशिया में मानवता और विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान करना, तत्संबंधी पहल करनाऔर उसे बढ़ावा देना ताकि सोसाइटी के संस्थापक सर विलियम जॉन्स के शब्दों में एशियाटिक सोसायटी के अन्वेषण एशिया की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित हो सकें और इन सीमाओं के अंदर इसकी जांच का दायरा व्यक्ति द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा उत्पन्न वस्तु तक विस्तार ले सके।

अनुसंधान संस्थानों, वाचनालयों, संग्रहालयों, कला दीर्घाओं, प्रेक्षागृहों और व्याख्यान कक्षों की स्थापना करना, उनका निर्माण करना , उनका रखरखाव करना और उन्हें संचालित करना।

ऐसी आवधिक पत्रिकाएं पुस्तकें अथवा अन्य साहित्य प्राप्त करना उनका वित्तीय करना अथवा उन्हें प्रकाशित करना जिन्हें सोसायटी अपनेउद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए उपयुक्त समझे।

सोसायटी के उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए अक्षय निधि अथवा न्यास निधि का सृजन करना।

1984 से लेकर अब तक उपर्युक्त आधारभूत उद्देश्यों का अनुसरण करते हुए सोसायटी सभी मोर्चों पर अपने कार्यक्रम का आयोजन कर रही है।

2.

अध्यक्षीय भाषण

पश्चि बंगाल के महामहिम राज्यपाल व एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, हमारे महासचिव प्रोपेसर डॉ सत्यव्रत चक्रबर्ती, हमारे कोषाध्यक्ष प्रोफेसर सुजीत कुमार दास, पदक प्लॉक और वक्तृता पुरस्कार प्राप्त करने वाले तथा देवियो और सज्जो!

वैश्विक भाषा, हश्य कला प्रारंभ से ही पूरे विश्व में अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम रही हैं। यह दृश्य अभिव्यक्ति विकसित होती रही और और युगों से इसमें विभिन्न परिवर्तन होते रहे, जिसके परिणमस्वरूप नई के कलाकारों, मूर्तिकारों, शिल्पियों और वास्तुकारों का प्रादुर्भाव हुआ जिनके अपने दर्शन, अपने धार्मिक मान्यताएं और अपने सौंदर्य-बोध थे। भारत में इसे कोई आपत्ति नहीं है और यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय कला के विशाल कोषागार में ग्राम्य कला, लोगों की कला, लोक कला तथा मूक्ष्म कला में एक तरफ स्पष्ट भेद है और दुर्सी तरफ परिष्कृत शास्त्रीय कला भिन्न है। ऊपर वर्णित इस कला की पहली कोटि पीढ़ियों की अति अति उच्च एवं समृद्ध परंपरा से प्राप्त हुई है, जिसमें समय के अनुसार सामाजिक जीवन में बदलाव के अनुरूप कतिपय मूक्ष्म परिवर्तन हुए हैं। आश्चर्य की बात है कि यदि हम दक्षिण अमेरिका तथा दक्षिण बंगाल के चंद्रकेतुगढ़ में में पाए गए चिकनी मिट्टी एवं टेराकोटा के खिलौनों और मानव आकृतियों का निरीक्षण करें तो हम पाते हैं कि उनमें इतनी समानता है कि स्टेला क्रैमरिश ने टिप्पणी की कि वे कालातीत एवं अजेय हैं। लेकिन इसके विपरीत, शिक्षित और सभ्य शहरी नागरिकों की विभिन्न शखाओं से संबंधित परिष्कृत शास्त्रीय कला की उच्च कोटियां उचित शिक्षा और गुरु शिष्य परंपरा के माध्यम से औपचारिक प्ररिक्षण के द्वारा अथवा मास्टर कलाकार के चित्रालय में पल्लवित हुईं। आज के कला स्कूलों की अवधारणा नहीं थी।

(एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की स्थापना से 27 बर्ष पूर्व)। 1757 में प्लासी में मुर्शिदाबाद के नवाबसिराजुद्दौला के पतन के पश्चात ईस्ट इंडिया कंपनी ने धीरे-धीरे अपने व्यापार के साथ-साथ बंगाल, बिहार और उड़ीसा पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया और अंग्रेजी हुकुमत के बढ़ते अतिक्रमण के साथ कोलकाता को अपना मुख्यालय बनाया। इस बदली हुई परिस्थिति में ललित कलाओं की देसी परंपरा राजसी चित्रालयों में विकसित हुई और बाहर मुर्शिदाबाद कलाम, पटना कलाम, लखनऊ कलाम, जयपुर और इसी तरह के अन्य नाम से जानी गई, धीरे-धीरे मृतप्राय हो गई और अब पूर्णत: निष्क्रिय हो गई है। अंग्रेजी संस्कृति और जीवन के पश्चिमी तौर-तरीके ने धीरे-हमारे शहर के सभी प्रमुख शहरों में समृद्ध सोसाइटी में अपनी पैठ बना ली। धनी लोग अंग्रेजी स्टाइल के फर्नीचर, कपड़े और पोशाक खींदने लगे और अपने लिविंग रूम और ड्राइंग रूम को चौलचित्रों से, दृश्यों और अपने पूर्वओं के चित्रों से सजाने लगे। इस बदली हुई परिस्थिति में अग्रेजी व्यवसाय और हुकूमत ने इंग्लैंड के कई सक्षम चित्रकारों को यहां आमंत्रित किया, जो धन कमाने की लालसा से यहां बड़ी संख्या में आए। वे परिचर और नौकरों से घिरे रहते थे। उनमें से कुछ ने ऐतिहासिक स्थलों के प्रलेखन के लिए तथा सुरम्य भारतीय परिदृश्य के लिए भी कार्य किया। उन्हं बहुत

अधिक धन प्राप्त हुआ। विलियम हॉजिज भारत आए और 1780 से लेकर 1783 तक यहां उनका प्रवास रहा। उसके बाद टॉमस और विलियम डेनियल, जो चाचा और भतीजा थे, ने कोलकाता को अपना आधार बनाया। उन्होंने अद्भुत

Plate - 1

Artist : John Zoffany

नक्काशी और चित्रकारी की, जिनमें से कुछ का प्रदर्शन विक्टोरिया मेमोरियल, कोलकाता की दीर्घा में किया गया। भारत आने वाले अन्य कलाकारों में जेम्स फ़ोर्ब्स एवं जॉन ग्रांट थे। दोनों नक्काश थे और उन्होंने मद्रास को अपना आधार बनाया। जॉन ज़ोफ़ानी (प्लेट-1) और टिल्ली केटल ने कोलकाता को अपना आधार बनाया और यहां 1783 से लेकर 1789 तक रहे और महत्वपूर्ण हस्तियों के कुछ अद्भुत चित्र बनाए। रॉबर्ट होम भी सक्षम चित्रकार थे। पहले राग दरबारी चित्रकार के रूप में अवध में रहे और बाद में कोलकाता आए, एशियाटिक सोसायटी के लिए कई चित्र बनाए। उन्हें लंबे समय तक पुस्तकालय का भी प्रभार दिया गया। उन्होंने कई पेंटिंग बनाए, जो इस समय सोसाइटी के संग्रह में हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि उत्तरी यूरोप (बरगंडी) में जान वान एडक द्वारा किए गए तैल चित्र के आविष्कार ने गहरी छाप छोड़ी, जिसने 14 वीं और 15 वीं शताब्दी में इतालवी पुनर्जागरण की उन्नति को अत्यधिक सीमा तक बढ़ा दिया। इसकी तीन बुनियादी अवधारणाएँ एवं सिद्धांत—मानवता, व्यक्तिवाद और वैज्ञानिक दृष्टिकोण—थे और इसे प्राप्त करने के लिए दृश्य कला के क्षेत्र में तैलचित्र अधिक उपयुक्त था, विशेष रूप से शेप, शेड और फॉर्म के अन्य क्षेत्रों के साथ पेंट के गाढ़े पिगमेंट को मिश्रित कर प्रकाश का बहुआयामी रेडिएशन तैयार करने की तकनीक, जिससे कि बड़े पेंटिंग में त्रिआयामी प्रभाव उत्पन्न किया जा सके। वस्तुतः पेंटिंग कार्य समस्त यूरोप में तेजी से दावानल की तरह फैल गया।

अत्यधिक दूर होने के कारण भारतीय कला परिदृश्य पर इसकी छाया तब तक नहीं पड़ी जब तक किअंग्रेजों का इस देश पर अधिकार नहीं हो नया। अंग्रेजी हुकूमत ने रॉयल अकैडमी स्टाइल में कोलकाता, मद्रास और मुंबई में 1860 के दशक में तीन कला स्कूलों की स्थापना की। इन कला स्कूलों का उद्देश्य रॉचल अकैडमी की तरह के कलाकार उत्पन्न करना न था, बल्कि देसी कलाकार उत्पन्न करना था जो उनके कार्यालयों में सेवा दे सकें, जहां आरेख, उत्कीर्ण लेख, शिलालेख और प्रलेखनों की आवश्यकता थी, जिससे कि लंदन से कलाकार किराए पर लेने के के विपरीत व्यय की लागत को न्यूनतम किया जा सके।

40 बर्ष की अवधि में कोलकाता और मुंबई के कला स्कूलों ने अनगिनत सक्षम कलाकारों और मूर्तिकारों को प्रशिक्षित किया जो यथार्थवादी एवं प्राकृतिक शैली में काम करते थे। इन कलाकारों में से अत्यधिक होनहार पेस्टनजी बोमनजी (1851-1938), एम एफ पीठवाला (1872-1937) तथा अब्दुल रहमान (1860-1931) जैसे दृश्य चित्रकार तथा वी पी कर्मकार (1891-1967) जैसे मूर्तिकार अन्य थे। कोलकाता में गवर्नमेंट स्कूल ऑफ आर्ट के छात्र—आनंद प्रसाद बागची (1849-1905), बामपद बंदोपाध्याय (1851-1932)—को यथार्थवादी शैली में तैल चित्रों और वॉटर कलर में महारत हासिल थी और उन्होंने असाधारण

कौशल का प्रदर्शन किया।

इसा अवधि की कला के महान हस्ती राजा रवि वर्मा (1848-1932)—को यथार्थवादी शैली में तैल चित्रों और वॉटर कलर में महारत हासिल थी और उन्होंने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया।

इस अवधि की कला के महान हस्ती राजा रवि वर्मा (1848-1906) (प्लेट-2) थे, जो त्रावणकोर परिवार के

Plate - 2 Artist : Raja Ravi Varma

युवा सदस्य थे, जिन्होंने तैलचित्र कला स्वयं सीखी और भारतीय पुराण से लेकर महाकाव्य तक की थीम पर बड़े साइज के चित्र कैनवास पर उतारे और स्थानीय पुरुषों और महिलाओं को मॉडल के रूप में लेकर अपने स्वयं के चित्र बनाए। अवधि में ही उन्हें भारतीय हिंदू भावनाओं पर यथार्थवादी चित्र बनाने के लिएअत्यधिक आदर और सम्मान

Plate - 3 Artist : Abanindranath Tagore

मिला। बाद में ओलियोग्राफिक पुनर्उत्पादन के माध्यम से उन्होंने पेंटिंग को बाणिज्यिक कर दिया, जो कुछ ही समय में सस्ती गुणवत्ता की बाजार कला बन गया।

भारत में औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध धीरे-धीरे असंतोष बढ़ने लगा और 19 वीं सदी के अंतिम दशक से इस देश के प्रमुख शहरों में विशेष रूप से रचनात्मक चित्रकारों, लेखकों और कलाकारों में अतिरिक्त राष्ट्रीय चेतना जागृत होने। कोलकाता में अवनींद्रनाथ (प्लेट-3) गगनेंद्रनाथ टैगोर (प्लेट-4) ने ई बी हैवल और अंग्रेज़ी और बंगाली संभ्रांत बर्ग के अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर 1907 में प्राच्य कला सोसाइटी की स्थापना की। यह कलाकारों का पहला संगठित संगठन था, जिसपर पाश्चात्य कला का प्रभाव नहीं था और जो दृश्य कला में भारतीय परंपरा की भावना को स्थापित करने और पुनर्जीवित करने के दृष्टिकोण से बना था (प्लेट-3)।

इसे आधुनिक भारतीय कला का प्रारंभ कहा जा सकता है, जो बीसवीं सदी के तीसरे दशक तक जारी रही। इसी

Plate - 4

Artist : Gaganendranath Tagore

बीच 1982 में शांतिनिकेतन में कला भवन की स्थापना की गई। इसके अध्यक्ष नंदलाल बोस थे। बाद में रामकिंकर बैज (मूर्तिकार और पेंटर) तथा विनोद बिहारी मुखर्जी (पेंटर) जैसे अत्यधिक प्रतिभासंपन्न कलाकार और मूर्तिकार की अपने बल पर इस क्षेत्र में पैठ हुई। हिंदी भवन की दीवारों पर विनोद बिहारी द्वारा प्राचीन भारत के सन्यासियों के रूप में अत्यधिक उल्लेखनीय भित्तिचित्र बनाए गए। दूसरी ओर रामकिंकर ने खुले आसमान के नीचे सीमेंट कंक्रीट में संथाल परिवार और कोलेर बंसी जैसी विशाल स्मारक मूर्तियां बनाईं। रामकिंकर द्वारा बनाए गए असंख्य चित्रों के सिर जिनमें रवींद्रनाथ का सिर शामिल है (इस समय हो ची मिन्ह सरणी, कोलकाता के आईसीसीआर स्थित रविंद्र नाथ टैगोर केंद्र में रखी हुई प्रतिकृति) मूर्ति अभिव्यंजना का विशिष्ट उदाहरण है (प्लेट-5)। इसी तरह विनोद बिहारी के भित्तित्रों ने नई और आधुनिक अवधारण को जन्म दिया। कलाभवन के सत्यजीत रॉय ने दि आई शीर्षक से कृत्तचित्र बनाया, जिसने उन्हें अत्यधिक ख्याति दिलाई।

20 वीं सदी के प्रारंभ में गगनेंद्रनाथ, अवनींद्र नाथ और नंदलाल बोस के पश्चात शांतिनिकेतन में एक नया मोड़ आया, जिसें वास्तविक अर्थ में आधुनिक भारतीय कला के प्रादुर्भाव का द्वितीय चरण माना जा सकता है। रवींद्रनाथ ने स्वयं 1928 से ड्राइंग और पेंटिंग का कार्य शुरू किया और 1940 तक 2500 से अधिक कृतियों का पेंसिल और वॉटर कलर से कागज पर सृजन किया। स्वयंशिक्षित कलाकार रवींद्रनाथ को अंतर्राष्ट्रीय जूरी द्वारा पहला आधुनिक कलाकार भी माना जाता है। बस्तुत: 1930 का दशक देश में राजनीतिक उथल-पुथल का अत्यधिक निर्णायक और व्यावहारिक काल था। एक और धार्मिक पहचान को लेकर राष्ट्रवादियों के बीच सैद्धांनिक शत्रुता और दूसरी

Plate - 5

Artist : Ramkinkar Baij

ओर प्राच्यकला को लेकर यथार्थवादी कला अपनी जड़ें धीरे-धीरे फैला रही थी। दृश्य कला के क्षेत्र मे सह अस्तित्व की भावना के साथ अतुल बोस के नेतृत्व में कोलकाता में 1934 में ललित कला अकादमी की स्थापना की गई, जो यथार्थवादी रेखा चित्रण और तैलचित्रों के

Plate - 6 Artist : Rabindranath Tagore

सक्षम कलाकार और व्यावसायी थे।

देश में इस जटिल परिस्थिति में यामिनी रॉय और अमृता शेरगिल जैसे कुछ कलाकारों को आधुनिक भारतीय कला में वास्तविक सफलता हासिल हुई। यामिनी रॉय (1887-1974) नवर्नमेंट स्कूल ऑफ आर्ट, कोलकाता के पूर्व छात्र थे जिन्हें तैलचित्र और वॉटर कलर पेंटिंग में महारत हासिल थी, जिन्होंने आजीविका के लिए स्वयं को पेशेवर चित्रकार के रूप में प्रशिक्षित किया लेकिन पूर्णत: असंतुष्ट होने पर वे अपनी जड़ों की ओर लौट गह और उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने जन्मस्थल बांकुरा के मंदिरों के टेराकोटा और पटचित्र से प्रेरणा मिली, जहां टेंपरा और गोश में सभी चित्र देसी रंगो द्वारा बनाए गए। उन्होंने पूर्णत: नए सौंदर्य-बोध के साथ भारतीय आधुनिक कला की दिशा में दरवाजे खोल दिए (प्लेट-7)।

इसी तरह पूर्व और पश्चिम की रहस्यमय मिश्रण सिह-हंगरियाई वंश की अमृता शेरगिल (1913-41) ने पेरिस में एकोल द बो आट्स में अध्ययन किया और भारत की वास्तविक परंपरा और उसकी आंतरिक आत्मा की तलाश में पूरे दक्षिण की यात्रा करने के पश्चात 1934 में पुन: भारत आ गईं। पेरिस की परंपरा को छोड़कर उन्होंने ग्राम्यजीवन, महिलाओं और बच्चों के चित्र पेंट करने शुरु कर दिए। ये चित्र जातीए चेहरे के प्रकार और मुख की आकृति को व्यक्त करते थे, जिसपर भारतीय चित्रात्मक अभिलक्षण का द्वि आयामी प्रभाव था और जो बंगाल स्कूल से पूर्णत: भिन्न थे। कैनवास पर उनके बनाए गए तैलचित्रों

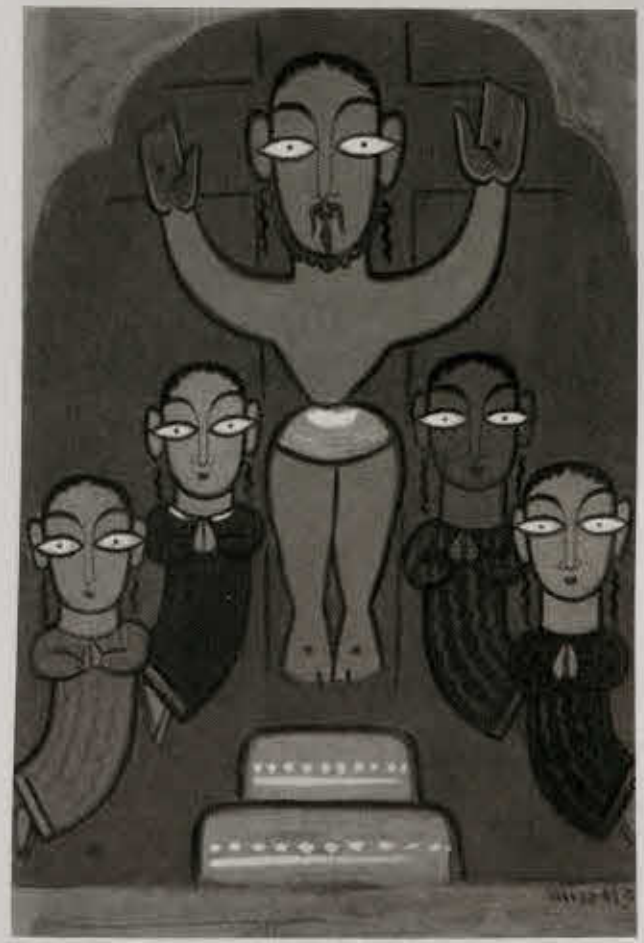

Plate - 7 Artist : Jamini Roy

में चित्र के सामने की स्थिति द्वि आयामी थी, जिनमें रंग का सपाट इस्तेमाल गया था, चेहरे धुंधले थे और आकृतियां चमकीली और हल्की पृष्ठभूमि में थीं, जिससे अवसाद के वातावरणका निर्माण होता था (प्लेट-8)। 1940 के दशक के आरंभ पर द्वितीय विश्व युद्ध की छाया थी। 1942 के बंगाल अकाल और देश में हो रहे विभिन्न सामाजिक उथल-पुथल ने कलाकारों, लेखकों, कवियों और नाटककारों जैसे रचनात्मक लोगों के पूरे समुदाय को बुरी तरह प्रभावित किया। अत्यधिक वेदना के कारण उन्होंने तथाकथित प्रत्येक सुंदर वस्तु के प्रति प्रबल विद्रोह का इजहार किया। कोलकाता में कलाकारों के एक समूह ने 1943 में एक

Plate - 8

Artist : Amrita Sher Gill

संस्था का गठन किया, जिसे कोलकाता ग्रुप कहा गया, जिसके सदस्य परितोष सेन, कमल दास गुप्ता, प्राण कृष्ण पाल, रतिन माइत्रा, नीरद मजुमदार, शुभ ठाकुर, गोपाल घोष, प्रदोष दासगुप्ता (मूर्तिकार) और हैमंत मिश्र थे। इस समूह की द्वितीय प्रदर्शनी 1945 में मुंबई में हुई, जिसके

Plate - 9

Artist : Paritosh Sen

द्वारा वहां के समकालीन कला आंदोलन के साथ सीधा संबंध स्थापित किया गया। दुर्भाग्यवश, कोलकाता ग्रुप लंबे समय तक कायम न रहा और 10 वर्षों में ही विभिन्न व्यवहारिक कारणों से धीरे-धीरे विघटित हो गया (प्लेट-9)।

प्रदोष दास गुप्ता उच्चतर अध्ययन के लिए इंग्लैंड चले गए, नीरद मजुमदार पेरिस चले गए (प्लेट-10)। रतिन माइत्रा और गोपाल घोष अपने निजी कार्यों में व्यस्त हो गए और आंशिक रूप से ललित कला अकादमी, कोलकाता से जुड़ गए, तथापि कोलकाता ग्रुप अग्रणी था, जिसने कलाकारों का पेसा समूह उत्पन्न किया जो अपनी कृतियों में फ्रांस और जर्मनी के यूरोपीय आधुनिक कला आंदोलन कीआत्मा को आत्मसात करना चाहते थे। उनकी कृतियों को कभी-कभी प्रेस और जनता की प्रतिकूल आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। फिर भी, यह समकालीन भारतीय आधुनिक कला की दिशा में एक जागरूक कदम था। कोलकाता ग्रुप के इन कलाकारों का अधिक प्रलेखन और मूल्यांकन नहीं किया गया और न ही उनकी कृतियों को भावी पीढ़ी के लिए उचित तरीके से परिरक्षित किया गया।

कोलकाता ग्रुप से सबक लेते हुए कुछ उत्साही युवा

Plate - 10 Artist : Nirode Mazumdar

कलाकारों ने प्रारंभ में छह भारतीय कलाकारों के साथ प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप (पी ए जी) के बैनर तले 1947 में मुंबई बाणिज्यिक नगरी में एक ग्रुप की स्थापना की। यह अत्यधिक महत्वपूर्ण वर्ष है जब भारत की स्वतंत्रता मिली और दो राष्ट्र के सिद्धांत पर विभाजन किया गया। प्रारंभिक वर्षो में राष्ट्रवादी ग्रुप और स्वतंत्रता आंदोलन से जुई होने के कारण फ्रांसिस न्यूटन सूजा (कलाकार) को सर जे जे स्कूल ऑफ़ आर्ट से निष्कासित कर दिया गया, जिन्होंने ग्रुप और आंदोलन का नेतृत्व किया था। उन्होंने ग्रुप का घोषणा पत्र और मोटो तैयार किया था, जिसमें उन्होंने प्रबल रूप से नव बंगाल अथवा ब्रिटिश शिक्षा जगत की सभ्य एवं भावनात्मक कला को नकार दिया था और आधुनिक सौंदर्य-बोध उत्पन्न करने में पूर्ण

अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य का प्रचार किया था। प्रारंभिक सं
सदस्यों में एक एन सूजा (1920), सैयद हैदर रजा (1
एच ए गादे (1917), के एच अरा (1914), एस के

Plate - 11 Artist : Francis Newton So

(1920, मूर्निकार) और एम एक हुसैन थे (प्लेट
उनकी पहली सामूहिक प्रदर्शनी 1948 में मुंबई
जिसकी तुरंत प्रतिकूल आलोचना हुई लेफिन वे

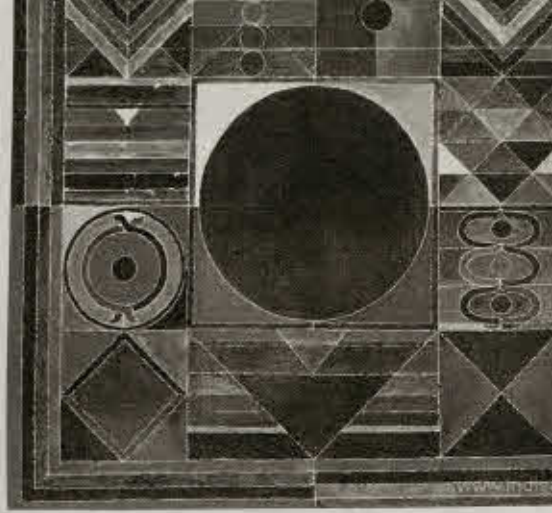

Plate - 12 Artist : S.I

आंतरिक रचनात्मक उत्साह शक्ति के कारण टस से मस न हुए। भावनाओं से ओतप्रोत सुजा ने कहा था हमारे पेट

Plate - 13

Artist : M.F. Hussain

में खाने से अधिक आग है (प्लेट-11)। बाद के वर्षों में के एस कुलकर्णी, एन एस बेंद्रे, के के हेबर, अकबर पदमसी, तैयब मेहता और रामकुमार जैसे कुछ अधिक प्रबल कलाकार पी ए जी में शामिल हो गए। इस क्षेत्र में उनके अन्वेषण और विचारोत्तेजक कृतियों के लिए देश का अन्यधिक सम्मानित कलाकार माना जाता है। फिर भी, उन कलाकारों और उनकी कृतियों के समीक्षात्मक मूल्यांकन के साथ सैकड़ों पुस्तकें और एल्बम प्रकाशित किए गए हैं ताकि उनकी कलात्मक प्रतिभा और कला के क्षेत्र में उनके योगदान को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

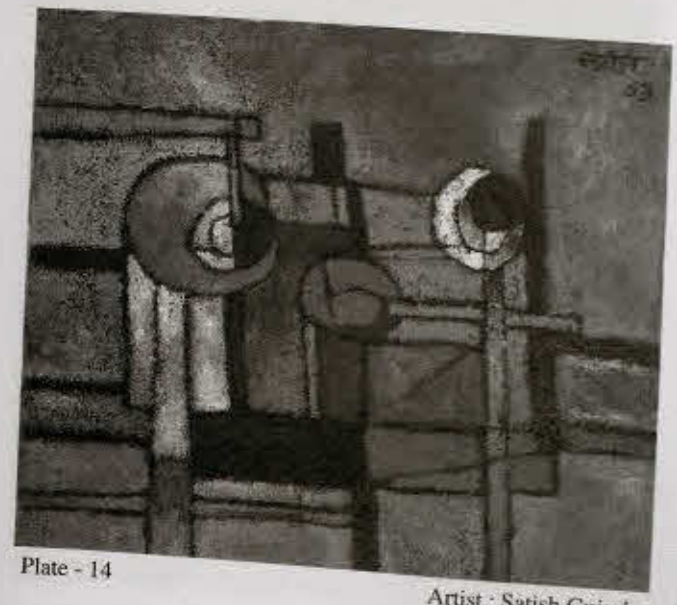

Plate - 14

Artist : Satish Gujral

1996 में नई दिल्ली में तत्कालीन शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की पहल पर ललित कला अकादमी के गठन के पश्चात दृश्य कला और रचनात्मक कला की विभिन्न शाखाओं के क्षेत्र में पर्याप्त अवसर उत्पन्न हो गए। यूरोप और अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय आधुनिक कला द्वारा निर्धारित विभिन्न आदर्शों और मानदंडों का मुख्यधारा की कला में संचार हो गया।

यूरोप और अमेरिका में बीसवीं सदी के प्रारंभ से आधुनिक

Plate - 15

Artist : G. R. Santosh

कला, जिसमें गैररूपक कला, सूक्ष्म कला, सूचना अभिव्यक्ति, पॉप आर्ट और ऑप आर्ट शामिल हैं, पैठ बनाने लगी। उन्नीसवीं सदी के मध्य में फोटोग्राफी के आविष्कार ने कलाकारों के समक्ष बड़ी समस्या उत्पन्न कर दी क्योंकि कैमरा द्वारा कुछ ही सेकंड में प्रकृति के साथ समानता स्थापित की जा सकती थी लेकिन कलाकार का दायित्व सृजन करना है न कि पेंट और ब्रश के साथ किसी छवि

Plate - 16 Artist : Isha Mahammad

की नकल करना और उसे प्रतिबिंबित करना है अथवा प्रस्तर, काष्ठ और कांस्य अथवा किसी भी माध्यम में रूपांतरित करना है। दृश्य कला में प्राकृतिकता से अमूर्तता की ओर जाते समय इस अवधारणा को समझना था। दृश्य कला के क्षेत्र में कई प्रतिभासंपन्न कलाकारों का प्रादुर्भाव हुआ, जिनका आधुनिकता को लेकर अपना निजी दर्शन था। उन्होंनं नई तरह की कला की रचना की, दृश्य की यथार्थथा को भूल गए और उनका निजी भावनाओं पर अधिक बल था। रेखाओं, रंगों, बिंदुओं के आधारभूत घटकों के साथ शून्य (तंत्र से आगत) और समूह के विन्यास के द्वाराउचित सपोर्ट (कैनवास, काष्ठ, भित्ति इत्यादि) पर कोण और वर्ग ने ऐसी कलाकृति को जन्म दिया जो बिना किसी वर्णन या कथा के रूप से अपने बूते टिकी रही। इस संदर्भ में मैं सैयद हैदर रजा (प्लेट-12), सतीश गुजराल, वीरेन दे, गुलाम रसूल, संतोष, रामकुमार और इसी तरह के अन्य कलाकारों का नाम उद्धृत करना चाहूंगा, जिन्होंने विशिष्ट दृश्य अभिव्यक्ति के अप्रत्यक्ष पथ का अनुसरण किया (प्लेट-15). हम उनकी कृतियों का ललित कला अकादमी तथा राष्ट्रीय आधुनिक कला दीर्घा, नई दिल्ली मैं रसास्वादन कर सकते हैं, जो ऐसे कलात्मक कार्य के स्थाई स्थल हैं (प्लेट-14 : सतीश गुजराल तथा प्लेट-16 : ईशा मोहम्मद)।

हमारी दिनचर्या इस बात का उदाहरण है कि हम किस तरह स्वयं को नए के प्रति, आधुनिक वास्तुकला, आधुनिक डिजाइन, आधुनिक जीवनशैली की वस्तुओं, आधुनिक उपकरणों,, तेजी से बदलती सांस्कृतिक रूढ़िवादी विचारों के अनुरूप ढाल लेते है और फिर भी, हमारी सहज प्रवृत्ति उस विगत को पहचानने की होती है अथवा हमारा झुकाव उस विगत की और होता है जो हमें वर्तमान स्वास्थयकर वातावरण की और ले आया है।

1 मई 2018 **ईशा मोहम्मद**

कोलकाता अध्यक्ष

संदर्भ:

1. ई वी ए-एनसाइक्लोपीडिया ऑफ वर्ल्ड आर्ट
2. ई वी ए-एनसाइक्लोपीडिया आफ विजुअल आर्ट
3. दि ऑक्सफोई कंपैनियत टु आर्ट-संपादक एच ओसबोर्न
4. एस मुखर्जी एवं के चटर्जी—विजन एंड क्रिएशन (प्रेस में)
5. के के गांगुली-सम रिफ्लेक्सेज ऑन कल्चरल रीजनरेशन, ए एक ए, स्वर्ण जयंती खंड
6. एशियाटिक सोसायटी का मासिक बुलेटिन, जून 2016-मई 2018
7. ललित कला कंटेंपरीं, रेलीवेंट इश्यूज़
8. एस क्रैमरिश-जे आई एसओ ए, इंडियन स्कल्पघर
9. एन आर राय-अप्रोच टु इंडियन आर्ट
10. ए के कुमारस्वामी-हिंदू व्यू आफ आर्ट
11. एस के सरस्वती-सर्वे ऑफ इंडियन स्कल्पघर
12. डी पी घोष-पटचित्र ऑफ बंगाल (ए एम आई ए)
13. ई बी हैवल-आइडियल्स ऑफ इंडियन आर्ट
14. अशोक मित्र—भारतेर चित्रकला
15. ताप्ती गुहा ठाकुरता—कॉलोनियलिज्म एंड नेशलिज्म।
16. भवेश सान्याल आर्ट : कल्चर और कमोडिटी : ब्रिटेन टु इंडिया।
17. विनोद बिहारी मुखर्जी—आधुनिक शिल्प शिक्षा।
18. एंड्रयू रॉबिंसन—आर्ट ऑफ रवींद्रनाथ टैगोर।
19. जयंत चक्रवर्ती—पेंटिंग ऑफ रवींद्रनाथ टैगोर।
20. चिंतामणि कर—रबींर छबि।
21. निशीथ रंजन रॉय—पायनियर ट्रैवलर आर्टिस्ट फ्रॉम ब्रिटेन इंडिया।
22. ग्लिनबर्रा कलेक्शन ऑफ इंडियन कंटेंपरेरी जापान।
23. अशोक भट्टाचार्य—बांग्लार चित्रकला।
24. प्रभा विश्व बंग सम्मेलन, 1999-2000 संपादक पवित्र सरकार।

3.

महासचिव की रिपोर्ट

एशियाटिक सोसायटी के माननीय अध्यक्ष प्रोफेसर ईशा मोहम्मद, पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल एवं एशियाटिक सोसाइटी के संरक्षक श्री केशरी नाथ त्रिपाठी जी , एशियाटिक सोसायटी के कोषाध्यक्ष डॉ सुजीत कुमार दास, पदक ब्लॉक और व्याख्यान के पुरस्कार प्राप्त करने वाले लब्धप्रतिष्ठित जन, एशियाटिक सोसाइटी के सदस्य और स्टाफ सदस्य, अतिथि गण एवं मित्रो! परिषद के सदस्यों की ओर से तथा एशियाटिक सोसायटी के सदस्यों और स्टाफ सदस्यों की तरफ से नमस्कार और सभी का हार्दिक अभिनंदन ।

ऐतिहासिक 234वीं वार्षिक साधारण सभा के दौरान लगातार दूसरे वर्ष जब मैं एशियाटिक सोसायटी के महासचिव का भाषण प्रस्तुत करने के लिए आपके समक्ष प्रस्तुत हूँ तो मेरा दिमाग मिली -जुली भावना से अभिभूत है।वर्ष 2016 -18 के लिए परिषद की समग्र टीम के साथ मुझे इस बात का संतोष है कि एक तरफ एशियाटिक सोसायटी के सदस्यों और स्टाफ सदस्यों तथा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति प्रतिबद्धता की पृष्ठभूमि में कुछ सकारात्मक लक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं ।मुझे इस बात का भी मलाल है कि कार्य के कुछ क्षेत्रों में हमें इतनी सफलता नहीं मिली है ।हम शैक्षणिक कार्य को विस्तार दे सुगम मार्ग प्रशस्त करने में समर्थ रहे हैं, जिसके लिए हम प्रधानतः जिम्मेदार थे किंतु संगठनात्मक आधुनिकीकरण के कुछ क्षेत्रों में हमें अभी भी कारगर कदम उठाने हैं। वस्तुतः उस दिशा में पहले ही कदम उठाया जा चुके हैं।

बदलते सामाजिक राजनीतिक परिदृश्य में विशेष ऐतिहासिक कालखंड में सांस्कृतिक विरासत की पहचान करने का फलदायी प्वाइंट कुछ स्थिर दार्शनिक अवधारणाओं को रखना अथवा विकासोन्मुखी दहलीज का निर्माण करना हो सकता है। इस कथन की आनुभाविक अवधारणा को संगत बनाने से पूर्व मुझे विषयांतर होने दें और आपके साथ मैं यह साझा करना चाहूंगा कि 7 मई कोअंग्रेजी के दार्शनिक डैविड ह्यूम का जन्मदिन है। उनका जन्म 1711 में हुआ था ।वे अपने महत्वपूर्ण प्रकाशन ट्रीटीज ऑन ह्यूमन नेचर के लिए जाने जाते हैं और अकस्मात तर्क करने के अपने आनुभविक दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध हैं। आज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम की समाप्ति के पश्चात हम 9 मई 2018 को रविंद्र नाथ टैगोर की 158वीं जयंती मनाएंगे। वैश्विक सभ्यता के स्पेक्ट्रम के संदर्भ में इस युगदृष्टा ने मानवीय उत्कृष्टता और कौशल को लाभदायक ढंग से संश्लेषित किया है ।बंगाल की एशियाटिक सोसायटी की 150वीं वर्षगांठ पर जयंती समारोह के आयोजन के अवसर पर 15 जनवरी 1934 को एशियाटिक सोसायटी द्वारा उन्हें विशेष मानद सदस्य की उपाधि से विभूषित किया गया।

इन दोनों को एक साथ रखने का मेरा प्रयोजन मुझे इस बात के लिए रोमांचित करता है कि बुनियादी मानवीय मूल्यों का पता चले, नवीन अवधारणाओं की सामूहिक अभिव्यक्ति हो और संगत तर्कों को बल मिले, जिससे कि रचनात्मक यात्रा की दिशा में मानव मस्तिष्क को लगाया जा सके।

एशियाटिक सोसायटी अपने शोधकर्ताओं को नया शोध करने के लिए प्रेरित करने और शोध का शिक्षा जगत तथा जनता तक प्रसार करने के लिए ज्ञान विकास केंद्र के रूप में अनवरत प्रयासरत है ।एशियाटिक सोसायटी के संस्थापक सर विलियम जॉन्स ने 1784 में अपने पहले प्रवचन में व्यापक शैक्षणिक क्षेत्र की रूपरेखा निर्धारित की थी और तब से एशियाटिक सोसायटी उस समृद्ध विरासत को संजोकर रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विगत 1 वर्ष के दौरान आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रमों पर संक्षेप में प्रकाश डालता हूं। विविध कार्यक्रमों की स्पष्ट संबद्धता को देखकर आप संभवतः सक्षम हो सकेंगे क्योंकि इन कार्यक्रमों में सारगर्भित ढंग से कार्यात्मक निरंतरता है।

हमने विषयगत महत्व के मुद्दों पर लगभग 24 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं तथा लगभग 30 अक्षय निधि व्याख्यान और विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किए थे। इस एकत्रीकरण में विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी व्यक्तियों, सामाजिक दृष्टि तथा लब्धप्रतिष्ठित शिक्षाविदों के योगदान पर विचार-विमर्श आयोजित किए गए। उदाहरण के रूप में ,संस्कृत के विद्वान के के हैंडिक़ से लेकर असीमा चटर्जी अथवा समरेंद्र नाथ जैसे वैज्ञानिक ,महान चिकित्सक डॉक्टर बिधान चंद्र रॉय से लेकर प्रसिद्ध भाषाविद आचार्य सुनील कुमार चटर्जी, शिक्षाशास्त्री एवं समाज सुधारक बेगम रोकेया से लेकर सामाजिक- धार्मिक उपदेशक ठाकुर पंचानन वर्मा का हमारे शैक्षणिक कार्यक्रमों में योगदान रहा। इसी तरह, हमने पश्चिम बंगाल में जनजातीय जीवन से लेकर शास्त्रीय ज्ञान केंद्र में नव्य न्याय अथवा संस्कृत के संवर्धन पर संगोष्ठी/ कार्यशाला का आयोजन किया। विचार- विमर्श के विषयों का विस्तार जहां एक ओर बौद्धधर्म, धर्मशास्त्र, लुप्त सरस्वती नदी ,चार्य गीतकोश तक था, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाजशास्त्र और भारतविद्या के अंतराफलक तथा स्टेम कोशिकाओं के नूतन अध्ययन पर भी केंद्रित था ।पूर्वोत्तर भारत की छठी अनुसूची की स्थिति और संभावनाओं पर महत्वपूर्ण गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया।

इस विचार- विमर्श में देश के विभिन्न भागों से लब्धप्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। अक्षयनिधि व्याख्यान में भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी का विशेष रूप से उल्लेख किया जा सकता है जिन्होंने 20 नवंबर 2017 को एशियाटिक सोसाइटी में पहला राजा राजेंद्रलाल मित्र स्मारक व्याख्यान दिया। उन्होंने डॉ राजा राजेंद्रलाल मित्र और एशियाटिक सोसाइटी में भारतविद्या अध्ययन थीम पर बातचीत की। इसी तरह, एशियाटिक सोसाइटी की 235 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 15 जनवरी 2018 को इस देश में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी वैज्ञानिकों में से एक डॉक्टर के कस्तूरीरंगन द्वारा दिए गए स्थापना दिवस व्याख्यान का भी उल्लेख किया जा सकता है। उन्होंने सामाजिक विकास पर भारत के अंतरिक्षीय प्रयास के प्रभाव के बारे में बातचीत की ।लोकमाता सिस्टर निवेदिता से लेकर पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध पेंटर तथा अपनी अंतर्दृष्टि से अंधता पर काबू पाने वाले विनोद बिहारी मुखोपाध्याय तक विभिन्न पहलुओं पर मूल्यवान व्याख्यान आयोजित किए गए हैं। असम के प्रसिद्ध विद्वान आनंदोरम बरुआ के योगदान की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर व्याख्यान के साथ- साथ इन शैक्षणिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त दो फिल्मों का भी प्रदर्शन किया गया। विभिन्न

महत्वपूर्ण विषयों पर पुस्तकालय कथा संग्रहालय में प्रदर्शनियों का नियमित रूप से आयोजन किया गया। अगस्त 2017 के अंतिम सप्ताह में विगत एवं वर्तमान: एशियाटिक सोसाइटी ,कोलकाता में मानव ज्ञानकोश विषय पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के सहयोग से एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

विभिन्न विषयों पर अंतरिक्ष अनुसंधान अध्येताओं और कुछ बाह्य अध्याताओं के सहयोग से हमने अनुसंधान परियोजनाओं का शुभारंभ किया। एक सरसरी नजर से आपको उन विषयों की संक्षिप्त जानकारी मिल सकेगी जिन पर अध्ययन किया जा रहा है ।इन विषयों में शास्त्रीय पाठ का अध्ययन ,मूल्यवान प्राचीन पांडुलिपियों का संपादन, बौद्धधर्म अध्ययन, दक्षिण एशियाई इतिहास के चीनी स्रोत, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास में तकनीकी विज्ञान का प्राचीन भारतीय संदर्भ और इसी तरह के अन्य विषय शामिल हैं। अध्ययन के अंतर्गत मैक्सम्यूलर भारतविद्या की समीक्षा से लेकर पूर्वोत्तर भारत में महिला सशक्तिकरण ,मालवा (मध्यप्रदेश)में प्रादेशिक अध्ययन से लेकर मटुआ (पश्चिम बंगाल) के सामुदायिक अध्ययन, आधुनिक बंगाली नाटक की भाषा- शैली से लेकर पूर्वोत्तर भारत की उत्कीर्ण छवियां, जंगलमहल के आदिवासियों से लेकर पूर्वोत्तर भारत की कुकी चिन के सामाजिक- भाषाशास्त्रीय अध्ययन, पश्चिम बंगाल के पारंपरिक गोड़िया नृत्य से लेकर मणिपुर के नृत्यगुरु विपिन सिंह द्वारा कल्पित नृत्य प्रकार के अध्ययन, रामायण और महाभारत में निरूपित अभिनय कला से लेकर मूल उपनिषदों में प्रतिबिंबित अभिनय कला, जाति भाषाशास्त्र से लेकर जाति पशुचिकित्सा के विषय समाविष्ट थे ।आधुनिक बंगाल का व्यापक इतिहास 1700 से 1950तक विषय पर महत्वपूर्ण सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत और विदेश के अभिनेताओं के सहयोग से इसे तीन खंडों में प्रकाशित किया जाएगा ।विश्व भारती के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य ने कार्यक्रम का प्रस्ताव किया और इस सम्मानजनक शैक्षणिक कार्यक्रम के समन्वय के लिए सेवा प्रदान की इस अवधि के दौरान कई सहयोगी कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए इन कार्यक्रमों में अल्लामा रूमी सोसायटी बांग्लादेश के सहयोग से सैयद अहमद हक बंगाल का रूम पर संगोष्ठी और दूसरी ओर प्रोफ़ेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता के सहयोग से संगोष्ठी आयोजित की गई ।कुछ महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न शैक्षणिक और पेशेवर निकायों के सहयोग से सहयोगी कार्यक्रमों को संचालित किया गया ।इन कार्यक्रमों में प्रसिद्ध इतालवी भाषाविद एल पी तेस्सीतोरी के सहयोग से गठित राजस्थानी प्रचारिणी सभा सम्मिलित है, जो एशियाटिक सोसाइटी से संबद्ध थे और जिन्होंने राजस्थान में भाषाओं पर कार्य किया। प्रसिद्ध इतिहासकार व राष्ट्रीय पुस्तकालय ,कोलकाता के पूर्व निदेशक स्वर्गीय प्रोफेसर असित दासगुप्ता के योगदान से गठित पश्चिम बंग इतिहास संसद इनमें शामिल है ।एशियाटिक सोसाइटी में पहली बार अनुसंधान अध्येताओं द्वारा एक विशिष्ट संगोष्ठी आयोजित की गई। उन्होंने एशियाटिक सोसाइटी में वर्तमान अनुसंधान :उभरते क्षेत्र थीम को चुना था ।प्रत्येक मासिक साधारण बैठक के दौरान महत्वपूर्ण व्याख्यानों का नियमित रूप से आयोजन किया गया ,जहां विज्ञान, कला और मानविकी जैसे विविध शैक्षणिक क्षेत्रों से संबद्ध लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों ने अपनी रुचि के संबंधित क्षेत्रों के विषयों पर व्याख्यान दिए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कई भारतीय और विदेशी व्यक्तियों का आगमन हुआ। उदाहरण के रूप में ,डॉक्टर महेश शर्मा ,माननीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार, डॉक्टर कसाबा बालोग, लोक प्रशासन राज्यमंत्री, विदेश एवं व्यापार मंत्री, हंगरी, प्रोफेसर अरविंद जामखेड़कर ,अध्यक्ष ,भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ,प्रोफ़ेसर माहफ़ूज़ा ख़ानम, अध्यक्ष, एशियाटिक सोसायटी, बांग्लादेश,ढाका ,प्रोफेसर एच एच रॉबिंसन, उत्तर अमेरिकी प्राचीन एवं शास्त्रीय अध्ययन संस्थान , जापान के डॉ क्योको निवा और इसी तरह के अन्य लोग शामिल थे।

उपर्युक्त के अतिरिक्त मूल्यवान पुस्तकों एवं पांडुलिपियों के डिजीटीकरण का कार्य भी किया गया। लोकल एरिया नेटवर्क सुविधा का भी शुभारंभ किया गया है ,जिससे कि सोसायटी का समस्त कार्यालय इंटरनेट सुविधाओं से जुड़ सके और पुस्तकालय ऑटोमेशन तथा डिजिटीकरण जैसे अन्य नेटवर्क आधारित कार्य हो सकें। सोसायटी के वेबसाइट को अद्यतित कर दिया गया है। सभी बैठकों की कार्यवाहियों के रिकॉर्डिंग सिस्टम में सुधार लाने के लिए नई ध्वनि प्रणाली को एशियाटिक सोसायटी के विद्यासागर हॉल में संस्थापित किया गया है। आंतरिक डिजीटी करण कार्य को सुदृढ़ बनाने के लिए एक बुक आई-4 स्केनर की खरीद की गई है ।मेटकॉफ़ हॉल में पाठक सेवा में सुधार किया जा रहा है। सोसायटी के सॉल्ट लेक भवन को पुनर्व्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

पुस्तकालय एवं संग्रहालय अनुभागों में पूरे विश्व के अध्येताओं को सेवा प्रदान करने के साथ-साथ मूल्यवान पुस्तकों ,प्रलेखों,पांडुलिपियों, पेंटिंगोेंं और इसी तरह की अन्य वस्तुओं के संरक्षण का भी कार्य किया जा रहा है।

सभी स्मारकों, जर्नलों, बुलेटिनों इत्यादि के नियमित प्रकाशन के साथ -साथ प्रकाशन विभाग ने दिल्ली और कोलकाता में पुस्तक मेले में सहभागिता भी की है। इस अनुभाग ने हाल ही में एशियाटिक सोसायटी परिसर में पुस्तक बाजार का आयोजन किया है जिससे अध्येताओं और जनता में अत्यधिक रुचि पैदा हो गई है।

3 अवसरों पर पिछले वर्ष के पुरस्कार प्राप्त करने वाले उन व्यक्तियों को उनके आवास पर अथवा जिन संस्थानों से वे संबद्ध थे, वहांपर उन्हें सम्मानित किया गया है जो वृद्धावस्था और स्वास्थ्य संबंधी कारणों से व्यक्तिगत रूप से नहीं आ पाए थे ।उदाहरण के रूप में, प्रसिद्ध जीवविज्ञानी डॉक्टर रतनलाल ब्रह्मचारी, जिनका हाल ही में निधन हो गया, को उनके आवास पर सम्मानित किया गया। डॉ कपिला वात्सायन तथा प्रोफेसर सुनीति कुमार पाठक को क्रमशः इंडिया इंटरनेशनल सेंटर ,नई दिल्ली और भाषा भवन, विश्व भारती ,शांति निकेतन में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मानित किया गया।

हिंदी प्रकोष्ठ ने नियमित रूप से कार्यक्रम आयोजित किए हैं ।इस प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी पखवाड़ा, हिंदी कार्यशाला और अन्य तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। सोसायटी ने विश्व पर्यावरण दिवस, स्वच्छ पखवाड़ा ,सतर्कता जागरूकता, एकता दिवस, सद्भावना दिवस ,अंतरराष्ट्रीय विरासत दिवस, आतंकरोधी दिवस और इसी तरह के अन्य महत्वपूर्ण अवसरों को मनाया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संगठन के कतिपय नेमी मामलों को निपटाने के लिए स्थाई वित्त समिति की

बैठक आयोजित की गई ।सुरक्षा विभाग अधिक सतर्क रहा है तथा प्रशासन और लेखा अनुभागों ने अपनी नियमित मॉनिटरिंग प्रणाली में सुधार लाया है।

निष्कर्षतः मैं इस वार्षिक उद्‌बोधन में इस बात पर बल देना चाहूंगा कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान एशियाटिक सोसायटी अपेक्षित निष्पादन देने में सफल रही है तथा आने वाले महीनों में बहुविध शैक्षणिक कार्यक्रमों को संपन्न करने के लिए सक्षम हो गई है। तथापि ,सोसायटी के सदस्यों से प्राप्त अधिदेश के आधार पर नई परिषद भावी कार्य की नीति को तय करेगी। इन सभी कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन में सोसायटी के कर्मचारियों ने हमेशा पूर्णत सहयोग प्रदान किया है ।अंत में मैं यह कहना चाहूंगा कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और विशेष रूप से माननीय संस्कृति मंत्री डॉ महेश शर्मा ने पूर्णतः नैतिक और सकारात्मक सहयोग प्रदान किया है जिससे एशियाटिक सोसायटी की शानदार छवि को कायम रखने और राष्ट्र के सामने इसे रखने मे सफलता मिली है ।एक बार मैं पुनः एशियाटिक सोसाइटी की वार्षिक साधारण बैठक में आप सभी को धन्यवाद देता हूं। नमस्कार ,नमस्ते...

1 मई 2018
कोलकाता

सत्यव्रत चक्रवर्ती
महासचिव

4.

एशियाटिक सोसाइटी की परिषद

(2016-2018)

अध्यक्षः

प्रोफेसर ईशा मुहम्मद

उपाध्यक्षः

प्रोफेसर अपराजिता बासु
प्रोफेसर आलोककांति भौमिक
प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती
प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक

महासचिवः

डॉ.सत्यव्रत चक्रवर्ती

कोषाध्यक्षः

प्रोफेसर सुजीत कुमार दास

मानव विज्ञान सचिवः

प्रोफेसर रंजना राय

जीवविज्ञान सचिवः

प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल

इतिहास एवं पुरातत्वविज्ञान सचिवः

प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय

पुस्तकालय सचिवः

प्रोफेसर विप्लव चक्रवर्ती

चिकित्साविज्ञान सचिवः

डॉ. सुबीर कुमार दत्त

भाषाशास्त्रीय सचिवः

श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य

भौतिक विज्ञान सचिवः

प्रोफेसर राजकुमार रॉय चौधरी

प्रकाशन सचिवः

डॉ. रामकृष्ण चटर्जी

संयुक्त भाषाशास्त्रीय सचिवः

डॉ. एम. फिरोज़

सदस्यः

प्रोफेसर कृष्णपद मजुमदार

प्रोफ़ेसर नवनारायण बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर शाहनाज़ नवी

प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय

भारत सरकार के प्रतिनिधिः

संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

महानिदेशक,राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद,
कोलकाता

सचिव एवं क्यूरेटर,
विक्टोरिया मेमोरियल हॉल,
कोलकाता

निदेशक,
पूर्वी आंचलिक सांस्कृतिक केंद्र,
कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधिः

लोक शिक्षा निदेशक (डीपीआई),
उच्चतर शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिः

प्रोफ़ेसर प्रदीप भट्टाचार्य

□

5.

योजना बोर्ड एवं स्थायी वित्त समिति

योजना बोर्ड

[एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम 1984 की धारा 8(1) के अंतर्गत गठित]

1. *सचिव,संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार*
   अध्यक्ष
2. *अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार,संस्कृति मंत्रालय,भारत सरकार*
   सदस्य
3. महानिदेशक,राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद-कोलकाता
   सदस्य
4. महानिदेशक,राजा राममोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान,कोलकाता
   सदस्य
5. सचिव एवं क्यूरेटर,विक्टोरिया मेमोरियल हॉल,कोलकाता
   सदस्य
6. प्रधान सचिव,उच्चतर शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
   सदस्य
7. अध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   सदस्य
8. महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   संयोजक

स्थायी वित्त समिति

[विनियम 4क(1) के अनुसार गठित]

1. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
अध्यक्ष

2. निदेशक, भारतीय संग्रहालय,कोलकाता
सदस्य

3.निदेशक,मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान,कोलकाता
सदस्य

4.लोक शिक्षा निदेशक (डीपीआई),उच्चतर शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
सदस्य

5.डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,*महासचिव*,एशियाटिक सोसाइटी
सदस्य

6.प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक,*उपाध्यक्ष*,एशियाटिक सोसाइटी
सदस्य

7.प्रोफेसर सुजीत कुमार दास,*कोषाध्यक्ष*,एशियाटिक सोसाइटी
सदस्य

6.

समिति एवं उप समिति

पुस्तकालय समिति

[उपविधि V के अनुसार गठित]

1.प्रोफेसर ईशा मुहम्मद
अध्यक्ष

2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती
महासचिव

3. प्रोफेसर सुजीत कुमार दास
कोषाध्यक्ष

4. प्रोफ़ेसर विप्लव चक्रवर्ती
पुस्तकालय सचिव

5. प्रोफ़ेसर रामकृष्ण चटर्जी
प्रकाशन सचिव

6.श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य
भाषाशास्त्रीय सचिव

7. डॉ. एम. फिरोज़
संयुक्त भाषाशास्त्रीय सचिव

8.प्रोफ़ेसर अशोक कांति सान्याल
जीवविज्ञान सचिव

9. प्रोफेसर राजकुमार रॉय चौधरी
भौतिकविज्ञान सचिव

10. डॉ. सुबीर कुमार दत्त
चिकित्साविज्ञान सचिव

11. **प्रोफ़ेसर अरुण बंद्योपाध्याय**
इतिहास एवं पुरातत्व सचिव

12. **प्रोफ़ेसर रंजना राय**
मानवविज्ञान सचिव

13. **प्रोफ़ेसर कृष्णपद मजुमदार**

14. **प्रोफेसर सर्वीद्रनाथ भट्टाचार्य**

15. **प्रोफ़ेसर सुबुद्धिचरण गोस्वामी**

प्रकाशन समिति
[उपविधि XXXVII के अनुसार गठित]
1.**प्रोफेसर ईशा मुहम्मद**
अध्यक्ष

2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
महासचिव

3. **प्रोफेसर सुजीत कुमार दास**
कोषाध्यक्ष

4.**प्रोफ़ेसर रामकृष्ण चटर्जी**
प्रकाशन सचिव

5.**श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य**
भाषाशास्त्रीय सचिव

6. **डॉ. एम. फिरोज़**
संयुक्त भाषाशास्त्रीय सचिव
7.**प्रोफ़ेसर अरुण बंद्योपाध्याय**
इतिहास एवं पुरातत्व सचिव

8. **प्रोफ़ेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक**
उपाध्यक्ष

9.**प्रोफ़ेसर सुभाषरंजन चक्रवर्ती**
उपाध्यक्ष

10.**प्रोफ़ेसर आलोक कांति भौमिक**
उपाध्यक्ष

11.**प्रोफ़ेसर अपराजिता बासु**
उपाध्यक्ष

12. **प्रोफ़ेसर रंजना राय**
मानवविज्ञान सचिव

13. **प्रोफ़ेसर दिलीप बासु**
14. **प्रोफ़ेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय**
15.**प्रोफ़ेसर नवनारायण बंद्योपाध्याय**

बिब्लियोथेका इंडिका समिति

[उपविधि XXXVIII के अनुसार गठित]

1.**प्रोफेसर ईशा मुहम्मद**
अध्यक्ष

2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
महासचिव

3. **प्रोफेसर सुजीत कुमार दास**
कोषाध्यक्ष

4.**प्रोफ़ेसर रामकृष्ण चटर्जी**
प्रकाशन सचिव

5.**श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य**
भाषाशास्त्रीय सचिव

6. डॉ. शहनाज़ नवी

7. डॉ. एम. फिरोज़
संयुक्त भाषाशास्त्रीय सचिव

8. प्रोफ़ेसर बदीउर्रहमान
9. प्रोफ़ेसर मुशर्रफ़ हुसैन
10. प्रोफ़ेसर बेला भट्टाचार्य
11. प्रोफ़ेसर उमा चट्टोपाध्याय
12. प्रोफ़ेसर अमित कुमार भट्टाचार्य
13. प्रोफ़ेसर नवनारायण बंद्योपाध्याय

शैक्षणिक समिति:

1.प्रोफेसर ईशा मुहम्मद
अध्यक्ष

2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती
महासचिव

3. प्रोफेसर सुजीत कुमार दास
कोषाध्यक्ष

4. प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रामाणिक
उपाध्यक्ष

5.प्रोफ़ेसर सुभाषरंजन चक्रवर्ती
उपाध्यक्ष
6. प्रोफ़ेसर आलोक कांति भौमिक
उपाध्यक्ष

7. प्रोफ़ेसर रामकृष्ण चटर्जी
प्रकाशन सचिव

8.श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य
भाषाशास्त्रीय सचिव

9.**प्रोफ़ेसर अशोक कांति सान्याल**
जीवविज्ञान सचिव

10. **प्रोफेसर राजकुमार रॉय चौधरी**
भौतिकविज्ञान सचिव

11. **प्रोफ़ेसर अरुण बंद्योपाध्याय**
इतिहास एवं पुरातत्व सचिव

12.**डॉ. सुबीर कुमार दत्त**
चिकित्साविज्ञान सचिव

13. **प्रोफ़ेसर रंजना राय**
मानवविज्ञान सचिव

14. **प्रोफेसर पल्लव सेनगुप्ता**
15. **प्रोफेसर आतिस दासगुप्ता**
16. **प्रोफेसर अमिता चक्रवर्ती**
17. **प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य**

18.**डॉ.एम फ़िरोज़**
संयुक्त भाषाशास्त्रीय सचिव

19.**प्रोफ़ेसर मृणालकांति गंगोपाध्याय**

पांडुलिपि एवं कला क्रय समिति

1.**प्रोफेसर ईशा मुहम्मद**
अध्यक्ष

2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती**
महासचिव

3. **प्रोफेसर सुजीत कुमार दास**
कोषाध्यक्ष

4.प्रोफ़ेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय

5.प्रोफ़ेसर सुमन कुमार पाल
प्राचार्य, गवर्नमेंट आर्ट कॉलेज, कोलकाता

6.प्रोफ़ेसर अजय घोष

7.प्रोफेसर प्रकाश दास

8.प्रोफेसर सुबुद्धिचरण गोस्वामी

तैलचित्र जीर्णोद्धार हेतु विशेषज्ञ समिति
1.प्रोफेसर ईशा मुहम्मद
अध्यक्ष

2. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती
महासचिव

3. प्रोफेसर सुजीत कुमार दास
कोषाध्यक्ष

4.प्रोफ़ेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय

5.प्रोफ़ेसर सुमन कुमार पाल
प्राचार्य, गवर्नमेंट आर्ट कॉलेज, कोलकाता

6.प्रोफ़ेसर अजय घोष

7.प्रोफेसर प्रकाश दास

8.प्रोफ़ेसर प्रशांत कोली

9.श्रीमती शांति माझी

विस्तार समिति

1. डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती
महासचिव

2. प्रोफेसर सुजीत कुमार दास
कोषाध्यक्ष

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित बैठकों के माध्यम से सोसाइटी का कार्य संचालित किया गया –

- **परिषद की बैठकें** 10(दस)
- **मासिक सामान्य बैठक** 10(दस)
- **पुस्तकालय समिति की बैठकें** 11(ग्यारह)
- **प्रकाशन समिति की बैठकें** 10(दस)
- **शैक्षणिक समिति की बैठकें** 11(ग्यारह)
- **बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक** शून्य
- **स्थायी वित्त समिति की बैठक** 01(एक)

7.

वर्ष 2017 के पदक, बिल्ला (प्लॉक) तथा वक्तृता पुरस्कार पाने वालों की सूची

इंदिरा गांधी स्वर्ण प्लॉक:

डॉ. एम हामिद अंसारी, भारत के माननीय पूर्व उप राष्ट्रपति को अंत:सांस्कृतिक सहयोग एवं मानव प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

रवीन्द्रनाथ टैगोर जन्मशताब्दी प्लॉक:

प्रोफेसर सव्यसाची भट्टाचार्य,विश्वभारती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति को मानव संस्कृति के क्षेत्र में योगदान संबंधी उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार के लिए चुना गया।

हेमचंद्र रायचौधरी जन्मशताब्दी स्वर्णपदक:

प्रोफेसर कुणाल चक्रवर्ती,प्रोफ़ेसर, प्राचीन भारतीय इतिहास, इतिहास अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को भारतीय इतिहास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

आर पी चंद्र शताब्दी पदक:

प्रोफ़ेसर एन सुब्बा रेड्डी,पूर्व प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान, मद्रास विश्वविद्यालय को मानवविज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

प्रोफेसर सुकुमार सेन स्मारक स्वर्ण पदक:

प्रोफेसर फ्रांस भट्टाचार्य,बंगाली भाषा एवं साहित्य की सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर, इन्स्टीट्यूट नात्सियोनाल दे लाँगे ए सिविलिसासियों ओरियाँतालेस, पेरिस कोशैक्षणिक क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर स्वर्णप्लॉक:

प्रोफ़ेसर मृणाल मिरी,पूर्व निदेशक, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ एडवान्स्ड स्टडीज़, शिमला को समकालीन सामाजिक कार्यकलापों के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

□

डॉ. विमलाचरण विधि स्वर्ण पदक

प्रोफ़ेसर तामो मिबांग,कुलपति, राजीन गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश को के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

दुर्गाप्रसाद खेतान स्मारक स्वर्ण पदक

प्रोफ़ेसर गोवर्धन मेहता, एफ़एनए, एफ़आरएस, विश्वविद्यालय के लब्धप्रतिष्ठित प्रोफ़ेसर तथा डॉ. कलाम अंजी रेड्डी चेयर, स्कूल ऑफ़ केमिस्ट्री, हैदराबाद विश्वविद्यालय को विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

सर यदुनाथ सरकार स्वर्ण पदक

प्रोफ़ेसर रमाकांत चक्रवर्ती,पूर्व विभागाध्यक्ष,इतिहास,बर्दवान विश्वविद्यालय व एशियाटिक सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष को इतिहास एवं धर्म के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

डॉ. प्रभाती मुखर्जी स्मारक स्वर्ण पदक

श्रीमती शबाना आज़मी, प्रसिद्ध फ़िल्म हस्ती को प्राचीन काल से लेकर अब तक महिला समस्या के प्रति उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

रणधीर रॉय स्मारक स्वर्ण पदक

प्रोफ़ेसर शिशिरकाना धर चौधरी,प्रसिद्ध वॉयलिन वादक को वाद्य संगीत के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

इंदिरा गांधी स्मारक व्याख्यानः

प्रोफेसर सुकांत चौधरी, सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर, अंग्रेज़ी विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय को सांस्कृतिक बहुलवाद के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

डॉ. पंचानन मित्रा स्मारक व्याख्यानः

प्रोफ़ेसर आर शिव प्रसाद रामभाटला,**प्रोफ़ेसर, मानवविज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय को** मानवविज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर व्याख्यानः

प्रोफेसर जाँ द्रेज़ को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

डॉ. सत्येंद्रनाथ सेन स्मारक व्याख्यानः

श्री चंद्रशेखर घोष, सीईओ, बंधन बैंक को समाजशास्त्र के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी स्मारक व्याख्यानः

प्रोफेसर पेरी भास्कर राव, सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर, टोकियो यूनिवर्सिटी ऑफ़ फ़ॉरेन स्टडीज़ को भाषाविज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

आभा माइती स्मारक व्याख्यानः

डॉ. सुभाष चंद्र बंद्योपाध्याय, पूर्व मंत्री, कला एवं वाणिज्य, कलकत्ता विश्वविद्यालय को धर्मनिरपेक्षता के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

डॉ. विमानबिहारी स्मारक व्याख्यानः

प्रोफ़ेसर सुवीर जायसवाल, इतिहास के प्रोफ़ेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय को इतिहास के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया

जी एस आई अध्यर्धशतवर्षीय स्मारक व्याख्यान

डॉ. अनुपेंदु गुप्ता,पूर्व उप महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कोलकाता को पृथ्वीविज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के कारण पुरस्कार के लिए चुना गया।

मानद अध्येता

डॉ. कैलाश चंद्र, निदेशक, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण को वर्ष 2017 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के मानद अध्येता के रूप में चुना गया है।

8.

अप्रैल 2017 मार्च-2018 के दौरान परिषद में अपनाए गए प्रमुख संकल्प और रिपोर्ट की गई मदें

25 अप्रैल 2017 की बैठक

- महासचिव ने प्रस्ताव किया कि एक संगठनात्मक चार्ट हो, जिसमें विभिन्न विभागों में स्टाफ की तैनाती और संबंधित दायित्व को दर्शाया गया हो । साथ ही, सरकारी दस्तावेजों और रिकॉर्ड के रखरखाव, फाइलों इत्यादि को एक स्थान से दूसरे स्थान को भेजने के कुछ मानदंड हों । महासचिव के कंधे पर बढ़ते कार्यभार के मद्देनजर प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों का कुछ प्रत्यायोजन भी आवश्यक है। इस संबंध में सलाहकार (निदेशक), वित्त नियंत्रक तथा प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी) परिषद के विचारार्थ तत्काल एक प्रारूप तैयार करें।

- सोसायटी के विभिन्न विभागों में प्रयुक्त मदों के निपटान के लिए एक वीडिंग समिति के गठन का प्रोफेसर सुमन कुमार प्रमाणिक ने सुझाव दिया ।उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि कोषाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक समिति गठित हो जिसमें सलाहकार (निदेशक) तथा 2/3 जिम्मेदार अधिकारी हों। स्वच्छ भारत कार्यक्रम उसका अंग है, इसलिए यदि संभव हो तो स्वच्छ भारत कार्यक्रम को भी इसमें शामिल किया जाए। प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती ने प्रोफेसर प्रामाणिक के प्रस्ताव का समर्थन किया और यह अनुरोध किया कि पुराने विरासत भवन की सीढ़ियों के जीर्णोद्धार का कार्य तत्काल आरंभ किया जाए।
- प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती ने सुझाव दिया कि विरासत भवन में अवैध निर्माण / उसको बहुत अधिक नुकसान पहुंचाने के संबंध में मैसर्स पेपिंग रेस्तरां और मैसर्स ग्रेट ईस्टर्न होटल के मामले को परिषद निपटाए।

26 मई 2017 की बैठक

- पूर्ववर्ती परिषद के निर्णय के अनुसार प्रोफेसर नवनारायण भट्टाचार्य यह जानना चाहते थे कि प्राधिकारी ने पार्क स्ट्रीट मेट्रो स्टेशन का नाम एशियाटिक सोसायटी मेट्रो स्टेशन करने के संबंध में माननीय रेलवे मंत्री को कोई पत्र लिखा है । उन्होंने अनुरोध किया कि प्राधिकारी माननीय रेलवे मंत्री को तत्काल पत्र लिखें और उसकी प्रतिलिपि प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य को भेजें ।परिषद ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

- डॉ रामकृष्ण चटर्जी, प्रकाशन सचिव ने सूचित किया की विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने हाल ही में पूरे देश में कैरियर उन्नयन स्कीम और अध्यापकों की भर्ती तथा विश्वविद्यालयों के अन्य शैक्षणिक स्टाफ के लिए हमारे जर्नल को मान्यता प्रदान की है । डॉक्टर चटर्जी ने यह भी सूचित किया के जर्नल की आईएसएसएन संख्या, जर्नल में लेखों के प्रकाशन से संबंधित दिशा-निर्देश और जनरल से संबंधित अन्य संगत सूचना के साथ नया वेब पेज बनाकर वेबसाइट पर डाल दिया गया है । बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि जर्नल के व्यापक सरकुलेशन और सोसायटी के अन्य शैक्षणिक कार्यकलापों के लिए हमारी वेबसाइट को यथाशीघ्र विकसित और उन्नत किया जाए ।

- परिषद ने यह नोट किया कि एशियाटिक सोसायटी के संबंध में संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त निकाय प्रकोष्ठ की निरीक्षण रिपोर्ट प्राप्त हो गई है और महासचिव को विस्तृत उत्तर भेजने के लिए प्राधिकृत किया। इस संबंध में महासचिव ने सूचित किया कि उन्होंने एक पत्र माननीय मंत्री महोदय, डॉ महेश शर्मा को भेजा है। महासचिव के उपर्युक्त पत्र के प्राप्त होने पर माननीय मंत्री महोदय के ओएसडी ने महासचिव से फोन पर संपर्क किया और सूचित किया कि माननीय मंत्री महोदय के सोसायटी की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए जून के प्रथम सप्ताह तक एशियाटिक सोसायटी पहुंचने की उम्मीद है। महासचिव ने यह भी सूचित किया कि उन्हें एशियाटिक सोसायटी कर्मचारी संघ के सचिव से एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसके साथ उपर्युक्त रिपोर्ट पर उनके प्रेक्षण हैं।

- परिषद ने नोट किया कि वित्त वर्ष 2017 -18 के लिए अंतिम समझौता ज्ञापन सोसायटी को 2 मई, 2017 को प्राप्त हुआ है । इस संबंध में महासचिव ने निगरानी समिति गठित करने का सुझाव दिया ताकि कार्यक्रमों की प्रत्येक महीने समीक्षा की जा सके और यह बैठक नियमित अंतराल से होगी ताकि इस बात पर नजर रखी जा सके कि व्यय हर तरह से उचित तरीके से किए गए हैं।इस समिति में महासचिव और कोषाध्यक्ष, सलाहकार(निदेशक) तथा वित्त नियंत्रक के अतिरिक्त पुस्तकालय एवं प्रकाशन सचिव तथा प्रोफेसर आलोककांति भौमिक, जिनके अधीन शैक्षणिक अनुभाग है, शामिल होंगे। वित्त नियंत्रक समिति के संयोजक होंगे।

- परिषद ने मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान (मकाएस) के सदस्य के रूप में सोसाइटी का प्रतिनिधित्व करने के लिए एशियाटिक सोसायटी के उपाध्यक्ष, प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती को नामित किया। इसकी सूचना संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अवर सचिव (ए एंड ए) को दी जानी तथा उसकी प्रतिलिपि मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान, साल्ट लेक, कोलकाता की निदेशक, डॉ श्रीराधा दत्ता को प्रेषित करना आवश्यक है।

- महासचिव ने सूचित किया के उन्हें सीपीडब्ल्यूडी का इस आशय का एक पत्र मिला है के वे नए भवन के शीर्ष भाग पर दो अतिरिक्त तल के निर्माण का कार्य शीघ्र करेंगे और 6 माह के भीतर इस कार्य को समाप्त कर देंगे ।इस संबंध में महासचिव ने सूचित किया कि सोसायटी के नए भवन के शीर्ष भाग पर दो अतिरिक्त तल के निर्माण के कार्य की प्रगति के संबंध में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ 24.5. 2017 को एक बैठक आयोजित की गई।परिषद ने इस मामले को नोट किया।

29 जून 2017 की बैठक

संविदा आधार पर अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड कार्य पर रखने के प्रस्ताव को परिषद ने सिद्धांततः स्वीकार कर लिया ।क्योंकि अतिरिक्त निधि उपलब्ध कराने की आवश्यकता है,अतः संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से तत्काल अनुमोदन प्राप्त किया जाए ।परिषद ने निर्णय किया कि परिषद की बैठकों में हुए विचार-विमर्श के आधार पर महासचिव द्वारा पहल की जाए और मंत्रालय से वित्तीय एवं प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

परिषद ने एशियाटिक सोसायटी के प्रथम भारतीय अध्यक्ष, राजा राजेंद्रलाल मित्र के नाम से अक्षय निधि व्याख्यान आरंभ करने के प्रस्ताव को सिद्धांततः स्वीकार कर लिया, किंतु समझौता ज्ञापन के शैक्षणिक कार्यकलाप शीर्ष के अंतर्गत योजना शीर्ष से 1000000 रुपए के अक्षय निधि उपलब्ध कराने के लिए सोसाइटी को मंत्रालय को लिखना चाहिए ।इस संबंध में इस व्याख्यान से संबंधित उपविधि भी तैयार की जाएगी ।प्रथम वर्ष के लिए भारत के वर्तमान अध्यक्ष, श्री प्रणव मुखर्जी से भारत के राष्ट्रपति का पद छोड़ने के पश्चात प्रथम राजा राजेंद्रलाल मित्र व्याख्यान के लिए संपर्क किया जा सकता है ।यह निर्णय श्री मुखर्जी के विभिन्न हैसियत से एशियाटिक सोसाइटी से लंबे समय तक जुड़े रहने के कारण किया जा सकता है।

- महासचिव ने सचिव(संस्कृति) के साथ 27.6 .2017 को हुई अपनी बैठक के परिणाम के बारे में बताया जो निम्नलिखित है :

अधोहस्ताक्षरी की सचिव ,संस्कृति मंत्रालय के साथ 27.6. 2017 को नई दिल्ली में पूर्वाहन में उनके कक्ष में बैठक हुई। यह बैठक वित्त वर्ष 2017- 18 के संबंध में समझौता ज्ञापन के अनुसार त्रैमासिक कार्यक्रम की प्रगति और खर्च की समीक्षा करने के लिए सचिव महोदय द्वारा बुलाई गई थी ।सचिव श्री एनके सिंहा ,आईएएस तथा संयुक्त सचिव श्री पंकज राग, आईएएस ने विगत 1 वर्ष के दौरान सोसायटी के शैक्षणिक निष्पादन की सराहना की। तथापि, श्री सिन्हा ने समग्र स्थापना के रखरखाव की तुलना में शैक्षणिक कार्यक्रमों पर हुए बेहिसाब खर्च का मुद्दा एशियाटिक सोसायटी ,कोलकाता के महासचिव के सामने उठाया। इस संबंध में उन्होंने कर्मचारी को दिए गए एम ए सी पी एस में संशोधन संबंधी मुद्दे का भी उल्लेख किया ।एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के महासचिव ने दलील दी कि परिषद इन दोनों मुद्दों को लेकर अत्यधिक चिंतित है ।परिषद

भविष्य में शैक्षणिक कार्यकलाप को विस्तार देने के लिए भरसक प्रयास करेगी, किंतु दूसरे मुद्दे के संबंध में परिषद कुछ हल ढूंढने का प्रयास कर रही है।

औपचारिक बैठक समाप्त होने के पश्चात महासचिव ने प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य ,सांसद (राज्यसभा)और एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, जो संयोग से श्री एन के सिन्हा, आईएएस के कक्ष में मौजूद थे ,की उपस्थिति में सचिव ,संस्कृत मंत्रालय के सामने उपर्युक्त बात को फिर से रखा ।प्रोफेसर भट्टाचार्य ने श्री सिन्हा को बताया कि उनकी मुलाकात माननीय संस्कृति मंत्री डॉ महेश शर्मा से हुई है और उन्होंने मंत्री महोदय को एक समिति गठित करने का सुझाव दिया है ,जिसके सदस्य सचिव, संस्कृति मंत्रालय, एशियाटिक सोसायटी के महासचिव और कर्मचारियों के प्रतिनिधि हों। श्री सिन्हा ने सूचित किया कि उन्हें पहले ही स्थानांतरण आदेश मिल चुका है और वे शीघ्र ही सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन नए कार्य का उत्तरदायित्व लेने जा रहे हैं।

उपर्युक्त के पश्चात एशियाटिक सोसायटी ,कोलकाता के महासचिव ने एशियाटिक सोसाइटी में प्रतिनियुक्ति पर वित्त नियंत्रक को रखने के लिए अनुमोदन देने से संबंधित लंबित मामले को शीघ्र निपटाने के संबंध में संयुक्त सचिव से मुलाकात की ।उनसे सूचना प्राप्त हुई कि एकीकृत वित्त विभाग(आईएफबी) ने कुछ प्रश्न उठाए हैं, जिनके बारे में स्पष्टीकरण के लिए सोसायटी को सूचित किया जाएगा ।संयुक्त सचिव ने एशियाटिक सोसायटी ,कोलकाता के महासचिव को एमएसीपीएस में शीघ्रातिशीघ्र संशोधन करने के लिए कहा ताकि एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारियों के लिए 7वें केंद्रीय वेतन आयोग को लागू किया जा सके। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि फिलहाल बकाया राशि की वसूली न की जाए, जिसके संबंध में बाद में मंत्रालय के संबंधित विभागों के साथ बातचीत की जा सकती है।

- परिषद ने वर्ष 2016--17 के एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के वार्षिक लेखे को अनुमोदित कर दिया और लेखापरीक्षा दल द्वारा लेखापरीक्षा कराए जाने के लिए व्यवस्था करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत कर दिया।

25 अगस्त 2017 की बैठक

- परिषद ने एशियाटिक सोसायटी के प्रतिनिधि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ,2018 की परिषद के लिए प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार) के बोर्ड के निदेशक, प्रोफेसर कुणाल घोष, पीएचडी ,डीएससी, एफ़एनए को सर्वसम्मति से नामित किया।
- महासचिव ने सूचित किया कि "विगत काल और वर्तमान काल : एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के खजाने " शीर्षकयुक्त प्रदर्शनी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में

सोसायटी द्वारा आयोजित की गई है, जिसका उद्घाटन 28 अगस्त, 2017 को होगा । 2 कार्मिकों अर्थात श्रीमती सुजाता मिश्रा ,सहायक पुस्तकाध्यक्ष एवं पुस्तकालय प्रभारी तथा श्रीमती केका अधिकारी (बनर्जी) को इस प्रयोजन से दौरे पर भेजा गया है और निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा महासचिव से इस अवसर पर उद्घाटन भाषण देने का अनुरोध किया गया है।

22 सितंबर 2017 की बैठक

- परिषद ने परियोजना प्रबंधन कंसल्टेंसी को जिम्मेदारी सौंपने के पश्चात साल्ट लेक भवन के उपयोग के लिए सोसाइटी में उपलब्ध कलात्मक सामग्री की प्रतिकृतियों के साथ कला और ऐतिहासिक धरोहर की स्थाई प्रदर्शनी लगाने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया और इस कार्य के पर्यवेक्षण के लिए एक समिति गठित की गई है ,जिसमें अध्यक्ष ,महासचिव, कोषाध्यक्ष ,प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती, डॉ रामकृष्ण चटर्जी, प्रोफेसर आलोक कांति भौमिक , वित्त नियंत्रक, पुस्तकाध्यक्ष और क्यूरेटर शामिल होंगे।

17 नवंबर 2017 की बैठक

- परिषद के कुछ सदस्यों ने 31 दिसंबर 2018 तक समझौता ज्ञापन को बढ़ाने की अनुमति देने पर आपत्ति जताई ।वर्ष 2018 को ध्यान में रखते हुए, जो भारत और भूटान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष है ,परिषद ने अंतिम विस्तार को अनुमोदित किया है ,जो 31 दिसंबर 2018 तक ही होगा ।परिषद ने परिषद की भावनाओं को विदेश मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय ,भारत सरकार को सूचित करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत किया।

महासचिव ने वर्ष 2017-2018 की परिषद के पदाधिकारियों और अन्य सदस्यों के निर्वाचन के लिए निर्वाचन समिति के सदस्यों के निम्नलिखित नाम पढ़कर सुनाए और परिषद ने निर्वाचन समिति के गठन को नोट कर लिया।

- संयुक्त सचिव, एशियाटिक सोसायटी के प्रभारी, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले एशियाटिक सोसाइटी की परिषद के सरकारी सदस्य।

- लोक शिक्षा निदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग ,पश्चिम बंगाल सरकार एवं पश्चिम बंगाल सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले एशियाटिक सोसाइटी की परिषद के सरकारी सदस्य ।

- सोसाइटीज के रजिस्ट्रार ,पश्चिम बंगाल सरकार ।

- महासचिव ने सूचित किया कि उन्हें सुश्री सुभाषिनी एन, उपसचिव, भूटान का 18 अक्टूबर 2017 का ई-मेल प्राप्त हुआ है, जिसे अवर सचिव, संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर, 2017 के पत्र फाइल संख्या 20-1/ 2015 ए एंड ए द्वारा अग्रेषित किया गया है, जिसमें संस्कृति मंत्रालय से अनुरोध किया गया है कि एशियाटिक सोसायटी के परामर्श से भूटान को उधार दी गई धर्मराज प्रतिमा के मामले में समझौता ज्ञापन को 31 दिसंबर, 2018 तक बढ़ा दिया जाए । इस बात का ई-मेल में उल्लेख किया गया था कि वर्ष 2018 भारत और भूटान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

25 जनवरी 2018 की बैठक

- परिषद ने वर्ष 2016-17 के एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के लेखों की परीक्षा से संबंधित निरीक्षण रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जो महानिदेशक(लेखा परीक्षा), केंद्रीय, कोलकाता के कार्यालय से प्राप्त हुई थी। महासचिव ने इसके लिए वित्त नियंत्रक को धन्यवाद ज्ञापित किया क्योंकि वर्तमान परिषद के कार्यकाल में लेखापरीक्षा द्वारा किसी तरह की प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई।

- महासचिव ने सूचित किया कि धर्मराज को 1 जनवरी, 2018 से 31 दिसंबर, 2018 तक उधार दिए जाने से संबंधित समझौता ज्ञापन के विस्तार के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई कर दी गई है। धर्मराज (जो इस समय भूटान में है) की बीमा का नवीकरण राष्ट्रीय बीमा प्रतिनिधियों, भूटान कंसुलेट जनरल के अधिकारियों और एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के अधिकारियों की उपस्थिति में 24.1. 2018 को किया गया ।भूटान कंसुलेट जनरल, कोलकाता के कार्यालय द्वारा नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को 378583 रुपए का चेक सौंपा गया है। बीमा की मूल प्रति 30 जनवरी, 2018 को सोमवार को प्रस्तुत की जाएगी। बीमा पॉलिसी प्राप्त करने के पश्चात उपर्युक्त प्रतिमा के संबंध में अस्थाई निर्यात परमिट भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के परामर्श से तैयार किया जाएगा।

26 फरवरी 2018 की बैठक

- महासचिव ने अपनी पूर्ववर्ती रिपोर्ट पर बल दिया कि माननीय संस्कृत मंत्री, डॉ महेश शर्मा ने इच्छा जताई कि एशियाटिक सोसायटी पूरे विश्व में अपनी छवि के प्रसार के लिए एक समारोह का आयोजन करे। इस संबंध में उन्होंने परिषद के सभी सदस्यों को इस समारोह के आयोजन के संबंध में लिखित रूप में अथवा फोन पर विशिष्ट प्रस्ताव भेजने के लिए कहा।परिषद ने इस मामले को नोट किया और यह निर्णय किया गया कि प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती , उपाध्यक्ष परिषद के कुछ सदस्यों के साथ प्रस्ताव का प्रारूप तैयार करेंगे और उसके आधार पर महासचिव एक बैठक बुलाएंगे , जिसमें महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, क्यूरेटर एवं सचिव, विक्टोरिया मेमोरियल

हॉल,महानिदेशक, भारतीय संग्रहालय, महानिदेशक, राजा राम मोहन रॉय पुस्तकालय प्रतिष्ठान को आमंत्रित करेंगे ताकि प्रस्ताव अंतिम रूप से तैयार किया जा सके जिसे संस्कृत मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय को प्रेषित किया जा सके।

- परिषद ने एशियाटिक सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी,अरुप्रातन बागची को प्रशासनिक अधिकारी के साथ एशिया के केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया ।इसकी सूचना संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार को तुरंत दी जाए।

- महासचिव ने सूचित किया कि 19-2-2018 को पांडुलिपि संसाधन केंद्र सलाहकार समिति की एक बैठक आयोजित की गई, जो पांडुलिपि संसाधन केंद्र, नई दिल्ली से प्राप्त पृथक निधि के सहयोग से 23. 12. 2015 से एशियाटिक सोसाइटी में काम कर रही थी ।प्रथम समझौता ज्ञापन पर 12. 09 .2014 को राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन और एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के बीच हस्ताक्षर किया गया। वित्त नियंत्रक को एक हस्ताक्षरकर्ता के रूप में बैंक परिचालन प्रणाली में शामिल किया जाना चाहिए। संविदा आधार पर नियुक्त किए गए चार कर्मचारियों (सर्वेक्षक दो, सूचीकार 1 और डाटा एंट्री ऑपरेटर 1) की नियुक्ति की अवधि को 1.10. 2017 से1 वर्ष बढ़ाने का सलाहकार समिति ने नियमानुसार निर्णय किया । श्री श्यामसुंदर भट्टाचार्य ने सुझाव दिया कि सी यू एम आर सी से एशियाटिक सोसाइटी में उनके द्वारा किए गए कार्य की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए। इस परियोजना के संयोजक और वरिष्ठ सूची कार, डॉक्टर जगतपति सरकार ने सूचित किया कि एन एम एम पूरे देश में पांडुलिपियों का राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार कर रहा है । परिषद ने इस मामले को नोट किया।

- कोषाध्यक्ष ने यह भी सूचित किया के एशियाटिक सोसायटी के पुराने विरासत भवन के नवीकरण के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ मिलकर पहल की गई है ।उन्होंने सूचित किया कि डॉक्टर जी माहेश्वरी, अधीक्षक पुरातत्वविद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, कोलकाता सर्किल, एशियाटिक सोसायटी के पदाधिकारियों के परामर्श से ऐसा करने के लिए सकारात्मक अनुक्रिया दी है। इस संबंध में प्रोफ़ेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती ने इस तथ्य की ओर संकेत किया कि एशियाटिक सोसायटी द्वारा जो भी नवीकरण कार्य किए जाएं, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की सलाह और अनुमोदन से किए जाएं। परिषद ने इस तथ्य को नोट किया।

28 मार्च 2018 की बैठक

- परिषद ने एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के उन कर्मचारियों के मामले में 13.12. 2015 की स्थिति के अनुसार छठे केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान के अनुरूप वेतन नियतन में संशोधन के लिए जारी आदेश को अनुमोदित कर दिया, जिनके वेतन का निर्धारण प्रारंभ में गलत कर दिया गया था । छठे केंद्रीय वेतन आयोग के अनुसार वेतन निर्धारण संबंधी सभी विसंगतियों का समाधान 13.12. 2015 को देय एमएसीपी को ध्यान में रखते हुए कर दिया गया।

- परिषद ने एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के उन सेवारत कर्मचारियों के संबंध में एमएसीपी के अंतर्गत वित्तीय अपग्रेडेशन दिए जाने को अनुमोदित कर दिया, जो मार्च 2018 तक पे रोल पर थे और जिनके संबंध में छठे केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान में 13 मार्च, 2012 से 31.12. 2015 तक की अवधि के दौरान एमएससी देय हो गया था।

- परिषद ने एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता में सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान को लागू करने के आदेश को अनुमोदित कर दिया । केंद्रीय वेतन आयोग के रिप्लेसमेंट स्केल का लाभ सोसायटी के कर्मचारियों को केंद्रीय सिविल सेवा(संशोधित वेतन) नियम, 2016 की अनुसूची के भाग-क में अंतर्विष्ट वेतन मैट्रिक्स के अनुसार संस्कृति मंत्रालय का अनुमोदन दिनांक 15. 3. 2018 के समझौता ज्ञापन पत्र संख्या फाइल संख्या 20-5 /2015 के द्वारा प्राप्त होने के पश्चात दिया गया ताकि मार्च 2018 के वेतन से और उसके आगे वेतन का भुगतान सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान के अनुसार किया जा सके और सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के लागू होने पर 1 जनवरी, 2016 से 28 फरवरी, 2018 तक की अवधि के वेतन और भत्तों की बकाया राशि का संबंधित बजट शीर्ष के अंतर्गत निधि की उपलब्धता पर भुगतान किया जा सके।

परिषद ने एशियाटिक सोसायटी कोलकाता के उन सेवारत कर्मचारियों के संबंध में एम ए सी पी के अंतर्गत वित्तीय अपग्रेडेशन प्रदान करने को अनुमोदित कर दिया जो मार्च, 2018 में पेरोल पर हैं और जिनके मामले में सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान में 1 जनवरी, 2016 से 1 मार्च, 2018 तक की अवधि के दौरान एम ए सी पी देय हो गया है ताकि मार्च, 2018 के वेतन को जारी करते समय एम ए सी पी के कारण उत्पन्न उन्नत वेतन को समाविष्ट किया जा सके ।

परिषद ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और सोसायटी के महासचिव तथा कोषाध्यक्ष के द्वारा किए गए उल्लेखनीय प्रयास की सराहना की।

इस अवधि में दिए गए प्रशासनिक सहयोग के लिए परिषद ने लंबे समय से लंबित मामलों के निपटान के लिए वित्त नियंत्रक और सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी तथा सोसायटी के सभी कर्मचारियों के सहयोग की भी सराहना की।

परिषद ने सैद्धांतिक रूप से प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया और एक समिति का गठन किया, जिसमें सदस्य के रूप में कोषाध्यक्ष, डॉ सुबीर कुमार दत्ता, वित्त नियंत्रक, प्रशासनिक अधिकारी और महासचिव द्वारा नामित सोसायटी के दो कर्मचारी शामिल होंगे ताकि एशियाटिक सोसायटी के कर्मचारियों को कैशलेस अंतरंग चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

इस प्रयोजन से तथा इस स्कीम के सुगम कार्यान्वयन के लिए सीजीएचएस के पैनल के अस्पताल से बातचीत करने के लिए परिषद ने मानक प्रचालन कार्यविधि (एसओपी) तैयार करने के लिए वित्त नियंत्रक तथा प्रशासन अधिकारी को प्राधिकृत किया।

9.

कार्यकलाप : प्रकाशन अनुभाग

अपनी स्थापना के 4 वर्ष के पश्चात ही सोसायटी ने *एशियाटिक रिसर्चेज* के प्रकाशन के साथ ही 1788 में अपना प्रकाशन प्रारंभ किया।सर विलियम जोन्स के शब्दों में "यह पुष्पित होगी यदि प्रकृतिवादी, रसायनशास्त्री, पुरातत्वविद, भाषाशास्त्री और वैज्ञानिक एशिया के विभिन्न भागों में अपने परीक्षणों को लिखित रूप दें और एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता को भेज दें। यह मृतप्राय होगी यदि ये सूचनाएं रुक-रुककर लंबे अंतराल से प्राप्त हों और यह समाप्त हो जाएगी यदि वे पूर्णतः रुक जाएं।" सोसायटी अपने विगत के वैभव और शैक्षणिक मानदंड को कायम रखने के लिए मौलिक और उल्लेखनीय पुस्तकें तथा लेख प्रकाशित करती रही है । सोसायटी देश में प्रथम प्रकाशन गृह होने की वजह से ज्ञान की दुनिया के लिए ख्यात है।

दो सांविधिक समितियाँ,यथा - प्रकाशन समिति एवं एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशन हेतु लेखों, संसूचनाओं, पुस्तक-समीक्षाओं की तथा विभिन्न शृंखलाओं अर्थात् बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, संगोष्ठी एवं सार्वजनिक व्याख्यान, सूची एवं ग्रंथसूची कार्य आदि में प्रकाशन हेतु पांडलिपियों की संस्तुति करती हैं।

एशियाटिक सोसाइटी पुस्तकें, पत्रिकाएँ एवं कुछ पुस्तिकाएँ प्रकाशित करती है। समीक्षाधीन वर्ष में निधि की अनुपलब्धता के कारण प्रकाशन अनुभाग का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हुआ है एवं इसके फलस्वरूप, इस वर्ष अर्थात् अप्रैल 2013 - मार्च 2014 में, केवल पुस्तक के आठ शीर्षक, हमारे जर्नल के एक संयुक्त अंक सहित तीन अंक, मासिक बुलेटिन के दस अंक एवं सात पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गई हैं।

एशियाटिक सोसाइटी निधि की अनुपलब्धता के कारण नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2014 एवं अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला, 2014 के अतिरिक्त कोई भी पुस्तक मेले में भाग नहीं ले पाया एवं परिणामस्वरूप बिक्री प्राप्तियाँ भी प्रभावित हुई हैं। लेकिन प्रकाशन विभाग ने बिक्री प्राप्तियों को वर्द्धित करने के उद्देश्य से विभिन्न पत्रिकाओं में उनकी ई-मेल सुविधाओं का उपयोग करते हुए कुछ विज्ञापनों के प्रकाशन के माध्यम से, पुस्तक-विक्रेताओं, शैक्षिक संस्थाओं, पुस्तकालयों, आदि से संपर्क करने की पूरी कोशिश की थी (हमें नवंबर 2012 से निधि की अनुपलब्धता की वजह से विज्ञापन बंद करना पड़ा था)।

यह प्रभाग निधि की कमी करने के कारण अपने प्रकाशन कार्य के 225 साल की गरिमा को एक उचित तरीके से बनाए रखने में असफल रहा।

दो सांविधिक समितियां अर्थात प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति एशियाटिक सोसायटी के जर्नल में प्रकाशन के लिए लेख, संसूचना और पुस्तक समीक्षाओं तथा विभिन्न शृंखलाओं में अर्थात बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, संगोष्ठी और अक्षय निधि व्याख्यान,सूची एवं ग्रंथसूची इत्यादि रूप में तथा विविध प्रकाशनों के अंतर्गत कुछ का प्रकाशन करती है।

एशियाटिक सोसायटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाएं प्रकाशित करने के अतिरिक्त उपर्युक्त शृंखलाओं में पुस्तकों का प्रकाशन करती है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकों के 14 शीर्षक, एशियाटिक सोसायटी के जर्नल के चार अंक, मासिक बुलेटिन के 10 अंक और पुस्तिकाओं सहित प्रकाशनों के चार अंक प्रकाशित किए गए हैं।

एशियाटिक सोसायटी ने दिल्ली पुस्तक मेला, 2017, अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला, 2018 और नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला ,2018 में विक्रय संबंधी आय बढ़ाने के लिए सहभागिता की । सोसायटी ने 19 से 23 मार्च, 2018 तक की अवधि में पुस्तक बाजार का भी आयोजन किया । अपनी आधुनिक संचार सुविधाओं का प्रयोग करते हुए प्रकाशन अनुभाग ने पुस्तक विक्रेताओं, शैक्षणिक संस्थानों, पुस्तकालयों इत्यादि से संपर्क करने के लिए भरपूर कोशिश की है। आधुनिक भुगतान प्रणाली की शुरुआत कर तथा सोशल मीडिया के माध्यम से अपने प्रकाशन को बढ़ावा देकर सहज वातावरण तैयार करने में सतत प्रयास किया गया है।

2017- 18 के दौरान प्रकाशन

- **पुस्तकें**

i. बंगाल नवाब्स, अंग्रेजी में अनुवाद : यदुनाथ सरकार [पुनर्मुद्रण]

ii.इंट्रोड्यूसिंग महायान बुद्धिज्म, संपादन : विश्वनाथ बनर्जी एवं सुकोमल चौधरी [पुनर्मुद्रण]

iii.लेट मीडिवल टैंपल्स ऑफ बंगाल ,लेखक : डेविड जे मैक कुचियन [पुनर्मुद्रण]

iv. मध्ययुगीन भारते संस्कृत साहित्य, लेखक : कालीकुमार दत्ता [पुनर्मुद्रण]

v.गौड़ीय नृत्य, लेखक : महुआ मुखर्जी [पुनर्मुद्रण]

vi.वीड़ोर : एकटि वनचारी आदिम आदिवासी , लेखक : विमलेंदु मजुमदार

vii.इनस्क्रिप्शन्स एंड एग्रेरियन इश्यूज इन इंडियन हिस्ट्री : एसेज इन मेमोरी ऑफ डी सी सरकार, संपादन : बी डी चट्टोपाध्याय, सुचंद्र घोष एवं विष्णुप्रिया बसाक।

viii.सबवर्सिव सॉवरिन्स एक्रॉस द सीज़ : इंडियन ओशन पोर्ट्स ऑफ़ ट्रेड फ्रॉम अर्ली हिस्टोरिक टाइम्स टू लेट कॉलोनियलिज्म, संपादन : केनेथ आर हॉल, रीला मुखर्जी एवं सुचंद्र घोष।

ix.रामचरितम, संपादन : एच पी शास्त्री, अंग्रेजी अनुवाद सहित पुनः संशोधित : आर बसाक [पुनर्मुद्रण]

X.किरात जनकृति, लेखक : सुनीति कुमार चटर्जी [पुनर्मुद्रण]

xi. चाइनीज़ सोर्सेज़ ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री इन ट्रांसलेशन ,खंड V : सोशियो-इकोनो-पॉलिटिकल रिलेशन्स बिटवीन साउथ इंडिया एंड चाइना,ए डी 502-1610 छ विथ एम्फेसिस ऑन द फ़िफ़्टीन्थ सेंचुरी, लेखक : हरप्रसाद राय।

xii. चाइनीज़ सोर्सेज़ ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री इन ट्रांसलेशन ,खंड VII : फ्रॉम नैशनलिज़्म टू फ़ॉरेन ऑक्यूपेशन द मंगोल इंटरल्यूड,लेखक: हरप्रसाद राय ।

xiii.चाइनीज़ सोर्सेज़ ऑफ साउथ एशियन हिस्ट्री इन ट्रांसलेशन ,खंड VI : फ्रॉम रिलिजन टू कामर्स: द मेरिटाइम रॉंदिवू बिटवीन इंडिया एंड चाइना, टैंथ टू थर्टीन्थ सेंचुरी ए डी, लेखक: हरप्रसाद राय ।

xiv. हिस्ट्री, साइन्स एंड द सोसाइटी इन दि इंडियन कंटेक्स्ट, संपादन : अरुण कुमार विश्वास [पुनर्मुद्रण]

- **पत्रिकाएँ**

एशियाटिक सोसाइटी का जर्नल

संख्या 1, 2017

संख्या 2, 2017

संख्या 3, 2017

संख्या 4, 2017

एशियाटिक सोसाइटी का मासिक बुलेटिन

खंड XLVI, संख्या 5, 2017 [मई, 2017]

खंड XLVI, संख्या 6, 2017 [जून, 2017]
खंड XLVI, संख्या 7, 2017 [जुलाई, 2017]
खंड XLVI,संख्या 8, 2017 [अगस्त, 2017]
खंड XLVI, संख्या 9, 2017[सितंबर,2017]
खंड XLVI, संख्या 10, 2017[दिसंबर,2017]
खंड XLVII , संख्या 1, 2018 [जनवरी, 2018]
संख्या 2, 2018 [फरवरी, 2018]
संख्या 3, 2018 [मार्च, 2018]
संख्या 4, 2018 [अप्रैल, 2018]

- **पुस्तिकाएँ**

क) *अध्यक्षीय भाषण, वर्ष 2016-2017*
ख) महासचिव का भाषण, 2016-17
ग *वार्षिक प्रतिवेदन, वर्ष 2016-2017*
घ) उपलब्ध प्रकाशनों की सूची, जुलाई 2017

10.

कार्यकलाप : पुस्तकालय अनुभाग

पुस्तकालय

एशियाटिक सोसाइटी का पुस्तकालय अपने दो सौ चौदह वर्षों के लंबे गौरवमय इतिहास के साथ सोसाइटी का अत्यधिक महत्वपूर्ण भाग है। प्राच्य अध्ययन हेतु पांडुलिपियाँ एवं कलाकृतियों के अतिरिक्त ग्रंथों तथा पत्रिकाओं के विशाल संग्रह से समृद्ध यह पुस्तकालय ज्ञानी विद्वानों को आकर्षित करता है। इसका महत्व संख्यात्मक दृष्टि से नहीं बल्कि इसकी समृद्ध व अद्वितीय विषय-वस्तु में विद्यमान है।

यहाँ विभिन्न यूरोपीय, चीनी-तिब्बती, रूसी, दक्षिण एशियाई, फारसी, उर्दू, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगला, संस्कृत व अन्य भारतीय भाषाओं में लगभग 1,31,000 पुस्तकें और जर्नलों के 1,09,000 आबद्ध खंड मौजूद हैं।

उक्त सोसाइटी भारत और विदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले भिन्न-भिन्न विधाओं के अध्ययनों के शोध विद्वानों के लिए ग्रंथपरक एवं प्रलेखीय सेवाएँ प्रदान करती है। पुस्तकों, आवधिक पत्रिकाओं, माइक्रोफिश, माइक्रोफिल्म से सुसज्जित इसका पठन कक्ष पाठकों के लिए सोमवार से शुक्रवार सुबह 9: 45 बजे से शाम 7.00 बजे तक एवं शनिवार को पूर्वाह्न 10.00 बजे से अपराह्न 5.00 बजे तक खुला रहता है।

पुस्तकालय के क्रियाकलाप परिषद द्वारा स्थापित पुस्तकालय समिति द्वारा नियोजित एवं अनुवीक्षित किए जाते हैं। विचाराधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय समिति ने 11 अवसरों पर बैठकें कीं तथा अनुमोदन हेतु परिषद के समक्ष अपनी संस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं।

- **समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्यकलाप**
- पुस्तकालय पाठकों के लिए 293 दिनों के लिए खुला था तथा 9448 पाठकों को सेवा प्रदान की गई।

विभिन्न भाषाओं और विषयों की 1115 पुस्तकों का परिग्रहण किया गया है और 1585 पुस्तकें प्रक्रमित की गई हैं।

	परिगृहीत पुस्तकें	प्रक्रमित पुस्तकें
अंग्रेजी एवं अन्य भाषाएं	495	878
संस्कृत	37	138
बंगाली	72	175
फारसी, अरबी और उर्दू	101	101
हिंदी	-	26
पाली एवं अन्य	-	58
उपहार	410	209

- पुस्तकालय ने जर्नलों के 78 शीर्षकों की सदस्यता ली और जर्नलों के 529 अंक प्राप्त किए। विनिमय के आधार पर पुस्तकालय को जर्नलों के 288 अंक प्राप्त हुए और समीक्षाधीन अवधि के दौरान उपहार के रूप में जर्नलों के 68 अंक प्राप्त हुए।

- 9448 पाठकों ने पुस्तकालय का इस्तेमाल किया। 6389 पुस्तकें पाठकों को जारी की गई और 3600 पुस्तकें उनके द्वारा वापस की गईं।

- भारत और विदेश के विभिन्न भागों से 925आगंतुक और लब्धप्रतिष्ठित व्यक्ति समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुस्तकालय आए। इस अवधि के दौरान 195 विदेशियों ने पुस्तकालय का निरीक्षण किया।

- समीक्षाधीन अवधि के दौरान 24 विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी अपने अध्यापकों सहित पुस्तकालय आए।

पुस्तकालय में विभिन्न संस्थानों का आगमन :

- 20.4. 2017 बांग्लादेश राष्ट्रीय अभिलेखागार से 2 सदस्यीय टीम।

- 23.05. 2017 रायगंज विश्वविद्यालय से अध्यापक सहित 26 विद्यार्थियों का दल।

- 6.6. 2017 डॉ अरुणा विश्वास, अपर सचिव, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा मंत्रालय ,बांग्लादेश सरकार की अध्यक्षता मेंअंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा संस्थान ,बांग्लादेश सरकार के साथ सहयोग के प्रोटोकॉल के आरंभ के लिए विदेश अध्ययन दौरा और साध्यताअध्ययन संबंधी दल।

- 4.7. 2017 इस्तवान विवोग्रामर स्कूल हेवित्स, हंगरी से ज्यूडिट बालाज़ ।

- 4.7. 2017 बांग्लादेश राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रलेखन केंद्र ,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बांग्लादेश से एक दल।

- 25.07. 2017 आंचलिक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन प्रशिक्षण संस्थान, पूर्वी अंचल से प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों का दल।
- 25.8 2017 महेश श्री रामकृष्ण आश्रम ,हुगली से 56 सदस्यीय दल।
- 9. 10. 2017 महामहिम डॉ कसावा बालोग्, लोक प्रशासन विदेश एवं व्यापार राज्यमंत्री, हंगरी के साथ हंगरी का प्रतिनिधिमंडल।
- 11. 10 .2017 हंगरी से 17 सदस्यीय दल।
- 17.10.2017 रेडबाउंड यूनिवर्सिटी ,नीदरलैंड्स से 10 सदस्यीय दल।
- 1 .11 .2017 नालंदा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज, कोलकाता से 8 सदस्यीय दल।
- 24. 11. 2017 कलकत्ता यूनिवर्सिटी के भाषाविज्ञान विभाग से20 विद्यार्थियों का दल।
- 26 .12. 2017 गवर्मेंट ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, केरल से 6 सदस्यीय दल।
- 6.3. 2018 एपीजे अबुल कलाम आजाद संस्थान से 8 सदस्यीय विद्यार्थियों का दल।
- 15.03.2018 लोरेटो डे स्कूल से 39 विद्यार्थी और उनके अध्यापक का दल।
- 21.3. 2018 विश्वभारती विश्वविद्यालय से 9 विद्यार्थियों का दल।
- 23.3 .2018 वीमेन्स क्रिश्चियन कॉलेज से 24 विद्यार्थियों और अध्यापकों का दल पुस्तकालय के विभिन्न भागों में आया।

प्रदर्शनी तथा पुस्तकों और जर्नलों का प्रदर्शन :

संगोष्ठी और लब्धप्रतिष्ठित व्यक्तियों के आगमन के अवसर पर एशियाटिक सोसायटी के पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है ।इन प्रदर्शनियों में पुस्तकालय दुर्लभ पुस्तकों ,जर्नलों, फोटोग्राफ़ों, लेखों इत्यादि का प्रदर्शन करता है, जिसके द्वारा पुस्तकालय के समृद्ध और विविध संसाधनों को महत्व दिया जाता है ।समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकों और जर्नलों के निम्नलिखित प्रदर्शनियों और प्रदर्शन का आयोजन किया गया, जिनकी अध्येता और मीडिया द्वारा अत्यधिक प्रशंसा की गई।

- 2.5 .2017 से 15 .05.2017 तक विगत काल एवं वर्तमान काल : एशियाटिक सोसायटी के ख़जाने।

- 21.6 .2017 योग दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी, पुस्तकालय के संग्रह से योग संबंधी पुस्तकों का प्रदर्शन।
- 23.8 .2017 से 24.8. 2017 तक नवद्वीप में संस्कृत अध्ययन से संबंधित दो दिवसीय संगोष्ठी के संबंध में वैष्णव धर्म पर पुस्तकों के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई।
- 9 .10 .2017 लोक प्रशासन, विदेश एवं व्यापार राज्यमंत्री ,महामहिम डॉ कसाबा बालोग द्वारा एलेग्जेंडर कज़ोमा दे कोरोस के जीर्णोद्धार किए गए स्मारक कक्ष के उद्घाटन के अवसर पर एलेग्जेंडर कज़ोमा दे कोरोस संबंधी पुस्तकों और उनके द्वारा लिखित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।
- 20 .11 .2017 प्रथम डॉ राजेंद्र लाल मित्र स्मारक व्याख्यान के अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा पहला व्याख्यान दिया गया और डॉ राजेंद्रलाल मित्र द्वारा और उनपर लिखी गई पुस्तकों और लेखों का प्रदर्शन 20-11-2017 को किया गया।
- 6 .3. 2018 अंतर धार्मिक सद्भावना और बंगला के रूमी सय्यद अहमद -उल हक पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर रूमी और सूफीवाद से संबंधित पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।
- 8.3. 2018 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए महिलाओं से संबंधित पुरानी ,दुर्लभ और नई पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।

डिजिटीकरण :

सोसायटी अपने समृद्ध संग्रह से संबंधित डिजिटीकरण कार्यक्रम में तेजी लाने की योजना बना रही है ।सोसायटी अपनी दुर्लभ पुस्तकों ,जर्नलों इत्यादि के 1000000 पृष्ठों के डिजिटीकरण की योजना तैयार कर रही है । डाटा को सोसायटी के डिजिटल आर्काइव में अपलोड कर दिया जाएगा ।

आंतरिक डिजिटीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकों /पांडुलिपियों के 400 शीर्षकों को स्कैन किया गया है और माइक्रोफ़िश के 1530 खंडों की सूची बनाई गई है और डिजिटीकरण के लिए भेजा गया है।

पुस्तकों /जर्नलों /पांडुलिपियों के आंतरिक डिजिटीकरण के अतिरिक्त एशियाटिक सोसायटी , कोलकाता के जर्नलों और पुस्तकों को डिजिटीकृत और अभिलेखीकृत करने का कार्य दिसंबर 2016 में आरंभ किया गया है ।इस परियोजना के अंतर्गत एशियाटिक अनुसंधान(1788 -1842),एशियाटिक सोसायटी के जर्नल (1832- 2016),एशियाटिक सोसायटी के जर्नल और कार्यवाही (1904-19 34),एशियाटिक सोसायटी के संस्मरण, बिब्लियोथेका इंडिका शृंखला की पुस्तकें स्कैन की गई हैं। काम चल रहा है।

वेब ओपीएसी : नए वेबसाइट के आरंभ होने और लिब्सिस सॉफ्टवेयर के अपग्रेडेशन से वेब ओपीएसी सक्रिय हो गया है। वेब ओपीएसी का मुख्य लाभ यह है कि पूरी दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी व्यक्ति किसी भी समय इस बात का पता लगा पाएगा कि एशियाटिक सोसायटी के पुस्तकालय में कौन से प्रलेख उपलब्ध हैं, बशर्ते कि वह प्रलेख के लेखक, शीर्षक और विषय के शीर्ष के अंतर्गत सर्च करे।

पुस्तकालय स्वचालन : पुस्तकालय स्वचालन के अंग के रूप में पुस्तकालय सूचना विज्ञान विभाग ,कोलकाता विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को पुस्तकों का वर्क शीट तैयार करने, पूर्ण सूची के लिए लिब्सिस पैकेज में डेटा प्रविष्टि करने और डेटाबेस तैयार करने के कार्य से नवंबर 2016 से जोड़ा गया है। विद्यार्थियों द्वारा मेटकॉ◌ॅफ़ हॉल की पुस्तकों के 15181 खंडों ,जर्नलों के 2765खंडों की प्रविष्टि लिब्सिस में कर दी गई है ।समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय के स्टाफ द्वारा पुस्तकों के 1183 खंडों के डाटा की प्रविष्टि की गई है।

सहयोगी कार्यक्रम : एशियाटिक सोसायटी ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल के साथ मिलकर 28 अगस्त से 30 सितंबर 2017 के दौरान भोपाल में सरकारी कार्यक्रम का आयोजन किया ।यह इतिहास पर एक प्रदर्शनी थी और एशियाटिक सोसायटी का मानव ज्ञान के क्षेत्र में इसकी स्थापना से लेकर अब तक का योगदान था। प्रदर्शनी में पुरालेखी फोटोग्राफ,डिजिटीकृत पांडुलिपियाँ और पेंटिंग, पत्र, प्रलेख ,पुस्तकें और जर्नल शामिल थे। देश के अधिकांश आगंतुकों द्वारा इसकी अत्यधिक सराहना की गई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रतिष्ठित आगंतुक :

- माननीय श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के पूर्व राष्ट्रपति।
- महामहिम डॉ कसावा बोलागू, लोक प्रशासन राज्य मंत्री, हंगरी।
- के कस्तूरीरंगन ,अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, रमन अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु।
- प्रोफेसर इरफान हबीब ,प्रतिष्ठित इतिहासकार।

- डॉक्टर योगानंद शास्त्री ,पूर्व अध्यक्ष ,दिल्ली विधानसभा।
- श्री पार्थ चटर्जी ,शिक्षा मंत्री ,पश्चिम बंगाल सरकार।
- माननीय न्यायाधीश, निशिता म्हात्रे, कोलकाता उच्च न्यायालय के तत्कालीन कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश।
- प्रोफेसर अजय कुमार रॉय, निदेशक, भारतीय अभियांत्रिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान।
- पंडित श्रीकुमार चट्टोपाध्याय।

मेटकॉफ़ हॉल:

यह सोसाइटी का निख़ात निधि है, जहां पुरानी दुर्लभ जर्नलों , पुस्तकों और लेखों का भंडार है ।विभिन्न विदेशी भाषाओं और भारतीय जर्नल के 100000 से भी अधिक जिल्दबंद जर्नल त्रिस्तरीय स्टैक में शेल्फ में रखे गए हैं। इस वर्ष के दौरान सोसायटी के मेटकॉफ़ हॉल को अधिक आकर्षक बनाने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है ।इस कार्यक्रम के अंतर्गत आधुनिक वाचनालय का निर्माण, डिजिटल कियोस्क की स्थापना, ओपीएसी सेवा पाठकों को उपलब्ध कराना तथा एक लाख से अधिक दुर्लभ जर्नलों के संग्रह का डिजिटीकरण शामिल है।

संग्रहालय

एशियाटिक सोसायटी का संग्रहालय विभिन्न भाषाओं और लिपियों का बहुमूल्य एवं बेजोड़ संग्रहहै। एशियाटिक सोसायटी द्वारा वर्णनात्मक और सारणीबद्ध रूप में प्रकाशित सूचियां, पांडुलिपियों के अध्ययन और अनुसंधान के उल्लेखनीय कार्य हैं। सोसाइटी की पांडुलिपियाँ विविधता लिए हुए और समृद्ध हैं, जिसमें अधिकांश भारतीय भाषाएं और लिपियां शामिल हैं। इस समय सोसायटी के संग्रह में 50,000 से अधिक पांडुलिपियाँ हैं। सोसायटी के संग्रहालय में सबसे पुरानी पांडुलिपि 7 वीं सदी की पांडुलिपि है जो गुप्त ब्राम्ही लिपि में लिखी गई है। एशियाटिक सोसायटी के संग्रहालय में बंगाली पांडुलिपियाँ संख्या और दुर्लभता की दृष्टि से समृद्ध हैं। संग्रहालय में राजस्थानी पांडुलिपियाँ भी हैं, जो पूर्व मध्य और मध्य युग की आसामी पांडुलिपियों जितनी पुरानी हैं। संग्रहालय में रामायण ,महाभारत, श्रीमद्भागवत ,मंगलकाव्य, वैष्णव धर्म तथा इससे संबंधित अन्य विषयों पर आलेख हैं। संग्रहालय में अरबी -फारसी पांडुलिपियों का भी भंडार है।

संग्रहालय में पांडुलिपियों के अतिरिक्त पुरानी विविध धात्विक मुद्राएं,ताम्रपट्टिकाओं पर उत्कीर्ण लेख ,अत्यधिक समृद्ध एवं मूल्यवान तैलचित्र एवं चित्र हैं।इनमें से अधिकांश चित्र रॉबर्ट होम, जोशुआ रेनॉल्ड्स ,गीडो, डेनियल इत्यादि द्वारा बनाए गए थे ।संग्रहालय में प्रसिद्ध पेंटिंग क्लियोपेट्रा, बनारस के 1 घाट, मेघ पर सोते हुए कामदेव ,वारेन हेस्टिंग्स, जॉन डेविट, वेलेजली और शिशु ईसा की है।

एशियाटिक सोसायटी के संग्रहालय में मूर्तियां और धातु की वस्तुएं हैं जो ऐतिहासिक महत्व और संख्या की दृष्टि से अनमोल हैं। ब्रह्मा (सामग्री - काला बसाल्ट पत्थर, अवधि 12वीं सीएडी), विष्णु (सामग्री- काला बसाल्ट पत्थर, अवधि 11वीं सीएडी),धर्मराज की ब्रास प्रतिमा (वर्तमान में यह प्रतिमा भूटान में है),1864 का ब्रास ,250 ईसा पूर्व का अशोक काल का पत्थर पर उत्कीर्ण किया हुआ धर्मादेश मूल्यवान संग्रह हैं।

संग्रहालय में 18वीं और 19वीं सदी में ब्रिटिश सर्वेक्षक द्वारा तैयार किए गए सर्वेक्षण मानचित्र बहुत बड़ी संख्या में हैं। कुछ उल्लेखनीय मानचित्र भारत की सामाजिक -राजनीतिक- आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में बदलाव को प्रतिबिंबित करते हैं।

संग्रहालय में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के पुराने पत्र, दुर्लभ पुस्तकें और शिलालेख भी हैं, जिनमें से कुछ सोसायटी की स्थापना के ठीक पश्चात 1784 इसवी के हैं ।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संक्षिप्त कार्यकलाप :

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्यकलाप :

- पांडुलिपियों को सूचीबद्ध करने का कार्य चल रहा है । स्मृति से संबंधित 406 संस्कृत पांडुलिपियों को विवरणात्मक रूप में सूचीबद्ध करने का कार्य अच्छी तरह से किया गया है । पांडुलिपि के13660 फ़ोलियो और हाथ से 524 सूचियां भी तैयार की गई हैं। प्रोफेसर सुबुद्धि चरण गोस्वामी के पर्यवेक्षण में दर्शनशास्त्र संबंधी सारणीबद्ध सूची तैयार करने का कार्य चल रहा है।

- सोसायटी के विभिन्न कार्यक्रमों से संबंधित 658 पत्रों और 784 पृष्ठों की 24 अंग्रेजी की फाइलों की विषय -वस्तु को प्रलेखित कर दिया गया है।

- 20.4 .2017 को भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास विषय पर इतिहास की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

- पोलैंड से सरकारी प्रतिनिधिमंडल के आगमन के अवसर पर 18 .11. 2017 को एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- समीक्षाधीन अवधि के दौरान 246 पाठकों को सेवा उपलब्ध कराई गई ।भारत और विदेशी मूल के अध्येताओं ने एशियाटिक सोसाइटी के वाचनालय में 992 पांडुलिपियों और अन्य प्रलेखों को कंसल्ट किया।

- विभिन्न देशों के 61 विदेशी आगंतुकों और 135 भारतीयों ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान संग्रहालय का निरीक्षण किया।

- राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत एशियाटिक सोसायटी ,कोलकाता का पांडुलिपि संसाधन केंद्र पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय संसाधन आधार तैयार करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है।

- आगंतुकों तथा प्रतिष्ठित व्यक्तियों के लिए संग्रहालय अनुभाग द्वारा फ़ोटो एल्बम और उपहार की वस्तुओं के सेट तैयार किए गए हैं।

परिरक्षण

एशियाटिक सोसाइटी की परीक्षण प्रयोगशाला 1984 से विशेष सावधानी और लगन के साथ दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों,प्लेटों, मानचित्रों इत्यादि को परिरक्षित और रिस्टोर कर रही है। प्रभाग के कार्य अत्यधिक तकनीकी प्रकृति के हैं और कार्य सही ढंग से किया जा रहा है ताकि किसी तरह की क्षति न पहुंचे। इस प्रभाग के कुशल और पेशेवर तरीके से प्रशिक्षित स्टाफ मध्ययुगीन पांडुलिपियों और पुरानी एवं दुर्लभ पुस्तकों सहित जिल्दबंद सामग्री के का उपचार करने में सक्षम हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संक्षिप्त कार्यकलाप :

परिरक्षण की दृष्टि से प्रत्यक्षतः सत्यापित पुस्तकों एवं पांडुलिपियों की संख्या	2460
कीटप्रभावित पुस्तकें एवं पांडुलिपियाँ जिनका धूमन किया गया	1710
पुस्तकालय, संग्रहालय तथा उर्दू अनुभाग के स्टैक में पिप कीटनाशक पदार्थ का छिड़काव कर किया गया उपचार प्रत्येक अनुभाग में 12 बार	
फफूँदरोधी घोल से उपचारित फफूँदप्रभावित खंडों की संख्या	6711
पटलन (लैमिनेशन) से पूर्व विपटलित (पैचयुक्त) शीटों की संख्या	1367
उपचार से पूर्व पृष्ठांकित शीटों की संख्या	18150
लैमिनेशन से पूर्व विअम्लीकृत भंगुर एवं नाजुक शीटों की संख्या	17813
समाक्रमित भंगुर एवं नाजुक शीटों की संख्या	17813
जीर्णोद्धार के लिए सावधानी से पृथक किए गए पांडुलिपियों एवं दुर्लभ पुस्तकों के कीटप्रभावित एवं जकड़े हुए शीटों की संख्या	1450
लैमिनेशन से पूर्व ठीक किए गए फटे हुए शीटों की संख्या	2565
रेस्टोर किए गए भंगुर एवं नाजुक मानचित्रों की संख्या	25
रेस्टोर की गई भंगुर एवं नाजुक प्लेटों(पुस्तकों के भीतर) की संख्या	30
उपचार के लिए परीक्षित कागजी पांडुलिपियों के भंगुर एवं नाजुक शीटों की संख्या	3161
रेस्टोर की गई कागजी पांडुलिपियों के भंगुर एवं नाजुक शीटों की संख्या	17468
आयातित टिशू कागज(यू.के.मूल), एम सी पेस्ट तथा सेलुलोज एसिटेट फ़ॉयल का प्रयोग कर लैमिनेट किए गए नाजुक शीटों की संख्या	17468
मरम्मत एवं लैमिनेशन के पश्चात ट्रिम किए गए शीटों की संख्या	20033
विभागीय रूप से जिल्दबंद खंडों की संख्या	467
बाहरी जिल्दसाजों द्वारा जिल्दबंद जाँचे गए नए बद्ध खंडों की संख्या	2183
लैमिनेशन के पश्चात तैयार संग्रह	550

रिप्रोग्राफी

रिप्रोग्राफी ,फोटोग्राफी अथवा ज़ीरोग्राफी जैसे यांत्रिक अथवा इलेक्ट्रिकल माध्यम से ग्राफिक का पुनः उत्पादन है ।एशियाटिक सोसाइटी के रिप्रोग्राफी अनुभाग को ज़ेरॉक्स, डिजिटीकरण तथा सामान्य फोटोग्राफी का कार्य सौंपा गया है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान संक्षिप्त कार्यकलाप :

1) **ज़ेरॉक्स** : समीक्षाधीन अवधि के दौरान पाठक सेवा के अंतर्गत इस अनुभाग में पुस्तकालय की सामग्रियों की 22431 फोटो प्रतियां तैयार की गईं और सरकारी प्रयोजन से 241406 फोटो प्रतियां तैयार की गईं।

2) **डिजिटीकरण** : अनुभाग को सोसाइटी की पुरानी और दुर्लभ पांडुलिपि और पुस्तकों के डिजिटीकरण की योजना सौंपी गई थी ताकि इन मूल्यवान संग्रहों को प्रयोक्ताओं द्वारा बार-बार इस्तेमाल किए जाने से बचाया जा सके ।बाद में आधुनिक प्रौद्योगिकी से इस परियोजना को सुसज्जित कर दिया गया ।डिजिटीकरण कार्य बुके 2 स्केनर तथा नए संस्थापित बुके 4स्केनर की सहायता से किया जाता है।

डिजिटल कैमरा : समीक्षाधीन अवधि के दौरान इस अनुभाग में डिजिटीकरण के माध्यम से 3964 उद्भासन (एक्स्पोज़र) तैयार किए गए, जिसके अंतर्गत 109 पांडुलिपियों के 3964 फ़ोलियो तैयार किए गए।

3)**सामान्य फोटोग्राफी** : इस अनुभाग को सोसायटी द्वारा आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं इत्यादि तथा सोसायटी में आने वाले महत्वपूर्ण व्यक्तियों का डिजिटल कैमरा से फोटो लेने का कार्य सौंपा गया है ।इन फोटोग्राफ़ों को नियमित रूप से सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में प्रकाशित किया जाता है। इस अनुभाग में अध्येताओं की मांग के अनुसार पुस्तकों का भी फोटो लिया जाता है ।समीक्षाधीन अवधि के दौरान सरकारी प्रयोजन से 2467 फोटो और पाठक सेवा की दृष्टि से 234 फोटो लिए गए।

आगंतुक पंजी से उद्धरण

- असाधारण व्यक्तित्व की असाधारण प्रदर्शनी ।उत्कृष्ट श्रद्धांजलि।

-- प्रोफ़ेसर के कस्तूरीरंगन, पद्म विभूषण ,अध्यक्ष ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति, रमन अनुसंधान संस्थान ,बैंगलुरु।

- कज़ोमा दे कोरोस का उदाहरण हमें यह याद दिलाता है कि कठोरतम परिस्थिति में भी सदा एक ऐसा मार्ग प्राप्त होता है जो हमें एक दूसरे से जोड़ता है।

-- डॉक्टर कसावा बोलागू, लोक प्रशासन,विदेश एवं व्यापार राज्य मंत्री, हंगरी।

- दुर्लभ और प्राचीन पुस्तकों का उत्कृष्ट, सुव्यवस्थित एवं अद्भुत संग्रह ।ये ऐतिहासिक प्रलेख अद्भुत हैं और दूसरों को प्रेरित करते हैं ।मुझे उम्मीद है कि एशियाटिक सोसायटी समग्र विश्व के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसंधान -कार्यों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सूचना उपलब्ध कराकर समृद्ध करेगी।

-- जेसमीन अख्तर, महानिदेशक ,बांग्लादेश राष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रलेखन केंद्र, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ,बांग्लादेश।

- आश्चर्यजनक व्यक्ति को याद करने की आश्चर्यजनक पहल, जिसे इतिहास में याद रखा जाएगा ।

--प्रोफेसर सरित कुमार चौधरी, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल।

- यह विश्व के महानतम ख़जानों में से एक है ।उदार अन्वेषण के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

-- होलेलीना हुगुशिवा ,मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी ।

11.

कार्यकलाप : शैक्षणिक अनुभाग

अनुसंधानों, सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, अक्षय निधि/ स्मारक व्याख्यानों, विशिष्ट व्याख्यानों एवं प्रदर्शनियों सहित शैक्षिक गतिविधियाँ एशियाटिक सोसाइटी की सबसे महत्वपूर्ण एवं अग्रवर्ती गतिविधियों में से एक हैं। समीक्षाधीन वर्ष 2017-18 के दौरान शैक्षणिक **अनुभाग** द्वारा आयोजित ऐसी गतिविधियों का एक संक्षिप्त विहंगावलोकन निम्नानुसार है:

1. जारी 'आंतरिक' अनुसंधान परियोजनाएँ: 18
2. अनुसंधान अध्येता: 24
3. जारी 'बाह्य' अनुसंधान परियोजनाएँ: 22
4. अनुसंधान सहायक: 08
5. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: 03
6. आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ: 21
7. आयोजित कार्यशालाएँ: 04
8. अक्षय निधि / स्मारक व्याख्यान: 11
9. विशिष्ट व्याख्यान: 14
10. व्याख्यान : 05
11. स्थापना दिवस व्याख्यान: 01

इन अनुसंधान एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों का विवरण निम्नवत है:

क. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएँ:

निम्नलिखित अनुसंधान अध्येता विभिन्न आंतरिक परियोजनाओं पर कार्य कर रहे हैं :-

I. **परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी का इतिहास**
अनुसंधान अध्येता का नाम: मउमिता हुसैन
परियोजना पर्यवेक्षक: डॉ. रंजीत सेन
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 09.04.2015
विषय: 'एशियाटिक सोसाइटी के इतिहास (1842-1947) की कार्यवाही'

2. **परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी का इतिहास**

अनुसंधान अध्येता का नाम: पौलामी राय
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर रंजीत सेन
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 16.04.2015
विषय: 'एशियाटिक सोसाइटी के इतिहास (1842-1947) की कार्यवाही'

3. **परियोजना: महामहोपाध्याय हरप्रसाद शास्त्री अनुसंधान अध्येतावृत्त**

अनुसंधान अध्येता का नाम: सुलग्ना भट्टाचार्य
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर प्रताप बंद्योपाध्याय
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 20.04.2015
विषय: 'अद्वयवज्रसंग्रह का समीक्षात्मक अध्ययन'

4. **परियोजना: जेम्स प्रिन्सेप पुरालेखविद्या एवं मुद्राशास्त्र अध्येतावृत्ति**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती मीनाक्षी बनर्जी
परियोजना पर्यवेक्षक:: प्रोफेसर देवार्चना सरकार
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 24.04.2015
विषय: 'चयनित भंजा उत्कीर्ण लेखों का समीक्षात्मक अध्ययन (लगभग 5वीं शताब्दी ईसवी से 12 वीं शताब्दी ईसवी तक)'

5. **परियोजना: प्राच्य अध्ययन**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती अंकिता चक्रवर्ती
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर विजया गोस्वामी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 13.04.2015
विषय: 'भारतीय उपचारात्मक परंपरा के परिवर्तन पर समाज एवं संस्कृति का प्रभाव: शल्य-चिकित्सा पर पांडुलिपि के बदलते पठन के माध्यम से अन्वेषण'

6. **परियोजना : शरत चंद्र रॉय अनुसंधान अध्येतावृत्ति**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती अमृता दास गुप्ता
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर रंजना राय
कार्य प्रारंभ करने की तिथि:: 22.04.2015
विषय: 'पश्चिम बंगाल के शहरी क्षेत्रों में निवास कर रहे प्रवासी जनजातीय समूहों का अध्ययन: सांस्कृतिक विरासत का मूल्यांकन'

□

7. **परियोजना: भाषा एवं भाषाशास्त्र**
अनुसंधान अध्येता का नाम: तान्या अफ़रोज़
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर श्यामसुंदर भट्टाचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 20.04.2015
विषय: आधुनिक बांगला नाटकेर संलाप ओ तार भाषा शैली (तृप्ति मित्रा)

8. **परियोजना: भाषा एवं भाषाशास्त्र**
अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती सुनंदा मुखर्जी
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर श्याम सुंदर भट्टाचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 24.04.2015
विषय: 'बंगला लिपि का उद्‌गम एवं विकास'

9. **परियोजना: मौलाना अबुल कलाम आज़ाद अरबी -फारसी अध्ययन अनुसंधान अध्येतावृत्ति**
अनुसंधान अध्येता का नाम: मुहम्मद बाकीबिल्लाह
परियोजना पर्यवेक्षक: डॉ. मो. इशरत अली मुल्ला
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 17.04.2015
विषय: अरबी में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का योगदान : समीक्षात्मक अध्ययन'।

10. **परियोजना: रंगकला एवं दृश्य कलाएँ**
अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती द्युति सरकार भट्टाचार्य
परियोजना पर्यवेक्षक: डॉ. देबाशीष मंडल
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 01.03.2017
विषय: '19वीं एवं 20 वीं शताब्दी में रवींद्र संगीत को लोकप्रिय बनाना एवं उससे परिचित कराना'

11. **परियोजना: राजेंद्र लाल मित्रा बौद्ध अध्ययन अध्येतावृत्ति**
अनुसंधान अध्येता का नाम: श्री प्रियांकू चक्रवर्त
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर ऐश्वर्या विश्वास
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 27.02.2017
विषय: 'त्रिपुरा में बौद्धधर्म: पुरालेख, मूर्तिकला एवं वास्तुकला (लगभग 6ठीं से 12 वीं सदी) का निर्वचन ।'

12. **परियोजना: सर विलियम जोन्स संस्कृत अध्ययन अनुसंधान अध्येतावृत्ति**
अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती तिस्ता बिश्वास
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर सुबुद्धिचरण गोस्वामी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 13.02.2017
विषय: 'स्कंद पुराण में यथा-प्रदर्शित वैदिक संस्कृति के कुछ तत्व'

13. **परियोजना: चिकित्सा का इतिह**
अनुसंधान अध्येता का नाम: अपलक दास
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर महुआ सरकार
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 16.02.2017
विषय: 'औपनिवेशिक बंगाल में कुष्ठ रोग : 1873-1955'

14. **परियोजना: चिकित्सा का इतिहास**
अनुसंधान अध्येता का नाम: सुमन हाज़रा
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर गोपाल कृष्ण चक्रवर्ती
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 10.02.2017
विषय: 'कोलकाता में टीकाकरण एवं बच्चों का स्वास्थ्य: औपनिवेशिक से वर्तमान युग तक'

15. **परियोजना: विज्ञान का इतिहास**
अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती सुजाता बनर्जी
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर अरुण बंद्योपाध्याय एवं प्रोफेसर राजकुमार रायचौधरी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 21.02.2017
विषय: 'भारत में विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा: भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलौर एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर (1990-1964) का अध्ययन।'

16. **परियोजना: विज्ञान का इतिहा**
अनुसंधान अध्येता का नाम: सुनयना माइती
परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर अरुण बंद्योपाध्याय एवं प्रोफेसर राजकुमार राय चौधरी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 01.03.2017

विषय: 'लगभग 1920 के दशक से 1960 के दशक तक भारत में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय शिक्षा तथा औद्योगिक अनुसंधान का इंटरफ़ेस: केंद्रीय कांच एवं सिरामिक अनुसंधान संस्थान तथा साहा नाभकीय भौतिकी संस्थान के केस का अध्ययन'।

17. **परियोजना: भारत-विद्या**

अनुसंधान अध्येता का नाम: डॉ. प्रज्ञापरमीता विश्वास

परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर डॉ. रत्ना बासु

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 20.03.2017

विषय: 'फ्रीडरिश मैक्सम्यूलर के भारत-विद्या पर पुनः विचार: संक्रांति काल का मूल्यांकन करने के लिए एक साकल्यवादी दृष्टिकोण'

18. **परियोजना: भारत-विद्या**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती स्मिता हलदर

परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर सुष्मिता बासु मजुमदार

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 15.02.2017

विषय: 'मालवा कॉरिडोर की खोज: शहरों एवं व्यापार मार्गों से परे देखना [लगभग तीसरी सदी बीसीई से तीसरी सदी सीई तक]

19. **परियोजना: पूर्वोत्तर भारत अध्ययन**

अनुसंधान अध्येता का नाम: सुश्री मेरी वनललथनपुई

परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर पौला बनर्जी,

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: दिनांक: 07.03.2017

विषय: 'महिला एवं गिरजाघर राजनीति, मिजोरम के प्रेसबिटेरियन गिरजाघर एवं मिजोरम के 'बैपटिस्ट चर्च का अध्ययन

20. **परियोजना: पूर्वोत्तर भारत अनुसंधान अध्ययन**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्रीमती मानसी दिलीप नडकर्णी

परियोजना पर्यवेक्षक: श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 31.03.2017

विषय: '(सिम्ते के विशेष संदर्भ के साथ) मणिपुर के कूकी-चिन लोगों का सामाजिक-भाषायी प्रोफ़ाइल'।

21. **परियोजना: दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्वी एशियाई अध्ययन**

अनुसंधान अध्येता का नाम: डॉ. कुमकुम बंद्योपाध्याय

परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफेसर रूपेंद्र कुमार चट्टोपाध्याय

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 20.02.2017

विषय: बिहार में बौद्धधर्म का विकास एवं बिहार एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रमुख बौद्ध प्रतिष्ठानों के बीच धार्मिक समागम : पुरालेखी एवं पुरातात्विक स्रोतों का अध्ययन'।

22. **परियोजना: लोकगाथा एवं संस्कृति**

अनुसंधान अध्येता का नाम: डॉ. सम्पन चक्रवर्ती

परियोजना पर्यवेक्षक: डॉ. पल्लव सेनगुप्ता

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 13.02.2017

विषय: 'श्याम या धूसर छाया: बंगला लोक कथाओं में अन्य संस्कृतियों के ऐसे आख्यानों के संदर्भ में नकारात्मक चरित्रों का आकलन'

23. **परियोजना: लोकगाथा एवं संस्कृति**

अनुसंधान अध्येता का नाम: श्री विश्वजीत विश्वास

परियोजना पर्यवेक्षक: प्रोफ़ेसर रजत कांति दास

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 07.06.2017

विषय: ' मटुआ धार्मिक संप्रदाय : जातीय नज़रिए से लोकगाथा, आध्यात्मिकता तथा उसके पश्चिम बंगाल में अपनाए जाने का अध्ययन

24. **परियोजना : डॉ. जाकिर हुसैन अध्येतावृत्ति**

अनुसंधान अध्येता का नाम: इमरान फ़िलिप

परियोजना पर्यवेक्षक: डॉ. कौस्तुभमणि सेनगुप्ता

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: 20.03.2017

विषय: 'बंगाल में लिंग, धर्म एवं मुस्लिम महिलाओं की बदलती स्थिति' (1873-1952)'।

ख. जारी बाह्य अनुसंधान परियोजनाएँ

1. **परियोजना:** दक्षिण एशियाई इतिहास के चीनी स्रोत

परियोजना अन्वेषक: प्रोफेसर हरप्रसाद रॉय, वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, एशियाटिक सोसाइटी।

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जुलाई,2005

डॉ. राय ने प्रकाशन के लिए आठ खंड पहले ही प्रस्तुत कर दिया है। नवें खंड पर काम चल रहा है

2. **परियोजना:** पूर्वी भारत में नृत्य करती प्रतिमाएँ : गौड़ीय शैली के नृत्य पर उनका प्रभाव।

परियोजना अन्वेषक : बंगाल नृत्य रूप अध्ययन केंद्र की निदेशक एवं रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय की प्रोफेसर व नृत्य विभाग की प्रमुख डॉ. महुआ मुखर्जी।
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जुलाई,2012
कार्य जारी है।

3. **परियोजना:** सन् 1959 से 1981 तक मिजोरम के आइज़ॉल में मौतम अकाल, विद्रोह, प्रशमन एवं शहरी विकास पर समूहीकरण केंद्रों का गैर समूहीकरण।
परियोजना अन्वेषक : डॉ. मालबिका दासगुप्ता
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: मार्च,2015
अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है और प्रकाशन अनुभाग को भेज दी गई है।कार्य संपन्न हो गया है।

4. **परियोजना:** श्रीकुमार के शिल्परत्न में प्रतिपादित तकनीकी विज्ञान की प्राचीन भारतीय संकल्पना
परियोजना अन्वेषक : डॉ. रीता भट्टाचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: मार्च, 2015
दो खंडों में से पहले खंड का कार्य संपन्न हो गया है। कार्य जारी है।

5. **परियोजना:** पुष्पदंत का महापुराण - अध्ययन
परियोजना अन्वेषक : डॉ सुचित्रा राय आचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: फरवरी, 2015
कार्य जारी है।

6. **परियोजना :** सन् 1690 से 1947 तक कोलकाता में एवं इसके आस-पास के धार्मिक भवनों की वास्तुकला का सर्वेक्षण
परियोजना अन्वेषक : डॉ. सोमनाथ मुखर्जी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि : नवंबर,2016
उन्होंने कार्य की अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

7. **परियोजना:** ललितकला ओ नंदनतत्वेर परिभाषा
परियोजना अन्वेषक : डॉ. सोमनाथ मुखर्जी
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जून,2016
कार्य जारी है।

8. **परियोजना:** सन् 1700 से 1950 तक आधुनिक बंगाल का व्यापक इतिहास
परियोजना अन्वेषक : प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: फरवरी,2017
विषय: 'बंगला लिपि का उद्गम एवं विकास'

परियोजना से संबंधित त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सन् 1700 से 1950 तक आधुनिक बंगाल का व्यापक इतिहास" थीम पर एशियाटिक सोसाइटी में 7 से 9 फरवरी,2018 तक आयोजित किया गया। परियोजना कार्य जारी है।

9. **परियोजना:** ग्रामीण बर्धमान के गोप समुदायों द्वारा प्रयुक्त किए जानेवाले परंपरागत [मौखिक परंपरा] मानव-पशु औषधियों का सर्वेक्षण एवं प्रलेखीकरण
परियोजना अन्वेषक : श्री अपूर्व के. चट्टोपाध्याय
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: अप्रैल, 2015
यह कार्य जारी है।

10. **परियोजना:** पूर्वी भारत की उत्कीर्ण छवियों का एक संग्रह (चौथी से 13वीं शताब्दी सीई)
परियोजना अन्वेषक : प्रोफेसर गौतम सेनगुप्ता, डॉ. सायंतनी पाल, डॉ. रजत सान्याल
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जून, 2017
यह कार्य जारी है।

11. **परियोजना: रेवरेंड पी ओ बोडिंग द्वारा संकलित और संथाली से अंग्रेज़ी में अनुदित संथाल लोककथाओं का बंगला अनुवाद।**
परियोजना अन्वेषक : श्री कुमार राना
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जुलाई, 2017
परियोजना कार्य जारी है।

12. **परियोजना:** पश्चिम बंगाल में आदिवासी : सामाजिक-आर्थिक स्थिति संबंधी रिपोर्ट।
परियोजना अन्वेषक : श्री कुमार रानाप्रोफेसर
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: अक्टूबर,2017
परियोजना कार्य जारी है।

13. **परियोजना:** विकासपरक प्रक्रिया को समझना : पश्चिम बंगाल में विअधिसूचित जनजातियों का मामला।

परियोजना अन्वेषक : डॉ. विधान कांति दास

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: मार्च,2018

परियोजना कार्य जारी है।

14. **परियोजना:** यूटोपिया का संशोधन: मौलाना भसानी एवं असम के चार क्षेत्र।

परियोजना अन्वेषक : डॉ. गोर्की चक्रवर्ती

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: मार्च, 2017

परियोजना कार्य जारी है।

15. **परियोजना: चिन लुसाई सीमा : समुदाय, राज्य और बाज़ार।**

परियोजना अन्वेषक : डॉ. अशोक कुमार राय

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जुलाई, 2017

अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है।

16. **परियोजना: बंगाल के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य तथा पश्चिमी भारत के रूप-निर्धारण में एशियाटिक सोसाइटी की भूमिका।**

परियोजना अन्वेषक: डॉ. ताप्ती मुखर्जी

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जून, 2017

परियोजना कार्य जारी है।

17. **परियोजना:** स्वयंसेवी समूह के कार्यकलाप से संबद्ध महिलाओं के सशक्तिकरण पर आर्थिक वातावरण एवं संस्कृति का प्रभाव भारत के पूर्वोत्तर में चुनिंदा क्षेत्रों का अध्ययन।

परियोजना अन्वेषक : प्रोफेसर शर्मिष्ठा बनर्जी तथा डॉ. श्रीमती अर्जिता दत्ता कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जनवरी, 2018

परियोजना कार्य जारी है।

18. **परियोजना: बंगाली उपसर्गों एवं प्रत्ययों का कोश।**

परियोजना अन्वेषक : डॉ. अनिता बंद्योपाध्याय

कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जुलाई,2017

19. **परियोजना: दसग्रीवा वधचरित्र का अनुवाद।**
परियोजना अन्वेषक : डॉ. देविका भट्टाचार्य
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: दिनांक: मई, 2015

20. **परियोजना: रामायण और महाभारत में निरूपित अभिनय कला–सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण।**
परियोजना अन्वेषक : डॉ. विजया गोस्वामी तथा डॉ. नंदिनी भौमिक
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: अक्टूबर, 2017
परियोजना कार्य जारी है।

21. **परियोजना: प्रधान उपनिषदों में प्रतिबिंबित समाज।**
परियोजना अन्वेषक : प्रोफेसर मृणालकांति गंगोपाध्याय
कार्य प्रारंभ करने की तिथि: जवनरी, 2018
परियोजना कार्य जारी है।

ग. अनुमोदित किंतु अभी न शुरू हुई बाह्य परियोजनाएं

- " पिप्पलाद संहिता ऑफ द अथर्ववेद इंग्लिश ट्रांसलेशन,इंडिसेज एंड ऐन अकाउंट ऑफ इट्स कंटेंट्स एंड हिस्ट्री ",लेखक: प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य ,संस्कृत के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, विश्व भारती ,शांति निकेतन।

- दो अप्रकाशित नव्य न्याय पांडुलिपियों का संपादन एवं अनुवाद, प्रोफेसर सुबुद्धिचरण गोस्वामी।

- " वंचित सामाजिक समूह के इतिहास की तलाश: उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के केरल में पुलया के विविध अनुभव", प्रोफेसर राजशेखर बसु एवं अरुण कुमार बंदोपाध्याय।

घ. एशियाटिक सोसायटी द्वारा आयोजित बाह्य अनुसंधान परियोजना

- डॉ कविता देवी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ,नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से 1 जुलाई 2017 से "गौरीपुर राज के संरक्षण में हाथियों का प्रशिक्षण, देखभाल एवं उपचार : एक अध्ययन" परियोजना पर कार्य कर रही हैं

- डॉ प्रणव के चट्टोपाध्याय ,भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ,नई दिल्ली के वित्तीय सहयोग से 1 जुलाई 2017 से "प्राचीन भारत में दर्पण का इतिहास : उद्गम एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण" परियोजना पर कार्य कर रहे हैं।

इ. व्याख्यान /संगोष्ठी /सम्मेलन /कार्यशाला/ परिसंवाद/ वार्तालाप

2017 -18 वर्ष के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अत्यधिक शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अधिकांश मामलों में कार्यक्रम विश्वविद्यालयों अथवा प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित किए गए। देश और विदेश के विभिन्न भागों से अध्येता शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिए और अपने पांडित्यपूर्ण लेख पढ़े। संबंधित कार्यक्रमों के संयोजक इस समय प्रकाशन के लिए उन लेखों के संपादन में व्यस्त हैं। कुछ कार्यवाहियाँ प्रेस में हैं और संगोष्ठियों की अन्य कार्यवाहियों के संपादन का कार्य जारी है।

अप्रैल 2017

प्रोफेसर आतिश दासगुप्ता द्वारा 18 वाँ व्याख्यान ।विषय: बीरभूम में परुई गांव के पास कुश्तीगिरी की दरगाह का निरीक्षण।

24 एवं 25 को आयोजित दो दिवसीय वार्षिक व्याख्यान एशियाटिक सोसायटी के अनुसंधान अध्येता द्वारा दिया गया।

हुमायूं कबीर हॉल में पियरी चाँद मित्र पर 26वीं पैनल चर्चा।

मई 2017

प्रथम 233वीं वार्षिक सामान्य बैठक और एशियाटिक सोसायटी के विद्यासागर हॉल में पुरस्कार वितरण समारोह। कोलकाता हाई कोर्ट के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति निशिता म्हात्रे द्वारा संबोधन।

8वीं एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी। विषय : "बेगम रुकैया और महिलाओं की दुनिया"।
संयुक्त संयोजक: प्रोफेसर उत्तरा चक्रवर्ती एवं प्रोफेसर मुशर्रफ हुसैन।

25 वीं एक दिवसीय संगोष्ठी ।विषय : "स्वास्थ्य एवं रोग में खाद्य एवं पोषण"। विद्यासागर हॉल में आयोजित।
संयोजक : प्रोफेसर सुकता दास

जून,2017

12वीं एक दिवसीय संगोष्ठी भगिनी निवेदिता की 150वीं जयंती पर विद्यासागर हॉल में कोलकाता निवेदिता शक्ति के सहयोग सेआयोजित ।विषय : "भगिनी निवेदिताज़ विज़न इन ऐक्शन "।संयोजक :डॉ रीता भट्टाचार्य।

13वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। विषय : "चार्यगीतिकोश के प्रकाशन के एक सौ वर्ष "।संयोजक: प्रोफेसर रत्ना बसु।

21 और 22 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ।समाजशास्त्र विभाग ,पश्चिम बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित ।विषय: " भारतीय समाजशास्त्र एवं भारत विद्या :अंतरा फलक एवं व्यवधान"।

संयुक्त समन्वयक: प्रोफेसर सुकुमार प्रामाणिक एवं प्रोफेसर रितु सेन चौधरी।

30वीं एक दिवसीय संगोष्ठी ।राय साहब पंचानन बर्मा की 150वीं जयंती पूर्ण होने के अवसर पर विद्यासागर हॉल में आयोजित ।विषय : "राय साहब पंचानन बर्मा का जीवन एवं कृतियां"। संयोजक : डॉ शिशिर मजूमदार।

जुलाई 2017

चौथा आभा माइती स्मारक व्याख्यान, 2016; विषय : "मानव जगत में स्वतंत्रता एवं धर्मनिरपेक्षता"। वक्ता प्रोफ़ेसर अमल कुमार मुखोपाध्याय। विद्यासागर हॉल में आयोजित।

5 और 6 को दो दिवसीय अनुसंधान कार्यशाला। विषय : "पश्चिम बंगाल में आदिवासी: सामाजिक -आर्थिक रिपोर्ट"।

संयोजक: श्री कुमार राणा प्रतिची संस्थान।

11वाँ विशिष्ट व्याख्यान ।विषय :"पुनर्जागरण के हाशिए पर हिंदूधर्म औपनिवेशिक बंगाल में वैष्णव धर्म"। वक्ता: फ़र्दिनंद सारदेल्ला। हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित।

19 से 21 तक विद्यासागर हॉल में आयोजित तीन दिवसीय संगोष्ठी। विषय- "जंगलमहल : भूत एवं भविष्य "।

संयुक्त संयोजक : प्रभात कुमार घोष एवं श्री पशुपति महतो।

24वाँ वृत्तचित्र शो ।सत्येंद्र नाथ बोस पर। विद्यासागर हॉल में आयोजित।
आलेख एवं निर्देशन :सुश्री शीला दत्त।

25वीं एक दिवसीय संगोष्ठी ।प्रोफ़ेसरअसीमा चटर्जी जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर विद्यासागर हॉल में आयोजित ।

संयोजक: प्रोफ़ेसर अपराजिता बसु।

28 वां व्याख्यान- प्रदर्शन। प्रोफेसर नील मजूमदार द्वारा "द्विजेंद्रलालेर गाने प्राच्य ओ पाश्चात्येर मेलबंधन" पर विद्यासागर हॉल में आयोजित।

अगस्त 2017

चौथा के के हैंडिक स्मारक व्याख्यान। विषय-" जैमिनी महाभारत : दो पांडुलिपियाँ "।वक्ता: डॉ प्रदीप भट्टाचार्य ।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित।

11वीं एक दिवसीय संगोष्ठी।विषय- "बौद्ध धर्म एवं बौद्ध अध्ययन बंगाल की भागीदारी एवं योगदान"।
संयोजक : प्रोफेसर रत्ना बसु।

21वाँ विशेष व्याख्यान। विषय -"पूर्वोत्तर भारत के 7 आदिम मोतियों का अन्वेषण"। वक्ता : डॉ तिलक रंजन बेरा। हुमायूं कबीर हॉल मेंआयोजित।

23 और 24 को दो दिवसीय संगोष्ठी ।विषय : "नवदीप में संस्कृत अध्ययन"।
संयुक्त संयोजक: प्रोफेसर नारायण बंदोपाध्याय तथा प्रोफेसर बुद्धदेव बंदोपाध्याय।

सितंबर 2017

14 वां विशेष व्याख्यान। विषय : "जापानी हाइकु के संदर्भ में रविंद्रनाथ की लघु कविताएं"। वक्ता- प्रोफेसर क्योको निवा। हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित।
15वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। विषय : "रामानंद चट्टोपाध्याय का जीवन एवं कृतियां"।
संयोजक : प्रोफेसर अरुण कुमार बंदोपाध्याय।

22वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ।विषय : "सामाजिक -आर्थिक परिप्रेक्ष्य में धर्मशास्त्र"। विद्यासागर हॉल में आयोजित।
संयोजक : डॉ. ताप्ती मुखर्जी।

अक्टूबर 2017

12वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। विषय : "लुप्त सरस्वती नदी : भू-गतिकीय संदर्भ"। संयुक्त संयोजक डॉ एस के आचार्य तथा डॉ कुणाल घोष।

26 और 27 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी । विषय : "जातिविज्ञान ,इतिहास लेखन एवं पूर्वोत्तर भारत"।इतिहास विभाग, मणिपुर यूनिवर्सिटी , इंफाल में आयोजित।
संयोजक : डॉ एच सुधीर कुमार सिंह।

28वां प्रोफेसर अनिल कुमार मजूमदार (1917 -1998)शताब्दी स्मारक व्याख्यान। विषय: "भारतीय जागरण में सिस्टर निवेदिता का योगदान" ।विवेकानंद अध्ययन केंद्र, कोलकाता के सहयोग से विद्यासागर हॉल में आयोजित।

वक्ता : स्वामी त्यागीवरआनंदजी महाराज।

30वां विशेष व्याख्यान। वक्ता : प्रोफ़ेसर एच एच रॉबिन्सन। विषय : "आधुनिक काल में श्रीमदभागवत के अंदर वैज्ञानिक सिद्धांतों की प्रयोज्यता"।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित।

नवंबर 2017

एशियाटिक सोसायटी के डिजिटल अभिलेखागार एवं नए वेबसाइट का श्री जवाहर सरकार, आईएएस, (सेवानिवृत्त), पूर्व सीईओ, प्रसार भारती द्वारा विद्यासागर हॉल में छठा उद्घाटन।

सातवां दो विशिष्ट व्याख्यान। विषय : "स्टेम कोशिकाएं और उनके नैदानिक निहितार्थ" ।
वक्ता :- i)डॉक्टर पीटर हॉलैंड्स, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी

एवं

ii)प्रोफेसर नीरंजन भट्टाचार्य, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ रीजेनरेटिव मेडिसिन एंड ट्रांसलेशनल साइंस ,कोलकाता स्कूल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन। विद्यासागर हॉल में आयोजन।

सिद्धेश्वर चट्टोपाध्याय (1918- 1939) पर 8वीं एक दिवसीय संगोष्ठी ।विषय : "परंपरा और नवीकरण के मूर्त रूप"। विद्यासागर हॉल में आयोजन।

संयुक्त संयोजक : प्रोफेसर रीता चट्टोपाध्याय तथा श्री सौम्यजीत सेन।

प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस शताब्दी वर्ष के अवसर पर भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता के सहयोग से विद्यासागर हॉल में आयोजित 20वाँ विशिष्ट व्याख्यान। वक्ता : प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य ।विषय : "प्रोफेसर महालनोविस का उनके समय के सामाजिक इतिहास में स्थान"।

विद्यासागर हॉल में आयोजित 20वां डॉ राजेंद्र लाल मित्र स्मारक व्याख्यान ।डॉक्टर राजा राजेंद्र लाल मित्र एवं एशियाटिक सोसाइटी में भारत विद्या अध्ययन थीम पर। वक्ता : माननीय श्री प्रणव मुखर्जी ,भारत के पूर्व राष्ट्रपति।

20 वीं एक दिवसीय संगोष्ठी। सिस्टर निवेदिता की 150वीं वर्षगांठ मनाने के अवसर पर इंडियन एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित।
संयुक्त संयोजक : डॉक्टर सोमनाथ मुखर्जी तथा श्री सुस्वागत बनर्जी।

दिसंबर 2017

विद्यासागर हॉल में आनंदूरम बरुवा पर छठा व्याख्यान एवं वृत्तचित्र शो।
वक्ता : प्रोफेसर मऊ दास गुप्ता तथा श्री अमलेश दास गुप्ता।
संयोजक : श्री अमलेश दास गुप्ता ।विद्यासागर हॉल।

हुमायूं कबीर हॉल में प्रोफेसर अजय कुमार घोष द्वारा कलाकार विनोद बिहारी मुखोपाध्याय पर आयोजित 13 वाँ विशेष व्याख्यान।

15वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।मिरांडा के सहयोग से बंगाल के नृत्य रूप पर पूर्वोत्तर नृत्य संस्कृति के प्रभाव का आकलन विषय पर।
संयोजक श्रीमती पापिया राय ।

के पी बसु मेमोरियल हॉल ,जादवपुर यूनिवर्सिटी में इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस तथा एशियाटिक सोसायटी के सहयोग से 75 वर्ष पश्चात 1942 पर नजर विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

जनवरी 2018

प्राचीन भारत में धर्म एवं कला विषय पर प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग, कोलकाता यूनिवर्सिटी द्वारा विभाग शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित दूसरी एवं दसवीं उद्घाटन और समापन दिवस की कार्यशाला।

विद्यासागर हॉल में "एशिया में व्यवस्था एवं अव्यवस्था : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" विषय पर आयोजित तीसरा और चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।संयोजक : प्रोफेसर रीला मुखर्जी तथा प्रोफेसर सुचंद्र घोष।
विद्यासागर हॉल में डॉक्टर एल पी तेस्सीतोरी पर राजस्थानी प्रचारिणी सभा के सहयोग से आयोजित छठा वार्षिक स्मारक जयंती व्याख्यान।

एशियाटिक सोसाइटी के 235 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 15वाँ समारोह।
स्थापना दिवस वक्तृता : डॉक्टर के कस्तूरीरंगन ,अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, रमन अनुसंधान संस्थान, बेंगलुरु।

कोलकाता एशियाई अध्ययन सोसायटी के सहयोग से ज्योतिष विद्या बनाम खगोल विद्या पर विद्यासागर हॉल में आयोजित 17 वां विशिष्ट व्याख्यान। वक्ता : अमलेंदु बंदोपाध्याय।

प्रतिची संस्थान द्वारा हुमायूं कबीर हॉल में पश्चिम बंगाल में आदिवासी बाह्य परियोजना पर अनुसंधान साधन से संबंधित 18 वीं बैठक।

24 वां सुनीति कुमार चटर्जी स्मारक व्याख्यान ।वक्ता प्रोफेसर डीपी पटनायक, पद्मश्री, पूर्व निदेशक,केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर।
विषय :(क)"सुनीति कुमार चटर्जी : सर्वोत्कृष्ट भाषा दार्शनिक"। विद्यासागर हॉल मे आयोजित।

(ख) प्रोफ़ेसर प्रवाल दासगुप्ता,भाषा अनुसंधान एकक, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान ,कोलकाता। विषय : "धर्मनिरपेक्षता का तटस्थ कोर : आदिवासी मुख्यधारा संबंधी लेनदेन के प्रति अंतः विषयक दृष्टिकोण"।विद्यासागर हॉल में आयोजित।

28वाँ प्रोफेसर चिंताहरण चक्रवर्ती स्मारक व्याख्यान। भारत में संस्कृति एवं इतिहास बोध सोसायटी के सहयोग से आयोजित। वक्ता : प्रोफेसर गौतम भद्र ।विषय : "पुरानेर फाँक फोकोरे पौराणिक वर्तमान"। विद्यासागर हॉल में आयोजित।

फरवरी 2018

5 और 6 को आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन।विषय : "एशियाटिक सोसाइटी में वर्तमान अनुसंधान : उभरते क्षेत्र"। वक्ता एवं सहभागी : अनुसंधान अध्येता तथा एशियाटिक सोसायटी के अनुसंधान सहायक।

7 और 9 को आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला। विषय : "बाह्य अनुसंधान परियोजना : आधुनिक बंगाल का व्यापक इतिहास :1700-1950"

परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं संयोजक प्रोफेसर सब्यसाची भट्टाचार्य।
14 वीं एक दिवसीय संगोष्ठी। मणिपुरी नृत्य के क्षेत्र में गुरु विपिन सिंह की खासियत पर मणिपुरी नृत्यालय के सहयोग से आयोजित।
संयुक्त संयोजक : कलावती देवी तथा लाइली बसु।

16वां विशिष्ट व्याख्यान। वक्ता : प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती।विषय : "1917 का अवलोकन : वैश्विक परिप्रेक्ष्य की तलाश"। हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित।

28वीं प्रोफेसर समरेंद्र नाथ शताब्दी संगोष्ठी ।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजित ।वक्ता : प्रोफेसर सिद्धार्थ सेन,प्रोफ़ेसर शांतनु चक्रवर्ती, प्रोफेसर अत्रि मुखोपाध्याय तथा प्रोफेसर देवाशीष मुखर्जी । संयोजक : प्रोफ़ेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती तथा प्रोफेसर राजकुमार रॉय चौधुरी।

मार्च 2018

विद्यासागर हॉल में अल्लामा रूमी सोसायटी, बांग्लादेश के सहयोग से "बांग्लार रूमी सैयद अहमद- उल-हक" पर आयोजित छठी अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी और पुस्तक का विमोचन।

7 और 8 को संग्रहालय की पुरावस्तु की देखभाल विषय पर एशियाटिक सोसायटी के विद्यासागर हॉल में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाए जाने के अवसर पर आठवीं संगोष्ठी और वृत्तचित्र प्रदर्शन। वृत्तचित्र : मानव की खरीद-फरोख्त ।निर्देशन : श्रीमती शीला दत्ता ।वक्ता : प्रोफेसर मालिनी भट्टाचार्य ,पूर्व प्रोफेसर, जादवपुर यूनिवर्सिटी। व्याख्यान का विषय: "नारी ओ समता : आतोई मार्चेर किछू प्रश्न"।

9वां विशिष्ट व्याख्यान। वक्ता: डॉ उर्मी राय। विषय: "विज्ञान एवं विज्ञानवाद अथवा विज्ञान की सिद्धांत में विकृति" ।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजन।

विद्यासागर हॉल में पश्चिम बंग इतिहास संसद के सहयोग से प्रोफेसर भास्वती भट्टाचार्य द्वारा दिया गया 10 वां प्रोफेसर आशीन दासगुप्ता स्मारक व्याख्यान।

13वां विशिष्ट व्याख्यान ।वक्ता :- 1.डॉ मानस रंजन राय, पूर्व वैज्ञानिक ,चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान। विषय : "घर के भीतर वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य "।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजन।

विद्यासागर हॉल में प्रोफेसर राजकमल पाठक द्वारा दिया गया 15वां डॉ पंचानन मित्र स्मारक व्याख्यान।

रमन सेंटर फॉर अप्लाइड एंड इंटर डिसीप्लिनरी साइंसेज, कोलकाता के सहयोग से 21वां डॉक्टर एस के मुखर्जी एवं डॉक्टर के के रोहतगी वार्षिक अक्षय निधि व्याख्यान।वक्ता :डॉ सोमेंद्र चंद्र नंदी ,मानद अध्येता,एशियाटिक सोसायटी।विषय : "वेदव्यास का महाभारत "।हुमायूं कबीर हॉल में आयोजन।

21वीं एक दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की गोलमेज वार्ता।विषय: "पूर्वोत्तर भारत में छठी अनुसूची की स्थिति एवं संभावनाएं "।

मासिक बैठकों में पढ़े गए शोधपत्र

अप्रैल 2017

दिनांक	3 अप्रैल 2017
शीर्षक	दाँते का भारत : प्रथम सूर्योदय का देश(कवि को अध्यर्ध सप्त शताब्दी श्रद्धांजलि)
वक्ता	प्रोफेसर पल्लव सेनगुप्ता

जून 2017

दिनांक	5 जून 2017
शीर्षक	" बंगाल के विभाजन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका तथा हिंदू महासभा"
वक्ता	प्रोफेसर आतिश कुमार दासगुप्ता

जुलाई 2017

दिनांक	3 जुलाई 2017
शीर्षक	" साक्ष्य आधारित निर्देशित प्रणाली :जनस्वास्थ्य पर प्रभाव"
वक्ता	प्रोफेसर कृष्णांशु राय

अगस्त 2017

दिनांक	7 अगस्त 2017
शीर्षक	" बंगाल के विभाजन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की भूमिका तथा हिंदू महासभा"
वक्ता	प्रोफ़ेसर आतिश कुमार दासगुप्ता।
शीर्षक	"अदृश्य शरणार्थी : पूर्वी पाकिस्तान में मुस्लिम शरणार्थी महिलाएँ,1947-71"
वक्ता	डॉ.अनिंदिता घोषाल

सितंबर 2017

दिनांक 4 सितंबर 2017
शीर्षक "ऊर्जा का वातावरण और सतत विकास"
वक्ता श्री प्रवीर कुमार राय चौधरी

दिसंबर 2017

दिनांक 4 दिसंबर 2017
शीर्षक "आधुनिक जापानी समाज में सामाजिक बहिष्कार : पूराकुमिन का मामला।
वक्ता डॉ रामकृष्ण चटर्जी

जनवरी 2018

दिनांक 1 जनवरी 2018
शीर्षक "बंगाली लोक कथा का प्रथम अग्रणी कलेक्टर"
वक्ता डॉ शिशिर कुमार मजूमदार

फरवरी 2018

दिनांक 5 फरवरी 2018
शीर्षक "आधुनिक कला कोश(भारतीय संदर्भ)"
वक्ता प्रोफेसर ईशा मोहम्मद

मार्च 2018

दिनांक 5 मार्च 2018
शीर्षक "सौर ऊर्जा : विगत, वर्तमान एवं भविष्य"
वक्ता प्रोफेसर डी एन बोस

12.

कार्यकलाप : स्टाफ प्रशिक्षण, स्वच्छता कार्य योजना (एस ए पी) तथा हिंदी कार्यक्रम

- स्टाफ प्रशिक्षण सोसाइटी ने 2017 -18 के दौरान अपने कर्मचारियों के लिए आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनमें लेखा, प्रशासन, पुस्तकालय ,प्रकाशन, संग्रहालय और परिरक्षण जैसे विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

स्वच्छता कार्य योजना (एस ए पी)

- सोसायटी ने स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। ये कार्यक्रम पूरे वर्ष चलते रहे हैं ताकि स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक बनाया जा सके।
  -
  - सोसायटी के विभिन्न अनुभागों / भवनों में वर्ष के विभिन्न समय पर एस ए पी के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए दिशा- निर्देश के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाए गए हैं।

हिंदी कार्यक्रम

एशियाटिक सोसायटी ,कोलकाता संस्कृति मंत्रालय का एक अंग है ,जो राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का निरंतर पालन कर रही है।

एशियाटिक सोसायटी कोलकाता ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति का दिनांक 1.4 .2014 को गठन किया। (कार्यालय ज्ञापन संख्या 118 .01. 04. 2014)।

समिति द्वारा तिमाही और छमाही रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। समिति वर्ष 2014 में हिंदी पखवाड़े का भी आयोजन कर चुकी है।

सोसायटी के 80% कर्मचारी हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित हो गए हैं तथा सोसायटी की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषिक रूप में (हिंदी -अंग्रेजी) में तैयार करवाई जा रही है और मंत्रालय को भेजी जा रही है।

एशियाटिक सोसायटी के कार्यालय ज्ञापन 83 /12 /08/ 2016 के द्वारा अगस्त 2016 में एक नई कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है।

समिति द्वारा की गई कार्रवाई

- हिंदी प्रशिक्षण के लिए परिपत्र जारी किया गया।
- तिमाही रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई।
- हिंदीतर भाषी कर्मचारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

12. 9. 2017 से 14 .09. 2017 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया ।इसी क्रम में संग्रहालयों में 14 से 15 सितंबर 2017 तक हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण विषय पर द्विभाषी (हिंदी -अंग्रेजी) रूप में दीवार पत्रिका का उद्घाटन किया गया।

- 16 से 30 सितंबर 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
- हिंदी दिवस पर दीवारों पर हिंदी में नारे लगाए गए।
- सोसायटी के मासिक बुलेटिन में सभी कार्यक्रम छपवाए गए।
- सभी फैसलों व रजिस्टरों के विषय तथा नामपट्ट द्विभाषी(हिंदी- अंग्रेजी) रूप में बनवाए जा रहे हैं।
- पुस्तकालय में हिंदी पुस्तक अनुभाग खुल रहा है।

- छोटे-छोटे पत्र और आंतरिक टिप्पणियां हिंदी में लिखने के प्रयास जारी हैं।
- हिंदी में सरकारी कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है।
- 26 मार्च को एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता में डॉ सत्यव्रत चक्रवर्ती, महासचिव की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।श्री वेद प्रकाश गौड़, निदेशक राजभाषा विभाग, संस्कृति मंत्रालय ,भारत सरकार द्वारा इस कार्यालय का उद्घाटन किया गया है ।
- आज का शब्द शीर्षक के अंतर्गत प्रतिदिन एक शब्द बोर्ड पर लिखा जाता है।
- 24 अप्रैल को स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

13.

कंप्यूटरीकरण, आधुनिकीकरण एवं अवसंरचनात्मक विकास

कंप्यूटरीकरण एवं आधुनिकीकरण

- सोसायटी का नया वेबसाइट asiaticsocietykolkata.org डोमेन नाम से शुरू किया गया है।
- सोसायटी का डिजिटल आर्काइव प्रारंभ किया गया है।
- एक हाई स्केनर बॉक आई 4 खरीदा गया है और उसे दुर्लभ पुस्तकों ,जर्नलों और पांडुलिपियों के आंतरिक डिजिटीकरण के लिए स्थापित किया गया है।
- सोसायटी के विद्यासागर हॉल के पुराने पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम को बदल दिया गया है और नवीनतम ऑडियो साउंड टेक्नोलॉजी युक्त नए पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम को स्थापित कर दिया गया है।
- सोसायटी के नए और पुराने भवन को शामिल करते हुए आईटी नेटवर्किंग के पैसिव फेज़ को पूरा कर लिया गया है।

अवसंरचनात्मक विकास

- पार्क स्ट्रीट में सोसायटी के भवन के ऊपर दो अतिरिक्त तलों पर सिविल निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।
- संग्रहालय अनुभाग के दो पुराने मोबाइल स्टोरेज यूनिट में से 1 यूनिट को नए आधुनिक मोबाइल स्टोरेज सिस्टम से बदल दिया गया है। इससे स्थान प्रबंधन, फ्लेक्सीबिलिटी और मोबिलिटी की अधिक सुविधा हो गई है।
- सोसायटी के साल्टलेक भवन का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।
- मेटकॉफ़ हॉल का जीर्णोद्धार कार्य आरंभ हो गया है।

14.

एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारियों की सूची

(2017-18)

1. श्री धीमान चक्रवर्ती
   वित्त नियंत्रक [प्रतिनियुक्ति पर]
2. श्री अरूपरतन बागची
   प्रशासनिक अधिकारी [कार्यभार ग्रहण करने की तारीख : 01.02.2018]
3. श्री दिलीप कुमार रॉय
   अनुभाग अधिकारी
4. श्री तापस पटर्जी
   अनुभाग अधिकारी
5. श्रीमती सुजाता मिश्रा
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष (पुस्तकालय प्रभारी)
6. डॉ. संघमित्र चौधरी
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
7. श्रीमती ताप्ती बनर्जी
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
8. श्रीमती अमिता भट्टाचार्य (घोषाल)
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
9. श्री रामप्रसन्ना सिन्हा।
   संरक्षण अधिकारी
10. श्री निर्मलेंदु घोषाल
    प्रकाशन अधिकारी
11. श्रीमती आरती कुंडू
    रेप्रोग्राफ़ी एवं फ़ोटोग्राफ़ी अधिकारी
12. डॉ. वंदना भट्टाचार्जी
    अनुसंधान अधिकारी
13. श्री अर्पण घोष
    सुरक्षा अधिकारी
14. श्री सुब्रत बनर्जी
    लेखाकार
15. श्री भाष्कर घोष
    लेखाकार
16. श्री नंद रॉय
    सहायक सुरक्षा अधिकारी
17. श्री सुशील कुमार राँय
    सहायक सुरक्षा अधिकारी
18. श्री विजन कुमार मुखर्जी
    बरिष्ठ सहायक (30.06.2017 को सेवानिवृत्त)
19. श्री गदाधर हाज़रा
    वरिष्ठ सहायक
20. श्री स्वपन चक्रवर्ती
    वरिष्ठ सहायक
21. श्रीमती रीना मालाकार
    वरिष्ठ सहायक (31.12.2017 को सेवानिवृत्त)
22. श्री सुजीत बनर्जी
    बरिष्ठ सहायक
23. श्रीमती सुतापा सेनगुप्ता
    वरिष्ठ सहायक
24. अचिंत्य कुमार दे
    वरिष्ठ सहायक
25. श्री सोमेंद्रनाथ दास
    वरिष्ठ सहायक
26. श्रीमती वंदना भट्टाचार्य
    वरिष्ठ सहायक
27. श्रीमती दीपा घटक
    वरिष्ठ सहायक
28. श्री संजय रॉय चौधरी
    वरिष्ठ सहायक
29. श्री असीम कुमार दत्ता
    वरिष्ठ सहायक
30. श्री स्वरूप मन्ना
    वरिष्ठ सहायक
31. श्री रतींद्रनाथ भट्टाचार्य
    आशुलिपिक
32. श्रीमती सुमीता दत्ता
    आशुलिपिक

33. श्री कबि रॉय
आशुलिपिक
34. श्री पलाश कांति दत्ता
आशुलिपिक
35. श्रीमती अनुराधा बाइसक
आशुलिपिक
36. श्री सुबीर भौमिक
सहायक अधीक्षक (पहरा एवं निगरानी)
37. श्री सुखेंदु विकास पाल
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक
38. डॉ. शक्ति मुखर्जी
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक
39. श्री सुरजीत बनर्जी
वरिष्ठ तकनीकी सहायक (31.03.2018 को सेवानिवृत्त)
40. श्रीमती रूपा मुखार्जी
वरिष्ठ तकनीकी सहायक
41. श्री शब्बीर अहमद
वरिष्ठ तकनीकी सहायक
42. श्री जयंन सिकदर
वरिष्ठ तकनीकी सहायक
43. श्रीमती केका अधिकारी(बनर्जी)
क्यूरेटर
44. डॉ. विवेकानंद बनर्जी
वरिष्ठ सूचीकार
45. डॉ. जगतपति सरकार
वरिष्ठ सूचीकार
46. डॉ. शर्वानी बोस
सूचीकार
47. श्री एफ़ आई अलक़ादरी
सूचीकार
48. डॉ. अर्चना राय
सूचीकार
49. श्री अमित घोष
सहायक अनुरक्षण अभियंता
50. श्री दिलीप कुमार दे
संरक्षण सहायक (एलआईए)
51. श्रीमती मोली भौमिक
संरक्षण सहायक (एलआईए)
52. श्रीमती गौरी मित्रा
संरक्षण सहायक (एलआईए)
53. श्री कल्याण सेन
संरक्षण सहायक (एलआईए)
54. श्री दिवाकर माइती
संरक्षण सहायक (एलआईए)
55. श्रीमती अनिमा रॉय
संरक्षण सहायक (एलआईए)
56. सलमा ख़ान
पुस्तकालय सूचना सहायक
कार्यभार ग्रहण करने की तारीख 15.09.2017
57. श्री अशोक झा
कनिष्ठ सहायक
58. श्री गोविंदलाल घटर्जी
कनिष्ठ सहायक
59. श्रीमती मालविका रॉय
कनिष्ठ सहायक
60. श्री कल्याण रॉय
कनिष्ठ सहायक
61. श्री सरोज कुमार माइती
कनिष्ठ सहायक
62. श्री अशोक बंद्योपाध्याय(प्रका.)
कनिष्ठ सहायक
63. श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (1)
कनिष्ठ सहायक
64. श्री अशोक बंद्योपाध्याय (लेखा)
कनिष्ठ सहायक
65. श्री सुब्रत मुखर्जी
कनिष्ठ सहायक
66. श्री सुब्रत सरकार
कनिष्ठ सहायक
67. श्री मुरारी भट्टाचार्य
कनिष्ठ सहायक
68. श्री तमाल घोष
कनिष्ठ सहायक
69. श्री रियाज़ अहमद
अवर श्रेणी लिपिक
70. श्री दिव्येंदु दत्त चौधरी
अवर श्रेणी लिपिक
71. श्री देवाशीष दत्त
अवर श्रेणी लिपिक

72. श्री मुरारी मजुमदार
अवर श्रेणी लिपिक
73. श्री स्वपन कुमार दास
अवर श्रेणी लिपिक
74. श्री परेश चक्रवर्ती
अवर श्रेणी लिपिक
75. श्री प्रशांत गांगुली
रेप्रोग्राफ़ी एवं फ़ोटोग्राफ़ी सहाय
76. डा. डालिया भादुड़ी
प्रकाशन सहायक एवं प्रूफ़रीडर
77. श्री समिक विश्वास
प्रकाशन सहायक एवं प्रूफ़रीडर
78. श्री आलोक दोलई
डाटा एंट्री ऑपरेटर
79. श्री दीपंकर शुकुल
अवर श्रेणी लिपिक
80. श्री भोलानाथ गांगुली
अवर श्रेणी लिपिक
81. श्री गोपाल आइच
अवर श्रेणी लिपिक
82. श्री अनुपम चौधरी
अवर श्रेणी लिपिक
83. श्री तपन घटक
अवर श्रेणी लिपिक
84. श्री उत्पल भद्र
अवर श्रेणी लिपिक
85. श्री सुप्रभात मजुमदार
अवर श्रेणी लिपिक
86. श्री तापस कर्मकार
अवर श्रेणी लिपिक
87. श्री सुचंद मुखर्जी
अवर श्रणी लिपिक
88. श्री रामप्रवेश कुम्हार
अवर श्रेणी लिपिक
89. श्री असीम कृष्ण रॉय
अवर श्रेणी लिपिक
90. श्रीमती माला चटर्जी
अवर श्रेणी लिपिक
91. श्री मिंटू दास
अवर श्रेणी लिपिक
92. श्री शत्रुघ्न माणिक
अवर श्रेणी लिपिक
93. श्री भास्कर घोष (पुस्तकालय)
अवर श्रेणी लिपिक
94. श्रीमती प्रणती मित्रा
अवर श्रेणी लिपिक
95. श्रीमती छंदा दे
अवर श्रेणी लिपिक
96. श्री चक्रधर बेरा
ड्राइवंर
97. श्री दुलाल चंद्र दे
ड्राइवंर
98. श्री तपन कुमार दोलई
ड्राइवर
99. श्री श्यामल चक्रवर्ती
प्रमुख सुरक्षा गाई
100. श्री विश्वनाथ नंदी
प्रमुख सुरक्षा गाई
101. श्री बादल चटर्जी
प्रमुख सुरक्षा गाई
102. श्री गौरांग सामल
प्रमुख सुरक्षा गाई
103. श्री मुश्ताक हुसैन
प्रमुख सुरक्षा गाई
104. श्री अब्दुल रसीद
बिजली मिस्त्री
105. श्री लक्ष्मण चंद्र माणिक
बढ़ई
106. श्री अष्ट घोष
रसोइया
107. श्री विजय कुमार सतपती
लिफ्टमैन
108. श्री श्यामल मंडल
लिफ्टमैन
109. श्री तापस दास
बाइंडर/मेंडर
110. श्री रवींद्रनाथ दे
बाइंडर/मेंडर
111. श्री आलीप घोष
बाइंडर/मेंडर

112. श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (२)
बाइंडर/मेंडर
113. श्री शंकर दास
बाइंडर/मेंडर
114. श्री गोपाल चंद्र सिन्हा
बाइंडर/मेंडर
115. श्री राकेश शर्मा
बाइंडर/मेंडर
116. श्री सुभाष बेवरा
28.02.2018 सहायक को सेवानिवृत्त
117. श्री एस. के. सजाहन
सहायक
118. श्री सुशील चंद्र
सहायक
119. श्री राधेश्याम मिश्रा
सहायक
120. श्री काशीनाथ गुइन
सहायक
121. श्री कालीचरण साव
सहायक
122. श्री शंभु कर
सहायक
123. श्री हरीश दास
सुरक्षा गार्ड
124. श्री उत्तम दास
सुरक्षा गार्ड
125. श्री शिवाजी पाण्डेय
सुरक्षा गार्ड
126. श्री तारकेश्वर चौबे
सुरक्षा गार्ड
127. श्री बंशी बेरा
सुरक्षा गार्ड
128. श्री राजकुमार प्रसाद
सुरक्षा गार्ड
129. श्री अमल पाल
सुरक्षा गार्ड
130. श्री शिवप्रसाद बनर्जी
सुरक्षा गार्ड
131. श्री मानिक मुखर्जी
सुरक्षा गार्ड
132. श्री प्रदीप चक्रवर्ती
सुरक्षा गार्ड
133. श्री विभास दत्त
सुरक्षा गार्ड
134. श्री स्वपन सरकार
सुरक्षा गार्ड
135. श्री रवींद्रनाथ दास
सुरक्षा गार्ड
136. श्री राजकिशोर प्रसाद
सुरक्षा गार्ड
137. श्री सुदर्शन बेरा
सुरक्षा गार्ड
138. श्री कृष्णेंदु दत्त चौधुरी
सुरक्षा गार्ड
139. श्री अतनू बटब्याल
सुरक्षा गार्ड
140. श्री अंजन गांगुली
सुरक्षा गार्ड
141. श्रीअशोक कुमार रॉय
सुरक्षा गार्ड
142. श्री वासुदेव दास
सुरक्षा गार्ड
143. श्री प्रणव माझी
सुरक्षा गार्ड
144. श्री गौतम दास
कनिष्ठ सहायक
145. श्रीमती सावित्री दासगुप्ता
कनिष्ठ सहायक
146. श्री प्रकाश घोष
कनिष्ठ सहायक
147. श्री संजय परिदा
कनिष्ठ सहायक
148. श्री विद्याधर साव
कनिष्ठ सहायक
149. श्री तपन घोरई
कनिष्ठ सहायक
150. श्री देवनारायण साहा
कनिष्ठ सहायक
151. श्री विश्वजीत घोष
कनिष्ठ सहायक

152. श्रीमती तुलतुल दे
कनिष्ठ सहायक

153. श्री अमित कुमार घोष
कनिष्ठ सहायक

154. श्री संजित सिंह
कनिष्ठ सहायक

155. श्री रणजीत सिंह
कनिष्ठ सहायक

156. श्रीमती लीना बनर्जी
कनिष्ठ सहायक

157. श्री प्रेमशंकर सिंह
कनिष्ठ सहायक

158. श्रीमती दीपाली दे
कनिष्ठ सहायक

159. श्री काशीनाथ नंदी
कनिष्ठ सहायक

160. श्रीमती शतरूपा बनर्जी
कनिष्ठ सहायक

161. श्री स्वप्नानिल चटर्जी
कनिष्ठ सहायक

162. श्री भारत कुम्हार
कनिष्ठ सहायक

163. श्री राजेश पोलई
कनिष्ठ सहायक

164. श्री रीतेश प्रधान
कनिष्ठ सहायक

165. श्रीमती शर्मिष्ठा लाहा
कनिष्ठ सहायक

166. सुश्री सुदीप्ता नस्कर
कनिष्ठ सहायक

167. श्री सुरजीत दास
कनिष्ठ सहायक

168. श्री राकेश कुम्हार
कनिष्ठ सहायक

169. श्री सौरभ माझी
कनिष्ठ सहायक
कार्यबार ग्रहण करने की तारीख 29.11.2017

170. श्री चंदन हेला
कनिष्ठ सहायक
कार्यबार ग्रहण करने की तारीख 13.03.2018

171. श्री उत्तम सांत्रा
सफाईवाला

172. श्री निहार रंजन मजुमदार
सफाईवाला

173. श्री तपन कुमार दास
सफाईवाला

174. श्री भरत हेला
सफाईवाला

175. श्री लक्ष्मी हेला
सफाईवाला

176. श्री सफीक अली खान
सफाईवाला

177. श्री संदीप राजोरिया
सफाईवाला

178. श्री वैरागीचरण महापात्र
माली

179. श्री विष्णुपद दास
जनरेटर एवं पंप ऑपरेटर

180. श्री वाणीव्रत भट्टाचार्य
सिस्टम इंजीनियर (कम्प्यूटर नेटवर्किंग)
संविदा आधार पर

181. श्रीमती सुरंजना चौधरी
प्रकाशन सहायक एवं प्रूफरीडर
संविदा आधार पर

182. श्री असित कुमार मुखोपाध्याय
सलाहकार सिविल वर्क

183. श्री चंदन अधिकारी
कैजुअल वर्कर

184. श्री रतन दत्ता
कैजुअल वर्कर

185. श्री गुड्डू प्रसाद
कैजुअल वर्कर

186. श्री राजेश कुमार पाण्डेय
कैजुअल वर्कर

187. श्री छात्तू सरकार
कैजुअल वर्कर

188. श्री एकरामुल हक
कैजुअल वर्कर

189. श्री विकेश कुमार सिंह
कैजुअल वर्कर

15.

वित्त, लेखा, बजट एवं लेखापरीक्षा

- केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा विहित दिशा -निर्देश के अनुसार टैली ईआरपी 9 के माध्यम से लेखे का अनुरक्षण कर तथा 2017-18 के अंतिम लेखे के प्रस्तुतीकरण को एलाइन कर लेखाप्रणाली को तर्कसंगत बनाया गया है।

- 2015 -16 की निरीक्षण रिपोर्ट के 42 बकाया पैराओं में से 15 पैराओं को 2017-2018 के दौरान महानिदेशक (लेखापरीक्षा) के कार्यालय, केंद्रीय ,कोलकाता द्वारा वर्ष 2016- 17 के सोसायटी के लेखे की परीक्षा के दौरान सेटल कर दिया गया है।

- संस्कृति मंत्रालय के अनुमोदन से सोसायटी ने छठे केंद्रीय वेतन आयोग की सभी वेतन विसंगतियों का समाधान करने के पश्चात मार्च 2018 में एशियाटिक सोसायटी, कोलकाता के कर्मचारियों के लिए सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान को लागू कर दिया है।

- सोसाइटी को वर्ष 2017- 18 के एसबी जी/ आर ई की तुलना में विभिन्न शीर्षों/ स्कीमों के अंतर्गत सहायता अनुदान की पूरी राशि प्राप्त हो गई है ,जो पूर्ववर्ती वर्ष 2016-17 की तुलना में 23.06 करोड़ रुपए अधिक है और तदनुरूप उसका उपयोग भी अधिक रहा है।

- **वर्ष 2017-18 के लिए संस्कृतिक मंत्रालय से प्राप्त अनुदान का उपयोग का अंतिम विवरण इस प्रकार है—**

अवयव	2017-18 के लिए बी ई	2017-18 के दौरान प्राप्ति	2017-18 के दौरान उपयोग	31.03.2018 को शेष राशि
सहायता	5.80	5.80	5.23	0.57
अनुदान : सामान्य सहायता अनुदान : परिसंपत्तियाँ का निर्म्माण	4.30	4.30	2.78	1.52
सहायता अनुदान : वेतन	18.75	18.75	16.48	2.27
सहायता अनुदान : पूर्वोत्तर क्षेत्र	0.15	0.15	0.12	0.03
सहायता अनुदान : स्वच्छता कार्य योजना	0.05	0.05	0.05	0.00
कुल योग	29.05	29.05	24.66	4.39

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

लेखा वर्ष 2017-2018 के परीक्षित खातों पर पृथक
लेखा परीक्षण प्रतिवेदन

और
पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन में किए गए खातों पर टिप्पणियों
के ऊपर सोसाइटी का उत्तर

16.

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेका परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षण प्रतिवेदन

हमने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्यों, शक्तियों और सेवा की शर्तों) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के तहत एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, 1984 की धारा -5 (2) के साथ पढ़ा गया, 31 मार्च 2018 को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की संलग्न तुलन पत्र और उस तिथि पर समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और रसीदें और भुगतान खाता लेखा परीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरण समाज के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय वक्तव्यों पर एक राय व्यक्त करें।

2. इस अलग लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण और सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों के अनुरूप लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। वित्तीय लेनदेन पर लेखापरीक्षा अवलोकन कानून, नियम और विनियम (स्वामित्व और विनियमन) और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं, आदि के अनुपालन के संबंध में निरीक्षण रिपोर्ट / सी.ए.जी. की लेखापरीक्षा रिपोर्ट अलग-अलग रिपोर्ट के माध्यम से रिपोर्ट की जाती है।

3. हमने अपने लेखापरीक्षा को आमतौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार आयोजित किया है। इन मानकों की आवश्यकता है कि हम वित्तीय आश्वासन सामग्री गलत तरीके से मुक्त हैं या नहीं, इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाते हैं। एक लेखापरीक्षा में परीक्षण विवरण पर, वित्तीय विवरणों में राशि और प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले सबूत शामिल हैं। एक लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन सिद्धांतों और महत्वपूर्ण अनुमानों का मूल्यांकन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारे लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए जरूरी थे;

ii) तुलन पत्र, आय और व्यय खाता और रसीदें और भुगतान खाते इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं;

iii) हमारी राय में, खातों की उचित किताबें और अन्य प्रासंगिक अभिलेखों को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा आवश्यकतानुसार बनाए रखा गया है, जहां तक यह ऐसी पुस्तकों की हमारी परीक्षा से दिखाई देता है;

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं

खातों पर टिप्पणियां

क] साधारण

1.1 सोसाइटी ने 1.01 करोड़ रुपये के निवेश पर 24 अक्टूबर 2016 और 19 जुलाई 2017 के बीच की अवधि अर्जित ब्याज के लिए जिम्मेदार नहीं है।

1.2 सोसाइटी ने खातों के समान प्रारूप में निर्धारित वित्तीय विवरणों में लेनदेन की रकम को गोल नहीं किया है।

1.3 सोसाइटी ने खातों के समान प्रारूप में निर्धारित अनुसार मूल्यांकन मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ (ग्रैच्युइटी और लीव एनकैशमेंट) के प्रावधानों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया था।

1.4 सोसाइटी ने आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के मुताबिक मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया है। (i) पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाओं; और (ii) विद्युत प्रतिष्ठान के लिए । इसके अलावा, "पांडुलिपियों और कला वस्तुओं" के लिए कोई मूल्यह्रास नहीं लिया गया है। सोसाइटी को "पांडुलिपियों और कला वस्तुओं" के संबंध में अपनी मूल्यह्रास नीति निर्दिष्ट करने की आवश्यकता है और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों / खातों में नोट्स में मूल्यह्रास चार्ज न करने के कारणों को उचित ठहराना है।

ख] अनुदान

सोसाइटी मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2017-18 के दौरान, सोसाइटी को कुल अनुदान मिला रुपये 27.69 करोड़ । सोसाइटी के पास अनुचित अनुदान की शुरुआती शेष राशि थी रुपये 6.82 करोड़ रुपये के कुल उपलब्ध निधि रुपये 34.51 करोड़में से, सोसाइटी ने रुपये 21.31 करोड़ खर्च किया, अनुचित अनुदान रुपये 13.20 करोड़ छोड़कर।

ग] प्रबंधन पत्र

लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं होने वाली कमी को उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के महासचिव को सूचित किआ गया है ।

v) पिछले अनुच्छेदों में हमारे अवलोकनों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि तुलन पत्र और आय और व्यय खाता और रसीदें और भुगतान खाते इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए खातों की पुस्तकों के साथ समझौते में हैं।

vi) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दी गई स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्तीय विवरणों, लेखांकन नीतियों और खातों पर नोट्स के साथ पढ़ते हैं, और उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखापरीक्षा रिपोर्ट, आम तौर पर भारत में स्वीकार किए जाने वाले लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण देती है।

ए] जहां तक यह 31 मार्च 2018 को कोलकाता की एशियाटिक सोसाइटी के मामलों की स्थिति के तुलन पत्र से संबंधित है और

वि] जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के सी.ए.जी. की तरफ से और उसके लिए

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 18 दिसंबर 2018

(पी के सिंह)
लेखा परीक्षा महानिदेशक
(सेंट्रल) कोलकाता

अनुलग्नक

क] आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

निम्नलिखित के कारण सोसाइटी में आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली अपर्याप्त थी:

i) उपयोग में कोई आंतरिक लेखा परीक्षा नियमावली नहीं था।

ii) सोसाइटी में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग नहीं था। आंतरिक लेखापरीक्षा मंत्रालय के आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग के माध्यम से आयोजित की गई थी लेकिन नियमित रूप से नहीं। 2017-18 के वर्ष में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा आयोजित नहीं की गई थी।

ख] आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

निम्नलिखित नियंत्रण क्षेत्रों में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त है:

i) उपयोग में कोई लेखा नियमावली नहीं था।
ii) खाते के प्रमुख संकेतावली नहीं थे।
iii) कोई स्टोर और खरीद नियमावली नहीं था।
iv) खरीद विभाग में खरीद को केंद्रीकृत नहीं किया गया था।
v) नकदी में भी वितरण की अनुमति है।

ग] अचल संपत्तियां / वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

अचल संपत्तियां पंजी बनाए रखा नहीं गया था। साथ ही, कलाकृतियों समेत निश्चित संपत्तियों और सूचीओं का भौतिक सत्यापन वर्ष 2017-18 के दौरान आयोजित नहीं किया गया था।

घ] सांविधिक बकाया भुगतान के भुगतान में नियमितता

सोसायटी वैधानिक बकाया भुगतान के भुगतान में नियमित थी।

दि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में किए गए खातों पर टिप्पणियों पर सोसायटी का उत्तर

अनुच्छेद संख्या	लेखापरीक्षा द्वारा खातों पर टिप्पणियां	एशियाटिक सोसाइटी का उत्तर
A	साधारण	
1.1	सोसाइटी ने 1.01 करोड़ रुपये के निवेश पर 24 अक्टूबर 2016 और 19 जुलाई 2017 के बीच की अवधि अर्जित ब्याज के लिए जिम्मेदार नहीं है।	मामला स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पार्क स्ट्रीट शाखा (निवेश राशि रुपये 1,01,00,274/-) के साथ एफडीआर नं 36032763924 से संबंधित है, जिसे अंतिम बार 23.10.2016 को निवेश किया गया था और 19.07.2017 को परिपक्वता पर लगाया गया था। यह हमारे रिकॉर्ड से पता चला कि 24.10.2016 - 19.07.2017 की अवधि के लिए बैंक द्वारा कोई ब्याज नहीं दिया गया था। बैंक से पूछताछ पर, हमें बताया गया है कि यह उनके हिस्से में एक तकनीकी गलती थी। हालांकि, 09.10.2018 दिनांकित हमारे पत्र संख्या 12893 का जवाब मे बैंक ने हमारे बचत खाता में उपर्युक्त अवधि के लिए दिनांकित 01.11.2018 को रुपये 4,15,228/- बचत खाता संख्या 10959203687 मे ब्याज जमा किया है। (शुद्ध ब्याज रुपये 4,61,353/- के ऊपर रुपये 40,137/- आयकर काटने के बाद) जिसे दिनांकित 05.11.2018 को एसबीआई बचत खाता को डेबिट करके और निवेश (एंडोमेंट) पर ब्याज जमा करके वर्ष 2018-19 के खातों में लिया गया है, आयकर प्राप्य के लिए समायोजन के साथ। चूंकि निवेशक पर अर्जित ब्याज प्राप्त हुआ है और बाद के लेखा अवधि (2018-19) में जिम्मेदार है, मामला बस गया है।
1.2	सोसाइटी ने खातों के समान प्रारूप में निर्धारित वित्तीय विवरणों में लेनदेन की रकम को गोल नहीं किया है।	लेखा के समान प्रारूप के "वित्तीय वक्तव्यों के संकलन के लिए नोट्स और निर्देश" की मद संख्या 12, राउंडिंग ओ बताती है कि तुलन पत्र और आय और व्यय खाते में आंकड़े, यदि गोलाकार हो जाएंगे, तो उन्हें बंद कर दिया जाएगा एक लाख से भी कम से कम एक हजार करोड़ रुपये से कम आंकड़ों के कारोबार के आधार पर"। हालांकि, इस तरह के गोलाकार बंद, जो सूचक प्रकृति का है, तुलनात्मक आंकड़ों में स्थिरता बनाए रखने और खाताधारकों के खातों के अनुसार वास्तविक आंकड़ों की रिपोर्ट करने के लिए अभी तक नहीं किया गया है। इसके अलावा, गोलाकार करने के लिए कारोबार मानदंड सोसाइटी के वित्तीय वक्तव्य तैयार करने के लिए काफी उचित नहीं लगता है।

1.3	सोसाइटी ने खातों के समान प्रारूप में निर्धारित अनुसार मूल्यांकन मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ (ग्रैच्युइटी और लीव एनकैशमेंट) के प्रावधानों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया था।	वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ (ग्रैच्युइटी एंड लीव एनकैशमेंट) के प्रावधान निश्चित रूप से किए जाएंगे और इसे अनुसूची 24 के आइटम नंबर 9 में "महत्वपूर्ण लेखा नीतियों" में दर्शाया गया है।
1.4	सोसाइटी ने आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के मुताबिक मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया है। (i) पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाओं; और (ii) विद्युत प्रतिष्ठान के लिए । इसके अलावा, "पांडुलिपियों और कला वस्तुओं" के लिए कोई मूल्यह्रास नहीं लिया गया है। सोसाइटी को "पांडुलिपियों और कला वस्तुओं" के संबंध में अपनी मूल्यह्रास नीति निर्दिष्ट करने की आवश्यकता है और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों / खातों में नोट्स में मूल्यह्रास चार्ज न करने के कारणों को उचित ठहराना है।	आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार विद्युत प्रतिष्ठानों पर मूल्यह्रास 15% पर प्रदान किया गया है (अनुसूची 8 - अचल संपत्तियां के आइटम संख्या 8 देखें)। चूंकि पांडुलिपियों और कला वस्तुओं और सोसाइटी के कब्जे में लाइब्रेरी पुस्तकें और पत्रिकाओं का एक बड़ा हिस्सा अभिलेखीय वस्तुओं हैं और अभिलेखीय वस्तुओं पर मूल्यह्रास प्रदान करने के लिए कोई नीति नहीं है, शुरुआत से ही इस तरह के सामानों पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है और 2017-18 में स्थिरता बनाए रखा गया है। इस तरह की अवमूल्यन नीति तैयार की जाती है, इस अवधि का उल्लेख आगामी अवधि के वित्तीय वक्तव्यों में "महत्वपूर्ण लेखा नीतियां / खातों में नोट्स" में किया जाएगा।
B	अनुदान सोसायटी मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2017-18 के दौरान, सोसाइटी को कुल अनुदान मिला रुपये 27.69 करोड़ । सोसाइटी के पास अनुचित अनुदान की शुरुआती शेष राशि थी रुपये 6.82 करोड़ रुपये के कुल उपलब्ध निधि रुपये 34.51 करोड़में से, सोसाइटी ने रुपये 21.31 करोड़ खर्च किया, अनुचित अनुदान रुपये 13.20 करोड़ छोड़कर।	हालांकि लेखापरीक्षा ने वर्ष 2017-18 (यानी 2016-17 की समाप्ति शेष राशि) के लिए अनुचित अनुदान की शुरुआती शेष राशि के रूप में 6.82 करोड़ रुपये, लेखा परीक्षा में जमा सोसायटी के प्रति उपयोग प्रमाण पत्र 2017-18 के लिए अनुचित अनुदान की वास्तविक उद्घाटन शेष राशि रुपये 1.36 करोड़। वर्ष 2016-17 के लिए अनुचित अनुदान का अंतर पहले से ही 2016-17 के लिए पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट के जवाब में समझाया गया है और साथ ही 2017-18 के लिए अनुदान की मांग करते हुए संस्कृति मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया है। जहां मामला हल हो गया था। वर्ष 2017-18 के लिए सोसायटी के उपयोग प्रमाणपत्र के अनुसार 31.03.2018 को संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त अनुदान-अनुदान संतुलन रुपये 4,39,26,285/- है। एक वर्ष की अनुदान सहायता का उपयोग प्रमाणपत्र उस विशेष वर्ष के लिए रसीदें और भुगतान खाते के आधार पर तैयार किया जाता है (इस मामले में, 2017-18) और उस वर्ष की गतिविधियों के लिए अग्रिम भुगतान (इस मामले में, 2017-18) जो प्राप्तियां और भुगतान खाते के माध्यम से प्रतिबिंबित होते हैं उन्हें अनुदान सहायता के उपयोग के रूप में शामिल किया जाता है। खापरीक्षा द्वारा तैयार किए गए अनुदान संतुलन में अंतर और जैसा कि 2017-18 के लिए उपयोग प्रमाण पत्र में सोसाइटी द्वारा रिपोर्ट किया गया है, अनुदान के उपयोग के रूप में अग्रिम भुगतान पर विचार नहीं किया जाता है। एक सुलह बयान नीचे दिया गया है।

<table>
<tr>
<td></td>
<td></td>
<td>
31.03.2018 को अनगिनत अनुदान की सुलह

करोड़ में रुपये
<table>
<tr><th>विवरण</th><th>जैसा कि लेखापरीक्षा द्वारा किया गया है</th><th>जैसा कि सोसाइटी इन उपयोग प्रमाण पत्र द्वारा रिपोर्ट किया गया है</th></tr>
<tr><td>प्रारंभिक शेष (01.04.2018)</td><td>6.82</td><td>1.36</td></tr>
<tr><td>2017-18 के दौरान प्राप्त हुआ अनुदान</td><td>27.69</td><td>27.69</td></tr>
<tr><td>2017-18 के दौरान व्यय (*)</td><td>21.31</td><td>24.66</td></tr>
<tr><td>समाप्ति के समय बकाया (31.03.2018)</td><td>13.20</td><td>4.39</td></tr>
</table>
(*) लेखापरीक्षा अग्रिम भुगतान अनुदान उपयोग के रूप में विचार नहीं करने के कारण अंतर।

इसलिए, 31.03.2018 को 13.20 करोड़ रुपये के अनुदान पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट अनुचित लगता है, वास्तविक आंकड़ा 2017-18 के यूसी के अनुसार 4.39 करोड़ रुपये है।
</td>
</tr>
<tr>
<td>C</td>
<td>प्रबंधन पत्र

लेखापरीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं होने वाली कमी को उपचारात्मक / सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से, जनरल एशियाई सोसाइटी, कोलकाता के महासचिव को नोटिस में लाया गया है।</td>
<td>18.12.2018 के प्रबंधन पत्र में उल्लिखित कमियों पर लेखापरीक्षा के सुझावों पर ध्यान दिया गया है। उसमें उल्लिखित सभी पांच बिंदुओं पर सुधारात्मक कार्रवाई शुरू की गई है और वित्तीय लेखा वर्ष 2018-19 के दौरान आवश्यक लेखांकन सुधारों के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी।</td>
</tr>
</table>

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 19 दिसंबर 2018

सुजीत कुमार दास 19.12.2018
[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

[एस बी चक्रवर्ती] 19/12/18
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

वार्षिक खाता

2017-18

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (राशि - रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (राशि - रु.)
निधि एवं देयताएँ			
पूँजीगत निधि	1	393208984.15	313658797.78
प्रारक्षित निधि एवं अधिशेष	2	0.00	0.00
उद्दिष्ट/अक्षय निधि	3	20960371.99	20220759.90
जमानती ऋण एवं उधार	4	0.00	0.00
गैर-जमानती ऋण देयताएँ	5	0.00	0.00
आस्थगित ऋण देयताएँ	6	0.00	0.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	7	35332016.69	7851241.60
योग		**449501372.83**	**341730799.28**
परिसंपत्तियाँ			
अचल परिसंपत्ति	8	227117321.05	215513843.05
उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	9	19113376.00	18370532.00
अन्य निवेश	10	3789500.00	3789500.00
वर्तमान परसंपत्ति, ऋण, अग्रिम इत्यादि	11	199481175.78	104056924.23
विविध व्यय (बट्टे खाते न डाले जाने अथवा समायोजित न किए जाने की सीमा तक)		0.00	0.00
योग		**449501372.83**	**341730799.28**

महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ 24

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणी 25

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 10 अगस्त, 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांति भौमिक]
कार्यकारी कोषाध्यक्ष

[एस बी चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष से संबंधित आय-व्यय लेखा

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष (राशि - रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (राशि - रु.)
आय			
बिक्री/सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान/सब्सिडी	13	233995000.00	225363464.03
शुल्क/अंशदान	14	1375237.50	367900.00
निवेश से आय	15	2340624.00	2340624.00
रायल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय	16	3223873.00	1313327.00
उपार्जित ब्याज	17	2568429.00	2934219.00
अन्य आय	18	451963.00	201348.00
तैयार माल के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं कार्य-प्रगति	19	-1545.00	0.00
योग (क)		**243953581.50**	**232520882.03**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	189264593.00	140395699.00
अन्य प्रशासनिक व्यय इत्यादि	21	36628157.00	22774642.66
अनुदान, सब्सिडी इत्यादि से संबंधित व्यय	22	0.00	0.00
उपार्जित ब्याज	23	7187.13	0.00
मूल्यह्रास (वर्ष के अंत में कुल योग-अनुसूची 8 के अनुरूप)	8	6281355.00	6881516.00
योग (ख)		**232181292.13**	**170051857.66**
व्यय से अधिक आयशेष (क-ख)		**11772289.37**	**62469024.37**
पूर्व अवधि के समायोजन		1947553.00	107487.00
विशेष प्रारक्षित निधि में अंतरण		0.00	0.00
सामान्य प्रारक्षित निधि से/को अंतरण		0.00	0.00
कार्पस/पूँजीगत निधि में अग्रेनीत अतिरिक्त/(घाटा) शेष		**13719842.37**	**62576511.37**

महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ 24

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणी 25

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांति भौमिक]
कार्यकारी कोषाध्यक्ष

[एस बी चक्रवर्ती]
महासचिव

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 10 अगस्त, 2018

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष से संबंधित प्राप्ति एवं भुगतान

(राशि - रु.)

प्राप्ति	वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
उपलब्ध रोकड़			व्यय		
अथशेष	90468.00	54795.00	स्थापना व्यय	164828207.00	149143027.00
			कार्यक्रमों और गतिविधियों पर खर्च	17679257.00	
			अन्य प्रशासनिक व्यय	16600528.00	29531962.66
बैंक में रोकड़			बकाया व्यय के खिलाफ भुगतान	76068.00	
चालू खाता में	-11974206.38	0.00			
जमा खाता में	0.00	8300138.76	विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित निधियों से किया गया भुगतान		
			अक्षय निधि	267668.00	390850.00
बचत खाता में	43183073.56	0.00	निर्धारित निधि	498198.00	805900.50

प्राप्त अनुदान					
भारत सरकार से	276899000.00	253905976.00	निवेश और जमा		
बाह्य परियोजना से	695666.00	616860.00	निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड से बाहर [नेट]	742844.00	10000000.00
			अपने स्वयं के निधि से बाहर [अन्य निवेश]	0.00	3789000.00
निवेश पर आय					
निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड	669314.21	683611.00	फिक्स्ड एसेट्स और सीडब्ल्यूआईपी पर व्यय		
अपने फंड [अन्य निवेश]	0.00	706819.00	निश्चित संपतियों की खरीद	13879553.00	2048309.55
			प्रगति में पूंजीगत कार्य पर व्यय	0.00	92373.42
ब्याज प्राप्त किया					
बचत खाते पर	2267167.00	1822686.00	वित्त प्रभार		
कर्मचारी ऋण पर	0.00	304440.00	ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	7187.13	0.00
अन्य आय			अन्य भुगतान		
प्रकाशनों की बिक्री	3155538.00	1279267.00	कर्मचारियों से वैधानिक कटौती	25050508.00	16770052.00
सदस्यता शुल्क	672662.50	56750.00	ठेकेदार से वैधानिक कटौती	616105.00	316768.00
फोटो एलबम और Mementos की बिक्री	68335.00	34060.00	रिजर्व मनी	786035.00	424193.00
किराया	1797164.00	1749034.00	कम से कम धन जमा की वापसी	0.00	9500.00
संगोष्ठी के लिए पंजीकरण शुल्क	0.00	59000.00	पार्टियों के लिए अग्रिम	1640000.00	4590070.00
अन्य लोग	577339.00	217048.00	कर्मचारियों के लिए अग्रिम	5999865.00	4406313.00
			पूंजीगत संपत्ति के निर्माण के लिए अग्रिम	27817880.00	38604000.00

			सुरक्षा जमा की वापसी	303526.00	0.00
अन्य रसीदें			जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम	4720092.00	4865191.45
ठेकेदार से कम से कम धन जमा	25000.00	39700.00			
कर्मचारियों से वैधानिक कटौती	30167097.00	17688332.00	जमा शेष		
ठेकेदार से वैधानिक कटौती	517756.00	313902.00	हाथ में पैसे	94303.00	90468.00
सुरक्षा जमा	523077.00	396448.00			
रिजर्व मनी	911821.00	451081.00	बैंक में नकदी		
पार्टियों से बरामद किया गया अग्रिम	199997.00	3600820.00	चालू खातों में	45358870.99	-11974206.38
कर्मचारियों से अग्रिम अग्रिम	3874383.00	4806078.00	जमा खातों में	0.00	0.00
			बचत खातों में	27354956.77	43183073.56
कुल	354321651.89	297086845.76	कुल	354321651.89	297086845.76

स्थानः कोलकाता
दिनांकः 10 अगस्त, 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांति भौमिक]
कार्यकारी कोषाध्यक्ष

[एस बी चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 1	वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
पूंजी निधि	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
साल की शुरुआत में संतुलन		313658797.78		245764774.44
जोड़ें: बंद स्टॉक के लिए समायोजन		22926344.00		
मुद्रित प्रकाशन		42904000.00		5317511.97
जोड़ें: कॉर्पस / पूंजीगत फंड की ओर योगदान		13719842.37		62576511.37
साल के अंत में संतुलन		393208984.15		313658797.78

अनुसूची 2		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
	आरक्षण और सर्पिल	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	संपत्ति कोष				
	अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान जोड़ों	0.00		0.00	
	कम: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
2	पुनर्मूल्यांकन आरक्षित				
	अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान जोड़ों	0.00		0.00	
	कम: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
3	विशेष रिजर्व				
	अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान जोड़ों	0.00		0.00	
	कम: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
4	सामान्य रिजर्व				
	अंतिम खाते के अनुसार	0.00		0.00	
	वर्ष के दौरान जोड़ों	0.00		0.00	
	कम: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
	कुल		0.00		0.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 3

एंडॉवमेंट फंड और निर्धारित फंड

(राशि रु.)

क्रमांक	फंड श्रेणी	प्रारंभिक संतुलन	फंड में जोड़			कुल	धन के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय					कुल	साल के अंत में शुद्ध संतुलन
		ए	बी			[ए + बी]	सी					सी	[ए + बी] - सी
			दान/ अभिदान	निधि के कारण किए गए निवेश से आय	अन्य जोड़ें		पूँजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			सी [i] + सी [ii]	
							अचल संपत्तियां	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
ए	एंडॉवमेंट फंड [अनुसूची में फंड वार ब्रेक अप 3 (ए)]	19113375.65	0.00	810212.09	0.00	19923587.71	0.00	0.00	0.00	0.00	268068.00	268068.00	19655519.74
बी	निर्धारित फंड [अनुसूची में फंड वार ब्रेक अप 3 (बी)]	1107384.25	695666.00	0.00	0.00	1803050.25	0.00	0.00	470284.00	0.00	27914.00	498198.00	1304852.25
कुल [ए+बी]		20220759.90	695666.00	810212.09	0.00	21726637.96	0.00	0.00	470284.00	0.00	295982.00	766266.00	20960371.99
पूर्ववर्ती वर्ष		19987394.28	616860.00	813256.12	0.00	21417510.40	0.00	0.00	758777.00	0.00	437973.50	1196750.50	20220759.90

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 3 (ए)

एंडॉवमेंट फंड – निधि के अनुसार विभाजन

(राशि रु.)

क्रमांक	फंड श्रेणी	प्रारंभिक संतुलन	फंड में जोड़			कुल	धन के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय					कुल	साल के अंत में शुद्ध संतुलन
		ए	बी			[ए + बी]	सी					सी	[ए + बी] - सी
			दान/ अभिदान	निधि के कारण किए गए निवेश से आय	अन्य जोड़		पूँजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			सी [i] + सी [ii]	
							अचल संपत्तियां	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	आभा मैटी लेक्चर फंड	538730.84	0.00	22836.66	0.00	561567.50	0.00	0.00	0.00	0.00	37160.00	37160.00	524407.50
2	अन्नदले पदक फंड	434314.92	0.00	18410.52	0.00	452725.44	0.00	0.00	0.00	0.00	11960.55	11960.55	440764.89
3	बी बी मजूमदार लेक्चर फंड	389062.16	0.00	16492.27	0.00	405554.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	405554.43
4	बार्कले पदक निधि	434984.56	0.00	18438.91	0.00	453423.47	0.00	0.00	0.00	0.00	3079.30	3079.30	450344.17
5	बिमला चरन लॉ कोल। निधि	15306.04	0.00	648.82	0.00	15954.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15954.86
6	बिमला चरन लॉ मेडल फंड	424866.54	0.00	18010.01	0.00	442876.55	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	442876.55
7	बिरेन रॉय पदक फंड	51931.01	0.00	2201.34	0.00	54132.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	54132.35
8	डी पी खेतान पदक फंड	424877.73	0.00	18010.48	0.00	442888.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	442888.21

अनुसूची 3 (ए) एंडॉवमेंट फंड – निधि के अनुसार विभाजन [अविच्छिन्नित]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
9	डॉ प्रभाती मुखर्जी पदक निधि	367902.36	0.00	15595.31	0.00	383497.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	383497.67
10	हेम च। रॉय चौधरी पदक फंड	104876.55	0.00	4445.70	0.00	109322.25	0.00	0.00	0.00	0.00	3682.00	3682.00	105640.25
11	इंडियन साइंस कांग्रेस फंड	438657.03	0.00	18594.58	0.00	457251.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	457251.61
12	इंदिरा गांधी पदक निधि	450507.79	0.00	19096.93	0.00	469604.72	0.00	0.00	0.00	0.00	22617.50	22617.50	446987.22
13	इंदिरा गांधी व्याख्यान निधि	570350.13	0.00	24177.03	0.00	594527.16	0.00	0.00	0.00	0.00	2633.50	2633.50	591893.66
14	जॉय गोविंदा लॉ मेडल फंड	440914.63	0.00	18690.28	0.00	459604.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	459604.91
15	माया देब पदक फंड	321980.71	0.00	13648.70	0.00	335629.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	335629.41
16	मेघनाद साहा मेमोरियल फंड	432741.89	0.00	18343.84	0.00	451085.73	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	451085.73
17	एन एन चटर्जी पदक फंड	411930.77	0.00	17461.66	0.00	429392.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	429392.43
18	नरेश च। सेनगुप्ता पदक निधि	423596.25	0.00	17956.16	0.00	441552.41	0.00	0.00	0.00	0.00	19540.55	19540.55	422011.86
19	पंचानन मित्र लेक्चर फंड	163930.14	0.00	6948.97	0.00	170879.11	0.00	0.00	0.00	0.00	19314.00	19314.00	151565.11
20	पॉल जोन्स ब्रुहल पदक फंड	406502.38	0.00	17231.55	0.00	423733.93	0.00	0.00	0.00	0.00	9749.55	9749.55	413984.38
21	प्रथमनाथ बोस पदक फंड	409104.01	0.00	17341.84	0.00	426445.85	0.00	0.00	0.00	0.00	2049.55	2049.55	424396.30
22	प्रसंत राय और गीता रॉय पदक फंड	197554.43	0.00	8374.29	0.00	205928.72	0.00	0.00	0.00	0.00	15271.00	15271.00	190657.72
23	प्रियब्राता रॉय पदक फंड	202731.49	0.00	8593.75	0.00	211325.24	0.00	0.00	0.00	0.00	15002.00	15002.00	196323.24
24	पं। इश्वरचंद्र विद्यासागर	1336975.21	0.00	56674.11	0.00	1393649.32	0.00	0.00	0.00	0.00	32219.00	32219.00	1361430.32
25	राजस्थानी फंड	455681.70	0.00	19316.25	0.00	474997.95	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	474997.95
26	रामप्रसाद चंद्र पदक फंड	376917.09	0.00	15977.44	0.00	392894.53	0.00	0.00	0.00	0.00	3060.00	3060.00	389834.53

अनुसूची 3 (ए) एंडॉवमेंट फंड – निधि के अनुसार विभाजन [अविच्छिन्नित]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	रणधीर रॉय पदक फंड	219492.30	0.00	9304.23	0.00	228796.53	0.00	0.00	0.00	0.00	810.00	810.00	227986.53
28	सारत चंद्र रॉय पदक फंड	413571.13	0.00	17531.20	0.00	431102.33	0.00	0.00	0.00	0.00	3589.55	3589.55	427512.78
29	सुनीता कुमार चटर्जी व्याख्यान निधि	353663.25	0.00	14991.71	0.00	368654.96	0.00	0.00	0.00	0.00	23303.00	23303.00	345351.96
30	एस सी चक्रवर्ती पदक निधि	417509.93	0.00	17698.16	0.00	435208.09	0.00	0.00	0.00	0.00	9032.55	9032.55	426175.54
31	एस एन डे और मंजुला डे मेडल	424223.34	0.00	17982.74	0.00	442206.08	0.00	0.00	0.00	0.00	2135.30	2135.30	440070.78
32	एस एन सेन लेक्चर फंड	209763.08	0.00	8891.81	0.00	218654.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	218654.89
33	सरतालल विश्वास मेडल फंड	408852.10	0.00	17331.16	0.00	426183.26	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	426183.26
34	सर जदुनाथ सरकार पदक फंड	400504.61	0.00	16977.31	0.00	417481.92	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	417481.92
35	सर विलियम जोन्स पदक फंड	318481.35	0.00	13500.36	0.00	331981.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	331981.71
36	सुधा बसु मेमोरियल लेक्चर फंड	329946.69	0.00	13986.37	0.00	343933.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	343933.06
37	सुकुमार सेन पदक फंड	429476.91	0.00	18205.44	0.00	447682.35	0.00	0.00	0.00	0.00	2049.55	2049.55	445632.80
38	सुइट सी मित्रा पदक फंड	411691.18	0.00	17451.51	0.00	429142.69	0.00	0.00	0.00	0.00	790.00	790.00	428352.69
39	स्वामी प्रणबानंद पदक फंड	283246.13	0.00	12006.75	0.00	295252.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295252.88
40	जीएसआई सेक्विसेन्ट कॉम एल / एम फंड	772860.99	0.00	32761.42	0.00	805622.41	0.00	0.00	0.00	0.00	675.55	675.55	804946.86
41	टैगोर पीस अवॉर्ड फंड	476564.46	0.00	20201.47	0.00	496765.93	0.00	0.00	0.00	0.00	28344.00	28344.00	468421.93
42	विदेशी दान - जापान	3016599.84	0.00	127873.05	0.00	3144472.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3144472.89
	कुल	19113375.65	0.00	810212.09	0.00	19923587.71	0.00	0.00	0.00	0.00	268068.00	268068.00	19655519.74

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 3 (बी)

निर्धारित फंड - निधि के अनुसार विभाजन

(राशि रु.)

क्रमांक	फंड श्रेणी	प्रारंभिक संतुलन	फंड में जोड़			कुल	धन के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय					कुल	साल के अंत में शुद्ध संतुलन
		ए	बी			[ए + बी]	सी					सी	[ए+ बी] - सी
							पूँजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]				
			दान/ अभिदान	निधि के कारण किए गए निवेश से आय	अन्य जोड़ों		अचल संपत्तियां	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि।	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय	सी [i] + सी [ii]	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एएसके-एमआरसी)	618425.50	450000.00	0.00	0.00	1068425.50	0.00	0.00	246084.00	0.00	4388.00	250472.00	817953.50
2	भारतीय राष्ट्रीय बिग्यान अकादमी (आईएनएसए)	229544.60	245666.00	0.00	0.00	475210.60	0.00	0.00	224200.00	0.00	23526.00	247726.00	227484.60
3	सोशल साइंस रिसर्च के लिए भारतीय कंसिल	65463.00	0.00	0.00	0.00	65463.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	65463.00
4	प्रकाशन के लिए डब्ल्यूबी अनुदान सरकार	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00

अनुसूची 3 (बी) निर्धारित फंड - निधि के अनुसार विभाजन [अविच्छिन्नित]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
5	आयुर्वैदिक चिकित्सा पर संगोष्ठी के लिए भारत सरकार जाओ	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	इंदिरा गांधी मनाब संग्रामलय	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	फिलॉसॉजिकल रिसर्च के लिए भारतीय परिषद	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	ऐतिहासिक अनुसंधान के लिए भारतीय परिषद	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	कुल	1107384.25	695666.00	0.00	0.00	1803050.25	0.00	0.00	470284.00	0.00	27914.00	498198.00	1304852.25

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 4		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
सुरक्षित ऋण और बोर्विंग्स		(राशि-रु.)	(राशि-रु.)	(राशि-रु.)	(राशि-रु.)
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वितीय संस्थाए		0.00		0.00
4	बैंकों		0.00		0.00
5	अन्य संस्थानों और एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7	अन्य (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
कुल			0.00		0.00

अनुसूची 5		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
असुरक्षित ऋण और बोर्विंग्स		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वितीय संस्थाए		0.00		0.00
4	बैंकों		0.00		0.00
5	अन्य संस्थानों और एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
7	सावधि जमा		0.00		0.00
8	अन्य (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
कुल			0.00		0.00

अनुसूची 6		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
निर्धारित क्रेडिट देनदारियां		Rs	Rs	Rs	Rs
1	हाइपोथेकेशन द्वारा सुरक्षित स्वीकार्यता पूंजीगत उपकरण और अन्य संपत्तियां		0.00		0.00
2	अन्य		0.00		0.00
कुल			0.00		0.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 7		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
वर्तमान उत्तरदायित्व और प्रावधान		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
A	वर्तमान देनदारियां				
1	स्वीकृतियां	0.00			0.00
2	विविध लेनदार				
i]	सामान के लिये	0.00		0.00	
ii]	अन्य	71422.89	71422.89	71422.89	71422.89
3	अग्रिम प्राप्त [सदस्यता]		21000.00		8500.00
4	ब्याज अर्जित किया गया लेकिन ऋण / उधार के कारण नहीं		0.00		0.00
5	वैधानिक देयताएं				
i]	सामान के लिये	0.00		0.00	
ii]	अन्य	6633036.00	6633036.00	1255102.00	1255102.00
6	अन्य चालू देनदारियां		5422279.80		4492595.71
कुल [ए]			**12147738.69**		**5827620.60**
B	प्रावधान				
1	कराधान के लिए		0.00		0.00
2	ग्रेच्युटी		10000000.00		0.00
3	सुपरन्यूएशन / पेंशन		0.00		0.00
4	संचित छुट्टी एनकैशमेंट		10000000.00		0.00
5	व्यापार वारंटी / दावों		0.00		0.00
6	अन्य		3184278.00		2023621.00
कुल [बी]			**23184278.00**		**2023621.00**
कुल [ए + बी]			**35332016.69**		**7851241.60**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 8 - अचल परिसंपत्तियाँ

(राशि - रु.)

संपति श्रेणी	मूल्यह्रास की दर	सकल ब्लॉक				मूल्य ह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौतियाँ	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत में	पूर्ववर्ती वर्ष के अंत में
		[1]	[2]	[3]	'[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
क. अचल परिसंपत्तियाँ											
1. भूमि											
क. पूर्ण स्वामित्व	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
ख. पट्टे पर	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. भवन							0.00		0.00	0.00	0.00
क पूर्ण स्वामित्व की भूमि पर	10%	17281356.63	0.00	0.00	17281356.63	9663732.67	761762.00	0.00	10425494.67	6855861.96	7617623.96
ख पट्टाधृत भूमि पर	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	132566.70	10020.00	0.00	142586.70	90177.30	100197.30
3. संयंत्र और मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. वाहन	15%	2573974.00	831369.00	0.00	3405343.00	1616503.03	205973.00	0.00	1822476.03	1582866.97	957470.97
5. फर्नीचर और स्थिरता	10%	25573473.34	3269843.00	0.00	28843316.34	16738144.83	1049883.00	0.00	17788027.83	11055288.51	8835328.51
6. कार्यालय उपकरण	15%	32773724.18	4269789.00	0.00	37043513.18	21913097.27	1954297.00	0.00	23867394.27	13176118.91	10860626.91
7. कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर & नेटवर्किंग	40%	12127957.20	2391184.00	0.00	14519141.20	10269835.47	1221485.00	0.00	11491320.47	3027820.73	1858121.73

अनुसूची 8 - अचल परिसंपत्तियाँ [अविच्छिन्नित]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
8. विद्युत उपस्कर	15%	9677652.21	22658.00	0.00	9700310.21	5166622.50	679513.00	0.00	5846135.50	3854174.71	4511029.71
9. पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाओं	0%	91114327.32	7091990.00	0.00	98206317.32	0.00	0.00	0.00	0.00	98206317.32	91114327.32
10. नलकूप एवं जल-आपूर्ति	10%	5613090.85	0.00	0.00	5613090.85	1628872.67	398422.00	0.00	2027294.67	3585796.18	3984218.18
11. अन्य संपत्तियां											
ए) माइक्रोफिल्म और दस्तावेजीकरण	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
बी) हस्तलिपि और कला वस्तुओं - संग्रहालय	0%	3794490.00	8000.00	0.00	3802490.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3802490.00	3794490.00
वर्तमान वर्ष का कुल [क]		212122983.59	17884833.00	0.00	230007816.59	73059803.96	6281355.00	0.00	79341158.96	150666657.63	139063179.63
पूर्ववर्ती वर्ष		206897845.04	5225138.55	0.00	212122983.59	66178287.96	6881516.00	0.00	73059803.96	139063179.63	
ख. चल रहा पूँजीगत निर्माण- कार्य											
साल्ट लेक कैंपस		31329830.42	0.00	0.00	31329830.42	0.00	0.00	0.00	0.00	31329830.42	31329830.42
पार्क स्ट्रीट बिल्डिंग		45120833.00	0.00	0.00	45120833.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45120833.00	45120833.00
वर्तमान वर्ष का कुल [ख]		76450663.42	0.00	0.00	76450663.42	0.00	0.00	0.00	0.00	76450663.42	76450663.42
पिछला साल		76358290.00	92373.42	0.00	76450663.42	0.00	0.00	0.00	0.00	76450663.42	
वर्तमान वर्ष का कुल [क+ख]		288573647.01	17884833.00	0.00	306458480.01	73059803.96	6281355.00	0.00	79341158.96	227117321.05	215513843.05
पूर्ववर्ती वर्ष		283256135.04	5317511.97	0.00	288573647.01	66178287.96	6881516.00	0.00	73059803.96	215513843.05	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03. 2018को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 9		**वर्तमान वर्ष**		**पूर्ववर्ती वर्ष**	
निवेश से अर्जित - एंडॉवमेंट फंड और निर्धारित फंड		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	सरकारी प्रतिभूतियों में		0.00		0.00
2	अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज		0.00		0.00
3	शेयरों		0.00		0.00
4	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	अन्य: एसबीआई पार्क सेंट और यूबीआई पार्क सेंट के साथ टीडीआर		19113376.00		18370532.00
	कुल		19113376.00		18370532.00

अनुसूची 10		**वर्तमान वर्ष**		**पूर्ववर्ती वर्ष**	
निवेश से अर्जित - अन्य		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	सरकारी प्रतिभूतियों में		500.00		500.00
2	अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज		0.00		0.00
3	शेयरों		0.00		0.00
4	डिबेंचर और बांड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	अन्य:		3789000.00		3789000.00
	कुल		3789500.00		3789500.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 11		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
वर्तमान संपत्ति ऋण और अग्रिम		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
ए	वर्तमान संपत्ति				
1	सूची				
a	स्टोर और स्पेयर	0.00		0.00	
b	ढीला उपकरण	0.00		0.00	
c	बिक्री के लिए माल				
(i)	समाप्त सामान [मुद्रित प्रकाशन]	22926344.00		0.00	
(ii)	कार्य प्रगति पर है	0.00		0.00	
(iii)	कच्चे माल [संरक्षण सामग्री]	33067.00	22959411.00	34612.00	34612.00
2	विविध देनदार				
a	एक अवधि के लिए बकाया ऋण	186881.22		186881.22	
b	छह महीने से अधिक	0.00	186881.22	0.00	186881.22
3	अन्य लोग		94303.00		90468.00
4	हाथ में नकद शेष				
a	बैंक शेष				
(i)	अनुसूचित बैंकों के साथ	45358870.99		-11974206.38	
(ii)	चालू खाते पर	0.00		0.00	
(iii)	जमा खाते पर	27354956.77	72713827.76	43183073.56	31208867.18
b	बचत खाते पर				
(i)	गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
(ii)	चालू खाते पर	0.00		0.00	
(iii)	जमा खाते पर	0.00	0.00	0.00	0.00
5	बचत खाते पर		0.00		0.00
	कुल [ए]		95954422.98		31520828.40

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को तुलन-पत्र से संबंधित अनुसूची

अनुसूची 11		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
वर्तमान संपत्ति ऋण और अग्रिम		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
बी	ऋण और अग्रिम				
1	ऋण				
a	कर्मचारियों	503670.00		836798.00	
b	इसी तरह की गतिविधियों में लगे अन्य संस्थाएं	0.00		0.00	
c	अन्य लोग	0.00	503670.00	0.00	836798.00
2	अग्रिम और अन्य रकम वसूली योग्य				
a	नकद या दयालु या मूल्य प्राप्त करने के लिए	78045264.00		50227384.00	
b	पूंजीगत खाते पर	6279451.03		5557189.03	
c	अभिभाषक। जर्नल सदस्यता के लिए भुगतान	1282098.84		1282098.84	
d	सुरक्षा जमा	1500.00		1500.00	
e	अग्रिम धन	684.00		684.00	
f	आयकर विभाग के साथ [टीडीएस]	96759.00		0.00	
g	अनुबंध भुगतान पर टीडीएस [2017-18]	12352471.73	98058228.60	11065020.64	68133876.51
3	अन्य [कर्मचारी / विद्वान / आपूर्तिकर्ता]				
a	आय अर्जित	269859.00		128961.12	
b	से निवेश पर	0.00		0.00	
c	निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड	0.00		0.00	
d	निवेश पर- अन्य	3026787.40		2483327.40	
e	ऋण और अग्रिम पर	1668207.80		953132.80	
f	किराया प्राप्य	0.00	4964854.20	0.00	3565421.32
4	सदस्यता प्राप्य		0.00		0.00
कुल [बी]			103526752.80		72536095.83
कुल [ए + बी]			199481175.78		104056924.23

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 12		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
बिक्री / सेवाओं से आय		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	बिक्री से आय		0.00		0.00
2	सेवाओं से आय		0.00		0.00
कुल			**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
अनुदान / सब्सिडी		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
	(अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त किया)				
1	केंद्र सरकार		233995000.00		225363464.03
2	राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	सरकारी संस्थाएं		0.00		0.00
4	संस्थान / कल्याण निकाय		0.00		0.00
5	अंतरराष्ट्रीय संगठन		0.00		0.00
6	अन्य		0.00		0.00
कुल			**233995000.00**		**225363464.03**

संस्कृति मंत्रालय से प्राप्त अनुदान-सहायता, भारत सरकार [अनुसूची 3 में आइटम नंबर 1 का टूटना]		(राशि रु.)	टिप्पणियों
1	अनुदान-सहायता-सहायता: सामान्य	58000000.00	
2	अनुदान-सहायता-सहायता: वेतन	173995000.00	राजस्व अनुदान (आय के रूप में माना)
3	अनुदान-इन-एड: उत्तर पूर्वी क्षेत्र	1500000.00	
4	अनुदान-सहायता-सहायता: स्वच्छता कार्य योजना	500000.00	
कुल		**233995000.00**	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03. 2018को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 14		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
शुल्क और सदस्यता		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	प्रवेश / प्रवेश शुल्क		16400.00		15700.00
2	वार्षिक शुल्क / सदस्यता		944262.50		293200.00
3	जीवन सदस्यता शुल्क		414575.00		0.00
4	संगोष्ठी / कार्यक्रम शुल्क		0.00		59000.00
5	सलहाकरी संस्था का शुल्क		0.00		0.00
6	अन्य		0.00		0.00
कुल			1375237.50		367900.00

अनुसूची 15		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
निवेश से आय		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
	(निवेश से आय निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड निधि में स्थानांतरित)				
1	डॉवमेंट फंड के खिलाफ निवेश पर ब्याज		810212.09		813256.12
2	लाभांश		0.00		0.00
3	किराए		2340624.00		2340624.00
4	अन्य		0.00		0.00
कुल			3150836.09		3153880.12
निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड			810212.09		813256.12
निवेश से शुद्ध आय			2340624.00		2340624.00

अनुसूची 16		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
रॉयल्टी, प्रकाशन से आय, आदि		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2	प्रकाशन से आय		3155538		1279267.00
3	अन्य: तस्वीरें / प्रतिकृतियां की बिक्री		68335.00		34060.00
कुल			3223873.00		1313327.00

अन्य: फोटो / प्रतिकृतियां की बिक्री [अनुसूची 16 में आइटम संख्या 3 का टूटना]			
1	यादगार की बिक्री	14740.00	
2	फोटो एलबम की बिक्री	53595.00	
कुल		68335.00	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 17		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
अर्जित ब्याज		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	सावधि जमा पर:				
(a)	अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		807093.00	
(b)	गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
(c)	संस्थानों के साथ	0.00	0.00	0.00	807093.00
2	बचत खातों पर				
(a)	अनुसूचित बैंकों के साथ	2267167.00		1822686.00	
(b)	गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	0.00		0.00	
(c)	संस्थानों के साथ	0.00	2267167.00	0.00	1822686.00
3	ऋण पर				
(a)	कर्मचारी / कर्मचारी			304440.00	
(i)	हाउस बिल्डिंग लोन पर ब्याज	56580.00			
(ii)	कंप्यूटर ऋण पर ब्याज	212823.00			
(iii)	स्कूटर ऋण पर ब्याज	31859.00			
(b)	अन्य	0.00	301262.00	0.00	304440.00
4	दैनदारों पर ब्याज और		0.00		0.00
कुल			**2568429.00**		**2934219.00**

अनुसूची 18		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
अन्य आय		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	संपतियों की बिक्री / निपटान		73000.00		15000.00
2	निर्यात प्रोत्साहनों को महसूस किया		0.00		0.00
3	विविध सेवाओं के लिए शुल्क		378963.00		186348.00
कुल			**451963.00**		201348.00

संपतियों की बिक्री / निपटान [अनुसूची 18 के मद संख्या 1 का टूटना]			
1	कार्यालय उपकरण की बिक्री	3000.00	
2	वाहन की बिक्री	70000.00	
कुल		**73000.00**	

विविध सेवाओं के लिए शुल्क [अनुसूची 18 के मद संख्या 3 का टूटना]			
1	माइक्रो फिल्म / जेरोक्स	31120.00	
2	विविध प्राप्तियां	347843.00	
कुल		**378963.00**	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता
31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 19		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
बढ़ोतरी / (कमी) वित पोषित सामान / काम-में-प्रगति और रॉ सामग्री का स्टॉक		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	आखरी बचा हुआ भण्डार				
(a)	भगवान समाप्त [मुद्रित प्रकाशन]	0.00		0.00	
(b)	कार्य प्रगति पर	0.00		0.00	
(c)	कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	33067.00	33067.00	0.00	0.00
2	कम: प्रारंभिक भण्डार				
(a)	भगवान समाप्त [मुद्रित प्रकाशन]	0.00		0.00	
(b)	कार्य प्रगति पर	0.00		0.00	
(c)	कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	34612.00	34612.00	0.00	0.00
कुल			-1545.00		0.00

अनुसूची 20		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
स्थापना खर्च		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	मजदूरी वेतन		133096646		33825114.00
2	भते और बोनस		5227315.00		82805466.00
3	ईपीएफ में नियोक्ता का योगदान		13941893.00		11800152.00
4	ईपीएफ पर प्रशासनिक शुल्क		728939.00		159642.00
5	अन्य फंडों में योगदान (एनपीएस)		57367.00		0.00
6	वेतन योगदान छोड़ो		150081.00		0.00
7	कर्मचारी कल्याण व्यय		93060.00		10060795.00
8	कर्मचारियों पर खर्च सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ		13896987.00		0.00
9	सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (प्रावधानों के खिलाफ)		20000000.00		661978.00
10	छुट्टी यात्रा छूट (एलटीसी)		1275419.00		0.00
11	छुट्टी नकदीकरण (एलटीसी)		218502.00		953152.00
12	चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति		571584.00		129400.00
13	मानदेय		6800.00		140395699.00
कुल			189264593.00		

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

मजदूरी वेतन [अनुसूची 20 के मद संख्या 1 का टूटना]			
1	नियमित कर्मचारियों के लिए वेतन और मजदूरी	131493544	
2	संविदात्मक कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी	1603102	
कुल		**133096646**	

कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ पर खर्च [अनुसूची 20 के मद संख्या 8 का टूटना]			
1	मृत्यु-सेवानिवृत्ति ग्रैच्युइटी	9888740.00	
2	छुट्टी नकदीकरण	4008247.00	
कुल		**13896987.00**	

सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (प्रावधानों के खिलाफ) [अनुसूची 20 के आइटम नंबर 9 का टूटना]			
1	च्युइटी (प्रावधान के खिलाफ)	10000000.00	
2	छुट्टी एनकैशमेंट (प्रावधान के खिलाफ)	10000000.00	
कुल		**20000000.00**	

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 21		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
अन्य प्रशासनिक खर्च		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
A	यात्रा और वाहन व्यय:				
1	यात्रा भत्ता [टीए / डीए]	818373.00		623949.00	
2	स्थानीय वाहन (कर्मचारी)	682385.00		493570.00	
3	स्थानीय वाहन (अन्य)	55500.00	**1556258.00**	0.00	1117519.00
B	संचार खर्च:				
1	टेलीफोन	96500.00		152742.00	
2	डाक और संचार खर्च	453395.00		224400.00	
3	इंटरनेट शुल्क	389049.00	**938944.00**	0.00	377142.00
C	मरम्मत और रखरखाव पर खर्च:				
1	मरम्मत और रखरखाव - भवन	432931.00		1107471.00	
2	मरम्मत और रखरखाव - लिफ्ट	87911.00		10360.00	
3	मरम्मत और रखरखाव- एसी मशीन	894568.00		669384.00	
4	मरम्मत और रखरखाव - जेनरेटर	125347.00		57021.00	
5	मरम्मत और रखरखाव- फर्नीचर	0.00		30300.00	
6	मरम्मत और रखरखाव- कंप्यूटर	16333.00		4817.00	
7	मरम्मत और रखरखाव - विद्युत	134021.00		96414.00	
8	मरम्मत और रखरखाव- अन्य	371045.00	**2062156.00**	263871.00	2239638.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्च [अविच्छिन्नित]		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
D	अन्य प्रशासनिक खर्च				
1	विज्ञापन और प्रचार	2456611.00		1011891.00	
2	छपाई और स्टेशनरी	771963.00		1015258.00	
3	उत्पाद शुल्क	0.00		0.00	
4	किराया, दरें और कर	512070.00		533100.00	
5	वाहन चलाना और रखरखाव	338961.00		329553.00	
6	विद्युत शक्ति	1658907.00		1569044.00	
7	जल प्रभार	0.00		0.00	
8	बीमा	120225.00		123182.00	
9	लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	774770.00		1341140.00	
10	फ्रेट और फॉरवर्डिंग व्यय	0.00		5800.00	
11	सुरक्षा और हाउसकीपिंग व्यय	2222067.00		0.00	
12	मीटिंग व्यय	913437.00		1146189.00	
13	कंप्यूटर का विकास	0.00		400920.00	
14	सफाई और धुलाई	124174.00		115468.00	
15	कर्मचारियों के प्रशिक्षण	105365.00		52049.00	
16	आकस्मिक व्यय	200920.50		434775.66	
17	कानूनी विस्तार	232530.00		227800.00	
18	पुरस्कार और प्रोत्साहन	2400.00		0.00	
19	पदक और पुरस्कार	4200.00		0.00	
20	कार्यालय का खर्चा	455663.00		0.00	
21	कार्यालय की आपूर्ति	149657.00		0.00	
22	व्यावसायिक फीस	369205.00		0.00	
23	चुनाव व्यय	1150.00		0.00	
24	बैंक प्रभार	16591.50		0.00	
25	वेबसाइट विकास और रखरखाव	94788.00	**11525655.00**	0.00	8306169.66
E	प्रकाशन और बिक्री व्यय:				
1	किताबें, पत्रिकाओं और बुलेटिन का प्रकाशन	2961395.00		1399257.00	
2	प्रकाशनों का प्रचार	144267.00		0.00	
3	पुस्तक मेले और पुस्तक प्रदर्शनी	512589.00	**3618251.00**	275434.00	1674691.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्च [अविच्छिन्नित]		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
F	विद्या-संबंधी कार्यक्रम व्यय:				
1	संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर खर्च	3865545.00		2751028.00	
2	विष्णु धर्म पुराण पर व्यय	0.00		10000.00	
3	डॉ राजा राजेंद्रलाला मित्र एम व्याख्यान	158844.00		0.00	
4	रवींद्रनाथ टैगोर जन्म केंद्र। फलक	15493.00		0.00	
5	कार्यक्रमों का दस्तावेज़ीकरण	34348.00	4074230.00	0.00	2761028.00
G	अन्य कार्यक्रम व्यय:				
1	महत्वपूर्ण दिनों का जश्न	919750.00		0.00	
2	प्रदर्शनी	529605		132399.00	
3	हिंदी कार्यक्रम	5813.00		0.00	
4	राष्ट्रपति / उपराष्ट्रपति की यात्रा पर व्यय	0.00	1455168.00	216883.00	349282.00
H	पुस्तकालय और संग्रहालय विकास:				
1	पुस्तकें और एमएसएस का संरक्षण और बाध्यकारी	1149639.00		571080.00	
2	पुस्तकालय स्वचालन कार्यक्रम	1338400.00		37275.00	
3	एमएसएस और दुर्लभ किताबों का डिजिटाइजेशन	254585.00		0.00	
4	संग्रहालय के लिए सामग्री	26396.00		0.00	
5	पेंटिंग्स और आर्ट ऑब्जेक्ट्स का संरक्षण	279080.00		126200.00	
6	संरक्षण सामग्री की खरीद	364786.00		364133.00	
7	समाचार पत्रों और आवृत्तियों की खरीद	14536.00	3427422.00	0.00	1098688.00
I	विद्या-संबंधी अनुसंधान व्यय:				
1	फेलो के लिए फैलोशिप	5324720.00		0.00	
2	फेलो के लिए आकस्मिकता	170834.00		0.00	
3	मानदंड / पीआई / आरए के पारिश्रमिक	555193.00		0.00	
4	पीआई / आरए के लिए आकस्मिकता	299377.00	6350124.00	3886734.00	3886734.00

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक खर्च [अविच्छिन्नित]		वर्तमान वर्ष (राशि रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (राशि रु.)	वर्तमान वर्ष (राशि रु.)	पूर्ववर्ती वर्ष (राशि रु.)
J	प्रतिकृतियों की लागत (संग्रहालय) :				
1	स्मारिका (संग्रहालय) की लागत	113641.00		201438.00	
2	पोस्टर का मुद्रण (संग्रहालय)	87674.00	**201315.00**	0.00	201438.00
K	व्यय - पूर्वोत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) :				
1	संगोष्ठी, एनईआर के लिए कार्यशाला	318066.00		762313.00	
2	एनईआर- आंतरिक परियोजना व्यय	429212.00		0.00	
3	एनईआर- बाहरी परियोजना व्यय	79830.00	**827108.00**	0.00	762313.00
L	व्यय- स्वच्छता कार्य योजना	591526.00	**591526.00**	0.00	0.00
	कुल		**36628157.00**		**22774642.66**

अनुसूची 22		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
अनुदान, सब्सिडी, आदि।		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	संस्थानों को दिए गए अनुदान / संगठन		0.00		0.00
2	संस्थानों को दी गई सब्सिडी / संगठन		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 23		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
ब्याज भुगतान		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	सावधि ऋण पर		0.00		0.00
2	अन्य ऋणों पर		0.00		0.00
3	अन्य: ओवरड्राफ्ट		7187.13		0.00
	कुल		**7187.13**		**0.00**

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के आय-व्यय लेखा से संबंधित अनुसूचियाँ

प्राथमिक अवधि समायोजन		वर्तमान वर्ष		पूर्ववर्ती वर्ष	
प्राथमिक अवधि समायोजन		(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)	(राशि रु.)
1	प्रावधान वापस लिखे गए		1947553.00		90648.00
2	एफडीआर के फेस वैल्यू में अंतर				-901.00
3	बकाया किराया				17740.00
	कुल		1947553.00		107487.00

स्थान: कोलकाता
दिनांकः 10 अगस्त 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांती भौमिक]
कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक)

[एस.बी. चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची-24

महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ

1. लेखाकरण परंपरा

खातों के वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत तैयार किए जाते हैं, भारत में लागू लेखा मानक और लेखांकन की संचय विधि के अनुसार, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

2. सूची मूल्यांकन

ए) पिछले वर्ष (2016-17) तक, साल के अंत में सोसायटी के मुद्रित प्रकाशनों के समापन स्टॉक के मूल्यांकन के लंबित मूल्यांकन के बाद, मूल्य बैलेंस शीट में नहीं दिखाया गया था और केवल महत्वपूर्ण लेखा नीतियों / नोट्स में ही सूचित किया गया था मुद्रित प्रकाशनों के समापन स्टॉक के अनुमानित मूल्य वाले खाते | 2016-17 में रिपोर्ट किए गए मुद्रित प्रकाशनों के बंद होने का अनुमानित मूल्य 2,30,000 / - था। 31 मार्च 2018 तक सोसाइटी के मुद्रित प्रकाशनों के समापन प्रकाशन के समापन स्टॉक के शीर्षक "वर्तमान संपत्ति" के तहत प्रकाशनों के समापन स्टॉक के मूल्य को शामिल करने के लिए 2016-17 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में प्राप्त निर्देशों के साथ, इस बात का पता लगाया गया है और पूंजीगत फंड में जोड़कर इसी समायोजन के साथ वर्ष 2017-18 के लिए वार्षिक खातों में "वर्तमान संपत्ति" के तहत कुल मूल्य (2,29,26,344.00) पर पहुंचाया गया है।

बी) संरक्षण और संरक्षण सामग्री का मूल्य मूल्य पर रखा गया है।

3. निवेश

टीडीआर के रूप में बैंकों के साथ जमा (सावधि जमा) लागत पर कहा जाता है। इस तरह के जमा पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में नहीं, "ऋण, अग्रिम और अन्य वर्तमान संपत्ति" के तहत बैलेंस शीट में अलग से दिखाया गया है।

4. अचल परिसंपत्ति

ए) अंतर्निहित माल ढुलाई, कर्तव्यों और करों और आकस्मिक और प्रत्यक्ष अधिग्रहण से संबंधित प्रत्यक्ष व्यय सहित अधिग्रहण की लागत पर सावधि संपत्तियां जिम्मेदार हैं;

बी) मूल्यह्रास के लिए चार्ज करने के बाद लिखित मूल्य पर अचल संपत्तियां दी गई हैं।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची-24 : महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ - महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ [अविच्छिन्नित]

5. **मूल्यह्रास**

सावधि परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दरों पर अचल संपत्तियां के लिखित मूल्य के आधार पर खातों में दी गई है और वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए लागू है।

6. **सरकारी अनुदान**

सरकारी अनुदान खातों में पहचानी जाती है जब इसे महसूस किया जाता है। साल का उपयोग नहीं किया अनुदान आगे बढ़ाया जाता है और अगले वर्ष की अनुदान सहायता के साथ समायोजित किया जाता है। एक विशेष सिर के तहत प्राप्त अनुदान सहायता से अधिक व्यय, जहां भी मामला हो, अपने धन से मुलाकात की।

7. **कर्मचारियों के ऋण संबंधी ब्याज का लेखाकरण**

कर्मचारी ऋण पर ब्याज को वर्ष के दौरान प्राप्ति के आधार पर कमाई के रूप में माना जाता है।

8. **निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन**

निवेश पर अर्जित ब्याज अर्जित आधार पर प्रदान किया गया है।

9. **सेवानिवृत्ति हितलाभ**

2016-17 तक, वास्तविक भुगतान आधार पर सेवानिवृत्ति के वर्ष में ग्रैच्युइटी एंड लीव एनकैशमेंट का हिसाब लगाया गया था। हालांकि, आइटम नंबर के अनुसार लेखापरीक्षा निर्देशों के बाद। वर्ष 2016-17 के लिए 12.12.2017 की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) की सी (3.1) लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता के महानिदेशक से प्राप्त हुई और लेखांकन मानक (एएस) - 15 के अनुपालन में, ग्रैच्युइटी के प्रावधान और वर्ष 2017-18 के खातों में एनकैशमेंट छोड़ दिया गया है। लंबित एक्ट्यूअरीअल वैल्यूएशन, ग्रैच्युइटी (रुपये 1.00 करोड़) और लीव एनकैशमेंट (रुपये 1.00 करोड़) प्रदान करने के लिए एकमुश्त प्रावधान किए गए हैं, जो अनुमानित राशि है कि समाज में सेवानिवृत होने के कारण कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए सोसाइटी देय होगी अगले दो वित्तीय वर्षों।

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 10 अगस्त 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांती भौमिक]
कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक)

[एस.बी. चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी

कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

क. आकस्मिक देयताएँ

1. सोसाइटी के खिलाफ दावा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया: रुपया 205.5 9 लाख (पिछला वर्ष: रुपये 191.57 लाख)। विवरण "खातों पर नोट्स" के सीरियल नंबर 7 पर दिए गए हैं।

2. सोसाइटी की तरफ से बैंक गारंटी दी गई: शून्य (पिछला वर्ष: शून्य)।

3. सोसायटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए क्रेडिट पत्र: नील (पिछला वर्ष: शून्य)।

ख. लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

1.समाज को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन के रूप में स्थापित किया गया है और पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

2.2017-18 के लिए वार्षिक लेखा केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए पिछले वर्षों की स्थिरता में निर्धारित खातों के समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

3. सोसाइटी आयकर अधिनियम, 1 9 61 के 12 एए पंजीकृत है और इसलिए इसकी पूरी आय आयकर से मुक्त है।

4. 91, बैलीगंज प्लेस, कोलकाता में उपहार वाली संपत्ति - 1995 के दौरान सोसाइटी द्वारा प्राप्त 70001 9 (देर से प्रोफेसर एसडी चटर्जी द्वारा प्रतिभाशाली) का उपयोग गेस्ट हाउस के रूप में किया जा रहा है। संपत्ति से संबंधित लंबित मुकदमे के कारण (1999 का शीर्षक सूट सं 361 द्वितीय सिविल न्यायाधीश - जूनियर डिवीजन, अलीपुर) के न्यायालय में दायर किया गया है, संपत्ति का मूल्य निश्चित संपत्तियों में शामिल नहीं किया गया है।

5. 1 अप्रैल 2017 को पूंजीगत कार्य-प्रगति रुपया 7,64,50,663.42 थी। वर्ष 2017-18 के दौरान कोई जोड़ / समायोजन नहीं है, वही राशि आगे बढ़ी है।

6. 79,78,258.00 रुपये के एंडॉवमेंट फंड के खिलाफ सावधि जमा के रूप में निवेश को भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के साथ संपार्श्विक सुरक्षा के रूप में रखा गया है जब आवश्यक हो और ओवरड्राफ्ट सुविधा का लाभ उठाया जा सके।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची – 25 : आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणियाँ - लेखा संबंधी टिप्पणियाँ [अविच्छिन्नित]

7. वर्ष 2017-18 के लिए लेखापरीक्षा लंबित, वर्ष 2017-18 के लिए लेखापरीक्षा शुल्क का दावा अभी तक कोलकाता के महानिदेशालय (केंद्रीय) के महानिदेशक के कार्यालय से प्राप्त नहीं किया गया है। ऐसी परिस्थितियों में, वर्ष 2017-18 के खातों में एकमुश्त राशि (पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) में 4,00,000/- रुपये की राशि प्रदान की गई है।

8. सोसायटी ने जुलाई 2006 में कोलकाता नगर निगम से निर्धारिती संख्या 11-063-39-0001-2 और 11-063-39-002-4 के संबंध में संपत्ति कर के भुगतान के लिए "मांग की सूचना" प्राप्त की, क्रमशः रुपये 6,04,560/- और रुपये 3,21,230/- का वार्षिक मूल्यांकन (01.07.2006 से प्रभावी)। 31.03.2018 तक की अवधि के दौरान, मुख्य दावों, जुर्माना और ब्याज सहित इन दावों के संबंध में बकाया संपत्ति कर की मांग बढ़कर 205.59 लाख रुपये हो गई है (पिछले वर्ष: 191.57 लाख रुपये)। चूंकि मामला कोलकाता नगर निगम के निपटारे के लिए उठाया जा रहा है, इसके लिए खातों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है और दावा "आकस्मिक देयता" के रूप में दिखाया गया है।

9. पिछले वर्ष (2016-17) के आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते योजना और गैर-योजना के तहत पृथक्करण के साथ दिखाए गए थे। चूंकि इस तरह के वर्गीकरण को 2017-18 से बंद कर दिया गया है, इसलिए योजना और गैर-योजना के तहत पिछले वर्ष के आंकड़े 2017-18 के खातों में विलय कर दिए गए हैं। पिछले वर्ष के अनुरूप आंकड़े पुनः व्यवस्थित किए गए हैं और जहां भी आवश्यक हो वहां पुनः समूहित किया गया है।

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 10 अगस्त 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांती भौमिक]
कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक)

[एस.बी. चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची-24

महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ

1. लेखाकरण परंपरा

खातों के वितीय विवरण ऐतिहासिक लागत सम्मेलन के तहत तैयार किए जाते हैं, भारत में लागू लेखा मानक और लेखांकन की संचय विधि के अनुसार, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो।

2. सूची मूल्यांकन

ए) पिछले वर्ष (2016-17) तक, साल के अंत में सोसायटी के मुद्रित प्रकाशनों के समापन स्टॉक के मूल्यांकन के लंबित मूल्यांकन के बाद, मूल्य बैलेंस शीट में नहीं दिखाया गया था और केवल महत्वपूर्ण लेखा नीतियों / नोट्स में ही सूचित किया गया था मुद्रित प्रकाशनों के समापन स्टॉक के अनुमानित मूल्य वाले खाते | 2016-17 में रिपोर्ट किए गए मुद्रित प्रकाशनों के बंद होने का अनुमानित मूल्य 2,30,000 / - था। 31 मार्च 2018 तक सोसाइटी के मुद्रित प्रकाशनों के समापन प्रकाशन के समापन स्टॉक के शीर्षक "वर्तमान संपति" के तहत प्रकाशनों के समापन स्टॉक के मूल्य को शामिल करने के लिए 2016-17 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में प्राप्त निर्देशों के साथ, इस बात का पता लगाया गया है और पूंजीगत फंड में जोड़कर इसी समायोजन के साथ वर्ष 2017-18 के लिए वार्षिक खातों में "वर्तमान संपति" के तहत कुल मूल्य (2,29,26,344.00) पर पहुंचाया गया है।

बी) संरक्षण और संरक्षण सामग्री का मूल्य मूल्य पर रखा गया है।

3. निवेश

टीडीआर के रूप में बैंकों के साथ जमा (सावधि जमा) लागत पर कहा जाता है। इस तरह के जमा पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में नहीं, "ऋण, अग्रिम और अन्य वर्तमान संपति" के तहत बैलेंस शीट में अलग से दिखाया गया है।

4. अचल परिसंपति

ए) अंतर्निहित माल ढुलाई, कर्तव्यों और करों और आकस्मिक और प्रत्यक्ष अधिग्रहण से संबंधित प्रत्यक्ष व्यय सहित अधिग्रहण की लागत पर सावधि संपतियां जिम्मेदार हैं;

बी) मूल्यह्रास के लिए चार्ज करने के बाद लिखित मूल्य पर अचल संपतियां दी गई हैं।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची-24 : महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ - महत्वपूर्ण लेखा-नीतियाँ [अविच्छिन्नित]

5. मूल्यह्रास

सावधि परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट दरों पर अचल संपत्तियां के लिखित मूल्य के आधार पर खातों में दी गई है और वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए लागू है।

6. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान खातों में पहचानी जाती है जब इसे महसूस किया जाता है। साल का उपयोग नहीं किया अनुदान आगे बढ़ाया जाता है और अगले वर्ष की अनुदान सहायता के साथ समायोजित किया जाता है। एक विशेष सिर के तहत प्राप्त अनुदान सहायता से अधिक व्यय, जहां भी मामला हो, अपने धन से मुलाकात की।

7. कर्मचारियों के ऋण संबंधी ब्याज का लेखाकरण

कर्मचारी ऋण पर ब्याज को वर्ष के दौरान प्राप्ति के आधार पर कमाई के रूप में माना जाता है।

8. निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन

निवेश पर अर्जित ब्याज अर्जित आधार पर प्रदान किया गया है।

9. सेवानिवृति हितलाभ

2016-17 तक, वास्तविक भुगतान आधार पर सेवानिवृति के वर्ष में ग्रैच्युइटी एंड लीव एनकैशमेंट का हिसाब लगाया गया था। हालांकि, आइटम नंबर के अनुसार लेखापरीक्षा निर्देशों के बाद। वर्ष 2016-17 के लिए 12.12.2017 की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) की सी (3.1) लेखा परीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता के महानिदेशक से प्राप्त हुई और लेखांकन मानक (एएस) - 15 के अनुपालन में, ग्रैच्युइटी के प्रावधान और वर्ष 2017-18 के खातों में एनकैशमेंट छोड़ दिया गया है। लंबित एक्ट्यूअरीअल वैल्यूएशन, ग्रैच्युइटी (रुपये.1.00 करोड़) और लीव एनकैशमेंट (रुपये 1.00 करोड़) प्रदान करने के लिए एकमुश्त प्रावधान किए गए हैं, जो अनुमानित राशि है कि समाज में सेवानिवृत्त होने के कारण कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए सोसाइटी देय होगी अगले दो वित्तीय वर्षों।

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 10 अगस्त 2018

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांती भौमिक]
कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक)

[एस.बी. चक्रवर्ती]
महासचिव

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची - 25

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

क. आकस्मिक देयताएँ

1.सोसाइटी के खिलाफ दावा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया: रुपया 205.5 9 लाख (पिछला वर्ष: रुपये 191.57 लाख)। विवरण "खातों पर नोट्स" के सीरियल नंबर 7 पर दिए गए हैं।

2. सोसाइटी की तरफ से बैंक गारंटी दी गई: शून्य (पिछला वर्ष: शून्य)।

3. सोसायटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए क्रेडिट पत्र: नील (पिछला वर्ष: शून्य)।

ख. लेखा संबंधी टिप्पणियाँ

1.समाज को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत संगठन के रूप में स्थापित किया गया है और पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित पोषित किया गया है।

2.2017-18 के लिए वार्षिक लेखा केंद्रीय स्वायत निकायों के लिए पिछले वर्षों की स्थिरता में निर्धारित खातों के समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

3. सोसाइटी आयकर अधिनियम, 1 9 61 के 12 एए पंजीकृत है और इसलिए इसकी पूरी आय आयकर से मुक्त है।

4. 91, बैलीगंज प्लेस, कोलकाता में उपहार वाली संपत्ति - 1995 के दौरान सोसाइटी द्वारा प्राप्त 70001 9 (देर से प्रोफेसर एसडी चटर्जी द्वारा प्रतिभाशाली) का उपयोग गेस्ट हाउस के रूप में किया जा रहा है। संपत्ति से संबंधित लंबित मुकदमे के कारण (1999 का शीर्षक सूट सं 361 द्वितीय सिविल न्यायाधीश - जूनियर डिवीजन, अलीपुर) के न्यायालय में दायर किया गया है, संपत्ति का मूल्य निश्चित संपत्तियों में शामिल नहीं किया गया है।

5. 1 अप्रैल 2017 को पूंजीगत कार्य-प्रगति रुपया 7,64,50,663.42 थी। वर्ष 2017-18 के दौरान कोई जोड़ / समायोजन नहीं है, वही राशि आगे बढ़ी है।

6. 79,78,258.00 रुपये के एंडॉवमेंट फंड के खिलाफ सावधि जमा के रूप में निवेश को भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के साथ संपार्श्विक सुरक्षा के रूप में रखा गया है जब आवश्यक हो और ओवरड्राफ्ट सुविधा का लाभ उठाया जा सके।

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लेखे से संबंधित महत्वपूर्ण लेखा-नीति, आकस्मिक देयताएँ तथा टिप्पणियाँ

अनुसूची – 25 : आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा संबंधी टिप्पणियाँ - लेखा संबंधी टिप्पणियाँ [अविच्छिन्नित]

7. वर्ष 2017-18 के लिए लेखापरीक्षा लंबित, वर्ष 2017-18 के लिए लेखापरीक्षा शुल्क का दावा अभी तक कोलकाता के महानिदेशालय (कैंद्रीय) के महानिदेशक के कार्यालय से प्राप्त नहीं किया गया है। ऐसी परिस्थितियों में, वर्ष 2017-18 के खातों में एकमुश्त राशि (पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) में 4,00,000/- रुपये की राशि प्रदान की गई है।

8. सोसायटी ने जुलाई 2006 में कोलकाता नगर निगम से निर्धारिती संख्या 11-063-39-0001-2 और 11-063-39-002-4 के संबंध में संपति कर के भुगतान के लिए "मांग की सूचना" प्राप्त की, क्रमश: रुपये 6,04,560 / - और रुपये 3,21,230/- का वार्षिक मूल्यांकन (01.07.2006 से प्रभावी)। 31.03.2018 तक की अवधि के दौरान, मुख्य दावों, जुर्माना और ब्याज सहित इन दावों के संबंध में बकाया संपति कर की मांग बढ़कर 205.59 लाख रुपये हो गई है (पिछले वर्ष: 191.57 लाख रुपये)। चूंकि मामला कोलकाता नगर निगम के निपटारे के लिए उठाया जा रहा है, इसके लिए खातों में कोई प्रावधान नहीं किया गया है और दावा "आकस्मिक देयता" के रूप में दिखाया गया है।

9. पिछले वर्ष (2016-17) के आय और व्यय खाते और प्राप्तियां और भुगतान खाते योजना और गैर-योजना के तहत पृथक्करण के साथ दिखाए गए थे। चूंकि इस तरह के वर्गीकरण को 2017-18 से बंद कर दिया गया है, इसलिए योजना और गैर-योजना के तहत पिछले वर्ष के आंकड़े 2017-18 के खातों में विलय कर दिए गए हैं। पिछले वर्ष के अनुरुप आंकड़े पुन: व्यवस्थित किए गए हैं और जहां भी आवश्यक हो वहां पुन: समूहित किया गया है।

आलोक कांति भौमिक
[आलोक कांती भौमिक]
कोषाध्यक्ष (कार्यवाहक)

[एस.बी. चक्रवर्ती]
महासचिव

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 10 अगस्त 2018

English Version

ANNUAL REPORT
2017-2018

The Asiatic Society
1 Park Street, Kolkata 700 016

Published by
Dr. Satyabrata Chakrabarti
General Secretary
The Asiatic Society
1 Park Street
Kolkata 700 016

January, 2019

Printed at
The Saraswati Printing Works
2, Guruprosad Chowdhury Lane
Kolkata 700 006

Message of Condolence

The Asiatic Society, Kolkata offers its sincere condolence on the demise of the following Members, Eminent Personalities, Well-wishers, Employees and Ex-employees of the Society:

Kalika Prasad Bhattacharya

Manjula Bandyopadhyay

V R Rao

Tripti Chowdhury

Apurba Kumar Majee [Employee]

Subhas Chatterjee

Sirajul Haque [Employee]

Tapen Chatterjee

Bijoli Bala Pal

Ratanlal Brahmachari

Parimal Chandra Sen

Sukhoranjan Sengupta

Rajesh Hela [Employee]

Apurba Chandra Barthakuria

Naresh Chandra Datta

Om Prakash Singh [Employee]

Manideep Chatterjee

Arun Sharma

Parimal Kumar Chakraborty

Dileep Kumar Kanjilal

Tulika Mazumder

Sabita Chowdury

Yash Pal

Sova Sen

Ram Swarup Singh [Employee]

Pandit Satkari Mukhopadhyay

Priya Ranjan Dasmunshi

Sadhana Chatterjee

Supriya Chowdhury

Dhrubajyoti Ghosh

D N Nandi

Purabi Mukherjee

Hetukar Jha

Sukumar Deb

Nirmal Das

Bireswar Banerjee

Dilip Kumar Ghosh

Satyajit Chowdhury

Riddhi Sankar Roy

Contents

1.	The Journey of the Asiatic Society	...	09
2.	Presidential Address	...	11
3.	General Secretary's Report	...	21
4.	The Council of the Asiatic Society (2016-2018)	...	23
5.	Planning Board and Standing Finance Committee	...	29
6.	Committees and Sub-Committees	...	31
7.	Awardees of Medals, Plaques and Lectureships for the year 2017	...	34
8.	Major Resolutions adopted items reported during April 2017-March 2018	...	36
9.	Activities : Publication Section	...	43
10.	Activities : Library Section	...	45
	Library	...	45
	Museum	...	49
	Conservation	...	50
	Reprography	...	51
	Extract From Visitor's Book	...	52
11.	Activities : Academic Section	...	52
	A. Internal Research Projects:	...	55
	B. On-going External Research Projects:	...	57
	C. Approved External Project yet to be commenced	...	55
	D. External Research Project: Hosted by the Asiatic Society.	...	58
	E. Lectures / Seminars / Conferences / Workshops / Symposium/ Colloquium	...	58
	F. Papers Read in the Monthly Meetings	...	62
12.	Activities : Staff Training, Swachhta Action Plan (SAP) and Hindi Programme	...	64
13.	Computerisation, Moderinization and Infrastructural Development	...	66
14.	Employees of the Asiatic Society (2017-18)	...	67
15.	Finance, Accounts, Budget & Audit	...	74
16.	Annual Audit Report & Audited Accounts for the year 2017-2018	...	75
17.	Visuals	...	117

1 The Journey of the Asiatic Society

The Asiatic Society was founded by Sir William Jones, a revered philologist and scholar of Anglo-Welsh descent on 15 January, 1784 in a meeting held at the Grand Jury Hall of the Supreme Court, Calcutta. On this occasion Sir William Jones declared:

"The Bound of investigations will be the geographic limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by man or produced by nature"

Thus began the journey of the Asiatic Society 233 years ago and marked the beginning of a new wave in oriental studies.

It is the oldest institution of learning in India and has made a seminal contribution in the revival of Indian history and heralding its renaissance. In many ways the Asiatic Society has been the mother institution for the growth and development of many major academic institutions in this country like the School of Tropical Medicine, the Indian Museum, the Geological Survey of India, the Archaeological Survey of India, the Zoological Survey of India, the Botanical Survey of India, and so on and so forth.

Initially, The Asiatic Society only had European citizens as its members. It was in 1829 that Indians were allowed to be a part of the society. In 1885, Rajendra Lal Mitra became the first Indian President of this organisation. During the early

years of establishment, the organisation functioned without a building. After the government granted it land in 1805, its official building was built by 1808. The present building of the society was constructed at the same site in 1961 and inaugurated by former Indian President Dr. Sarvapalli Radhakrishnan on 22nd February 1965

The library of the Society is a repository of information enriched with an exceptional literary collection of 1, 09,000 journals and 1, 30,000 volumes of books in various languages of the world. The museum, which was set up in 1814, is another prized possession of the society. It has a fine assortment of ancient paintings, manuscripts, sculptures, inscriptions, coins and other precious artefacts. Researches, translations, seminars and publications by this society are praised worldwide for their authenticity and in-depth analysis of Asia.

In recognition of the Society's importance and its immense contribution in all fields of arts and sciences, Government of India recognized the Asiatic Society as an Institution of national Importance by an Act of Parliament during its bi-centenary year in 1984. With the enactment of the Asiatic Society Act of 1984, the Government of India took over the responsibility of providing the required financial support for its maintenance and development in future.

The main objectives of the Asiatic society are as follows:

- To organise, initiate and promote researches in humanities and sciences in Asia so that in the words of Sir William Jones, the founder of the Society, "the bounds of its investigations will be in the geographical limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by Man or produced by Nature";
- To establish, build, erect, construct, maintain and run research institutions, reading rooms , museums, art galleries, auditoriums and lecture halls;
- To organise lectures, seminars, symposia, discussion meetings and award of medals, prizes and scholarships in furtherance of the objects of the Society;
- To acquire, finance or publish any periodicals, books or other literature that the Society may think fit for the promotions of its objects;
- To create endowments or trust funds for the promotion of the objects of the Society.

Since 1984 till date The Society has been pushing forward its programme in all fronts following the basic objectives mentioned above.

2 Presidential Address

Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society Shri Keshari Nath Tripathi, Professor Dr. Satyabrata Chakrabarti, our General Secretary, Professor Sujit Kumar Das, our Treasurer, Hon'ble Recipients of Medals, Plaques and Lectureships, Ladies and Gentlemen!

From the very inception, visual art, a universal language, has been a very strong medium of communication in its manifestation all over the world. This visual expression developed and underwent various changes throughout the ages, giving birth to new generations of artists, sculptors, craftsmen and architects in accordance with their own philosophy, ideology and religious faith and also their own aesthetic understanding. In India there is no exception about it, and it is important to note that the vast treasure of Indian-Art bears a clear distinction between rural-art, people's art, folk-art and minor-art as a whole at one side, and the sophisticated classical-art on the other. The first category of this art, mentioned above, comes from a very high and rich tradition through generations with certain minor changes in accordance with time and changes in social life. Surprisingly if we observe the toys and human figures in clay and terracotta found in South America and at Chandraketugarh in South-Bengal, we find they are so identical in character that Stela-Kramrisch observed that they are "timeless and ageless". But in contrast, the high

categories of sophisticated classical art of various disciplines of the educated and cultured urban city people, flourished only through proper education and formal

Plate - 1 Artist : John Zoffany

training through Guru-shisya parampara or at the art-atelier of Master Artist. Art schools as of today were not conceived at all.

After the fall of Nawab Siraj-ud-Daula of Murshidabad at Plassey in 1757 (27 yrs before the establishment of the Asiatic Society, Calcutta) East India Company gradually took control over the state of Bengal, Bihar and Orissa, along with their trade; and settled down in Calcutta as their Head-quarters of the ever-encroaching English administration. Under this changed situation, indigenous tradition of Fine arts nurtured in Royal-Atelier and outside, used to be known as Murshidabad Kalam, Patna Kalam, Lucknow Kalam, Jaipur Kalam and so on; dwindling into a state of dying, now totally became defunct. English culture and Western way of life gradually made its way into the affluent society in almost all major cities of our country. Rich people purchased English styled furniture, dresses and costumes and decorated their living rooms and drawing rooms with oil-paintings, both landscapes and portraits of their ancestors. In this changed situation which started from the late 18th century; English occupation and administration attracted many competent English painters from England who flocked around the country to make a quick fortune and live in style with attendants and servants around them. Some of them worked for documentation of Historical sites and also for making exotic-Indian scenic beauty for picturesque landscapes that fetched a handsome price. William Hodges arrived in India and stayed here between 1780 and 1783; then came Tomas and William Daniel, uncle and nephew, who made their base in Calcutta, made brilliant engravings and paintings, some of which are on display at the Gallery of Victoria Memorial Hall, Kolkata. Other artists who came to India were James Forbes and John Grant; both were engravers and made their station at Madras. John Zoffani **(Plate - 1)** and Tilly Kettle based in Calcutta stayed between 1783 and 1789 and painted some remarkable portraits of important personalities. Robert Home was also a competent painter, first settled in Awadh as a court-painter to the King, and later came to Calcutta, painted several portraits for the Asiatic Society and at the same time he was entrusted with the charge of the Library for a long time and painted a number of paintings which are now in the Society's collection.

There is no denying of the fact that the

invention of oil painting by Jan Van Eyck in Northern Europe (Burgandy) made a tremendous impact which augmented the advancement of Italian Renaissance in the 14th & 15th century to its highest order with its three basic concepts and ideologies i.e. humanism, individualism and scientific approach; and to achieve that, the medium of oil painting was the most suitable one in the field of visual art, specially the technique of thick pigment of paint blending with inter-mingling of other areas of shapes, shades and forms creating a multi-dimensional radiation of light to achieve a three-dimensional effect in a big painting. Naturally the style and the act of painting spread like a conflagration throughout Europe very quickly.

Being far away from the West, this did not cast a shadow on the Indian art-scenario till the Britishers took over the country and established three art-schools in Royal Academy Style, in Calcutta, Madras and Bombay in 1860's. The objectives of these art-schools was not to produce artists at par with the Royal Academy, but to produce native-artists to serve their offices, where drawings, engravings, lithography and documentations were required which would minimize the cost of expenditure against hiring artists from London.

Within a span of forty years, Calcutta and Bombay Art Schools trained a galaxy of competent artists and sculptors who worked in realistic and naturalistic styles. Most promising among them were Pestonji Bomanji (1851-1938), M. F. Pithawala (1872-1937) and landscape painters such as Abadal Rahaman (1860-1931) and a few

Plate - 2 Artist : Raja Ravi Varma

sculptors such as V. P. Karmakar (1891-1967) and others. In Calcutta, Annoda Prosad Bagchi (1849-1905), Bamapada Bandyopadhyay (1851-1932) being students of Govt. School of Art showed exceptional skill and mastery in portrait painting in oils and water colour in realistic style.

The Great phenomenon in the art of this period was Raja Ravi Varma (1848-1906) **(Plate-2)**, a young member of the Royal family of Travancore, who had learned the art of oil painting mostly by himself and started to paint big size pictures on canvas on the theme from Indian Mythology and Epics and made his own compositions

taking local men and women as models. Within a very short period of time he commanded highest honour and respect for making such naturalistic paintings on Indian Hindu sentiments. Subsequently he commercialized his paintings through oleo graphic reproductions which in course of time become Bazar Art of Cheaper quality.

From gradual discontent against the colonial rule in India, situation was gaining momentum, and from the last decades of 19th century, an extra consciousness of Nationalism gradually started to prevail in major cities of this vast country, especially among the creative painters, writers and artists. In Calcutta, Abanindranath **(Plate-3)** and Gaganendranath Tagore **(Plate-4)** in association with E. B. Havel and other dignitaries of both English and Bengali elites established the Society of Oriental Arts in 1907. It was the first organised association of artists to break away from the influence of Western Art with a view to establishing and reviving the spirit of Indian tradition in visual art **(Plate - 3)**.

Plate - 4 Artist : Gaganendranath Tagore

Plate - 3 Artist : Abanindranath Tagore

This may be called the beginning of Modern Indian Art, which continued till the 3rd decade of the 20th century. In the meantime, Kalabhavan in Santiniketan was established in 1922 with Nandalal Bose as the Head of the institution. Subsequently the most talented artist and sculptor like Ramkinkar Baij (both sculptor and painter) and Benod Behari Mukherjee (Painter) emerged on the arena by their own right. Most remarkable murals were created by Benod Behari on the walls of Hindi-Bhavan as "Sages of Ancient India" and on the other side Ramkinkar made huge monumental sculptures like "Santal family" and "Koler Bansi" in the open air in cement concrete; under Nandalal Bose's inspiring mentorship. Ramkinkar's numerous portrait heads including Rabindranath's portrait-head (now a replica kept in the

Plate - 5 Artist : Ramkinkar Baij

Rabindranath Tagore Centre of I.C.C.R., at Ho-chi-Minh Sarani, Kolkata) is an unique example of expressionism in sculpture **(Plate - 5).** Similarly Benod Behari's murals opened up a new and modern concept in mural painting done directly on the walls. Satyajit Ray, a product of Kala Bhavan, rightly made a documentary film titled "The Inner Eye" which earned much acclaim.

After Gaganendranath, Abanindranath and Nandalal Bose in the early 20th century marked a stage at Santiniketan which can be taken as the second phase of ushering Indian Modern Art in the truest sense; Rabindranath himself started drawing and painting seriously from 1928, contributed more than 2500 works by 1940 in pen, pencil, coloured-chalk and water-colour on paper. A self-taught artist, Rabindranath was also considered as the first modern artist by the international jury **(Plate-6).** In fact the 1930s was the most crucial and pragmatic period of political upheaval in the country; and the ideological feud between nationalists on religious identity on one side, and realistic-art against oriental art on the other, was spreading its slow but steady roots. In the field of visual art, a consensus was reached with a feeling of co-existence by establishing Academi of Fine Arts in Calcutta in 1934 under the leadership of

Plate - 6 Artist : Rabindranath Tagore

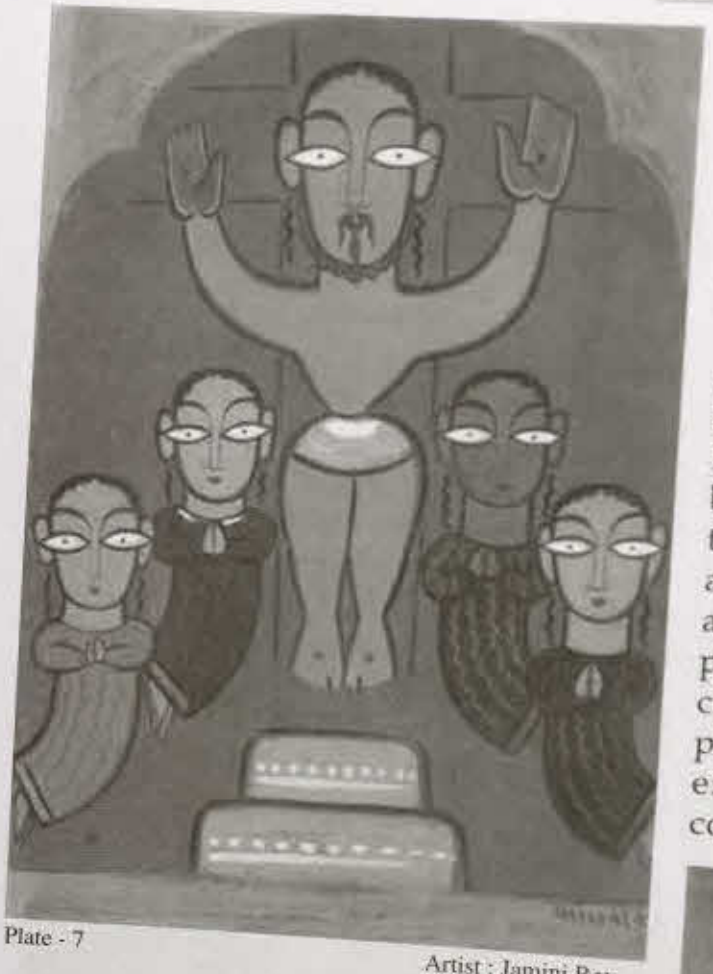

Plate - 7

Artist : Jamini Roy

Atul Bose; a competent artist and practitioner of realistic drawing and oil paintings.

Under such a complex situation in the country, a few artists like Jamini Roy and Amrita Sher-Gil made a real breakthrough in Modern Indian Art. Jamini Roy (1887-1974) was an alumni of Government School of Art, Calcutta, who mastered the art of portrait painting and landscape in oils and water colour and trained himself to become a professional portrait painter for survival. But being totally dissatisfied he came back to his own roots and found out his own identity with the inspiration from temple terracotta and pata-chitra of Bankura, his place of birth in West Bengal. His creations there on in tempera and guache were all done with indigenous colours and opened up the doors towards Indian Modern art with a completely new aesthetic understanding **(Plate - 7).**

Similarly, Amrita Sher-Gil (1913-41) of a Sikh Hungarian parentage, "an enigmatic blend of East and West", studied in the Ecole des Beaux Arts, in Paris and came back to India in 1934, after having travelled the whole of South in search of India's actual tradition and its inner soul. Leaving aside the tradition of Paris, she started to paint pictures from rural life, women and children with ethnic facial types and physiognomy, with flat two dimensional effect of Indian pictorial character, completely different from the "Bengal

Plate - 8

Artist : Amrita Sher Gill

Plate - 9 Artist : Paritosh Sen

School". Her pro-position on canvas in oils were two dimensional; flat colours with dark faces and figures against a bright and light background which created an atmosphere of melancholy in them **(Plate - 8).**

The beginning of 1940s was over-shadowed by World War II; the Bengal famine of 1942 and various social turmoils in the country which seriously affected the whole community of creative people such as artists, writers, poets and playwrights. With much anguish and pain they expressed a vigorous revolt against everything so called beautiful. In Calcutta, a group of artists formed an association, called themselves as "Calcutta Group" in 1943 with members such as Paritosh Sen, Kamala Dasgupta, Prankrishna Paul, Rathin Maitra, Nirode Mazumdar, Subho Thakur, Gopal Ghose, Prodosh Dasgupta (Sculptor) and Hemanta Mishra. The group had their 2nd Exhibition in Bombay in 1945, making a direct interaction with the contemporary art movement there. Unfortunately, the Calcutta Group was quite short-lived, and gradually disintegrated within ten years for various practical reasons **(Plate - 9).**

Prodosh Dasgupto left for England for higher studies, Nirode Mazumdar to Paris **(Plate - 10),** Rathin Maitra and Gopal Ghose became busy with their personal assignments and partly for their involvement with the Academy of Fine Arts in Calcutta. However, Calcutta Group was the pioneer and produced a group of artists who wanted to assimilate the spirit of European Modern Art Movement of France and Germany in their works which sometimes received adverse criticism from the press and public; yet this was the first

Plate - 10 Artist : Nirode Mazumdar

Plate - 11 Artist : Francis Newton Souza

conscious step towards contemporary Indian Modern Art. Unfortunately, no much documentation and assessment of these artists of Calcutta Group were made or their works preserved properly for posterity.

Taking cue from the 'Calcutta Group' some vibrant young artists founded a group, initially with six Indian artists under the banner of "Progressive Artists Group" (PAG) in the commercial city of Bombay in 1947. This is the most significant year when India won freedom and partition was enacted with two-nation theory. Francis Newton Souza, an artist, expelled from Sir J. J. School of Art for his association with the nationalist group and freedom movement in early years took the lead. He wrote the Manifesto of the Group and its motto, very strongly rejecting everything decent and the sentimental art of Neo-Bengal or British Academics; while propagating complete freedom of expression in creating a modern aesthetic-understanding. Initial founder members were F. N. Souza (b.1924) himself, Syed Haider Raza (b.1922), H. A. Gade (b.1917), K.H. Ara (b.1914), S. K. Bakre (b.1920. Sculptor), and M.F. Husain (Plate-13). They had their 1st group exhibition in 1948 in Bombay that invited at once an adverse kind of criticism; but they were indomitable with their inner spirit of creative jeal. Souza himself charged with high emotions, said "We have more fire in our belly than food" **(Plate - 11).** Some more powerful artists joined in PAG in later years such as K.S. Kulkarni, N.S. Bendre, K.K.Hebber, Akbar Padamsee, Tyeb Mehta and Ram Kumar, who are till this day recognized and accepted as the most respected artists of the country for their innovation and thought provoking creations in the field. However, hundreds of books and albums have been published with critical appraisal of those artists and

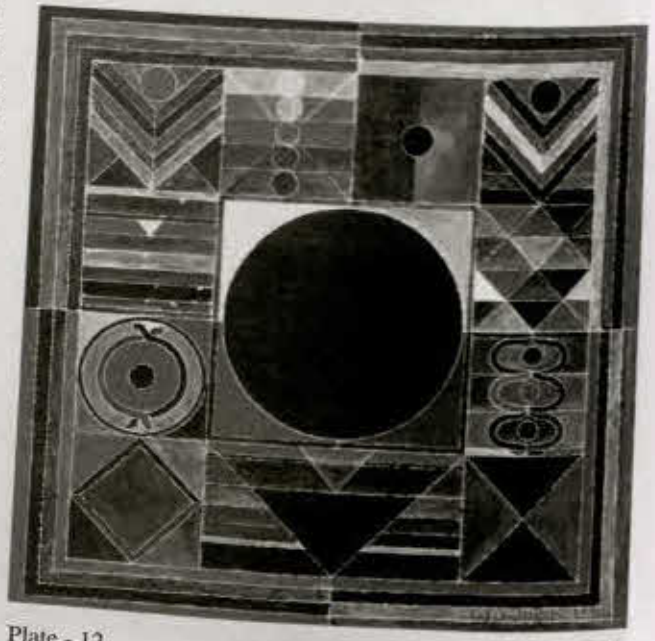

Plate - 12 Artist : S.H. Raja

Plate - 13 Artist : M.F. Hussain

their works; of-course for a better understanding of their individual artistic talents and contributions to the field of art.

After the creation of Lalit Kala Academi in New Delhi in 1956, with the active initiation of Maulana Abul Kalam Azad, the then Minister for Education and Culture, New Delhi, ample opportunities burgeoned in the field of Visual Arts and in the various branches of creative Arts. Main-stream Art became saturated with the various ideals and standards set by the International Modern Art of Europe and America.

Plate - 14 Artist : Satish Gujral

Modern Art that encompasses the whole gamut of Non-figurative Art, Abstract Art, Abstract-Expressionism, Pop-Art and Op-Art started to proliferate from the beginning of the 20th Century in Europe and America. The invention of photography posed a big question to the artists in respect of making perfect resemblances of nature by a camera in a

Plate - 15 Artist : G. R. Santosh

split second, during the mid-19th century. But the responsibility of an artist is to create, and not to copy and mirror an image with paint and brush, or to transform it into stone, wood and bronze or whatever medium it may be. This concept was to be understood as a point of departure from Naturalism to Abstraction in visual art.

Plate - 16 Artist : Isha Mahammad

A host of talented artists launched in field of visual art with their own personal philosophy of Modernism, created a new kind of art-form; they forgot the visual reality, giving prime-emphasis on their subjective feelings. Creating shapes and forms, with lines and colours and arrangements of void and mass with the basic elements of points, (Bindu, borrowed from Tantra) tangles, squares on a proper support (canvas, wood, wall etc.) made a work-of-art which stood up in its own right, independently without the aid of storytelling or narrative. I would like to give you a few names in this context such as Syed Haider Raza **(Plate-12),** Satish Gujral, Biren Dey, Gulam Roshul Santosh, Ramkumar and so on, who followed this unbidden path of a unique visual expression (Plate 15). We have the privilege to see their creations at Lalit Kala Akademi and National Gallery of Modern Art, New Delhi, as the permanent site of such art works. (**Plate - 14:** Satish Gujral and **Plate-16:** Isha Mahammad.)

Our day to day lives are an example of how we attune to everything new; modern architecture, modern designs, modern lifestyle objects, modern gadgets, most of all, the fast changing cultural stereotypes, and still have that innate propensity or penchant to recognize the past which has led to this wholesome present.

May 1, 2018 **Isha Mahammad**
Kolkata President

References :

1. EWA-Encyclopaedia of World Art
2. EVA-Encyclopaedia of Visual Art
3. The Oxford Companion to Art - Ed. H. Osborne
4. S. Mukherjee and K. Chatterjee-Vision and Creation (in press)
5. K. K. Ganguli-Some Reflexes on Cultural Regeneration, AFA, Golden Jubilee Volume.
6. Monthly Bulletin of the Asiatic Society, June 2016- May 2018.
7. Lalit Kala Contemporary, relevant issues.
8. S. Kramrisch-JISOA, Indian Sculpture
9. N. R. Ray-Approach to Indian Art
10. A. K. Coomaraswamy-Hindu View of Art
11. S. K. Saraswati-Survey of Indian Sculpture
12. D. P. Ghosh-Pata-chitra of Bengal (AMIA)
13. E. B. Havel-Ideals of Indian Art
14. Asok Mitra -Bharater Chitrakala
15. Tapati Guha Thakurata-Colonialism and Nationalism
16. Bhabesh Sanyal-Art: Culture or Commodity: Britain to India
17. Binode Behari Mukherjee-Adhunik Silpa Siksha
18. Andrew Robinson-Art of Rabindranath Tagore
19. Jayanta Chakravarti-Painting of Rabindranath Tagore
20. Chintamani Kar-Rabir Chabi
21. Nisith Ranjan Ray-Pioneer Traveller-Artist from Britain to India.
22. Glinbarra Collection of Indian Contemporary Japan
23. Asok Bhattacharya-Banglar Chitrakala
24. Prabaha-Biswa Banga Sammelan, 1999-2000. Ed. Pabitra Sarkar.

3 General Secretary's Report

Respected President of the Asiatic Society, Professor Isha Mahammad, Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Asiatic Society Shri Keshari Nath Tripathiji, Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer of the Asiatic Society, Distinguished Awardees of Medals, Plaques and Lectureship, Members and Staff Members of the Asiatic Society, Guests and Friends, Good afternoon, on behalf of the Council Members and also on behalf of the Members and Staff Members of the Asiatic Society, very hearty welcome to you all.

When I stand before you to deliver the address of the General Secretary of the Asiatic Society, in the second consecutive year during this historic 234th Annual General Meeting, my mind seems overwhelmed with a mixed feeling. I enjoy the satisfaction, along with the entire team of the Council for the year 2016-18, of achieving certain positive targets in the backdrop of our commitments made to the Members as well as Staff Members of the Asiatic Society on the one hand and to the Ministry of Culture, Government of India, on the other. I feel equally constrained for not matching them up at par with certain other identified areas of action. We have been able to open up a smooth passage in expanding our academic activities for which we were

primarily responsible, but we are yet to touch the finish line in some areas of organizational modernizations. Of course, initiatives have already been taken in that direction.

The vantage point of locating cultural heritage, in a particular juncture of historical time, could either be a continuation of some static philosophical propositions or the construction of a pregrant threshold accommodating multiple dynamic stimulations, in the context of a changing socio-political scenario. Before I proceed to contextualize an empirical premise for this statement, let me digress for a moment, and share with you that today i.e. 7th May is the birthday of the English philosopher, David Hume. He was born in 1711. He is known for his important publication entitled 'Treaties on Human Nature' and famous for his empiricist approach of building up argument based on causality. By the time the resonance of today's auspicious programme will come to an end, we will step into Rabindranath Tagore's 158th birth anniversary on 9th May, 2018. The visionary of all time, he had fruitfully synthesized humane excellence and ingenuity in the context of a global civilizational spectrum. He was honoured by the Asiatic Society with Special Anniversary Honorary Member on 15th January, 1934 on the occasion of Jubilee Celebration Hosting of the 150th anniversary of the Asiatic Society of Bengal.

My purpose of juxtaposing these two citations immediately thrills me, to trace out a core human value, in terms of its manifestations, in the collective expressions of innovative ideas and enforcement of rational argumentation, in the framework of conjugating the human minds, for the great cause towards their creative journey.

The Asiatic Society is still continuing as the centre of cultivation of knowledge engaging its researchers in multiple ways in generating fresh input and disseminating them to the wider academia and public as well. It has been consistently trying to keep up with that rich inherited tradition since its founder Sir William Jones outlined the broad academic domains, during the deliberations of his first discourse in 1784.

II

Let me now very briefly reflect back upon the academic programmes conducted for the last one year. Perhaps you will be able to discern, by and large, a visible connectivity in this accommodation of a variety of programmes, with a definite

functional continuum among them in some meaningful ways.

We had organized about twenty-four National and International Seminars and Workshops and about thirty Endowment and Special Lectures on issues of topical importance. In this aggregation, discussions were held on the contributions of pioneering individual social visionaries and academicians of eminence, in various fields of specialization. For example, eminent Sanskrit scholar such as K. K. Handique to scientists like Asima Chatterjee or Samarendra Nath Sen; great physician such as Dr. Bidhan Chandra Roy to renowned linguist Acharya Suniti Kumar Chatterji; educationist and social reformist Begam Rokeya to socio-religious preacher Thakur Panchanan Barma, figured in our academic programmes. Likewise we organized seminar/workshop programmes on tribal life in West Bengal to cultivation of Sanskrit or Navyanyaya in classical centres of learning. The range of the subjects of discussion extended to Buddhism, Dharmashastra, lost River Saraswati, Charya Geeti Kosh on the one hand and Interface of Indian Sociology and Indology and recent development of Stem-cell Studies on the other. An important Round Table Conference was organized on the status and prospect of the Sixth Schedule in North-East India. A number of very distinguished participants from various parts of the country took part in this discussion. Among the Endowment Lectures, special mention may be made about Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble Former President of India, who delivered the first Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture at the Asiatic Society on 20th November, 2017. He talked on the theme "Dr. Raja Rajendralala Mitra and the Indological Studies in the Asiatic Society". It may be mentioned here that Raja Rajendralala Mitra was the first Indian President of the Asiatic Society in 1885. Similarly, mention may be made about the Foundation Day Lecture delivered by Dr. K. Kasturirangan, one of the forerunners in the field of Space Research in this country, on 15th January, 2018 on the occasion of 235th Foundation Day of the Asiatic Society. He talked on "The Influence of India's Space Endeavour on Its Societal Development". Valuable lectures were arranged on multiple aspects of Lok Mata Sister Nivedita to Binode Behari Mukhopadhyay, the eminent painter of West Bengal, who conquered his blindness by his inner vision. In addition to these academic programmes, two film shows were organized along with lectures on the occasion of International Womens' Day and remembrance of the contributions of

Anundoram Borooah, a noted scholar in Assam. Regular exhibitions were organized in both Library and Museum Sections on various subjects of importance. One exhibition was organized in collaboration with Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS), Bhopal on "Time Past Time Present: Treasures of Human Knowledge at the Asiatic Society, Kolkata" during last week of August, 2017.

Similarly, we had undertaken Research Projects both by our in-house Research Fellows and by some external scholars on a number of subjects. A quick glance could give you a brief overview on the coverage of subjects being studied. It included the study of classical text, editing of valuable ancient manuscripts, studies on Buddhism, Chinese Sources of South Asian History, Ancient Indian Context of Technical Science in the History of Science and Technology, History of Medicine and Surgery and History of Asiatic Society and so on and so forth. The studies covered from a Review of Maxmuller's Indology to the Women Empowerment in North-East India, from a Regional Study in Malwa (Madhya Pradesh) to Community Study like Matua (West Bengal), from the Linguistic Style in Modern Bengali Drama to the Inscribed Images of Eastern India, from Adibasis of Jangal Mahal in West Bengal to the Socio-Linguistic Study on Kuki-Chin People in North-East India, from Traditional Goudiya Dance of West Bengal to the Study of Dance Form initiated by Nritya Guru Bipin Singh of Manipur, from Performing Art as evidenced in the Ramayana and the Mahabharata to Society as reflected in Principal Upanishads, from Ethno-Linguistics to Ethno-Veterinary Medicine. An important conference was organized on a project entitled "Comprehensive History of Modern Bengal 1700-1950". A three-volume publication will be brought out with contributions from a good number of scholars of India and abroad. Professor Sabyasachi Bhattacharya, Former Vice-Chancellor, Visva-Bharati proposed the programme and volunteered to coordinate this prestigious academic programme. A number of collaborative programmes were also undertaken during this period, such as seminar on Syed Ahmadul Huq (the Rumi of Bengal) with Allama Rumi Society, Bangladesh, on the one hand and with Indian Statistical Institute, Kolkata, on the occasion of 125th birth anniversary of Professor Prasanta Chandra Mahalanobis on the other. Collaborative programmes were also conducted on some important occasions with various academic and professional bodies such as Rajasthani Pracharini Sabha on the contributions of L. P. Tessitory, a

renowned Italian Linguist who was associated with the Asiatic Society and worked on languages in Rajasthan and Paschimbanga Itihas Samsad on the contributions of late Professor Asin Dasgupta, eminent historian and Former Director of National Library, Kolkata. A unique seminar was organized by the Research Fellows themselves at the Asiatic Society for the first time. They had chosen a theme entitled "Current Researches in the Asiatic Society : Emerging Areas". Important lectures were regularly organized during each Monthly General Meeting where distinguished scholars belonging to various academic disciplines of Science, Art and Humanities delivered lectures on interesting areas of their respective subjects.

During this period we had a number of Indian and foreign visitors. For example, Dr. Mahesh Sharma, Hon'ble Minister of Culture, Government of India, H.E. Dr. Csaba Balogh, Minister of State for Public Administration, Ministry of Foreign Affairs and Trade of Hungary, Professor Arvind Jamkhedkar, the Chairman, Indian Council for Historical Research, New Delhi, Professor Mahfuza Khanam, the President, Asiatic Society of Bangladesh, Dhaka, Professor H. H. Robinson, Professor of North American Institute for Oriental and Classical Studies, Dr. Kyoko Niwa from Japan and so on.

III

Apart from the above, programme has been taken for digitization of valuable books and manuscripts. The Local Area Network has been started to facilitate the entire office of the Society with internet facilities and other network based works like library automation, digitization. The website of the Society has been updated. A new acoustic system has been installed at the Vidyasagar Hall of the Asiatic Society for improving the recording system of the proceedings of all meetings. One Book Eye–4 scanner has been purchased to boost up the internal digitization work. Readers' service is being improved at Metcalfe Hall and initiatives have been taken to re-organise the Salt Lake building of the Society.

The Library and Museum Sections, apart from extension of services to the scholars across the world, are up to their task of conservation of valuable books, documents, manuscripts, paintings and so on and so forth.

The Publication Section in addition to regular publications of all memoirs, journals and bulletins etc. has also

participated in Book Fairs in Delhi and Kolkata. The Section has also organized a Book Bazar recently in the premises of the Asiatic Society which has aroused a huge interest among the scholars and public at large.

On three occasions the awardees of the last year, who could not personally come for old age and health problems, were felicitated either at their residence or at the Institute where they were affiliated. For example Dr. Ratan Lal Brahmachari, a noted Biologist, who recently expired, was felicitated at his residence. Dr. Kapila Vatsyayan and Professor Suniti Kumar Pathak were felicitated through befitting programmes held at India International Centre, New Delhi and Bhasa Bhavan, Visva-Bharati, Santiniketan respectively.

The Hindi Cell has picked up regular activities and has also organized the Hindi Pakhwada, Hindi Karmashala and other programmes at the Society. In addition to this, the Society has also observed some important occasions such as World Environment Day, Swachha Pakhwada, Vigilance Awareness, Ekta Diwas, Sadbhabana Diwas, International Heritage Day, Anti-Terrorism Day and so on. During this period a meeting of the Standing Finance Committee was held to dispose of certain routine organizational matters. The Security Section has been more vigilant and Administration and Accounts Sections have improved their regular monitoring system.

To conclude, let me once again reiterate that during the period being covered in this annual address, the Asiatic Society has been able to keep pace with its expected performance and has also been able to firmly gear up to undertake multiple academic activities in the coming months. However, the new Council will decide about the future course of action as per the mandate received from the Members of the Society. The employees of the Society have always extended their full cooperation in successfully implementing all these programmes. Last but not the least, Ministry of Culture, Government of India and especially the Hon'ble Minister of Culture, Dr. Mahesh Sharma has extended full moral and positive support althrough in regaining the glorious image of the Asiatic Society and projecting it before the Nation. Once again I thank you all at the Annual General Meeting of the Asiatic Society today. Namaskar, Namaste.

May 1, 2018
Kolkata

Satyabrata Chakrabarti
General Secretary

4 The Council of the Asiatic Society (2016-2018)

PRESIDENT:

Professor Isha Mahammad

VICE-PRESIDENT:

Professor Aparajita Basu
Professor Alok Kanti Bhaumik
Professor Subhas Ranjan Chakraborty
Professor Swapan Kumar Pramanick

GENERAL SECRETARY:

Dr. Satyabrata Chakrabarti

TREASURER:

Professor Sujit Kumar Das

ANTHROPOLOGICAL SECRETARY:

Professor Ranjana Ray

BIOLOGICAL SCIENCE SECRETARY:

Professor Asok Kanti Sanyal

HISTORICAL AND ARCHAEOLOGICAL SECRETARY:

Professor Arun Kumar Bandyopadhyay

LIBRARY SECRETARY:

Professor Biplab Chakrabarti

□

MEDICAL SCIENCE SECRETARY:

Dr. Subir Kumar Datta

PHILOLOGICAL SECRETARY:

Shri Shyam Sundar Bhattacharya

PHYSICAL SCIENCE SECRETARY:

Professor Rajkumar Roy Choudhury

PUBLICATION SECRETARY:

Dr. Ramkrishna Chatterjee

JT. PHILOLOGICAL SECRETARY :

Dr. M. Firoze

MEMBERS:

Professor Krishnapada Majumder
Professor Nabanarayan Bandyopadhyay
Professor Shahnaz Nabi
Professor Somnath Mukhopadhyay

REPRESENTATIVE OF THE GOVERNMENT OF INDIA:

Joint Secretary,

Ministry of Culture, Government of India

The Director General,

National Council of Science Museums, Kolkata

The Secretary & Curator,

Victoria Memorial Hall, Kolkata

The Director,
Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata

REPRESENTATIVE OF THE GOVERNMENT OF WEST BENGAL :

Director of Public Instruction (DPI),
Department of Higher Education, GoWB

REPRESENTATIVE OF THE ASIATIC SOCIETY EMPLOYEES' UNION :

Professor Pradip Bhattacharya

5 Planning Board and Standing Finance Committee

PLANNING BOARD

[Constituted under Section 8(1) of the Asiatic Society Act, 1984]

1. Secretary, Ministry of Culture, Government of India
   Chairman
2. AS & FA, Ministry of Culture, Government of India
   Member
3. Director General, National Council of Science Museum, Kolkata
   Member
4. Director General, Raja Ram Mohan Roy Library Foundation, Kolkata
   Member
5. Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata
   Member
6. Principal Secretary, Department of Higher Education, GoWB
   Member
7. President, The Asiatic Society, Kolkata
   Member
8. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata
   Convenor

STANDING FINANCE COMMITTEE

[Constituted as per Regulation 4A (1)]

1. AS & FA, Ministry of Culture
   Government of India
   Chairman
2. Director, Indian Museum, Kolkata
   Member
3. Director, Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Kolkata
   Member
4. Director of Public Instruction (DPI)
   Department of Higher Education, GoWB
   Member
5. Dr. Satyabrata Chakrabarti
   General Secretary, The Asiatic Society
   Member
6. Professor Swapan Kumar Pramanick
   Vice President, The Asiatic Society
   Member
7. Professor Sujit Kumar Das
   Treasurer, The Asiatic Society
   Member

6 Committees and Sub-Committees

LIBRARY COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws V]

1. **Professor Isha Mohammad**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
   Treasurer
4. **Professor Biplab Chakraborty**
   Library Secretary
5. **Professor Ramkrishna Chatterjee**
   Publication Secretary
6. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**
   Philological Secretary
7. **Dr. M. Firoze**
   Joint Philological Secretary
8. **Professor Ashok Kanti Sanyal**
   Biological Science Secretary
9. **Professor Rajkumar Roy Choudhury**
   Physical Science Secretary
10. **Dr. Subir Kumar Datta**
    Medical Science Secretary
11. **Professor Arun Bandyopadhyay**
    Historical and Archaeological Secretary
12. **Professor Ranjana Ray**
    Anthropological Secretary
13. **Professor Krishnapada Majumder**
14. **Professor Sachindra Nath Bhattacharya**
15. **Professor Subuddhi Charan Goswami**

□

PUBLICATION COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws XXXVII]

1. **Professor Isha Mahammad**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
   Treasurer
4. **Professor Ramkrishna Chatterjee**
   Publication Secretary
5. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**
   Philological Secretary
6. **Dr. M. Firoze,**
   Joint Philological Secretary
7. **Professor Arun Bandyopadhyay**
   Historical and Archaeological Secretary
8. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
   Vice President
9. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**
   Vice President
10. **Professor Alok Kanti Bhaumik**
    Vice President
11. **Professor Aparajita Basu**
    Vice President
12. **Professor Ranjana Ray**
    Anthropological Secretary
13. **Professor Dilip Basu**
14. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
15. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**

BIBLIOTHECA INDICA COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws XXXVIII]

1. **Professor Isha Mahammad**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
   Treasurer
4. **Professor Ramkrishna Chatterjee**
   Publication Secretary
5. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**
   Philological Secretary
6. **Dr. Shahnaz Nabi**
7. **Dr. M. Firoze**
   Joint Philological Secretary
8. **Professor Badiur Rahaman**
9. **Professor Musharaf Hossain**
10. **Professor Bela Bhattacharya**
11. **Professor Uma Chattopadhyay**
12. **Professor Amit Kumar Bhattacharya**
13. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**

ACADEMIC COMMITTEE

1. **Professor Isha Mohammad**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
   General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
   Treasurer,
4. **Professor Swapan Kumar Pramanick**
   Vice President
5. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty**
   Vice President
6. **Professor Alok Kanti Bhaumik**
   Vice President
7. **Professor Ramkrishna Chatterjee**
   Publication Secretary
8. **Sri Shyam Sundar Bhattacharya**
   Philological Secretary

9. **Professor Ashok Kanti Sanyal**
Biological Science Secretary
10. **Professor Rajkumar Roy Choudhury**
Physical Science Secretary
11. **Professor Arun Bandyopadhyay**
Historical and Archaeological Secretary
12. **Dr Subir Kumar Dutta**
Medical Science Secretary
13. **Professor Ranjana Ray**
Anthropological Secretary
14. **Professor Pallab Sengupta**
15. **Professor Atish Dasgupta**
16. **Professor Amita Chakraborty**
17. **Professor Pradip Bhattacharya**
18. **Dr M Firoze**
Jt. Philological Secretary
19. **Professor Mrinal Kanti Gangopadhyay**

MANUSCRIPT & ART PURCHASE COMMITTEE

1. **Professor Isha Mohammad**
President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
Treasurer
4. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
5. **Professor Suman Kumar Pal**
Principal, Government Art College, Kolkata
6. **Professor Ajoy Ghosh**
7. **Professor Prakash Das**
8. **Professor Subuddhi Charan Goswami**

COMMITTEE FOR RESTORATION OF OIL PAINTINGS

1. **Professor Isha Mahammad**
President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
General Secretary
3. **Professor Sujit Kumar Das**
Treasurer
4. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
5. **Professor Suman Kumar Pal**
Principal, Government Art College, Kolkata
6. **Professor Ajoy Ghosh**
7. **Professor Prakash Das**
8. **Professor PrasantaKoley**
9. **Smt Santi Maji**

EXTENSION COMMITTEE

1. **Dr. Satyabrata Chakrabarti**
General Secretary
2. **Professor Sujit Kumar Das**
Treasurer

During the period the business of the Society was conducted through the following meetings:

- **Meetings of the Council :**
10 (Ten)
- **Monthly General Meeting :**
10 (Ten)
- **Meetings of the Library Committee:**
11 (Eleven)
- **Meetings of the Publication Committee :**
10 (Ten)
- **Meetings of the Academic Committee :**
11 (Eleven)
- **Meeting of the BibliothecaIndica Committee:**
NIL
- **Meeting of the Standing Finance Committee:**
1 (One)

7 Awardees of Medals, Plaques and Lectureships for the year 2017

INDIRA GANDHI GOLD PLAQUE:

Dr. M. Hamid Ansari, Hon'ble Former Vice-President of India for his significant contribution towards Inter-cultural Cooperation and Human Progress

RABINDRANATH TAGORE BIRTH CENTENARY PLAQUE

Professor Sabyasachi Bhattacharya, Former Vice Chancellor of Visva Bharati University for his outstanding contribution to Human Culture.

HEM CHANDRA RAYCHAUDHURI BIRTH CENTENARY GOLD MEDAL

Professor Kunal Chakrabarti, Professor of Ancient Indian History, Centre for Historical Studies, Jawaharlal Nehru University for his outstanding contribution in the field of Indian History

R P CHANDA CENTENARY MEDAL

Professor N Subba Reddy, Formerly Professor & Head. Dept. of Anthropology, Madras University for his important contribution in the field of Anthropology.

PROFESSOR SUKUMAR SEN MEMORIAL GOLD MEDAL

Professor France Bhattacharya, Emeritus Professor of Bengali Language & Literature, Institut National des Langues et Civilizations Orientales, Paris for her important contribution in the Academic field.

PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR GOLD PLAQUE

Professor Mrinal Miri, Former Director, Indian Institute of Advanced Studies, Shimlafor his important contribution to contemporary social activities

DR. BIMALA CHURN LAW GOLD MEDAL

Professor Tamo Mibang, Vice Chancellor, Rajiv Gandhi Central University, Arunachal Pradesh for his outstanding contribution in the field of Ethnology and Folklore.

DURGA PRASAD KHAITAN MEMORIAL GOLD MEDAL

Professor Goverdhan Mehta, FNA, FRS, University Distinguished Professor and Dr. Kallam Anji Reddy Chair, School of Chemistry, University of Hyderabad for his important contribution in the field of Science.

SIR JADUNATH SARKAR GOLD MEDAL

Professor Ramakanta Chakraborty, Former Head of the Dept. of History, Burdwan University and former President of the Asiatic Society for his important contribution to History and Religion.

DR. PRABHATI MUKHERJEE MEMORIAL GOLD MEDAL

Smt. Sabana Azmi, Eminent Film Personalityfor her important contribution to Women Question from Ancient Times to date.

RANADHIR ROY MEMORIAL GOLD MEDAL

Professor Sisirkana Dhar Choudhury, Eminent Violinist for her significant contribution in Instrumental Music.

INDIRA GANDHI MEMORIAL LECTURESHIP

Professor Sukanta Chaudhuri, Emeritus Professor, Dept. of English, Jadavpur University for his ***outstanding contribution on Cultural Pluralism.***

DR. PANCHANAN MITRA MEMORIAL LECTURESHIP

Professor R Siva Prasad Rambhatla, Professor, Dept. of Anthropology, University of Hyderabad for his important contribution to Anthropology.

PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR LECTURESHIP

Professor Jean Dreze, for his outstanding contribution in the field of Science & Technology.

DR. SATYENDRA NATH SEN MEMORIAL LECTURESHIP

Shri Chandra Sekhar Ghosh, CEO, Bandhan Bank for his important contribution on Social Science.

PROFESSOR SUNITI KUMAR CHATTERJI MEMORIAL LECTURESHIP

Professor Peri Bhaskararao, Professor Emeritus, Tokyo University of Foreign Studies for his important contribution in the field of Linguistics.

ABHA MAITI MEMORIAL LECTURESHIP

Dr. Subhas Chandra Bandyopadhyay, Former Secretary, Arts & Commerce, Calcutta University for his outstanding contribution in the field of Secularism.

DR. BIMAN BEHARI MEMORIAL LECTURESHIP

Professor Suvira Jaiswal, Professor of History, Hyderabad University for her contribution in the field of History.

G S I SESQUICENTENNIAL COMMEMORATIVE LECTURE

Dr. Anupendu Gupta, Former Deputy Director General, Geological Survey of India, Kolkata for his important contribution on Earth Science

HONORARY FELLOW

Dr. Kailash Chandra, Director, Zoological Survey of India has been elected as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2017.

8 Major Resolutions adopted and Items reported in the Council during April 2017-March 2018

Meeting of 25th April 2017

- The General Secretary proposed that there should be an organizational chart showing placement of staff in different sections with their respective responsibilities along with some norms of keeping official documents and records, channelizing files etc. Some delegation of administrative and financial power is also necessary in view of the increasing load of work on the shoulder of the General Secretary. The Consultant (Director), Controller of Finance and the Administrative Officer (IC) may prepare a draft in this respect immediately for consideration of the Council.

- Professor Swapan Kumar Pramanick suggested constituting a weeding committee for disposing of the unusable items in and around different sections in the Society. He also suggested that the Committee should be constituted with Treasurer as Chairman, Consultant (Director), 2/3 responsible officers. Swacch Bharat Programme is part of that, and, if possible to include the programme with the Swacch Bharat Programme. Professor Subhas Ranjan Chakraborty supported Professor Pramanick's proposal and also requested to take up the restoration work of the staircases of the old heritage building immediately.

- Professor Subhas Ranjan Chakraborty requested the Council to handle the cases of M/s. Peiping Restaurant and the M/s. Great Eastern Hotel, both tenants of the Society, for illegal construction/ destruction of the heritage building seriously.

Meeting of 26th May 2017

- Professor Nabanarayan Bhattacharya wanted to know as per decision of the previous council meeting whether the Authority has written any letter to the Hon'ble Minister for Railways regarding renaming the Park Street Metro Station as the Asiatic Society Metro Station and he requested the authorities to immediately write to the Hon'ble Minister for Railways with a copy to Professor Pradip Bhattacharya, MP in this context. The Council accepted his proposal.

- Dr. Ramkrishna Chatterjee, Publication Secretary, reported that the UGC has recently recognized our Journal for the purpose of Career Advancement Scheme and Recruitment of Teachers and other academic staff of the Universities all over the country. Dr. Chatterjee further reported that ISSN No. of the Journal along with the guidelines for publication of papers in the Journal and other relevant information regarding the Journal has been posted in our website by way of creating a new web page. It was further discussed in the meeting that for wider circulation of our Journal as well as other academic activities of the Society, our website should be developed and upgraded as early as possible.

- The Council noted the receipt of Inspection Report of Autonomous Bodies Cell of the Ministry of Culture in respect of the Asiatic Society and authorized the General Secretary to send them a detailed reply. In this context the General Secretary also reported that he has written a letter to the Hon'ble Minister, Dr. Mahesh Sharma. On receipt of the said letter of the General Secretary the OSD to Hon'ble Minister contacted the General Secretary over phone and informed that the Hon'ble Minister is expected to visit the Asiatic Society tentatively by the first week of June to discuss the problems of the Society. The General Secretary also reported that he has received a letter from the Secretary, Asiatic Society Employees' Union putting their observations on the said report.

- The Council noted that the final MoU for the financial year 2017-18 has been received by the Society on 2nd May, 2017. In this connection the General Secretary suggested to make a Monitoring Committee to review the programmes month wise and they will meet regularly to oversee that the expenditures in all respects are properly made. The Committee members will include Library and Publication Secretaries and Professor Alok Kanti Bhaumik who looks after Academic Section in addition to the General Secretary and the Treasurer, Consultant (Director) and Controller of Finance. Controller of Finance will be the Convener of the Committee.

- The Council nominated Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Vice-President of the Asiatic Society to represent the Society as a Member of the Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies (MAKAIAS), Kolkata. This needs to be communicated to the Under Secretary (A&A), Ministry of Culture, Government of India with a copy to Dr. Sreeradha Dutta, Director, Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Salt Lake, Kolkata.

- The General Secretary reported that he has received a letter from the CPWD that they will take up the work of construction of two additional floors atop the new building immediately and within six months they will complete the work. In this context the General Secretary reported that a meeting was held on 24.05.2017 with CPWD high officials regarding progress of work of construction of two additional floors atop the new building of the Society. The Council noted the matter.

Meeting of 29th June 2017

- The Council principally accepted the proposal of engaging additional contractual Security Guards. Since there is a need of providing additional fund, approval may be sought from the Ministry of Culture, Government of India, immediately. The Council decided that action should be initiated by the General Secretary, based on the deliberations in the Council meeting, seeking the financial and administrative from the Ministry.

- The Council accepted the proposal in principle for institution of an endowment lectureship in the name of Raja Rajendralala Mitra, the first Indian President of the Asiatic Society. But to make available the endowment fund of Rs. 10,000,00/- from the plan fund under the head of 'academic activities' of the MoU, the Society should write to the Ministry for this purpose. In this connection By-Law for this lectureship will also be prepared. For the first year the Society can approach Shri Pranab Mukherjee, Hon'ble President of India, at present, to deliver the first Raja Rajendralala Mitra lectureship after his relinquishing the office of the President of India. This decision is made to acknowledge the long association of Shri Mukherjee with the Asiatic Society in various capacities.

- The General Secretary reported the outcome of his meeting with the Secretary (Culture) on 27.06.2017 as follows :

  The undersigned attended a meeting with the Secretary, Ministry of Culture on 27.06.2017 at his chamber in New Delhi in the forenoon. This meeting was called by the Secretary, Ministry of Culture to review the progress of quarterly programme and expenditure as per the Memorandum of Understanding (MoU) for the Financial Year 2017-18. The Secretary, Mr. N. K. Sinha, IAS and the Joint Secretary, Mr. Pankaj Rag, IAS highly appreciated the academic performances of the Society during the last one year. Mr. Sinha however raised a point to the General Secretary of the ASK as to the disproportionate expenses on the Academic programmes vis-à-vis the maintenance of establishment as a whole. In this connection he also mentioned about the issue of rectification of the MACPS given to the employees. The General Secretary, ASK argued that the Council is very much concerned about both these points. While the Council will try hard to expand the Academic activities in future, but regarding the other point the Council has been trying to find out some solution to this pending problem.

  The General Secretary further mentioned to the Secretary, Ministry of Culture in presence of Prof. Pradip Bhattacharyya, MP (Rajya Sabha) and the President of the Asiatic Society Employees Union who was incidentally present in the room of Mr. N K Sinha, IAS after the formal meeting was over. Prof. Bhattacharyya told Mr. Sinha that he had met Dr. Mahesh Sharma, Hon'ble Minister of Culture (IC) and suggested to him to initiate the formation of a committee with the Secretary, Ministry of Culture, General Secretary of the Asiatic Society and the representative of the employees. Mr. Sinha informed that he is already under a transfer order and shortly going to join his new assignment under the Ministry of Information and Broadcasting, Government of India.

  After this, the General Secretary of the ASK met the Joint Secretary for expediting the pending case of approval of the Controller of Finance (CoF) on deputation at the Asiatic Society. It was informed that the Integrated Finance Department (IFD) has raised some query which will be communicated to the Society for clarification. The Joint Secretary again picked up a discussion with the General Secretary, ASK to go for the rectification of

MACPS at the earliest which will facilitate the implementation of 7th CPC for the employees of the Asiatic Society. He also made a mention that the recovery of arrear may be delinked at this moment which could be negotiated with the concerned departments of the Ministry at a later stage.

- The Council approved the Annual Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year 2016-17 and authorized the General Secretary to make arrangement for undertaking the work by the Audit.

Meeting of 25th August, 2017

- The Council unanimously adopted again the name of Professor Kunal Ghosh, Ph.D., D.Sc, FNA, Director of the Board, Projects & Development India Limited (PDIL), (Public Sector Undertaking, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India) for nomination to the Council of the Indian National Science Academy 2018 as a representative of the Asiatic Society.

- The General Secretary reported that the Society's exhibition entitled "Time Past and Time Present: Treasures of the Asiatic Society, Kolkata" has been put up at Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya (IGRMS) which will be inaugurated on 28th August, 2017. A team of two personnel namely Smt. Sujata Misra, Asstt. Librarian and In-charge of Library and Smt. Keka Adhikari (Banerjee) have been sent on tour for this purpose and the General Secretary has been requested by the Director, IGRMS to deliver the inaugural address on this occasion.

Meeting of 22nd September, 2017

- The Council approved the proposal for setting up of a permanent exhibition of Art & Historical Treasures with the replicas of the art materials available in the Society for the utilization of the Salt Lake building after engaging the Project Management Consultancy (PMC) and for supervision of the work a Committee has been constituted with the President, the General Secretary, the Treasurer, Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Dr. Ramkrishna Chatterjee, ProfessorAlok Kanti Bhaumik, Controller of Finance, Librarian and Curator.

Meeting of 17h November, 2017

- Some of the members of the Council expressed their reservations for allowing the extension to renew the MoU for another year till 31st December, 2018. Keeping in mind the year 2018 which is marked as the Golden Jubilee of establishment of diplomatic relations between India and Bhutan, the Council approved the last extension not beyond 31st December, 2018 and authorized the General Secretary to convey the feelings of the Council to the Ministry of External Affairs as well as Ministry of Culture, Government of India, in this regard.

- The General Secretary read out the following names of the members of the Election Committee for the forthcoming election of Office-bearers and other Members of the Council for the year 2017-18 and the Council noted the constitution of the Election Committee.

- Joint Secretary, In-charge of the Asiatic Society, Ministry of Culture, Government of India and the official Member of the Council of the Asiatic Society representing the Government of India.

- Director of Public Instructions (DPI), Department of Higher Education, Government of West Bengal and the official member of the Council ofthe Asiatic Society representing the Government of West Bengal.

- Registrar of Societies, Government of West Bengal.

- The General Secretary is to report that he has received an e-mail communication dated 18th October, 2017from Ms. Subhashini N, Deputy Secretary, Bhutan, forwarded by Under Secretary, Ministry of Culture vide letter F.No. 20-1/2015A&A, dated 11th October, 2017 requesting the Ministry of Culture in consultation with the Asiatic Society for extension of MoU in the matter of loan of Dharmaraja statue of the Society to Bhutan till 31st December, 2018. It was mentioned that the year 2018 marks the Golden Jubilee of establishment of diplomatic relations between India and Bhutan.

Meeting of 25th January, 2018

- The Council accepted the Inspection Report on the audit of the accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2016-17 received from the Office of the Director General of Audit, Central, Kolkata and thanked the Controller of Finance as no adverse comment was made by the Audit during the regime of the present Council .

- The General Secretary reported that follow-up action has been initiated regarding extension of MoU for the loaning of Dharmaraja (1st January 2018 - 31st December, 2018. Renewal of insurance of Dharmaraja (which is now in Bhutan) has been made on 24.01.2018 in presence of the representatives of National insurance, officials of Bhutan consulate General and Asiatic Society, Kolkata. A sum of Rs. 3,78,583/- (Rupees three lakh seventy eight thousand five hundred eighty three only) by cheque has been handed over to National Insurance Co. Ltd. by the office of the Bhutan Consulate General, Kolkata. The final copy of the insurance will be submitted on Monday, 30th January, 2018. After receiving the insurance policy Temporary Export Permit for the said statue will be made in consultation with ASI.

Meeting of 26th February, 2018

- The General Secretary reiterated his earlier report that the Hon'ble Minister of Culture, Dr. Mahesh Sharma, expressed his desire to the Asiatic Society to organize a function in Delhi to showcase the Asiatic Society to the outside world. In this connection, he requested all the Council members to submit specific proposal in writing or over phone for organizing this function. The Council noted the matter and it was decided that Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Vice-President along with some of the Council members will prepare a draft proposal and on the basis of that the General Secretary will convene a meeting where DG, National Council for Science Museum, Curator and Secretary, Victoria Memorial Hall, DG, Indian Museum, DG, Raja Rammohan Roy Library Foundation etc will be invited to draw out the final proposal for sending it to the office of the Ministry of Culture, Government of India..

- The Council appointed Shri Arupratan Bagchi, Administrative Officer of the Asiatic Society to act as Central Public Information Officer (CPIO) of the Asiatic Society in addition to his position as Administrative Officer. The appointment of Shri Arupratan Bagchi as CPIO be communicated to the Ministry of Culture, Government of India, urgently.

- The General Secretary reported that a meeting of Manuscripts Resource Centre Advisory Committee was held on 19.02.2018 which was functioning at the Asiatic Society since 23.12.2015 with the separate fund received from Manuscripts Resource Centre, New Delhi. The first MoU was signed on 12.09.2014 between the National Mission for Manuscripts and the Asiatic Society, Kolkata. The

Controller of Finance should be incorporated in the Bank operating system as one of the signatories. The Advisory Committee decided to extend the term of appointment of the four contractual employees (Surveyors 2, Cataloguer 1 and Data Entry Operator 1) for one year w.e.f. 1.10.2017 as per rules. Shri Shyam Sundar Bhattacharya suggested that CUMRC be asked to submit a report of the work done by them at the Asiatic Society Dr Jagatpati Sarkar, Sr. Cataloguer, who is coordinating this project also informed that the NMM was preparing the National Database of Manuscripts throughout the country. The Council noted the matter.

- The Treasurer also reported that a move has been taken with the Archaeological Survey of India to renovate the old heritage building of the Asiatic Society. He reported that Dr. G. Maheshwari, Superintendent Archaeologist, ASI, Kolkata Circle has positively responded to do the same in consultation with the authorities of the Asiatic Society. In this connection Professor Subhas Ranjan Chakraborty pointed out that whatever renovation work will be done by the Asiatic Society that must be with the advice and approval of the Archaeological Survey of India. The Council noted the development.

Meeting of 28th March, 2018

- The Council approved the order issued for revision of pay fixation as per the 6th CPC pay scale as on 31.12.2015 in respect of those employees of The Asiatic Society, Kolkata which were earlier fixed wrongly due to grant of wrong 6th CPC pay scales and / or granting of wrong ACPs / MACPs rectifying all such anomalies in the 6th CPC pay fixation after taking into consideration the MACPs that have become due till 31.12.2015.

- The Council approved the granting of financial up gradation under the MACPS in respect of the serving employees of The Asiatic Society, Kolkata who are in payroll for the month of March 2018 and in respect of whom MACPS have become due during the period from 13.03.2012 to 31.12.2015 in the 6th CPC scale of pay.

- The Council approved the order for implementation of the 7th CPC pay scales in The Asiatic Society, Kolkata by extending the replacement scales of the 7th CPC to the employees of the Society as per the Pay Matrix as contained in Part-A of the schedule of the CCS (Revised Pay) Rules, 2016 on receipt of the approval of the Ministry of Culture communicated vide MoC's letter no. F.No. 20-5 / 2015 - A&A dated 15.03.2018 so as to make the payment of salary from the month of March 2018 onwards at 7th CPC pay scales and for the payment of 7th CPC arrears of pay & allowances for the period 01.01.2016 to 28.02.2018 subject to availability of funds under the respective budget head.

  The Council also approved the granting of financial up gradation under the MACPS in respect of the serving employees of The Asiatic Society, Kolkata who are in payroll for the month of March 2018 and in respect of whom MACPS have become due during the period from 01.01.2016 to 01.03.2018 in the 7th CPC scale of pay so as to incorporate the upgraded pay arising out of MACPS while releasing the salary for the month of March 2018.

  While approving, the Council extended their whole hearted thanks and gratitude to the Ministry of Culture, Government of India and appreciated the remarkable efforts put in by the General Secretary and the Treasurer of the Society.

  The Council also appreciated the

administrative supports made in this course by the Controller of Finance and the Administrative Officer of the Society and the co-operation of all the employees of the Society for resolving the long pending issue.

- The Council approved the proposal in principal and constituted a committee comprising the Treasurer, Dr Subir Kumar Dutta, the Controller of Finance, the Administrative Officer and two employees of the Society to be nominated by the General Secretary for the purpose of implementation of cashless inpatient medical facilities to the employees of the Asiatic Society.

The Council also authorized the Controller of Finance and Administrative Officer to prepare a Standard Operating Procedure [SOP] for this purpose and to interact with CGHC empanelled hospitals for smooth implementation of the Scheme.

9 Activities : Publication Section

Just after four years of its inception the Society started its publication in 1788 with the publication of *Asiatick Researches*. In the words of Sir William Jones, *"It will flourish, if naturalists, chemists, antiquaries, philologers and men of science, in different parts of Asia, will commit their observations to writing and send them to the Asiatic Society at Calcutta, it will languish, if such communications shall be long intermitted; and it will die away, if they shall entirely cease."* The Society has been publishing original and noteworthy books and articles to maintain its glory and high academic standard as in the past, and the Society is known to the world of learning for its being the first publication house in the country.

Two statutory committees, viz. Publication Committee and Bibliotheca Indica Committee recommend articles, communications, book-reviews for publication in the *Journal of the Asiatic Society* and manuscripts for publication in book form in different series, viz. *Bibliotheca Indica, Monograph, Seminar and Endowment Lecture, Catalogue & Bibliographical Works* etc. and some under Miscellaneous publications.

The Asiatic Society publishes books in the above mentioned series, besides Journal, Monthly Bulletin and some booklets on different occasions.

During this period fourteen titles of books, four issues of the Journal of the Asiatic Society, ten issues of Monthly Bulletin, and four numbers of other publications including booklets have been published.

The Asiatic Society participated in the Delhi Book Fair, 2017, International Kolkata Book Fair 2018, and New Delhi World Book Fair

2018 for enhancement of sales proceeds. The Society also organised a Book Bazar during 19-23 March 2018. Moreover, the Publication Section has also tried their best to contact the book-sellers, academic institutions, libraries etc. by using its modernized communication facilities. Continuous efforts have also been made to create a comfortable ambiance for its buyers by introducing modernized payment system and promotion of its publication through social media.

PUBLICATIONS DURING 2017-18

- **BOOKS**

i. *Bengal Nawabs* translated into English by Jadunath Sarkar [Reprint]

ii. *Introducing Mahayana Buddhism* edited by Biswanath Banerjee & Sukomal Chaudhuri [Reprint]

iii. *Late Mediaeval Temples of Bengal* by David J. McCutchion [Reprint]

iv. *Madhyajugiya Bharate Sanskrita Sahitya* by Kalikumar Datta [Reprint]

v. *Gaudiya Nritya* by Mahua Mukherjee [Reprint]

vi. *Birhor : Ekti Banachari Adim Adibasi* by Bimalendu Majumdar

vii. *Inscriptions and Agrarian Issues in Indian History : Essays in Memory of D. C. Sircar* ed. by B. D. Chattopadhyaya, Suchandra Ghosh, and Bishnupriya Basak

viii. *Subversive Sovereigns across the Seas : Indian Ocean Ports-of-Trade from Early Historic Times to Late Colonialism* ed. by Kenneth R. Hall, Rila Mukherjee, and Suchandra Ghosh

ix. *Ramacharitam* ed. by H. P. Sastri, Revised with Eng. Tr. by R. Basak [Reprint]

x. *Kirata Jana Kriti* by Suniti Kumar Chatterji [Reprint]

xi. *Chinese Sources of South Asian History in Translation, Vol. V : Socio-Econo-Political Relations between South India and China, AD 502-1610: With Emphasis on the Fifteenth Century* by Haraprasad Ray

xii. *Chinese Sources of South Asian History in Translation, Vol. VI : From Religion to Commerce : The Maritime Rendezvous between India and China, Tenth to Thirteenth Century AD* by Haraprasad Ray

xiii. *Chinese Sources of South Asian History in Translation, Vol. VII : From Nationalism to Foreign Occupation : The Mongol Interlude* by Haraprasad Ray

xiv. *History, Science and the Society in the Indian Context* ed. by Arun Kumar Biswas [Reprint]

- **PERIODICALS**

Journal of the Asiatic Society,

No. 1, 2017
No. 2, 2017
No. 3, 2017
No. 4, 2017

Monthly Bulletin of the Asiatic Society

Vol. XLVI	No. 5,	2017 [May, 2017]
Vol. XLVI	No. 6,	2017 [June, 2017]
Vol. XLVI	No. 7,	2017 [July, 2017]
Vol. XLVI	No. 8,	2017 [August, 2017]
Vol. XLVI	No. 9,	2017 [September, 2017]
Vol. XLVI	No.10,	2017 [December, 2017]
Vol. XLVII	No. 1,	2018 [January, 2018]
	No. 2,	2018 [February, 2018]
	No. 3,	2018 [March, 2018]
	No. 4,	2018 [April, 2018]

- **BOOKLETS**

i. *Presidential Address, 2016-2017*

ii. *General Secretary's Address, 2016-2017*

iii. *Annual Report, 2016-2017*

iv. *Catalogue of Available Publications, July 2017*

10 Activities : Library Section

Library

The Library of the Asiatic Society with its long glorious history of two hundred thirty-five years, is the most important component of Society. The Library is enriched with vast collection of books and journals apart from manuscripts and artifacts for Oriental Studies. Its importance lies not in numerical strength but in its rich and unique contents.

The holding is numbering more than 1,31,000 books and 1,09,000 bound volumes of Journals in different European, Sino-Tibetan, Russian, South Asian, Persian, Urdu, Arabic, Pali, Prakrit, Bengali, Sanskrit and other Indian languages.

The library of the Society offers bibliographic and documentation services to the research scholars of different branches of study coming from different parts of India and abroad. The reading room equipped with books, periodicals, microfilm and microfiche is open to readers from Monday to Friday between 9.45 a.m. to 7.00 p.m. and on Saturday from 10 a.m. to 5.00 p.m.

The activities of the Library are planned and monitored by the Library Committee set up by the Council. During the period under consideration the Library Committee met for 11 occasions and submitted their recommendations to the council for approval.

- **Activities during the period**
- The Library was open to Readers & Scholars from India & Abroad for 293 days and served 9448 readers.
- 1115 books have been accessioned and 1585 books have been processed in different languages and in different subjects.

	Books accessioned	Books processed
English and other languages	495	878
Sanskrit	37	138
Bengali	72	175
Persian, Arabic & Urdu	101	101
Hindi	-	26
Pali & Others	-	58
Gift	410	209

- Library subscribed to 78 titles of journals and received 529 issues of journals. Library received 288 issues of journals on exchange, and 68 issues of journals as Gift during the period.
- 9448 readers used the Library. 6389 books were issued to the readers and 3600 books were returned by them
- 925 visitors and dignitaries from different parts of India and abroad visited the library during the year. 195 foreigners visited the Library during the period.
- Students along with their teachers from 24 different schools, colleges and universities visited the Library during the period.

Visits of Library by different Institutions:

- 20.04.2017 Two member team from Bangladesh National Archives
- 23.05.2017 A team of 26 students and their teachers from Raiganj University
- 06.06.2017 A team from Overseas Study Tour and Feasibility Study for beginning protocol of co-operation between International Mother Language Institute of Govt. of Bangladesh, headed by Dr. Aruna Biswas, Additional Secretary, Secondary and Higher Division, Ministry of Education, Govt. of Bangladesh
- 04.07.2017 Judit Bala'zs from Istvan Bibogrammar School Heviz, Hungary
- 04.07.2017 A team from Bangladesh National Scientific & Technical Documentation Centre, Ministry of Science & Technology, Bangladesh
- 25.07.2017 A team of trainee officers from Zonal Training Institute (East Zone) Employees Provident Fund Organization
- 25.08.2017 A 56 team members from Mahesh Sri Ramkrishna Ashram, Hoogli
- 09.10.2017 A delegation from Hungary along with His Excellency Dr. Csaba Balogu, Minister of State for Public Administration, Foreign Affairs and Trade of Hungary
- 11.10.2017 A Seventeen member team from Hungary
- 17.10.2017 A ten member team from Radboud University, Netherlands
- 01.11.2017 A eight member team from Nalanda Group of Industries Kolkata
- 24.11.2017 A team of twenty students from Linguistics department of Calcutta University

- 26.12.2017 A six member team from Government of Arts & Science College, Kerala
- 06.03.2018 A team of 8 students from A.P.J. Abul Kalam Institute
- 15.03.2018 A team of 39 students and their teacher from Loreto Day School
- 21.03.2018 A team of 9 students from Visva Bharati University
- 23.03.2018 A team of 24 students and their teacher from Women's Christian College visited different section of the Library.

Exhibitions and display of Books & Journals:

The Library of the Asiatic Society organizes exhibition on various topics on the occasion of seminars and visit of dignitaries. In these exhibitions, the Library display rare books, journals, photographs, documents etc. emphasizing the rich and varied resources of the Library. During the period, following exhibitions and display of books and journals were arranged which were highly appreciated by the scholars and media.

- 02.05.2017-15.05.2017 Time Past & Time Present : Treasures of the Asiatic Society.
- 21.06.2017 An exhibition on the occasion of Yoga Divas, a display of books on Yoga from the collection of library books was arranged.
- 23.08.2017-24.08.2017 A display of books on Vaishnavism was arranged in connection with a two-day seminar on Sanskrit Studies in Nabadwip.
- 09.10.2017 On the occasion of inauguration of the renovated memorial room of Alexander Csoma de Koros by His Excellency Dr. Csaba Balogh, Minister of State for Public Administration, Ministry of Foreign Affairs and Trade of Hungary, a display of books on Alexander Csoma De Koros and books written by him was arranged.
- 20.11.2017 On the occasion of the first Dr. Rajendra Lala Mitra Memorial lecture, delivered by Hon'ble Sri Pranab Mukherjee, former President of India, a display of books and articles written on and by Dr Rajendralala Mitra were displayed on 20.11.2017.
- 06.03.2018 On the occasion of an International Seminar on Inter Religious Harmony and Banglar Rumi Sayid Ahmdul Huq, display of books on Rumi and Sufism was arranged.
- 08.03.2018 To celebrate International Women's Day, a display of old, rare and new books on women studies was arranged.

Digitization :

The Society is planning to boost up the Digitization Programme of its rich collection. The Society is planning to digitize at least 10 lakh pages of its rare books, journals etc. The data will be uploaded in the Digital Archive of the Society.

Under in-house digitization programme, 400 titles of books/manuscripts have been scanned during the period and 1530 vols of Microfiches have been listed and sent for digitization.

Apart from in-house digitization of books/journals/ manuscripts, 'Digitization and Archiving of the journals and books of the Asiatic Society, Kolkata'- a project of the Society, has been initiated in December 2016. Complete sets of Asiatick Researches (1788 - 1842), Journal of the Asiatic Society (1832 - 2016), Journal & Proceeding of the Asiatic Society (1904-1934), Memoirs of the Asiatic Society, Books in Bibliotheca Indica Series have been scanned under this project. The work is in progress.

Web OPAC: With launching of new Website and up gradation of Libsys Software, Web OPAC has been activated. The main benefit of Web OPAC is that any one from one corner of the world at any time will come to know which documents are available in the library of the Asiatic Society if he searches under author, title and subject headings of the documents.

Library Automation: As a part of Library automation, students of the department of the Library Information Science, Calcutta University have been engaged for preparing worksheet of books, entering data in the Libsys package for full catalogue and for preparing database since November 2016. Data for 15,181 vols. of books & 2765 vols. of Journals of Metcalfe Hall have been entered in Libsys by the students. Data for 1,183 vols of books have been entered by the staff of the Library during the period.

Collaborative Programmes: The Asiatic Society organized a collaborative programme at Bhopal on and from 28th August to 30th September, 2017 with Indira Gandhi Rashtriya Manab Sangrahalay, Bhopal. It was an exhibition on the history and contribution of the Asiatic Society in the field of human knowledge since its inception. The exhibition included Archival photographs, digitized manuscripts and paintings, letters, documents books and journals. It was highly appreciated by the large number of visitors of the country.

Eminent Visitors during the period:

- Hon'ble Sri Pranab Mukherjee, former President of India,
- His excellency Dr. Csaba Balagu, Minister of State for Public Administration, Hungary,
- Dr. K. Kasturirangan, Chairman, National Education Policy, Raman Research Institute, Bangalore,
- Professor Irfan Habib, Eminent Historian
- Dr. Yoganand Shastri, Former speaker of Delhi Assembly,
- Sri Partha Chatterjee, Minister of Education, Govt. of West Bengal,
- Hon'ble Justice Nishita Mhatre, the then Acting Chief Justice of Calcutta High Court,
- Professor Ajay Kumar Roy, Director, Indian Institute of Engineering Science and Technology,
- Pandit Srikumar Chattopadhyay,

Metcalfe Hall:

It is a treasure house of the Society which keeps many old rare journals, books and documents. Over one lakh bound journals of various foreign languages and also Indian journals are shelved in 3-tier stack. A programme of face lifting of the Metcalfe Hall of the Society has been initiated during this year. It includes creation of modern reading room, installation of Digital Kiosk, providing OPAC service to readers and digitization of its collection of more than 1 lakh rare Journals.

Museum

The Museum of the Asiatic Society is a store-house of priceless and unique collection of Manuscripts in different languages and scripts. A good number of catalogues published by the Asiatic Society both Descriptive and Tabular are remarkable deeds of the study and research of Manuscripts. Manuscripts collection of the Society is varied and rich, and covers most of the Indian languages and scripts. The total number of Manuscripts now possessed by the Society in its Museum is over 50,000. The oldest Manuscript possessed by the Society is the 7th century "Manuscript" written in Gupta Brahmi Script. The collection of Bengali Manuscripts in the possession of the Asiatic Society is rich in respect of number and rarity. The Museum also posseses Rajasthani Manuscripts which date back the pre-middle and middle ages Assamese Manuscripts and Manuscripts in different regional languages in its collection. It possesses manuscripts on Ramayana, Mahabharata, Srimadbhagavat, MangalaKavyas, treatises on Vaishnava faith and its allied subjects. Also the museum has a rich collection of Arabic and Persian Manuscripts.

Except Manuscripts the Museum also possesses old coins in various metals, inscription inscribed on Copper Plates and has a good number of very rich and valuable oil-paintings, mostly portraits. Many of these were painted by Robert Home, Joshua Reynolds, Guido, Daniell etc. The famous paintings that are housed in this Museum are of Cleopatra, A Ghat at Benaras, Cupid asleep on cloud, Warren Hastings, John Dewitt, Wellesley and Infant Christ.

Sculptures and Metal Objects in the possession of the Asiatic Society are rich in respect of number and historical importance. The Brahma [material-Black Basalt Stone, Period 12th C.A.D], Vishnu [material-Black Basalt Stone, Period 11th C.A.D], Brass image of Dhurm Raja, [at present, this statue is in Bhutan]; Brass bearing period 1864, Ashokan Rock Edict dated 250 BC are the precious possession.

The Museum also possesses a large number of survey maps drawn by British surveyors in the 18th and 19th century. Some remarkable maps reflect the change of socio-political, economic & cultural sceneries of India.

Also it has a large number of old letters of eminent personalities, rare books and Lithographs some of which date back to 1784, just after the Society was founded.

BRIEF ACTIVITIES DURING THE PERIOD :

- **Activities during the period**
- The work of cataloguing of the manuscripts is in progress. The descriptive form of cataloguing of 406 Sanskrit manuscripts on Smriti has duly been prepared. The works of foliation of 13660 folios and 524 handlists of the manuscripts have also been done. Tabular Catalogue on Philosophy of collection is also in progress under the supervision of Professor Subuddhi Charan Goswami.
- The contents of 24 English files containing 658 letters and 784 pages relating to the various activities of the society have been documented.
- An exhibition on 'History of Science and Technology of India' was organised on 20.04.2017.
- An exhibition was held on 18.11.2017 in connection with the visit of an Official delegations from Poland
- During the period, service has been extended to 246 readers and scholars of Indian & Foreign

origin who consulted 992 manuscripts and other documents in the Reading Room of the Museum of the Asiatic Society.

- 135 Indians and 61foreign visitors from different countries have visited the Museum during the period.
- Under 'National Mission for Manuscripts' projects the Manuscripts Resource Centre of Asiatic Society Kolkata is doing work with an aim to create National resource base for Manuscripts.
- Photo Album and sets of gift items have been prepared by the Museum Section for the visitors and dignitaries.

Conservation

The conservation Laboratory of the Asiatic Society has been preserving and restoring rare books, manuscripts, plates, maps etc. since 1984 with special care and devotion. The functions of the division are highly technical in nature and works are being done in precision to avoid damage. The skilled and professionally trained staff of this division is capable of performing a wide range of treatments on bound materials including medieval manuscripts and old and rare books.

Brief activities during the period:

No. of books & mss. physically verified from the conservation point rive 2460

No of book- worm infested books and mss fumigated 1882

Insecticide treatment undertaken by spraying of `pip' insecticide in the stack of Library, Museum and Urdu Section 12 times each Section

No. of fumigants infested volumes treated fungicide solution 6711

No. of sheets (full of patches) de-laminated before lamination 1367

No. of sheets paginated before treatment 18150

No. of brittle & fragile sheets de-acidified before lamination 17813

No. of brittle & fragile sheets collated 17813

No. of warm eaten and jammed sheets of mss, and rare books carefully

separated for its reconditioning 1450

No. of torn sheets mended before lamination 2565

No. of brittle & fragile maps restored 25

No. of brittle & fragile plates (within the books) restored 30

No. of brittle sheets of paper mss. examinant 3161

No. of brittle sheets of paper mss. examinant restored 17468

No. of delicate sheets new laminated using imported tissue paper (U. K. Origin) m. c. paste and cellulose acetate foil 17468

No. of sheets trimmed after mending and lamination 20033

No. of volumes departmentally bound 467

No. of newly bounds volumes / (bound by outside book binders) checked 2183

No. of gathers prepared after lamination 550

Reprography

Reprography is the reproduction of graphics through mechanical or electrical means, such as photography or xerography. The Reprography Section of the Asiatic Society is entrusted with the work of xerox, digitization and general photography.

Brief Activities during the period:

1) Xerox: During the period the section made 22,431 photocopies of library materials under Reader Service and 2,41,406 photocopies of official documents for official purpose.

2) Digitization: Earlier a project had been given to this Section for digitization of old and rare manuscripts and books of the Society to prevent these invaluable collections from frequent handling by users. Later the project was extended in order to cope up with the modern technology. Digitization work is carried out with the help of Bookeye 2 Scanner and newly installed Bookeye 4 Scanner.

Digital Camera. During this period, the section prepared 3964 exposures through its digitization, covered approx. 3964 folios from 109 manuscripts.

3) General Photography: This section is also entrusted with the task of taking photographs with Digital Camera of different seminars, lectures, workshops etc., Digital Camera organised by the Society and also of important dignitaries who visited to the Society. These photographs are published regularly in the Monthly Bulletin of the Society. The Section also takes photographs from books as requisitioned by the Scholars. During the period the Section took 2467 nos. of photographs for official purpose and 234 nos. of photographs for Reader Service.

Extract from Visitor's Book

- An extraordinary exhibition of an extraordinary personality. An excellent tribute.

  —Professor K. Kasturirangan, Padma Vibhushan, Chairman, National Education Policy, Raman Research Institute, Bangalore.

- The example of Csoma De Koros reminds us that even under the toughest condition, there is always a path, which leads us to each other.

  —Dr Casba Blogu, Minister of State for Public Administration, Foreign Affairs & Trade, Hungary.

- Excellent, well organized and wonderful collection of rare and ancient books. These historical documents are amazing and inspire others. I expect that Asiatic Society will enrich research activities of the researcher all over the world by providing information as per their requirement.

  —Jesmin Aktar, Director General, Bangladesh National Scientific & Technical Documentation Centre, Ministry of Science & Technology, Bangladesh.

- Wonderful Initiative for remembering wonderful man who will be remembered in history.

  —Prof. Sarit Kumar Chaudhuri, Director, Indira Gandhi Rashtriya Manav Sangrahalaya, Bhopal.

- This is one of the greatest treasures of the World. Thank you very much for generous explorations.

  —Holelina Hugushewa, The University of Manchester.

11 Activities : Academic Section

Academic activities including research, national and international seminars and conferences, workshops, endowment /memorial lectures, special lectures and exhibitions constitute one of the most important frontal activities of the Asiatic Society. A brief overview of such activities organized in 2017-18 is given below:

1.	Ongoing 'Internal' Research Projects	:	18
2.	Research Fellows	:	24
3.	Ongoing 'External' Research' Projects	:	22
4.	Research Assistants	:	08
5.	International Conferences held	:	03
6.	National Seminars held	:	21
7.	Workshops held	:	04
8.	Endowment/Memorial Lectures	:	11
9.	Special Lectures	:	14
10.	Lectures	:	05
11.	Foundation Day Lecture	:	01

Details of these research and other academic activities are given below.

A. Internal Research Projects:

The following Research Fellows are working in different projects:

1. **PROJECT: HISTORY OF ASIATIC SOCIETY**
   - Name of the Research Fellow: Moumita Hossain
   - Name of the Supervisor: Dr. Ranjit Sen
   - Date of Joining: 09.04.2015
   - Topic: Proceedings on the History of the Asiatic Society (1842-1947)

2. **PROJECT : HISTORY OF THE ASIATIC SOCIETY**

- Name of the Research Fellow : Smt.Poulami Ray
- Name of the Supervisor : Professor Ranjit Sen
- Date of Joining : 16.04.2015
- Topic : Proceedings of the History of the Asiatic Society (1842-1947)

3. **PROJECT: MM. HARAPRASAD SHASTRI RESEARCH FELLOWSHIP**

- Name of the Research Fellow: Smt. Sulagna Bhattacharya
- Name of the Supervisor: Professor Pratap Bandhopadhyay
- Date of joining: 20.04.2015
- Topic: A Critical Study Advayavajrasamgra

4. **PROJECT: JAMES PRINSEP FELLOWSHIP FOR EPIGRAPHY AND NUMISMATICS**

- Name of the Research Fellow: Smt. Minakshi Banerjee
- Name of the Supervisor: Professor Debarchana Sarkar
- Date of joining: 24.04.2015.
- Topic: A Critical study of Select Bhanja Inscriptions (circa. 5th Century A.D. to 12th Century A.D.)

5. **PROJECT: ORIENTAL STUDIES**

- Name of the Research Fellow: Smt. Ankita Chakraborty
- Name of the Supervisor: Prof. Bijoya Goswami
- Date of Joining: 13.04.2015
- Topic: The Influence of Society and Culture on Transformation of Indian Healing Tradition: an Exploration through the Changed Reading of Manuscript on Surgery.

6. **PROJECT: SARAT CHANDRA ROY RESEARCH FELLOWSHIP**

- Name of Research Fellow: Smt. Amrita Das Gupta
- Name of the Supervisor: Professor Ranjana Ray
- Date of Joining: 22.04.2015
- Topic: A study among the migrated tribal groups living in the urban areas of West Bengal: appraisal of cultural heritage.

7. **PROJECT: LANGUAGE AND LINGUISTICS**

- Name of the Research Fellow: Tanaya Afroz
- Name of the Supervisor: Shri Shyamsundar Bhattacharya
- Date of Joining: 20.04.2015
- Topic: Adhunik Bangla nataker sanglap o tar bhashasailee (Tripti Mitra)

8. **PROJECT : LANGUAGE & LINGUISTICS**

- Name of the Research Fellow : Smt. Sunanda Mukherjee
- Name of the Supervisor : Shri Shyamsundar Bhattacharya .
- Date of Joining : 24.04. 2015
- Topic : The Origin & Development of Bengali Script

9. **PROJECT: MAULANA ABUL KALAM AZAD RESEARCH FELLOWSHIP IN PERSO-ARABIC STUDIES**

- Name of the Research Fellow: Md. Bakibillah
- Name of the Supervisor: Dr. Md. Isharat Ali Molla
- Date of Joining: 17.04.2015
- Topic: 'An Account of Maulana Abul Kalam Azad in Arabic: a Critical Study'.

10. PROJECT : PERFORMING AND ART INCLUDING VISUAL ART

- Name of the Research Fellow: Smt. Dyuti Sarkar Bhattacharya
- Name of the Supervisor:Prof. Debashis Mondal
- Date of Joining: 01.03.2017
- Topic: Popularise and Familiarise Rabindra Sangeet in the 19th and 20th Century.

11. PROJECT: RAJENDRA LALA MITRA FELLOWSHIP IN BUDDHIST STUDIES

- Name of the Research Fellow: Sri Priyanku Chakraborty
- Name of the Supervisor: Professor Aiswarya Biswas
- Date of Joining: 27.02.2017
- Topic: Buddhism in Tripura : Interpreting Epigraphy, Sculptures and Architectures (c. 6th - 12th Century CE)

12. PROJECT : SIR WILLIAM JONES RESEARCH FELLOWSHIP IN SANSKRITIC STUDIES

- Name of the Research Fellow : Smt. Tista Biswas
- Name of the Supervisor : Prof. Subuddhi Charan Goswami
- Date of Joining : 13.02.2017
- Topic : Some Elements of Vedic Culture as Reflected in the Skanda Purāṇa

13. PROJECT: HISTORY OF MEDICINE

- Name of Research Fellow: Apalak Das
- Name of the Supervisor: Prof. Mahua Sarkar
- Date of Joining: 16.02.2017
- Topic: Leprosy in Colonial Bengal: 1873-1955

14. PROJECT: HISTORY OF MEDICINE

- Name of the Research Fellow: Sri. Suman Hazra
- Name of the Supervisor: Prof. Gopal Krishna Chakrabarty
- Date of Joining: 10.02.2017
- Topic: "Vaccination and Child Health in Kolkata: From the Colonial to the Present Era"

15. PROJECT: HISTORY OF SCIENCE

- Name of Research Fellow: Smt. Sujata Banerjee
- Name of the Supervisor: Professor Arun Bandopadhyay & Professor Rajkumar Roychoudhury
- Date of Joining: 21.02.2017
- Topic: Science and Technical Education in India: A study of the Indian Institute of Science, Bangalore and Indian Institute of Technology, Kharagpur (1909-1964)

16. PROJECT: HISTORY OF SCIENCE

- Name of the Research Fellow: Sunayana Maiti
- Name of Supervisors: Professor Arun Bandopadhyay and Professor Rajkumar Roychoudhury
- Date of Joining : 01.03.2017
- Topic: Interface of Scientific and Technological Education, and Industrial Research in India, c.1920s-1960s: The Central Glass and Ceramics Research Institute, and the Saha Institute of Nuclear Physics

17. PROJECT: INDOLOGY

- Name of the Research Fellow: Dr. Praggaparamita Biswas
- Name of the Supervisor: Prof. Dr. Ratna Basu
- Date of Joining: 20.03.2017
- Topic: Friedrich Max-Müller's Indology Revisted: A Holistic Approach to Evaluate the Turning Points

18. PROJECT: INDOLOGY

- Name of the Research Fellow: Smt. Smita Halder
- Name of the Supervisor: Prof. Susmita Basu Majumdar
- Date of Joining: 15.02.2017
- Topic: Exploring the Malwa Corridor: Looking Beyond Cities and Trade Routes (c. 3rd Century BCE to 3rd Century CE)

19. PROJECT: NORTH-EAST INDIA STUDIES

- Name of the Research Fellow: Ms. Mary Vanlalthanpuii
- Name of the Supervisor: Professor Paula Banerjee
- Date of Joining: 07.03.2017
- Topic: Women and Church Politics, a study of Mizoram Presbyterian Church and the Baptist Church of Mizoram

20. PROJECT: NORTH EAST RESEARCH STUDIES

- Name of the Research Fellow: Smt. Manasi Dilip Nadkarni
- Name of the Supervisor:Shri Shyamsundar Bhattacharya
- Date of Joining:31.03.2017
- Topic:The Socio-Linguistic Profile of Kuki-Chin people of Manipur (with special reference to Simte)

21. PROJECT: SOUTH AND SOUTH-EAST ASIAN STUDIES

- Name of the Research Fellow: Smt. Kum Kum Bandyopadhyay
- Name of the Supervisor: Professor Rupendra Kumar Chattopadhyay
- Date of Joining: 20.02.2017
- Topic: Development of Buddhism in Bihar and Religious Intercourse between Major Buddhist Establishments of Bihar and South-East Asia: A Study of the Epigraphic and Archaeological Sources.

22. PROJECT: FOLKLORE AND CULTURE

- Name of the Research Fellow: Dr. Sampan Chakrabarty
- Name of the Supervisor: Dr. Pallab Sengupta
- Date of Joining: 13.02.2017
- Title of the Project: "Shades of Black or Grey: Assessment of Negative Characters in Bengali Folk Narratives with reference to such narratives of other cultures".

23. PROJECT: FOLKLORE AND CULTURE

- Name of the Research Fellow: Sri Biswajit Biswas
- Name of the Supervisor: Professor Rajat Kanti Das
- Date of Joining: 07.06.2017
- Topic: "Matua Religious Sect: A study of Folklore, Spirituality and its acceptancein west Bengal with an Ethnographic lens"

24. PROJECT DR.ZAKIR HUSSAIN FELLOWSHIP

- Name of the Research Fellow: Imran Philip
- Name of the Supervisor: Dr.Kaustubh Mani Sengupta
- Date of Joing: 20.03.2017
- Topic: Gender, Religion and the Changing Position of Muslim Women in Bengal, (1873-1952)

B. On-going External Research Projects:

1. Project : Chinese Sources of South Asian History.

Project Investigator : Professor Haraprasad Ray. Senior Research Fellow, The Asiatic Society

Date of Commencement of the Project : July, 2005.

Dr. Ray has already submitted eight volumes of

his work for publication. The work of Vol. IX volume is continuing.

2. Project : Dancing Images in Eastern India: Their impact on Gaudiya Style of Dance.

Project Investigator : Dr. Mahua Mukherjee, Director, Centre for Studies in Dance Forms of Bengal, Professor and Head of the Department of Dance, Rabindra Bharati University.

Date of Commencement of the Project : July, 2012.

The work is in progress.

3. Project : Impact of the Mautam Famine, Insurgency, Counterinsurgency and the Degrouping of Grouping Centres on Urban Growth in Aizawl, Mizoram from 1959 to 1981.

Project Investigator : Dr. Malabika Dasgupta.

Date of Commencement of the Project : March 2015.

Final report submitted and sent to the Publication Section. Work completed.

4. Project : Ancient Indian Concept of Technical Science as Propounded in Srikumara's Shilparatna.

Project Investigator : Dr. Rita Bhattacharyya

Date of Commencement of the Project : March, 2015.

Out of two volumes, the work of first volume is completed. The work is continuing.

5. Project : Mahapurana of Puspadanta-A Study.

Project Investigator : Dr. Suchitra Ray Acharyya.

Date of Commencement of the Project : February, 2015.

Work is continuing.

6. Project : Architectural Survey of Religious Buildings in and around Kolkata from 1690-1947.

Project Investigator : Dr. Somnath Mukherjee.

Date of Commencement of the Project : November 2016.

He has submitted the final report of the work.

7. Project : Lalitkala o Nandantattver Paribhāshā.

Project Investigator : Dr. Somnath Mukherjee

Date of Commencement of the Project : June 2016.

The work is continuing.

8. Project : Comprehensive History of Modern Bengal from 1700-1950.

General Editor : Professor Sabyasachi Bhattacharya.

Date of Commencement of the Project : February, 2017.

Related with the project a three-day International Conference of Authors on the theme 'Comprehensive History of Modern Bengal (1700-1950) was held during 7th to 9th February 2018 at the Asiatic Society. The work is continuing.

9. Project : Survey and Documentation of Traditional [Oral Tradition] Ethno-Veterinary Medicines Practiced by Gope Communities of Rural Bardhaman.

Project Investigator : Sri Apurba K. Chattopadhyay.

Date of Commencement of the Project : April, 2015.

Work is continuing.

10. Project : A Corpus of Inscribed Images of Eastern India(4th to 13th Centuries CE).

Project Investigator : Professor Goutam Sengupta, Dr. Sayantani Pal and Dr. Rajat Sanyal

Date of Commencement of the Project : June 2017

Work is continuing.

11. Project : Bengali Translation of Santal Folk Tales Compiled, Translated into English from Santali by Reverend P.O. Bodding.

Project Investigator : Shri Kumar Rana.

Date of Commencement of the Project : July, 2017.

Work is continuing.

12. **Project : Adivasis in West Bengal : a Socio-Economic Status Report.**

Project Investigator : Shri Kumar Rana

Date of Commencement of the Project : October, 2017.

work is continuing.

13. **Project : Understanding Developmental Process: A case of 'Denotified' Tribes in West Bengal.**

Project Investigator : Dr. Bidhan Kanti Das

Date of Commencement of the Project : March 2018.

The work is continuing.

14. **Project : Revising the Utopia: Moulana Bhasani and the Char areas in Assam**

Project Investigator : Dr. Gorky Chakraborty

Date of Commencement of the Project : March 2017.

The work is continuing.

15. **Project : Chin Lushai Border: Community, State and Market**

Project Investigator : Dr. Asok Kumar Ray

Date of Commencement of the Project : July 2017.

Final report has been submitted.

16. **Project : The Role of the Asiatic Society in Socio-Cultural Scenario of Bengal and in shaping Indo-Occident.**

Project Investigator : Dr. Tapati Mukherjee.

Date of Commencement of the Project : June, 2017.

Work is continuing.

17. **Project : Impact of Economic Environment and Culture on Empowerment of Women Engaged in Self Help Group activities : A Study of selected states in North-East in India.**

Project Investigator : Professor Sharmistha Banerjee & Dr. Mrs. Arijita Dutta

Date of Commencement of the Project : January 2018.

Work is continuing.

18. **Project : A Dictionary of Bengali Prefixes and Suffixes**

Project Investigator : Dr. Anita Bandyopadhyay

Date of Commencement of the Project : July 2017.

19. **Project : Translation of Dasagrivavadha-carita**

Project Investigator : Dr. Debika Bhattacharya.

Date of Commencement of the Project : May, 2015.

20. **Project : Performing art as found in the Ramayana and the Mahabharata - A Socio-Cultural Approach**

Project Investigator : Dr. Bijoya Goswami and Dr. Nandini Bhowmik.

Date of Commencement of the Project : October, 2017.

The work is continuing

21. **Project : Society as Reflected in the Principal Upanisads**

Project Investigator : Prof. Mrinal Kanti Gangopadhyay

Date of Commencement of the Project : January 2018.

Work is continuing.

C. Approved External Project yet to be Commenced

- 'The Paippalada-Samhita of the Atharvaveda-English translation, Indices and an account of its contents and history' by Professor Dipak Bhattacharya, Retired Professor of Sanskrit, Visva-Bharati, Santiniketan.
- 'Editing and Translation of two unpublished Navya Nyaya Manuscripts' by Professor Subuddhi Charan Goswami.
- "Recovering the History of an Underpriviledged Social Group: The Varied Experience of Pulayas in Nineteenth and Twentieth Century Kerala' by Professor Rajsekhar Basu and Arun Kumar Bandyopadhyay.

D. External Research Project: Hosted by the Asiatic Society

- Dr. Kabita Debi, is working on the project entitled "Training, Care and Treatment of Elephants under the Patronage of Gauripur Raj: A Study" with the financial assistance of Indian National Science Academy, New Delhi, started her from 1st July, 2017.
- Dr. Pranab K. Chattopadhyay, is working on the project entitled "History of Mirrors in Ancient India: Origin & Technology Transfer' with the financial assistance of Indian National Science Academy, New Delhi, starting his work from 1st July, 2017.

E. Lectures / Seminars / Conferences/Workshops / Symposium/Colloquium

During the year 2017-18, a substantial number of academic programmes were organized at the national and international level. In most of the cases the programmes were in collaboration with the Universities or renowned academic institutes. Eminent scholars from different parts of the country and abroad participated in these academic programmes and presented their erudite papers. Co-ordinators of the respective programmes are at present pre-occupied with editing those papers for publications. Proceedings of a few of the conferences have already been published. Some of the proceedings are in the press and work of editing other proceedings of the seminars are continuing.

Here in below we are giving only the titles of the lectures/Seminars/Conferences/ Workshops along with name of the respective Co-ordinator/s and Key-note speakers.

April, 2017

18th Lecture by Prof. Atis Dasgupta. Topic: Visit of Kustigiri Dargah, Near Parui Village, Birbhum.

24th and 25th Two-day Annual Lectures delivered by the Research Fellows of the Asiatic Society.

26th A Panel discussion on Peary Chand Mittra at Humayun Kabir Hall

May, 2017

1st 233rd Annual General Meeting and Awards Presentation Ceremony at Vidyasagar Hall of the Asiatic Society. Addressed by Hon'ble Justice Nishita Mhatre, Acting Chief Justice of High Court, Calcutta.

8th One-day International Seminar on 'Begum Rokeya and the World of Women'

Joint Coordinators : Professor Uttara Chakraborty and Prof. Musaraf Hossain

25th One-day Seminar on 'Food and Nutrition in Health and Disease' held at Vidyasagar Hall. Coordinator : Professor Sukta Das

June, 2017

12th One-day Seminar in collaboration with Kolkata Nivedita Shakti on 'Bhagini Nivedita's Vision in Action' on the occasion of her 150th Birth Anniversary held at Vidyasagar Hall. Coordinator ; Dr. Reeta Bhattacharya

13th One-day National Seminar on 'One Hundred Years of the Publication of Caryagitikosa' Coordinator : Professor Ratna Basu

21st-22nd Two-day National Seminar on 'Indian Sociology and Indology : Interfaces and Interruptions' in joint collaboration with the Department of Sociology, West Bengal State University

Joint Coordinators : Professor Swapan Kumar Pramanick and Professor Ritu Sen Choudhury

30th One-day Seminar on Life and Works of Rai Sahib Panchanan Barma on the occasion of

completion of his 150th Birth anniversary held at Vidyasagar Hall.

Co-ordinator : Dr. Sisir Majumdar

July, 2017

4th **Abha Maity Memorial Lecture** for 2016 on 'Freedom and Secularism in Human World' by Professor Amal Kumar Mukhopadhyay held at Vidyasagar Hall.

5th-6th **Two-day Research Workshop** on the Study of 'Adivasis in West Bengal : A Socio-Economic Report'

Coordinator : Sri Kumar Rana, Pratichi Institute

11th **Special Lecture** on ' Hinduism at the "Margins" of the Renaissance : Vaishnavism in Colonial Bengal' by Ferdinando Sardella held at Humayun Kabir Hall .

19th-21st **Three-Day Seminar** on ' Revisiting Jangalmahal: Retrospect and Prospect' held at Vidyasagar Hall.

Joint Coordinators: Dr. Prabhat Kumar Ghosh and Sri Pashupati Mahato

24th **Documentary Film Show** on Satyendra Nath Bose

Script and Direction by Ms. Shila Datta held at Vidyasagar Hall.'

25th **One-Day Seminar** to commemorate the Birth Centenary of Professor Asima Chatterjee. Coordinator : Prof. Aparajita Basu held at Vidyasagar Hall.

28th **Lecture- Demonstration** on *'Dwijendralaler Gaane Prachya o Praschatyer Melbandhan'* by Prof. Neela Majumdar held at Vidyasagar Hall.

August, 2017

4th **K.K.Handique Memorial Lecture** : 'Jaimini Mahabharata : Two Manuscripts'by Dr. Pradip Bhattacharya held at Humayun Kabir Hall,

11th **One-Day Seminar** on 'Buddhism and Buddhist Studies : Bengal's Involvement and Contribution' Co-ordinator ; Prof. Ratna Basu

21st **Special Lecture** on 'Exploring North East : The Seven Pristine Pearls of Indi. By Dr. Tilak Ranjan Bera, held at Humayun Kabir Hall,

23rd-24th **Two-Day Seminar** on 'Sanskritic Studies in Nabadwip'

Joint Coordinators : Prof. Nabanarayan Bandyopadhyay and

Prof. Buddhadeb Bandyopadhyay

September, 2017

14th **Special Lecture** by Professor Kyoko Niwa on : ' Rabindranath's short poems with reference to Japanese Haiku' held at Humayun Kabir Hall .

15th **One-Day National Seminar** on Life and Works of Ramananda Chattopadhayay

Coordinator : Professor Arun Kumar Bandyopadhyay

22nd **One-Day National Seminar** on 'The Dharmashastras in Socio-Legal Perspective 'held at Vidyasagar Hall.

Coordinator : Dr. Tapati Mukherjee

October, 2017

12th **One-Day National Seminar** on ' The Lost River Saraswati : Geodynamic Context'

Jt. Coordinators : Dr. S.K.Acharyya and Dr. Kunal Ghosh

26th-27th **Two-Day National Seminar** on 'Ethnography, Historiography and North-East India'held at the Department of History, Manipur University, Imphal.

Coordinator : Dr. H. Sudhir Kumar Singh.

28th Professor Amiya Kumar Mazumdar (1917-1998) Centenary Memorial Lecture on 'Sister Nivedita's Contribution in Indian Awakening' in collaboration with Vivekananda Study Centre,

Kolkata held at Vidyasagar Hall Speaker : Swami Tyagivaranandaji Maharaj.

30th Special Lecture by Professor H. H. Robinson on 'Applicability of Scientific Principles within the Srimad Bhagavatam in Modern Times' Humayun Kabir Hall.

November, 2017

6th Inauguration of the Digital Archive and new Website of The Asiatic Society by Shri Jawhar Sarkar, (IAS (Retd.) former CEO, Prasar Bharati held at Vidyasagar Hall.

7th Two Special Lectures on 'Stem Cell and its Clinical Implications' by

(i) Dr. Peter Hollands, Cambridge University, and

(ii)Professor Niranjan Bhattacharya,HOD, Department of Regenerative Medicine and Translational Science, Calcutta School of Tropical Medicine held at Vidyasagar Hall.

8th One-day Seminar on Siddheswar Chattopapadhyay (1918-1939) : An Embodiment of Tradition and Innovation held at Vidyasagar Hall. Joint-Coordinators : Professor Rita Chattopadhyay and Shri Soumyajit Sen.

20th Special Lecture by Prof. Sabyasachi Bhattacharya on 'Situating Professor Mahalanobis in the Social History of his times' on the occasion of the Centenary Year of Professor Prasanta Chandra Mahalanobis in collaboration with Indian Statistical Institute, Kolkata at Vidyasagar Hall.

20th Dr. Rajendra Lala Mitra Memorial Lecture 2017 on the theme 'Dr. Raja Rajendralala Mitra and the Indological Studies in the Asiatic Society' .Speaker: Hon'ble Shri Pranab Mukherje, Former President of India, at Vidyasagar Hall.

29th One-Day Seminar in collaboration with Indian Association to observe the Sesquicentennial year of Sister Nivedita.

Joint- Coordinators : Dr. Somnath Mukherjee and Shri Suswagata Banerjee.

December, 2017

6th Lecture-cum-Documentary Film show on Anundooram Borooah held at Vidyasagar Hall.

Speakers : Professor Mau Das Gupta and Shri Amalesh Dasgupta

Coordinator : Shri Amalesh Dasgupta. Vidyasagar Hall.

13rd Special Lecture on Artist Binod Behari Mukhopadhyay by Prof. Ajoy Kumar Ghosh held at Humayun Kabir Hall.

15th One-day National Seminar on 'Assessing the Influence of the North-Eastern Dance Culture on the Dance Forms of Bengal' in collaboration with Miranda

Coordinator : Smt. Papiya Ray

28th National Seminar on Looking Back 1942 after 75 years in collaboration with Indian History Congress and The Asiatic Society held at K. P. Basu Memorial Hall,Jadavpur University.

January, 2018

2nd and 10th Inaugural and Concluding days of the Workshop on 'Religion and Art in Early India' organized by the Department of Ancient History and Culture, University of Calcutta on the occasion of celebration of Centenary of the Department.

3rd and 4th International Conference on 'Order/ Disorder in Asia : Historical Perspectives' held at Vidyasagar Hall.Coordinators : Prof. Rila Mukherjee and Prof. Suchandra Ghosh

6th **Annual commemorative birth anniversary Lecture** in collaboration with Rajasthani Pracharini Sabha on Dr. L. P. Tessitori held at Vidyasagar Hall.

15th **Observation of 235th Foundation Day** of the Asiatic Society .

Foundation Day Oration: Dr.K. Kasturirangan, Chairman, National Education Policy, Raman Research Institute, Bangalore.

17th **Special Lecture** by Shri Amalendu Bandyopadhyay on 'Astrology versus Astronomy' in collaboration with the Kolkata Society for Asian Studies held at Vidyasagar Hall.

18th **Meeting on Research Tools** for the External Project on 'Adivasis in West Bengal' by the Pratichi Institute held at Humayun Kabir Hal

24th **Suniti Kumar Chatterjee Memorial Lectures** by a Professor D.P. Pattanayak, Padmashri, Former Director, Central Institute of Indian Languages, Mysore

Topic: " Suniti Kumar Chatterji : A Language Philosopher Per Excellence" at Vidyasagar Hall

b] Professor Probal Dasgupta, Linguistic Research Unit, Indian Statistical Institute, Kolkata . Topic:"The Neutralistic core of secularism : an intertextual approach to Adivasi-mainstream transactions" at Vidyasagar Hall

28th **Professor Chintaharan Chakrabarty Memorial Lecture** in collaboration with Society for Understanding Culture & History in India (SUCHI). Speaker : Professor Gautam Bhadra

Topic: *Puraner phank phokore pouranik bartaman* held at Vidyasagar Hall.

February, 2018

5th-6th **Two-day Conference** on 'Current Researches in Asiatic Society : The Emerging Areas'. Speakers and Participants : The Research Fellows and Research Assistants of the Asiatic Society.

7th-9th **Three-day Workshop** on the External Research Project : Comprehensive History of Modern Bengal : 1700-1950

Principal Investigator of the Project and Coordinator : Professor Sabyasachi Bhattacharya

14th **One-day Seminar** in collaboration with *Manipuri Nartanalaya* on Uniqueness of Guru Bipin Singh in the field of Manipuri Dance

Joint-Coordinators : Kalavati Devi and Laily Basu

16th **Special Lecture** by Professor Subhash Ranjan Chakraborty

Revisiting 1917 : Search for a Global Perspective

Speaker: Prof. Subhas Ranjan Chakraborty held at Humayun Kabir Hall

28th **Professor Samarendra Nath Sen Centenary Seminar** at Humayun Kabir Hall. Speakers: Prof. Siddhartha Sen, Prof. Santanu Chakraborty, Prof. Atri Mukhopadhyay and Prof. Debasish Mukherjee. Co-ordinators: Prof. Subhas Ranjan Chakraborty and Prof. Rajkumar Roychaudhury

March, 2018

6th **International Seminar and Book Release** on 'Banglar Rumi Sayid Ahmdul Haque' in collaboration with Allama Rumi Society Bangladesh held at Vidyasagar Hall

7th-8th Two-day Workshop on ' Care of Museum Antiquities' held at Vidyasagar Hall

8th Seminar and Documentary Film Show to celebrate International Womens Day. Documentary Film : 'Human Trafficking' Directed by Sm. Shila Dutta.Lecture delivered by Prof. Malini Bhattacharya, former Professor of Jadavpur University at Vidyasagar Hall of the Asiatic Society. Topic of the lecture : 'Nari O Samata: Ātoi Mārcher Kichhu Praśna'

9th **Special Lecture** by Dr. Urmie Ray on 'Science and Scientism or Distortion of Science into Dogma' at Humayun Kabir Hall

10th Professor Ashin Dasgupta Memorial Lecture by Professor Bhaswati Bhattacharya in collaboration with Paschimbanga Itihas Samsad held at Vidyasagar Hall

13th **Special Lecture** by : 1. Dr. Manas Ranjan Ray, Former Scientist, Chittaranjan National Cancer Institute

Topic : 'Indoor Air Pollution and Human Health' held at Humayn Kabir Hall

15th **Dr. Panchanan Mitra Memorial Lecture** by Professor Rajkamal Pathak held at Vidyasagar Hall

21st ***Dr. S. K. Mukherjee and Dr. K. K. Rohatgi Annual Endowment Lecture*** *in collaboration with Raman Centre for Applied and Interdisciplinary Sciences, Kolkata. Speaker : Dr. Somendra Chandra Nandi, Honorary Fellow, The Asiatic Society.*

Topic: *'The Mahabharata of Vedavyasa' at Humayun Kabir Hall*

31st ***One-day National-Level Round Table Colloquium*** *on 'The Status and Prospects of the Sixth Schedule in North-East India'.*

F. Papers Read in the Monthly Meetings

April, 2017

Date : *3rd. April, 2017*
Title : *Dante's India : The land of the first sunrise, (A sesqui-hepta-centennial tribute to the Poet)*
Speaker : *Professor Pallab Sengupta*

June, 2017

Date : *5th June, 2017*
Title : *The Role of the Indian National Congress and the Hindu Mahasabha in the Partition of Bengal*
Speaker : *Professor Atis Kumar Dasgupta*

July, 2017

Date : *3rd July, 2017*
Title : *Evidence-Based Prescribing Practices : Public Health Impacts*
Speaker : *Professor Krishnangshu Ray*

August, 2017

Date : 7th August, 2017
Title : The Role of the Indian National Congress and the Hindu Mahasabha in the partition of Bengal
Speaker : Professor Atis Kumar Dasgupta
Title : The Invisible Refugees : Muslim Refugee Women in East Pakistan, 1947-71.
Speaker : Dr. Anindita Ghoshal.

September, 2017

Date : 4th September, 2017
Title : Energy Environment and Sustainable Development
Speaker : Shri Prabir Kumar Raychaudhuri

December, 2017

Date : 4th December, 2017
Title : Social Exclusion in Modern Japanese Society : Case of Burakumin
Speaker : Dr. Ramkrishna Chatterjee

January, 2018

Date : 1st January, 2018
Title : First Pioneer Collector of Bengali Folktales
Speaker : Dr. Sisir Kumar Majumdar

February, 2018

Date : 5th February, 2018
Title : Understanding Modern Art (Indian Context)
Speaker : Professor Isha Mahammad

March, 2018

Date : 5th March, 2018
Title : Solar Energy—Past, Present and Future
Speaker : Professor D N Bose

12 Activities : Staff Training, Swachhta Action Plan (SAP) and Hindi Programme

Staff Training

- The Society has organised 6 in-house training programmes for its employees during 2017-18 covering different functional areas like Accounts, Administration, Library, Publication, Museum & Conservation.

Swachhta Action Plan (SAP)

- The Society has organized various programmes under the "Swachhata Action Plan" spread over the entire year to create awareness on "Swatchhata" by undertaking awareness programmes (Swachhwata Abhijan)
- Special cleaning drives at different sections / buildings of the Society has also been organized at different times of the year as per the guidelines provided by the Ministry under SAP.

Hindi Programme

हिन्दीं बिभाग का कार्यक्रम

एशियाटिक सोसाईटी, कोलकाता संस्कृति मंत्रालय का एक संगठन होने के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों का विरंतर पालन कर रही है

एशियाटिक सोसाईटी, कोलकाता ने राजभाषा कार्यन्वयन समिति का दिनांक .01.04.2014 को गठन किया (कार्यालय ज्ञापन मंख्या 118. 01. 04. 2014).

समिति द्वारा तिमाही और छमाही रिपोर्ट भेजी जा चुकी है। समिति वर्ष 2014 में हिंदी पखवाड़ा का भी आयोजन कर चुकी है।

सोसाइटी के 80% कर्मचारी हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित हो गए हैं तथा सेसाइटी की वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषिक रुप में (हिन्दी-अंग्रेजी में) तैयार करवाई जा रही है और मंत्रालय को भेजी जा रही है।

एशियाटिक सोसाईटी के कार्यालय ज्ञापन 83 dt/12/08/2016 के द्वारा अगस्त 2016 में एक नई कार्यान्वयन समिति गठन किया गया है।

समिति की कारवाई:

- हिंदी एशिक्षण के लिए परिपत्र जारी किया गया।.
- तिमाही रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गई।
- अ-हिंदीभाषी कर्मचारियों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गय।
- 12.09.2017 से .14.09.2017 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गय। (अनुष्ठान-सुची संलग्न)। इसी क्रस में संग्रहालयों में .14.09.2017 से .15.09.2017 तक हिंदी पुस्तकों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया तथा पर्यावरण विषव पर द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेगी) रुप में एक दीवार पत्रिका का उद्घाटन किया गया।
- 16.09.2017 से 30.09.2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।
- हिंदी दिवस पर दीवारों पर हिंदी नारे लगाए गए।
- सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में सभी कार्यक्रम छपवाए गए।
- सभी फैसलों व रजिस्टारों के विषय तथा नामपट्ट द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेगी) रुप में बनवाए जा रहे हैं।
- ग्रंथागार में हिंदी पुस्तक अनुभाग खुल रहा है।
- छोटे-छोटे पत्र और आंतरिक टिप्पणियां हिंदी में लिखने के प्रयास जारी हैं।
- हिंदी में सरकारी कार्य करने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जाता है।
- 26 मार्च एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता में डॉ सत्यव्रत चक्रवर्त्ती महासचिव की अध्यक्षता में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। माननीय वेदप्रकाश गौर, निदेशक राजभाषा विभाग, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार इस कार्यशाला की उद्घाटन किया हैं।
- आज की शब्द वोर्ड पर लिखा जाता हैं।
- 24 एप्रिल स्वच्छता पखवाड़ा में एक आशुभाषण प्रतियोगिता की आयोजन किया गया हैं।

13 Computerisation, Moderinization and Infrastructural Development

COMPUTERISATION & MODERNIZATION

- The new website of the Society has been launched revamping the old one with the domain name asiaticsocietykolkata.org
- Digital Archive of the Society has been launched
- One high end scanner (Bok Eye 4) has been purchased and installed for in-house digitization of rare books, journals and manuscripts
- The old Public Address system of the Vidyasagar Hall of the Society has been replaced with a new one having latest audio equipments and sound technologies
- The Passive Phase of the IT Networking has been completed covering both the new building and old building of the Society

INFRASTRUCTURAL DEVELOPMENT

- Civil superstructure of the two additional floors atop the main building of the Society at Park Street has been completed
- One out of the two old Mobile Storage Units of the Museum Section for storing of Manuscripts, have been replaced with a new modern mobile storage system with greater facility of space management, flexibility and mobility.
- Construction of the Salt Lake Building of the Society has been completed
- Renovation work of the Metcalfe Hall has been undertaken

14

Employees of the Asiatic Society (2017-18)

1. **Shri Dhiman Chakraborty**
   Controller of Finance [On Deputation]
2. **Shri Arupratan Bagchi**
   Administrative Officer [DoJ : 01.02.2018]
3. **Shri Dilip Kumar Roy**
   Section Officer
4. **Sri Tapas Chatterjee**
   Section Officer
5. **Smt. Sujata Misra**
   Assistant Librarian (Library-in-Charge)
6. **Dr. Sanghamitra Choudhury**
   Assistant Librarian
7. **Smt. Tapati Banerjee**
   Assistant Librarian
8. **Smt. Amita Bhattacharya (Ghoshal)**
   Assistant Librarian
9. **Shri Ramaprasanna Sinha**
   Conservation Officer
10. **Shri Nirmalendu Ghosal**
    Publication Officer
11. **Smt. Arati Kundu**
    Reprography cum Photography Officer

□

12. **Dr. Bandana Bhattacharjee**
Research Officer

13. **Shri Arpan Ghosh**
Security Officer [DoJ : 09.01.2018]

14. **Shri Subrata Banerjee**
Accountant

15. **Shri Bhaskar Ghosh**
Accountant

16. **Shri Nanda Roy**
Assistant Security Officer

17. **Shri Sushil Kumar Roy**
Assistant Security Officer

18. **Shri Bijon Kumar Mukherjee**
Senior Assistant [Retired on 30.06.2017]

19. **Shri Gadadhar Hazra**
Senior Assistant

20. **Shri Swapan Chakraborty**
Senior Assistant

21. **Smt. Rina Malakar**
Senior Assistant [Retired on 31.12.2017]

22. **Shri Sujit Banerjee**
Senior Assistant

23. **Smt. Sutapa Sengupta**
Senior Assistant

24. **Shri Achinta Kumar Dey**
Senior Assistant

25. **Shri Somendra Nath Das**
Senior Assistant

26. **Smt. Bandana Bhattacharyya**
Senior Assistant

27. **Smt. Dipa Ghatak**
Senior Assistant

28. **Shri Sanjoy Roy Choudhury**
Senior Assistant

29. **Shri Asim Kumar Dutta**
Senior Assistant

30. **Shri Swarup Manna**
Senior Assistant

31. **Shri Rathindranath Bhattacharyya**
Stenographer

32. **Smt. Sumita Datta**
Stenographer

33. **Shri Kabi Roy**
Stenographer

34. **Shri Palash Kanti Dutta**
Stenographer

35. **Smt. Anuradha Bysack**
Stenographer

36. **Shri Subir Bhowmick**
Assistant Superintendent [Watch & Ward]

37. **Shri Sukhendu Bikash Pal**
Senior Publication Assistant

38. **Dr. Shakti Mukherji**
Senior Publication Assistant

39. **Shri Surajit Banerjee**
Senior Technical Assistant [Retired on 31.03.2018]

40. **Smt. Rupa Mukherjee**
Senior Technical Assistant

41. **Shri Shabbir Ahmed**
Senior Technical Assistant

42. **Shri Jayanta Sikdar**
Senior Technical Assistant

43. **Smt. Keka Adhikari (Banerjee)**
Curator

44. **Dr. Bibekananda Banerjee**
Senior Cataloguer

45. **Dr. Jagatpati Sarkar**
Senior Cataloguer

46. **Dr. Sarbani Bose**
Cataloguer

47. **S.S.F.I. Alquaderi**
Cataloguer

48. **Dr. Archana Ray**
Cataloguer

49. **Shri Amit Ghosh**
Assistant Maintenance Engineer

50. **Shri Dilip Kumar Dey**
Conservation Assistant (LIA)

51. **Smt. Moly Bhowmik**
Conservation Assistant (LIA)

52. **Smt. Gouri Mitra**
Conservation Assistant (LIA)

53. **Sri Kalyan Sen**
Conservation Assistant (LIA)

54. **Sri Dibakar Maity**
Conservation Assistant (LIA)

55. **Smt. Anita Roy**
Conservation Assistant (LIA)

56. **Salma Khan**
Library Information Assistant [DoJ : 15.09.2017]

57. **Shri Ashok Jha**
Junior Assistant

58. **Shri Gobindalal Chatterjee**
Junior Assistant

59. **Smt. Malabika Roy**
Junior Assistant

60. **Shri Kalyan Roy**
Junior Assistant

61. **Shri Saroj Kumar Maity**
Junior Assistant

62. **Shri Ashok Bandyopadhyay** [Publication]
Junior Assistant [Retired on 31.12.2017]

63. **Shri Somnath Bhattacharyya (1)**
Junior Assistant

64. **Shri Ashok Bandyopadhyay** (Accounts)
Junior Assistant [Retired on 31.07.2017]

65. **Shri Subrata Mukherjee**
Junior Assistant

66. **Shri Subrata Sarkar**
Junior Assistant

67. **Shri Murari Bhattacharyya**
Junior Assistant

68. **Shri Tamal Ghosh**
Junior Assistant

69. **Shri Riyaz Ahmed**
Junior Assistant

70. **Shri Dibyendu Dutta Chowdhury**
Junior Assistant

71. **Shri Debasis Dutta**
Junior Assistant

72. **Shri Murari Majumder**
Junior Assistant

73. **Shri Swapan Kumar Das**
Junior Assistant

74. **Shri Paresh Chakraborty**
Junior Assistant

75. **Shri Prasanta Ganguly**
Reprography cum Photography Assistant

76. **Dr. Dalia Bandury**
Publication Assistant cum Proof Reader

77. **Shri Samik Biswas**
Publication Assistant cum Proof Reader

78. **Shri Aloke Dolui**
Data Entry Operator

79. **Shri Dipankar Sukul**
Lower Division Clerk

80. **Shri Bholanath Ganguly**
Lower Division Clerk

81. **Shri Gopal Aich**
Lower Division Clerk

82. **Shri Anupam Chowdhury**
Lower Division Clerk

83. **Shri Tapan Ghatak**
Lower Division Clerk

84. **Shri Utpal Bhadra**
Lower Division Clerk

85. **Shri Supravat Majumder**
Lower Division Clerk

86. **Shri Tapas Karmakar**
Lower Division Clerk

87. **Shri Suchand Mukherjee**
Lower Division Clerk

88. **Shri Rampravesh Kumhar**
Lower Division Clerk

89. **Shri Ashim Krishna Roy**
Lower Division Clerk

90. **Smt. Mala Chatterjee**
Lower Division Clerk

91. **Shri Mintu Das**
Lower Division Clerk

92. **Shri Satrughna Manik**
Lower Division Clerk

93. **Shri Bhaskar Ghosh (Library)**
Lower Division Clerk

94. **Smt. Pranati Mitra**
Lower Division Clerk

95. **Smt. Chhanda De**
Lower Division Clerk

96. **Shri Chakradhar Bera**
Driver

97. **Shri Dulal Chandra Dey**
Driver

98. **Shri Tapan Kumar Dolui**
Driver

99. **Shri Shyamal Chakraborty**
Head Security Guard

100. **Shri Biswanath Nandy**
Head Security Guard

101. **Shri Badal Chatterjee**
Head Security Guard

102. **Shri Gouranga Samal**
Head Security Guard

103. **Shri Mustaque Hossian**
Head Security Guard

104. **Shri Abdul Rasid**
Electric Mistry

105. **Shri Lakshan Chandra Manik**
Carpenter

106. **Shri Asto Ghosh**
Cook

107. **Shri Bijaya Kumar Satapathy**
Liftman

108. **Shri Shyamal Mondal**
Liftman

109. **Shri Tapas Das**
Binder/Mender

110. **Shri Rabindranath Dey**
Binder/Mender

111. **Shri Alip Ghosh**
Binder/Mender

112. **Shri Somnath Bhattacharyya (2)**
Binder/Mender

113. **Shri Sankar Das**
Binder/Mender

114. **Shri Gopal Chandra Sinha**
Binder/Mender

115. **Shri Rakesh Sharma**
Binder/Mender

116. **Shri Subhas Bewra**
Attendant [Retired on 28.02.2018]

117. **Sk. Sajahan**
Attendant

118. **Shri Sushil Chanda**
Attendant

119. **Shri Radheshyam Mishra**
Attendant

120. **Shri Kashinath Guin**
Attendant

121. **Shri Kali Charan Shaw**
Attendant

122. **Shri Sambhu Kar**
Attendant

123. **Shri Harish Das**
Security Guard

124. **Shri Uttam Das**
Security Guard

125. **Shri Shibaji Pandey**
Security Guard

126. **Shri Tarakeswar Chowbey**
Security Guard

127. **Shri Bansi Bewra**
Security Guard

128. **Shri Raj Kumar Prasad**
Security Guard

129. **Shri Amal Pal**
Security Guard

130. **Shri Shiboprasad Banerjee**
Security Guard

131. **Shri Manik Mukherjee**
Security Guard

132. **Shri Pradip Chakraborty**
Security Guard

133. **Shri Bibhas Dutta**
Security Guard

134. **Shri Swapan Sarkar**
Security Guard

135. **Shri Rabindranath Das**
Security Guard

136. **Shri Rajkishore Prasad**
Security Guard

137. **Shri Sudarshan Bera**
Security Guard

138. **Shri Krishnendu Dutta Chowdhury**
Security Guard

139. **Shri Atanu Batabyal**
Security Guard

140. **Shri Anjan Ganguly**
Security Guard

141. **Shri Ashok Kumar Roy**
Security Guard

142. **Shri Basudeb Das**
Security Guard

143. **Shri Pranab Majee**
Security Guard

144. **Shri Goutam Das**
Junior Attendant

145. **Smt. Sabitri Dasgupta**
Junior Attendant

146. **Shri Prakash Ghosh**
Junior Attendant

147. **Shri Sanjoy Paridha**
Junior Attendant

148. **Shri Bidyadhar Sahoo**
Junior Attendant

149. **Shri Tapan Ghorai**
Junior Attendant

150. **Shri Debnarayan Saha**
Junior Attendant

151. **Shri Biswajit Ghosh**
Junior Attendant

152. **Smt. Tul Tul Dey**
Junior Attendant

153. **Shri Amit Kumar Ghosh**
Junior Attendant

154. **Shri Sanjit Singh**
Junior Attendant

155. **Shri Ranjit Singh**
Junior Attendant

156. **Smt. Lina Banerjee**
Junior Attendant

157. **Shri Prem Sankar Singh**
Junior Attendant

158. **Smt. Dipali Dey**
Junior Attendant

159. **Shri Kashinath Nandy**
Junior Attendant

160. **Smt. Satarupa Banerjee**
Junior Attendant

161. **Shri Swapnanil Chatterjee**
Junior Attendant

162. **Shri Bharat Kumhar**
Junior Attendant

163. **Shri Rajesh Polai**
Junior Attendant

164. **Shri Ritesh Pradhan**
Junior Attendant

165. **Smt. Sarmistha Laha**
Junior Attendant

166. **Smt. Sudipta Naskar**
Junior Attendant

167. **Shri Surojit Das**
Junior Attendant

168. **Shri Rakesh Kumhar**
Junior Attendant

169. **Shri Sourav Majee**
Junior Attendant [DoJ : 29.11.2017]

170. **Shri Chandan Hela**
Junior Attendant [DoJ : 13.03.2018]

171. **Shri Uttam Santra**
Safaiwala

172. **Shri Nihar Ranjan Majumder**
Safaiwala

173. **Shri Tapan Kumar Das**
Safaiwala

174. **Shri Bharat Hela**
Saafaiwala

175. **Smt. Laxmi Hela**
Safaiwala

176. **Shri Safiq Ali Khan**
Safaiwala

177. **Shri Sandeep Rajoria**
Safaiwala

178. **Shri Bairagi Charan Mahapatra**
Gardener (Mali)

179. **Shri Bishnupada Das**
Generator cum Pump Operator

180. **Shri Banibrata Bhattacharya**
System Engineer (Computer Networking)
[Contractual Basis]

181. **Smt. Suranjana Choudhury**
Publication Assistant cum Proof Reader
[Contractual Basis]

182. **Shri Asit Kumar Mukhopadhyay**
Consultant [Civil Work]

183. **Shri Chandan Adhikary**
Casual Worker

184. **Shri Ratan Dutta**
Casual Worker

185. **Shri Guddu Prasad**
Casual Worker

186. **Shri Rajesh Kr. Pandey**
Casual Worker

187. **Shri Chhattu Sarker**
Casual Worker

188. **Shri Ekramul Haque**
Casual Worker

189. **Shri Bikesh Kumar Singh**
Casual Worker

15 Finance, Accounts, Budget & Audit

- The Accounting System has been rationalized by initiating maintenance of accounts through Tally ERP 9 and aligning the presentation of Final Accounts for 2017-18 as per the guidelines prescribed by the Ministry of Finance for the Central Autonomous Bodies.
- Out of the 42 outstanding paras of the Inspection Report of 2015-16, 15 paras have been settled during the audit of the accounts of the Society for the year 2016-17, conducted during 2017-18 by the Office of the Director General of Audit, Central, Kolkata.
- With the approval of the Ministry of Culture, the Society has implemented the 7th CPC Pay Scales for the employees of the Asiatic Society, Kolkata in March 2018 after rectification of all pay anomalies of the 6th CPC.
- The Society has received the full amount of Grants-in-Aid under different object heads / schemes against the SBG / RE for the year 2017-18 (Rs.29.05 Crore) which is higher than the amount received in the previous year 2016-17 (Rs.23.06 Crore) and the corresponding utilization has also been higher.
- Statement of Utilisation of Grants-in-Aid received from the Ministry of Cultures Govt. of India for the year 2017-18 :

[₹ in Crores]

Component	*BE for 2017-18*	*Receipt during 2017-18*	*Utilisation during 2017-18*	*Unspent amount as on 31.03.2018*
Grants in Aid : General	5.80	5.80	5.23	0.57
Grants in Aid : Creation of Capital Assets	4.30	4.30	2.78	1.52
Grants in Aid : Salary	18.75	18.75	16.48	2.27
Grants in Aid : North Eastern Region	0.15	0.15	0.12	0.03
Grants in Aid : Swachhta Action Plan	0.05	0.05	0.05	0.00
Total	29.05	29.05	24.66	4.39

16 Finance, Accounts, Budget & Audit

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Separate Audit Report
on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata
for the year 2017-18
&
Replies of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year ended 31 March 2018

We have audited the attached Balance Sheet of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2018, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account, for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971 read with Section-5(2) of The Asiatic Society Act, 1984. These financial statements are the responsibility of the Society's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Reports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the Management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by The Asiatic Society, Kolkata as required, in so far as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that

Comments on Accounts

A General

1.1 The Society has not accounted for the interest accrued on the investment of ₹1.01 crore for the period between 24 October 2016 and 19 July 2017.

1.2 The Society had not rounded off the transaction amounts in the financial statements as prescribed in the Uniform Format of Accounts.

1.3 The Society had not accounted for provisions for Retirement Benefits (Gratuity and Leave Encashment) based on actuarial valuation as prescribed in the Uniform Format of Accounts.

1.4 The Society has not provided Depreciation as per rates prescribed in the Income Tax Act '61 for (i) Library Books & Journals; and (ii) Electrical Installations. Further, no Depreciation has been charged for 'MSS & Art Objects'.

The Society needs to specify its depreciation policy regarding 'MSS & Art Objects' and justify the reasons for not charging Depreciation in the Significant Accounting Policies/ Notes to Accounts.

B Grants-in-aids

The Society is mainly financed by Government of India. During the year 2017-18, the Society received total grants of ₹27.69 crore. The Society had an opening balance of unspent grant of ₹6.82 crore. Out of the total available fund of ₹34.51 crore, the Society spent ₹21.31 crore leaving an unspent grant of ₹13.20 crore.

C Management Letter

Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata, through a management letter issued separately for remedial/corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India.

a. in so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2018 and

b. in so far as it relates to Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

18.12.18

Place: Kolkata
Date: 18·12·2018

(P.K.Singh)
Director General of Audit
(Central) Kolkata

Annexure

A Adequacy of Internal Audit system

Internal Auditing System was inadequate in the Society due to the following:

i. There was no Internal Audit Manual in use.

ii. The Society did not have any Internal Audit wing. Internal Audit was conducted through internal audit wing of the Ministry but not regularly. No Internal Audit was conducted in the year of 2017-18.

B Adequacy of Internal Control System

Internal Control System is inadequate in the following areas:

i. There was no Accounting Manual in use.

ii. The heads of account were not coded.

iii. There was no Stores & Purchase Manual.

iv. Purchases were not centralized in the purchase department.

v. Disbursement is allowed in cash also.

C System of Physical verification of Fixed Assets/Inventory

The Fixed Assets Register was not maintained. Also, physical verification of fixed Assets and Inventories including Artefacts was not conducted during the year 2017-18.

D Regularity in payment of statutory dues

The Society was regular in payment of statutory dues.

THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA

Reply of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of the Asiatic Society, Kolkata for the year ended 31st March 2018

Item	Comments on Accounts by the Audit	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
A	**General**	
1.1	The Society has not accounted for the interest accrued on the investment of Rs. 1.01 crore for the period between 24 October 2016 and 19 July 2017.	The matter relates to the FDR No. 36032763924 with State Bank of India, Park Street Branch (Investment Amount Rs.1,01,00,274/-) which was last invested on 23.10.2016 and enchased at maturity on 19.07.2017. It was detected from our records that no interest was paid by the bank for the period 24.10.2016 – 19.07.2017. On enquiry from the bank, we have been told that it was a technical fault on their part. However, responding to our letter no. 12893 dated 09.10.2018, the bank has credited the interest for Rs.4,15,228/-(net of TDS Rs.46,137/- on Gross Interest : Rs.4,61,365/-) for the aforesaid period into our Savings Account No. 10959203687 on 01.11.2018 which has been taken into the books of accounts for the year 2018-19 on 05.11.2018 by debiting SBI Savings Account and crediting Interest on Investment (Endowment) A/c. with the amount of net interest received along with adjustment for TDS Receivable.
1.2	The Society had not rounded off the transaction amounts in the financial statements as prescribed in the Uniform Format of Accounts.	Item No. 12 of the " Notes and Instructions for Compilation of Financial Statements" of the Uniform Format of Accounts, the rounding o states that "The figures in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account, if rounded off, shall be rounded off depending on the turnover levels ranging from figures less than one lakh to less than one thousand crore". However, such rounding off, which is of suggestive nature has not yet been done to maintain consistency in year to year comparative figures and report the actual figures as per ledger accounts. Moreover, the turnover criteria for rounding off do not seem to be quite appropriate for preparation of Financial Statements of the Society.
1.3	The Society has not accounted for provisions for Retirement Benefits (Gratuity and Leave Encashment) based on actuarial valuation as prescribed in the Uniform Format of Accounts.	The provisions for Retirement Benefits (Gratuity and Leave Encashment) based on actuarial valuation will be done in due course and the same has been indicated in the "Significant Accounting Policies" in item number 9 of Schedule 24.

1.4	The Society has not provided Depreciation as per rates prescribed in the Income Tax Act. 1961 for (i) Library Books & Journals; and (ii) Electrical Installations. Further, no Depreciation has been charged for 'MSS & Art Objects'. The Society needs to specify its depreciation policy regarding 'MSS & Art Objects' and justify the reasons for not charging Depreciation in the Significant Accounting Policies / Notes to Accounts.	Depreciation on Electrical Installations has been provided at 15% as per the Income Tax Act, 1961 (refer item no. 8 of Schedule 8 – Fixed Assets). Since Manuscripts & Art Objects and a substantial portion of the Library Books & Journals in the possession of the Society are archival items and there is no policy in place for providing depreciation on archival items, no depreciation has been provided on such items since the beginning and the consistency has been maintained in 2017-18. Till such Depreciation Policy is framed, the matter will be mentioned in the "Significant Accounting Policies / Notes to Accounts" in the Financial Statements of subsequent periods.
B	**Grants-in-aid** The Society is mainly financed by Government of India. During the year 2017-18, the Society received total grants of Rs. 27.69 crore. The Society had an opening balance of unspent grant of Rs. 6.82 crore. Out of the total available fund of Rs. 34.51 crore, the Society spent Rs. 21.31 crore leaving an unspent grant of Rs. 13.20 crore.	Though the Audit has considered Rs. 6.82 crore as the opening balance of unspent grants for the year 2017-18 (i.e. closing balance of 2016-17), the actual opening balance of unspent grants for 2017-18 per Utilization Certificate of the Society submitted to the Audit is Rs. 1.36 crore. The difference of unspent grants for the year 2016-17 has already been reconciled and explained in the reply to Separate Audit Report for the year 2016-17 as well as submitted to the Ministry of Culture while placing demand for grants for the year 2017-18 where the matter was resolved. The Unspent Balance of Grants-in-Aid received from the Ministry of Culture as on 31.03.2018 as per the Utilization Certificate of the Society for the year 2017-18 is Rs.4,39,26,285/- The Utilization Certificate of Grants-in-aid of a year are prepared on the basis of Receipts & Payments Account for that particular year (in this case, 2017-18) and advance payments for activities of that year (in this case, 2017-18) which are reflected through Receipts & Payments Account gets incorporated as utilization of Grants-in-aid. The difference in the Unspent Balance of Grants as worked out by the Audit and as reported by the Society in the Utilization Certificates for 2017-18 is due to the non consideration of the advance payments as utilization of grants. A reconciliation statement is given below.

		Reconciliation of Unspent Grants as on 31.03.2018 Rupees in Crore **Particulars** / **As Worked out by Audit** / **As reported by the Society in Utilization Certificate** Opening Balance as on 01.04.2018 — 6.82 — 1.36 Grants Received during 2017-18 — 27.69 — 27.69 Expenditure during 2017-18 (*) — 21.31 — 24.66 Closing Balance as on 31.03.2018 — 13.20 — 4.39 (*) Difference due to Audit's non consideration of advance payments as utilization of grants. Hence, the Audit Report on Unspent Grants of Rs.13.20 crore as on 31.03.2018 seems to be inappropriate, the actual figure being Rs.4.39 crore as per the UC of 2017-18.
C	**Management Letter** Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata, through a management letter issued separately for remedial/corrective action.	The suggestions of the Audit on the deficiencies that have been mentioned in the management letter dated 18.12.2018 have been noted. Corrective actions have been initiated on all the five points mentioned therein and appropriate actions for necessary accounting rectifications will be taken during the financial year 2018-19.

Place: Kolkata
Date: 19th December 2018

19.12.2018
(Sujit Kumar Das)
Treasurer

(S.B.Chakrabarti)
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY

KOLKATA

ANNUAL ACCOUNTS

2017-18

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2018

	Schedule	Current Year Rs.	Previous Year Rs.
FUNDS & LIABILITIES			
CAPITAL FUND	1	393208984.15	313658797.78
RESERVES & SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	20960371.99	20220759.90
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	35332016.69	7851241.60
TOTAL		449501372.83	341730799.28
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	227117321.05	215513843.05
INVESTMENTS - FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	9	19113376.00	18370532.00
INVESTMENT- OTHERS	10	3789500.00	3789500.00
CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	11	199481175.78	104056924.23
MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)		0.00	0.00
TOTAL		449501372.83	341730799.28

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES 24

CONTINGENT LIABILITY & NOTES ON ACCOUNTS 25

Place: Kolkata
Date: 10th August 2018

A.K.Bhaumik
[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

	Schedule	Current Year Rs.	Previous Year Rs.
INCOME			
Income from Sales / Service	12	0.00	0.00
Grants / Subsidies	13	233995000.00	225363464.03
Fees / Subscriptions	14	1375237.50	367900.00
Income from Investments	15	2340624.00	2340624.00
Income from Roylty, Publication, etc.	16	3223873.00	1313327.00
Interest Earned	17	2568429.00	2934219.00
Other Income	18	451963.00	201348.00
Increase / (Decrease) in Stock of Finished Goods & Work-in-Progress	19	-1545.00	0.00
Total [A]		243953581.50	232520882.03
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	189264593.00	140395699.00
Other Administrative Expenses, etc.	21	36628157.00	22774642.66
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0.00	0.00
Interest	23	7187.13	0.00
Depreciation [Net total at the yearend corresponding to schedule 8]	8	6281355.00	6881516.00
TOTAL [B]		232181292.13	170051857.66
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		**11772289.37**	**62469024.37**
Prior Period Adjustments		1947553.00	107487.00
Transfer to Special Reserve		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
Balance being Surplus / (Deficit) Carried forward to Corpus / Capital Funds		13719842.37	62576511.37

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES 24

CONTINGENT LIABILITY & NOTES ON ACCOUNTS 25

[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

Place: Kolkata
Date: 10th August 2018

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

Amount in Rupees

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Opening Balance					
Cash in Hand	90468.00	54795.00	**Expenses**		
			Establishment Expenses	164828207.00	149143027.00
			Expenses on Programmes & Activities	17679257.00	29531962.66
Cash at Bank			Other Administrative Expenses	16600528.00	
In Current Accounts	-11974206.38	0.00	Payment against Outstanding Expenses	76068.00	
In Deposit Accounts	0.00	8300138.76			
In Savings Accounts	43183073.56	0.00	**Payments made against Funds**		
			Endowment Funds	267668.00	390850.00
Grants Received			Earmarked Funds	498198.00	805900.50
From Govt. of India [MoC]	276899000.00	253905976.00			
For External Project	695666.00	616860.00	**Investments & Deposits made**		
			Out of Earmarked/ Endowment Funds [Net]	742844.00	10000000.00
Income on Investments from			Out of Own Funds [other Investments]	0.00	3789000.00
Earmarked/Endowment Funds	669314.21	683611.00			
Own Funds [other Investments]	0.00	706819.00	**Expenditure on Fixed Assets & CWIP**		
			Purchase of Fixed Assets	13879553.00	2048309.55
			Expenditure on Capital Work in Progress	0.00	92373.42

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

Amount in Rupees

RECEIPTS	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Current Year	Previous Year
Interest received					
On Savings Account	2267167.00	1822686.00	**Finance Charges**		
On Staff Loan	0.00	304440.00	Interest on Overdraft	7187.13	0.00
Other Income			**Other payments**		
Sale of Publications	3155538.00	1279267.00	Statutory Deductions from Employees	25050508.00	16770052.00
Membership Fees	672662.50	56750.00	Statutory Deductions from Contractors	616105.00	316768.00
Sale of Photo Albums & Mementos	68335.00	34060.00	Reserve Money	786035.00	424193.00
Rent	1797164.00	1749034.00	Refund of Earnest Money Deposit	0.00	9500.00
Registration Fees for Seminar	0.00	59000.00	Advance to Parties	1640000.00	4590070.00
Others	577339.00	217048.00	Advance to Employees	5999865.00	4406313.00
			Advance for Creation of Capital Assets	27817880.00	38604000.00
			Refund of Security Deposit	303526.00	0.00
Other Receipts			Advance for Journal Subscription	4720092.00	4865191.45
Earnest Money Deposit from Contractors	25000.00	39700.00			
Statutory deductions from Employees	30167097.00	17688332.00	**Closing Balance**		
Statutory deductions from Contractors	517756.00	313902.00	Cash in Hand	94303.00	90468.00
Security Deposits	523077.00	396448.00			
Reserve Money	912821.00	451081.00	**Cash at Bank**		
Advance Recovered from Parties	199997.00	3600820.00	In Current Accounts	45358870.99	-11974206.38
Advance Recovered from Employees	3874383.00	4806078.00	In Deposit Accounts	0.00	0.00
			In Savings Accounts	27354956.77	43183073.56
Total	354321651.89	297086845.76	Total	354321651.89	297086845.76

Place : Kolkata
Date: 10th August 2018

[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B. Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 1		Current Year		Previous Year	
CAPITAL FUND		Rs	Rs	Rs	Rs
	Balance as at the beginning of the year		313658797.78		245764774.44
	Add: Adjustment for Closing Stock of Printed Publications		22926344.00		
	Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund [Grants-in-Aid : Creation of Capital Assets]		42904000.00		5317511.97
	Add/ (Deduct) : Balance of net income (expenditure) transferred from the Income & Expenditure Account		13719842.37		62576511.37
	Balance at the year end		393208984.15		313658797.78

Schedule 2		Current Year		Previous Year	
RESERVES 7 SURPLUS		Rs	Rs	Rs	Rs
1	**Capital Reserve**				
	As per Last Account	0.00		0.00	
	Additions during the year	0.00		0.00	
	Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
2	**Revaluation Reserve**				
	As per Last Account	0.00		0.00	
	Additions during the year	0.00		0.00	
	Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
3	**Special Reserve**				
	As per Last Account	0.00		0.00	
	Additions during the year	0.00		0.00	
	Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
4	**General Reserve**				
	As per Last Account	0.00		0.00	
	Additions during the year	0.00		0.00	
	Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
	Total		0.00		0.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 3

Endowment Funds & Earmarked Funds

Amount in Rupees

Sl.No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C					C	[A+B]-C
			Donnations/ Grants/ Contributions	Income from investments made on account of fund	Other additions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
a	**Endowment Funds [Fund wise break up in Schedule 3 (a)]**	19113375.65	0.00	810212.09	0.00	19923587.71	0.00	0.00	0.00	0.00	268068.00	268068.00	19655519.74
b	**Earmarked Funds [Fund wise break up in Schedule 3 (b)]**	1107384.25	695666.00	0.00	0.00	1803050.25	0.00	0.00	470284.00	0.00	27914.00	498198.00	1304852.25
Total [a + b]		**20220759.90**	**695666.00**	**810212.09**	**0.00**	**21726637.96**	**0.00**	**0.00**	**470284.00**	**0.00**	**295982.00**	**766266.00**	**20960371.99**
Previous Year		**19987394.28**	**616860.00**	**813256.12**	**0.00**	**21417510.40**	**0.00**	**0.00**	**758777.00**	**0.00**	**437973.50**	**1196750.50**	**20220759.90**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 3 (a)

Endowment Funds – Fund wise break up

Amount in Rupees

Sl.No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C					C	[A+B]-C
			Donations/ Grants/ Contributions	Income from Investments made on account of fund	Other additions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Administrative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Abha Maity Lecture Fund	538730.84	0.00	22836.66	0.00	561567.50	0.00	0.00	0.00	0.00	37160.00	37160.00	524407.50
2	Annadale Medal Fund	434314.92	0.00	18410.52	0.00	452725.44	0.00	0.00	0.00	0.00	11960.55	11960.55	440764.89
3	B B Majumder Lecture Fund	389062.16	0.00	16492.27	0.00	405554.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	405554.43
4	Barclay Medal Fund	434984.56	0.00	18438.91	0.00	453423.47	0.00	0.00	0.00	0.00	3079.30	3079.30	450344.17
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	15306.04	0.00	648.82	0.00	15954.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	15954.86
6	Bimala Charan Law Medal Fund	424866.54	0.00	18010.01	0.00	442876.55	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	442876.55
7	Biren Roy Medal Fund	51931.01	0.00	2201.34	0.00	54132.35	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	54132.35
8	D P Khaitan Medal Fund	424877.73	0.00	18010.48	0.00	442888.21	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	442888.21
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	367902.36	0.00	15595.31	0.00	383497.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	383497.67

Schedule 3 (a) [continued]

Endowment Funds – Fund wise break up

Amount in Rupees

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
10	Hem Ch. Roy Chowdhury Medal Fund	104876.55	0.00	4445.70	0.00	109322.25	0.00	0.00	0.00	0.00	3682.00	3682.00	105640.25
11	Indian Science Congress Fund	438657.03	0.00	18594.58	0.00	457251.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	457251.61
12	Indira Gandhi Medal Fund	450507.79	0.00	19096.93	0.00	469604.72	0.00	0.00	0.00	0.00	22617.50	22617.50	446987.22
13	Indira Gandhi Lecture Fund	570350.13	0.00	24177.03	0.00	594527.16	0.00	0.00	0.00	0.00	2633.50	2633.50	591893.66
14	Joy Govinda Law Medal Fund	440914.63	0.00	18690.28	0.00	459604.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	459604.91
15	Maya Deb Medal Fund	321980.71	0.00	13648.70	0.00	335629.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	335629.41
16	Meghnad Saha Memorial Fund	432741.89	0.00	18343.84	0.00	451085.73	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	451085.73
17	N N Chatterjee Medal Fund	411930.77	0.00	17461.66	0.00	429392.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	429392.43
18	Naresh Ch. Sengupta Medal Fund	423596.25	0.00	17956.16	0.00	441552.41	0.00	0.00	0.00	0.00	19540.55	19540.55	422011.86
19	Panchanan Mitra Lecture Fund	163930.14	0.00	6948.97	0.00	170879.11	0.00	0.00	0.00	0.00	19314.00	19314.00	151565.11
20	Paul Jones Bruhl Medal Fund	406502.38	0.00	17231.55	0.00	423733.93	0.00	0.00	0.00	0.00	9749.55	9749.55	413984.38
21	Pramathanath Bose Medal Fund	409104.01	0.00	17341.84	0.00	426445.85	0.00	0.00	0.00	0.00	2049.55	2049.55	424396.30
22	Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund	197554.43	0.00	8374.29	0.00	205928.72	0.00	0.00	0.00	0.00	15271.00	15271.00	190657.72
23	Priyabrata Roy Medal Fund	202731.49	0.00	8593.75	0.00	211325.24	0.00	0.00	0.00	0.00	15002.00	15002.00	196323.24
24	Pt Iswarchandra Vidyasagar Lecture Fund	1336975.21	0.00	56674.11	0.00	1393649.32	0.00	0.00	0.00	0.00	32219.00	32219.00	1361430.32
25	Rajasthani Fund	455681.70	0.00	19316.25	0.00	474997.95	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	474997.95
26	Ramaprasad Chandra Medal Fund	376917.09	0.00	15977.44	0.00	392894.53	0.00	0.00	0.00	0.00	3060.00	3060.00	389834.53

Schedule 3 (a) [continued]

Endowment Funds – Fund wise break up

Amount in Rupees

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	Ranadhir Roy Medal Fund	219492.30	0.00	9304.23	0.00	228796.53	0.00	0.00	0.00	0.00	810.00	810.00	227986.53
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	413571.13	0.00	17531.20	0.00	431102.33	0.00	0.00	0.00	0.00	3589.55	3589.55	427512.78
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	353663.25	0.00	14991.71	0.00	368654.96	0.00	0.00	0.00	0.00	23303.00	23303.00	345351.96
30	S C Chakraborty Medal Fund	417509.93	0.00	17698.16	0.00	435208.09	0.00	0.00	0.00	0.00	9032.55	9032.55	426175.54
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	424223.34	0.00	17982.74	0.00	442206.08	0.00	0.00	0.00	0.00	2135.30	2135.30	440070.78
32	S N Sen Lecture Fund	209763.08	0.00	8891.81	0.00	218654.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	218654.89
33	Saratlal Biswas Medal Fund	408852.10	0.00	17331.16	0.00	426183.26	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	426183.26
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	400504.61	0.00	16977.31	0.00	417481.92	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	417481.92
35	Sir Willam Jones Medal Fund	318481.35	0.00	13500.36	0.00	331981.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	331981.71
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	329946.69	0.00	13986.37	0.00	343933.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	343933.06
37	Sukumar Sen Medal Fund	429476.91	0.00	18205.44	0.00	447682.35	0.00	0.00	0.00	0.00	2049.55	2049.55	445632.80
38	Surit C Mitra Medal Fund	411691.18	0.00	17451.51	0.00	429142.69	0.00	0.00	0.00	0.00	790.00	790.00	428352.69
39	Swami Pranabananda Medal Fund	283246.13	0.00	12006.75	0.00	295252.88	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	295252.88
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	772860.99	0.00	32761.42	0.00	805622.41	0.00	0.00	0.00	0.00	675.55	675.55	804946.86
41	Tagore Peace Award Fund	476564.46	0.00	20201.47	0.00	496765.93	0.00	0.00	0.00	0.00	28344.00	28344.00	468421.93
42	Foreign Donation - Japan	3016599.84	0.00	127873.05	0.00	3144472.89	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3144472.89
	Total	19113375.65	0.00	810212.09	0.00	19923587.71	0.00	0.00	0.00	0.00	268068.00	268068.00	19655519.74

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 3 (b)

Earmarked Funds – Fund wise break up — Amount in Rupees

Sl.No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C					C	[A+B]-C
			Donna-tions/ Grants/ Contri-butions	Income from Invest-ments made on account of fund	Other addi-tions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Manuscript Recource Centre (ASK-MRC)	618425.50	450000.00	0.00	0.00	1068425.50	0.00	0.00	246084.00	0.00	4388.00	250472.00	817953.50
2	Bharatiya Rastriya Bigyan Academy (INSA)	229544.60	245666.00	0.00	0.00	475210.60	0.00	0.00	224200.00	0.00	23526.00	247726.00	227484.60
3	Indian Coucil for Social Science Research	65463.00	0.00	0.00	0.00	65463.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	65463.00
4	Govt of WB Grant for Publication	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	GoI Grant for Seminar on Ayurvedic Medicine	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	Indira Gandhi Manab Sangrahalaya	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	Indian Council for Philosohical Research	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	Indian Council for Historical Research	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	Total	1107384.25	695666.00	0.00	0.00	1803050.25	0.00	0.00	470284.00	0.00	27914.00	498198.00	1304852.25

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 4		Current Year		Previous Year	
SECURED LOANS AND BORROWINGS		Rs	Rs	Rs	Rs
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Others (Specify)		0.00		0.00
Total			0.00		0.00

Schedule 5		Current Year		Previous Year	
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS		Rs	Rs	Rs	Rs
1	Central Government		0.00		0.00
2	State Government (Specify)		0.00		0.00
3	Financial Institutions		0.00		0.00
4	Banks		0.00		0.00
5	Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6	Debentures & Bonds		0.00		0.00
7	Fixed Deposits		0.00		0.00
8	Others (Specify)		0.00		0.00
Total			0.00		0.00

Schedule 6		Current Year		Previous Year	
DEFERRED CREDIT LIABILITIES		Rs	Rs	Rs	Rs
1	Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		0.00		0.00
2	Others		0.00		0.00
Total			0.00		0.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 7		Current Year		Previous Year	
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS		Rs	Rs	Rs	Rs
A	**Current Liabilities**				
1	Acceptances	0.00			0.00
2	**Sundry Creditors**				
i]	For Goods	0.00		0.00	
ii]	Others	71422.89	71422.89	71422.89	71422.89
3	**Advance Received [Subscription]**		21000.00		8500.00
4	**Interest Accrued but not due on Loans/Borrowings**		0.00		0.00
5	**Statutory Liabilities**				
i]	For Goods	0.00		0.00	
ii]	Others	6633036.00	6633036.00	1255102.00	1255102.00
6	Other Current Liabilities		5422279.80		4492595.71
	Total [A]		12147738.69		5827620.60
B	**Provisions**				
1	For Taxation		0.00		0.00
2	Gratuity		10000000.00		0.00
3	Superannuation / Pension		0.00		0.00
4	Accumulated Leave Encashment		10000000.00		0.00
5	Trade Warranties / Claims		0.00		0.00
6	Others		3184278.00		2023621.00
	Total [B]		23184278.00		2023621.00
	Total [A + B]		35332016.69		7851241.60

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULE 8 : FIXED ASSETS

Asset Category	Rate of Depreciation	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost/Valuation as at beginning of the year	Additions during the Year	Adjustments during the Year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	k	l
A. Fixed Assets :											
1. Land :											
a] Freehold	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] Leasehold	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. Building							0.00		0.00	0.00	0.00
a] on Freehold Land	10%	17281356.63	0.00	0.00	17281356.63	9663732.67	761762.00	0.00	10425494.67	6855861.96	7617623.96
b] on Leasehold Land	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	132566.70	10020.00	0.00	142586.70	90177.30	100197.30
3. Plant & Machinery	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Vehicles	15%	2573974.00	831369.00	0.00	3405343.00	1616503.03	205973.00	0.00	1822476.03	1582866.97	957470.97
5. Furniture & Fixture	10%	25573473.34	3269843.00	0.00	28843316.34	16738144.83	1049883.00	0.00	17788027.83	11055288.51	8835328.51
6. Office Equipment	15%	32773724.18	4269789.00	0.00	37043513.18	21913097.27	1954297.00	0.00	23867394.27	13176118.91	10860626.91
7.Computer, Software & Networking	40%	12127957.20	2391184.00	0.00	14519141.20	10269835.47	1221485.00	0.00	11491320.47	3027820.73	1858121.73
8.Electrical Installations	15%	9677652.21	22658.00	0.00	9700310.21	5166622.50	679513.00	0.00	5846135.50	3854174.71	4511029.71
9. Library Books & Journals	0%	91114327.32	7091990.00	0.00	98206317.32	0.00	0.00	0.00	0.00	98206317.32	91114327.32

SCHEDULE 8 : FIXED ASSETS (Continued)

a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	k	l
10. Tubewell & Water Supply	10%	5613090.85	0.00	0.00	5613090.85	1628872.67	398422.00	0.00	2027294.67	3585796.18	3984218.18
11.Other Assets							0.00		0.00	0.00	0.00
a] Microfilm & Documentation	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] Mss & Art Objects-Museum	0%	3794490.00	8000.00	0.00	3802490.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3802490.00	3794490.00
Total of Current Year[A]		212122983.59	17884833.00	0.00	230007816.59	73059803.96	6281355.00	0.00	79341158.96	150666657.63	139063179.63
Previous Year		206897845.04	5225138.55	0.00	212122983.59	66178287.96	6881516.00	0.00	73059803.96	139063179.63	
B. Capital Work in Progress :											
Salt Lake Campus		31329830.42	0.00	0.00	31329830.42	0.00	0.00	0.00	0.00	31329830.42	31329830.42
Park Street Building		45120833.00	0.00	0.00	45120833.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45120833.00	45120833.00
Total of Current Year [B]		76450663.42	0.00	0.00	76450663.42	0.00	0.00	0.00	0.00	76450663.42	76450663.42
Previous Year		76358290.00	92373.42	0.00	76450663.42	0.00	0.00	0.00	0.00	76450663.42	
Total [A+B]		288573647.01	17884833.00	0.00	306458480.01	73059803.96	6281355.00	0.00	79341158.96	227117321.05	215513843.05
Previous Year		283256135.04	5317511.97	0.00	288573647.01	66178287.96	6881516.00	0.00	73059803.96	215513843.05	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 9		Current Year		Previous Year	
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS		Rs	Rs	Rs	Rs
1	In Government Securities		0.00		0.00
2	Other Approved Securities		0.00		0.00
3	Shares		0.00		0.00
4	Debentures & Bonds		0.00		0.00
5	Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6	Others: TDRs with SBI Park St & UBI Park St		19113376.00		18370532.00
	Total		19113376.00		18370532.00

Schedule 10		Current Year		Previous Year	
INVESTMENTS - OTHERS		Rs	Rs	Rs	Rs
1	In Government Securities		500.00		500.00
2	Other Approved Securities		0.00		0.00
3	Shares		0.00		0.00
4	Debentures & Bonds		0.00		0.00
5	Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6	Others: TDRs with SBI Park Street & UBI Park Street		3789000.00		3789000.00
	Total		3789500.00		3789500.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 11		Current Year		Previous Year	
CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.		Rs	Rs	Rs	Rs
A	Current Assets				
1	**Inventories**				
a	Stores & Spares	0.00		0.00	
b	Loose Tools	0.00		0.00	
c	Stock in Trade				
(i)	Finished Goods [Printed Publications]	22926344.00		0.00	
(ii)	Work in Progress	0.00		0.00	
(iii)	Raw Materials [Preservation Materials]	33067.00	22959411.00	34612.00	34612.00
2	**Sundry Debtors**				
a	Debts outstanding for a period exceeding six months	186881.22		186881.22	
b	Others	0.00	186881.22	0.00	186881.22
3	**Cash Balances in Hand**		94303.00		90468.00
4	**Bank Balances**				
a	**With Scheduled Banks**				
(i)	On Current Account	45358870.99		-11974206.38	
(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii)	On Savings Account	27354956.77	72713827.76	43183073.56	31208867.18
b	**With Non-Scheduled Banks**				
(i)	On Current Account	0.00		0.00	
(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
(iii)	On Savings Account	0.00	0.00	0.00	0.00
5	**Post Office Savings Account**		0.00		0.00
	Total [A]		95954422.98		31520828.40

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Balance Sheet at 31st March 2018

Schedule 11 CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.		Current Year		Previous Year	
		Rs	Rs	Rs	Rs
B	**Loan, Advances & Other Assets**				
1	**Loans**				
a	Employees	503670.00		836798.00	
b	Other Entities engaged in similar activities	0.00		0.00	
c	Others	0.00	503670.00	0.00	836798.00
2	**Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received**				
a	On Capital Account	78045264.00		50227384.00	
b	Adv. Payment to Journal Subscription	6279451.03		5557189.03	
c	Security Deposits	1282098.84		1282098.84	
d	Earnest Money	1500.00		1500.00	
e	With Dept. of Income Tax [TDS]	684.00		684.00	
f	TDS on Contract Payments [2017-18]	96759.00		0.00	
g	Others [Employees / Scholars/Suppliers]	12352471.73	98058228.60	11065020.64	68133876.51
3	**Income Accrued**				
a	On Investments from Earmarked/ Endowment Fund	269859.00		128961.12	
b	On Investments- Others	0.00		0.00	
c	On Loans and Advances	0.00		0.00	
d	Rent Receivable	3026787.40		2483327.40	
e	Subscription Receivable	1668207.80		953132.80	
f	Grants Receivable	0.00	4964854.20	0.00	3565421.32
4	**Claims Receivable**		0.00		0.00
	Total [B]		103526752.80		72536095.83
	Total [A+B]		199481175.78		104056924.23

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 12		Current Year		Previous Year	
INCOME FROM SALES / SERVICES		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Income from Sale		0.00		0.00
2	Income from Services		0.00		0.00
Total			0.00		0.00

Schedule 13		Current Year		Previous Year	
GRANTS / SUBSIDIES		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
	(Irrevocable Grants & Subsidies received)				
1	Central Government		233995000.00		225363464.03
2	State Government (specify)		0.00		0.00
3	Government Agencies		0.00		0.00
4	Institutions / Welfare Bodies		0.00		0.00
5	International Organizations		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
Total			233995000.00		225363464.03

Grants-in-Aid received from Ministry of Culture, Government of India [Break up of Item No.1 in Schedule 3]		Amount (Rs.)	Remarks
1	Grant-in-Aid : General	58000000.00	Revenue Grants (treated as Income)
2	Grant-in-Aid : Salaries	173995000.00	
3	Grant-in-Aid : North Eastern Region	1500000.00	
4	Grant-in-Aid : Swachhwata Action Plan	500000.00	
Total		233995000.00	

Schedule 14		Current Year		Previous Year	
FEES / SUBSCRIPTIONS		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Entrance / Admission Fees		16400.00		15700.00
2	Annual Fees / Subscriptions		944262.50		293200.00
3	Life Membership Fees		414575.00		0.00
4	Seminar / Programme Fees		0.00		59000.00
5	Consultancy Fees		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
Total			1375237.50		367900.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 15		Current Year		Previous Year	
INCOME FROM INVESTMENTS		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
	(Income from Investment from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)				
1	Interest		810212.09		813256.12
2	Dividend		0.00		0.00
3	Rents		2340624.00		2340624.00
4	Others		0.00		0.00
Total			3150836.09		3153880.12
Transferred to Earmarked / Endowment Funds			810212.09		813256.12
Net Income from Investments			2340624.00		2340624.00

Schedule 16		Current Year		Previous Year	
INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION, ETC.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Income from Royalty		0.00		0.00
2	Income from Publications		3155538		1279267.00
3	Others : Sale of Photos / Replicas		68335.00		34060.00
Total			3223873.00		1313327.00

Others : Sale of Photos / Replicas [Break-up of Item No.3 in Schedule 16]			
1	Sale of Mementos	14740.00	
2	Sale of Photo Albums	53595.00	
Total		68335.00	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 17		Current Year		Previous Year	
INTEREST EARNED		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	**On Term Deposits:**				
(a)	With Scheduled Banks	0.00		807093.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	0.00	0.00	807093.00
2	**On Savings Accounts**				
(a)	With Scheduled Banks	2267167.00		1822686.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	2267167.00	0.00	1822686.00
3	**On Loans**				
(a)	Employees / Staff			304440.00	
(i)	Interest on House Building Loan	56580.00			
(ii)	Interest on Computer Loan	212823.00			
(iii)	Interest on Scooter Loan	31859.00			
(b)	Others	0.00	301262.00	0.00	304440.00
4	**Interest on Debtors and Other Receivables**		0.00		0.00
	Total		2568429.00		2934219.00

Schedule 18		Current Year		Previous Year	
OTHER INCOME		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Sale/ Disposal of Assets		73000.00		15000.00
2	Export Incentives Realized		0.00		0.00
3	Fees for Miscellaneous Services		378963.00		186348.00
	Total		451963.00		201348.00

Sale/ Disposal of Assets [Break-up of Item No.1 of Schedule 18]			
1	Sale of Office Equipment	3000.00	
2	Sale of Vehicle	70000.00	
	Total	73000.00	

Fees for Miscellaneous Services [Break-up of Item No.3 of Schedule 18]			
1	Micro Film / Xerox	31120.00	
2	Misc. Receipts	347843.00	
	Total	378963.00	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 19		Current Year		Previous Year	
INCREASE / (DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS / WORK-IN-PROGRESS & RAW MATERIALS		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	**Closing Stock**				
(a)	Finished Gods [Printed Publications]	0.00		0.00	
(b)	Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c)	Raw Materials [Preservation Materials]	33067.00	33067.00	0.00	0.00
2	**Less: Opening Stock**				
(a)	Finished Gods [Printed Publications]	0.00		0.00	
(b)	Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c)	Raw Materials [Preservation Materials]	34612.00	34612.00	0.00	0.00
Total			-1545.00		0.00

Schedule 20		Current Year		Previous Year	
ESTABLISHMENT EXPENSES		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Salary & Wages		133096646.00		33825114.00
2	Allowances & Bonus		5227315.00		82805466.00
3	Employer's Contribution to EPF		13941893.00		11800152.00
4	Administrative Charges on EPF		728939.00		
5	Contribution to Other Funds (NPS)		57367.00		159642.00
6	Leave Salary Contribution		150081.00		0.00
7	Staff Welfare Expenses		93060.00		0.00
8	Expenses on Employees' Retirement & Terminal Benefits		13896987.00		10060795.00
9	Retirement & Terminal Benefits (Against Provisions)		20000000.00		0.00
10	Leave Travel Concession (LTC)		1275419.00		661978.00
11	Leave Encashment (LTC)		218502.00		0.00
12	Reimbursement of Medical Expenses		571584.00		953152.00
13	Honorarium		6800.00		129400.00
Total			189264593.00		140395699.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Salary & Wages [Break-up of Item No.1 of Schedule 20]			
1	Salaries & Wages to Regular Employees	131493544.00	
2	Salaries & Wages to Contractual Employees	1603102.00	
	Total	133096646.00	

Expenses on Employees' Retirement & Terminal Benefits [Break-up of Item No.8 of Schedule 20]			
1	Death-cum-Retirement Gratuity	9888740.00	
2	Leave Encashment	4008247.00	
	Total	13896987.00	

Retirement & Terminal Benefits (Against Provisions) [Break-up of Item No.9 of Schedule 20]			
1	Gratuity (Against Provision)	10000000.00	
2	Leave Encashment (Against Provision)	10000000.00	
	Total	20000000.00	

Schedule 21		Current Year		Previous Year	
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
A	Travelling & Conveyance Expenses:				
1	Travelling Allowance [TA/DA]	818373.00		623949.00	
2	Local Conveyance (staff)	682385.00		493570.00	
3	Local Conveyance (others)	55500.00	1556258.00	0.00	1117519.00
B	Communication Charges:				
1	Telephone	96500.00		152742.00	
2	Postage & Communication Charges	453395.00		224400.00	
3	Internet Charges	389049.00	938944.00	0.00	377142.00
C	Repairs & Maintenance:				
1	Repairs & Maintenance- Building	432931.00		1107471.00	
2	Repairs & Maintenance- Lift	87911.00		10360.00	
3	Repairs & Maintenance- AC Machine	894568.00		669384.00	
4	Repairs & Maintenance- Generator	125347.00		57021.00	
5	Repairs & Maintenance- Furniture	0.00		30300.00	
6	Repairs & Maintenance- Computer	16333.00		4817.00	
7	Repairs & Maintenance- Electrical	134021.00		96414.00	
8	Repairs & Maintenance- Others	371045.00	2062156.00	263871.00	2239638.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 21		Current Year		Previous Year	
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
D	**Other Administrative Expenses:**				
1	Advertisement & Publicity	2456611.00		1011891.00	
2	Printing & Stationery	771963.00		1015258.00	
3	Excise Duty	0.00		0.00	
4	Rent, Rates & Taxes	512070.00		533100.00	
5	Vehicle Running & Maintenance	338961.00		329553.00	
6	Electricity & Power	1658907.00		1569044.00	
7	Water Charges	0.00		0.00	
8	Insurance	120225.00		123182.00	
9	Auditors' Remuneration	774770.00		1341140.00	
10	Freight & Forwarding Expenses	0.00		5800.00	
11	Security & Housekeeping Expenses	2222067.00		0.00	
12	Meeting Expenses	913437.00		1146189.00	
13	Development of Computer	0.00		400920.00	
14	Cleaning & Washing	124174.00		115468.00	
15	Staff Training	105365.00		52049.00	
16	Contingencies	200920.50		434775.66	
17	Legal Expenses	232530.00		227800.00	
18	Awards & Incentives	2400.00		0.00	
19	Medals & Awards	4200.00		0.00	
20	Office Expenses	455663.00		0.00	
21	Office Supplies	149657.00		0.00	
22	Professional Fees	369205.00		0.00	
23	Election Expenses	1150.00		0.00	
24	Bank Charges	16591.50		0.00	
25	Website Development & Maintenance	94788.00	**11525655.00**	0.00	8306169.66
E	**Publication & Sales Expenses:**				
1	Publication of Books, Journals & Bulletin	2961395.00		1399257.00	
2	Promotion of Publications	144267.00		0.00	
3	Book Fairs & Book Exhibitions	512589.00	**3618251.00**	275434.00	1674691.00
F	**Academic Programme Expenses:**				
1	Expenses on Seminar / Workshops	3865545.00		2751028.00	
2	Expenses on Vishnu Dharma Puran	0.00		10000.00	
3	Dr. Raja Rajendralala Mitra M. Lecture	158844.00		0.00	
4	Rabindranath Tagore Birth Cent. Plaque	15493.00		0.00	
5	Documentation of Programmes	34348.00	**4074230.00**	0.00	2761028.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 21		Current Year		Previous Year	
OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
G	Other Programme Expenses:				
1	Celebration of Important Days	919750.00		0.00	
2	Exhibition	529605		132399.00	
3	Hindi Programme	5813.00		0.00	
4	Expenses on President / V.P. Visit	0.00	**1455168.00**	216883.00	349282.00
H	Library & Museum Development:				
1	Conservation and Binding of Books & Mss	1149639.00		571080.00	
2	Library Automation Programme	1338400.00		37275.00	
3	Digitization of Mss & Rare Books	254585.00		0.00	
4	Materials for Museum	26396.00		0.00	
5	Preservation of Paintings & Art Objects	279080.00		126200.00	
6	Purchase of Preservation Materials	364786.00		364133.00	
7	Purchase of Newspapers & Periodicals	14536.00	**3427422.00**	0.00	1098688.00
I	Academic & Research Expenses:				
1	Fellowship to Research Fellows	5324720.00		0.00	
2	Contingency to Research Fellows	170834.00		0.00	
3	Honorarium/Remuneration to PI/RA	555193.00		0.00	
4	Contingency to PI/RA	299377.00	**6350124.00**	3886734.00	3886734.00
J	Cost of Replicas (Museum):				
1	Cost of Souvenir (Museum)	113641.00		201438.00	
2	Printing of Posters (Museum)	87674.00	**201315.00**	0.00	201438.00
K	Expenses -North Eastern Region:				
1	Seminar, Workshop for NER	318066.00		762313.00	
2	NER- Internal Project Expenses	429212.00		0.00	
3	NER- External Project Expenses	79830.00	**827108.00**	0.00	762313.00
L	Expenses- Swachhwata Action Plan	591526.00	**591526.00**	0.00	0.00
	Total		**36628157.00**		**22774642.66**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2018

Schedule 22		Current Year		Previous Year	
EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Grants given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
2	Subsidies given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
Total			0.00		0.00

Schedule 23		Current Year		Previous Year	
INTEREST		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	On Fixed Loans		0.00		0.00
2	On Other Loans		0.00		0.00
3	Others: Overdraft		7187.13		0.00
Total			7187.13		0.00

PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS		Current Year		Previous Year	
Prior Period Adjustments		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1	Provisions Written Back		1947553.00		90648.00
2	Difference in Face Value of FDRs				-901.00
3	Arrear Rent				17740.00
Total			1947553.00		107487.00

Place : Kolkata
Date: 10th August 2018

[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2018

Schedule – 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. **Accounting Convention**

The financial statements of accounts are prepared under historical cost convention, in accordance with the applicable Accounting Standards in India and on the accrual method of accounting, unless otherwise stated.

2. **Inventory Valuation**

a) Till the previous year (2016-17), pending valuation of the closing stock of printed publications of the Society at the year end, the value was not shown in the Balance Sheet and was only reported in the Significant Accounting Policies / Notes on Accounts with an estimated value of the closing stock of printed publications. The estimated value of closing stock of printed publications as reported in 2016-17 was Rs.2,30,000/-. With the instructions received in the Audit report of 2016-17 for incorporating the value of Closing Stock of Publications under the head "Current Assets", title wise value of the closing stock of printed publications of the Society at printed price as on 31st March 2018 has been ascertained and the total value thus arrived at (Rs.2,29,26,344.00) has been incorporated under the head "Current Assets" in the Annual Accounts for the year 2017-18 with corresponding adjustment by adding to the Capital Fund.

b) Conservation & Preservation Materials have been valued at cost.

3. **Investments**

Deposits with Banks in the form of TDRs (Fixed deposits) are stated at cost. Interest accrued on such deposits but not due at the year end is shown separately in Balance Sheet under "Loans, Advances & Other Current Assets".

4. **Fixed Assets**

a) Fixed Assets have been accounted at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes and incidental & direct expenses related to such acquisitions;

b) Fixed Assets are stated at written down value after charging for depreciation.

THE ASIATIC SOCIETY

KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2018

5. Depreciation

Depreciation on Fixed Assets have been calculated and provided in the accounts on the basis of written down value of the fixed assets at the rates specified in the Income Tax Act, 1961 and as applicable for the financial year 2017-18.

6. Government Grants

Grants-in-aid are recognized in accounts as and when the same is realized. A year's unutilized grant due to underutilization is carried forward and adjusted with next year's grants-in-aid. Expenditure in excess of grants-in-aid received under a particular head, wherever the case may be, have been met out of own resources.

7. Accounting for interest on Staff Loan

Interest on Staff Loan has been considered as earning based on realization during the year.

8. Accounting for Interest on Investments

Interest earned on investments has been provided on accrual basis.

9. Retirement Benefit

Till 2016-17, Gratuity & Leave Encashment were accounted for in the year of retirement on actual payment basis. However, following audit instructions vide item no. C (3.1) of the Separate Audit Report (SAR) dated 12.12.2017 for the year 2016-17 received from the Director General of Audit (Central), Kolkata and in compliance with Accounting Standard (AS) – 15, provisions for Gratuity and Leave Encashment have been made in the accounts for the year 2017-18. Pending actuarial valuation, lump sum provisions have been made to provide for Gratuity (Rs.1.00 Crore) and Leave Encashment (Rs.1.00 Crore) which is an estimated amount that the Society would be liable to pay to the employees due to retire in the next two financial years.

Place: Kolkata
Date: 10th August 2018

[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2018

Schedule – 25

CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS

A. Contingent Liabilities

1. Claims against the Society not acknowledged as debt: Rs.205.59 Lakhs (Previous Year: Rs.191.57 Lakhs). The details are given at serial number 7 of "Notes on Accounts".

2. Bank Guarantee given by / on behalf of the Society : Nil (Previous Year: Nil)

3. Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

B. Notes on Accounts

1. The Society has been set up as an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India and is wholly financed by the Government of India.

2. The Annual Accounts for 2017-18 have been prepared in the Uniform Format of Accounts prescribed for Central Autonomous Bodies in consistency with that of previous years.

3. The Society has been registered u / s 12 AA of the Income Tax Act, 1961 and hence its entire income is exempt from Income Tax.

4. The gifted property at 91, Ballygunge Place, Kolkata – 700019 received by the Society during 1995 (gifted by Late Professor S.D.Chatterjee) is being used as Guest House. Due to a pending litigation pertaining to the property (Title Suit No. 361 of 1999 filed in the Court of the 2nd Civil Judge – Jr. Division, Alipore), the value of the property has not been included in Fixed Assets.

5. Capital Work-in-Progress as on 1st April 2017 was Rs.7,64,50,663.42. There being no additions / adjustments during the year 2017-18, the same amount has been carried forward.

6. Investments in the form of Fixed Deposits against Endowment Funds of Rs.79,78,258.00 have been kept with State bank of India, Park Street Branch as collateral security to avail overdraft facility as and when required.

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2018

7. Pending the audit for the year 2017-18, the claim for audit fees for the year 2017-18 is yet to be received from the office of the Director General of Audit (central), Kolkata. Under such circumstances, an amount of Rs.4,00,000/- in lump sum (estimated on the basis of last year's audit fees) has been provided for in the accounts for the year 2017-18.

8. The Society received a "Notice of Demand" from Kolkata Municipal Corporation in July 2006 for payment of property tax in respect of Assessee Nos. 11-063-39-0001-2 & 11-063-39-002-4, with annual valuation of Rs.6,04,560/- & Rs.3,21,230/- respectively (effective from 01.07.2006). During the period till 31.03.2018, the demand for arrear property tax in respect of these claims comprising principal amount, penalty and interest, has been increased to Rs.205.59 Lakhs (Previous Year: Rs.191.57 lakhs). As the matter is being taken up with Kolkata Municipal Corporation for settlement, no provision has been made in the accounts for the same and the claim has been shown as "Contingent Liability".

9. The Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account of the previous year (2016-17) were shown with segregation under Plan & Non-Plan. Since such classification has been discontinued with effect from 2017-18, the previous year's figures under Plan & Non-Plan have been merged in the accounts of 2017-18. Corresponding figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

Place: Kolkata
Date: 10th August 2018

[Alok Kanti Bhaumik]
Treasurer (Acting)

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

17

Visuals
(दृश्य-सामग्री)

Welcome

Hon'ble Minister of the Ministry of Culture, Government of India, Dr. Mahesh Sharma addressing the staff of the Asiatic Society. President and General Secretary are also on the dais.

Congratulations

Welcome to the Asiatic Society on the occasion of the Annual General Meeting 2017

Presentation of Bouquet to Hon'ble Justice Nishita Mhatre, Acting Chief Justice of Calcutta High Court by Professor Isha Mahammad, President of the Asiatic Society.

Professor Isha Mahammad, President of the Asiatic Society, receiving from Professor Sabyasachi Basu Roy Choudhury, Vice-Chancellor, Rabindra Bharati University, the Akademi Award conferred by West Bengal State Akademi of Dance, Drama, Music and Visual Arts on the occasion of the Convocation of Rabindra Bharati University held on 9th May 2017.

Awards Presentation Ceremony

Professor Indranath Choudhuri receiving Rabindra Nath Tagore Birth Centenary Plaque for his outstanding contribution in the field of Indian Literature & Tagore.

Professor Binay Bhusan Chaudhuri receiving Pandit Iswar Chandra Vidyasagar Gold Plaque for his outstanding contribution in the field of Contemporary Social Activities.

Professor A C Bhagabati receiving Annandale Memorial Medal for his outstanding contribution in the field of Anthropology in Asia.

Professor Upendra Baxi receiving Dr. Naresh Chandra Sengupta Gold Medal for his outstanding contribution in the field of Society and Law in Ancient and Medieval India.

Professor Suniti Kumar Pathak receiving S C Chakraborty Memorial Medal for his outstanding contribution in the field of Ancient Indian Languages. Due to illness Prof. Pathak could not attend the Annual General Meeting and Awards Presentation Ceremony of the Asiatic Society. The medal was presented to him by General Secretary at a function in the Bhasa Bhavan, Visva Bharati, Santiniketan on 13th May 2017.

Indira Gandhi Gold Plaque
Conferred on Kapila Vatsyayan

A function to confer Indira Gandhi Gold Plaque of the Asiatic Society on Dr (Mrs) Kapila Vatsyayan for her contribution to International Understanding was organised at India International Centre, New Delhi on 7th July 2017 under the Chairmanship of Dr Karan Singh, Member of Parliament (Rajya Sabha) who was also conferred with this award in1991. Along with Dr Karan Singh, on the dais were Dr (Mrs) Kapila Vatsyayan, Shri Shyam Saran, Former Foreign Secretary, Government of India and Life Trustee, IIC and Dr S B Chakrabarti, General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata. It was also important to see that Hon'ble Dr Manmohan Singh, Former Prime Minister of India graced the occasion with his presence.

Dr Chakrabarti handed over the Gold Plaque with a shawl to Dr (Mrs) Kapila Vatsyayan along with a Citation which was read out by him.

Manmohan Singh greeting Kapila Vatsyayan.

Kapila Vatsyayan receiving the Plaque from the General Secretary.

Independence Day

Professor Isha Mahammad, President of the Society hoisting the National Flag at the premises on 15 August, 2017.

Professor Pradip Bhattacharya, President of the Employees' Union of the Asiatic Society, addressing on the occasion with an appeal to all to strive for excellence.

Galaxy of Scholars at the Asiatic Society in the Seminar on Sanskritic Studies in Nabadwip

Honorable Jurists Interpreting *The Dharmasastras*

Shri Chittatosh Mookerjee, Former Hon'ble Chief Justice, Calcutta High Court and Bombay High Court delivering the Inaugural Address.

Three Speakers (from right to left) Justice Pradip Kumar Bandyopadhyay, City Civil Court, Kolkata; Dr. Sambuddha Chakraborty, Hon'ble Justice, Calcutta High Court & Member of The Asiatic Society; Sri Subhro Kamal Mukherjee, Hon'ble Chief Justice, Karnataka High Court.

The General Secretary administering the Vigilance Pledge to the employees of the Society.

Hungarian Delegation in the Asiatic Society

Delegation from Hungary led by H E C Saba Balough, Minister of State for Public Administration, Ministry of Foreign Affairs and Trade of Hungary visiting the memorial room of Alexander Csoma de Koros in the old building of the Asiatic Society on 9th October 2017.

Swachha Abhiyan

Research Fellows along with Staff Members led by The General Secretary and the Council Members cleaning and dusting the Perso-Arabic Section of the Library.

Visit of Sri Pranab Mukherjee in the Asiatic Society

Sri Pranab Mukherjee delivering the first Dr. Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture.

Foundation Day Celebration

Dr. K. Kasturirangan, Chairman, National Education Policy, Raman Research Institute, Bangalore delivering Foundation Day Oration. On the dais (L-R) Dr. Satyabrata Chakrabarti, General Secretary; Professor Isha Mahammad, President and Dr. Sujit Kumar Das, Treasurer of the Society.

The Asiatic Society in the 78th session of the Indian History Congress at Jadavpur University

Professor Irfan Habib inaugurating the Seminar.

Author's Conference on Comprehensive History of Modern Bengal : 1700-1950, 3 Volumes

Professor Sabyasachi Bhattacharya addressing the authors on the concluding day of the conference at the Humayun Kabir Hall on February 9th, 2018.

International Seminar : Inaugural Session

Professor Mahafuza Khanam, President of the Asiatic Society of Bangladesh (in the centre) along with the other dignitaries of the Asiatic Society, Kolkata and Bangladesh on the dais.

Museum of the Asiatic Society, Kolkata

Library (Reading Room) of the Asiatic Society, Kolkata

Conservation Section of the Asiatic Society, Kolkata

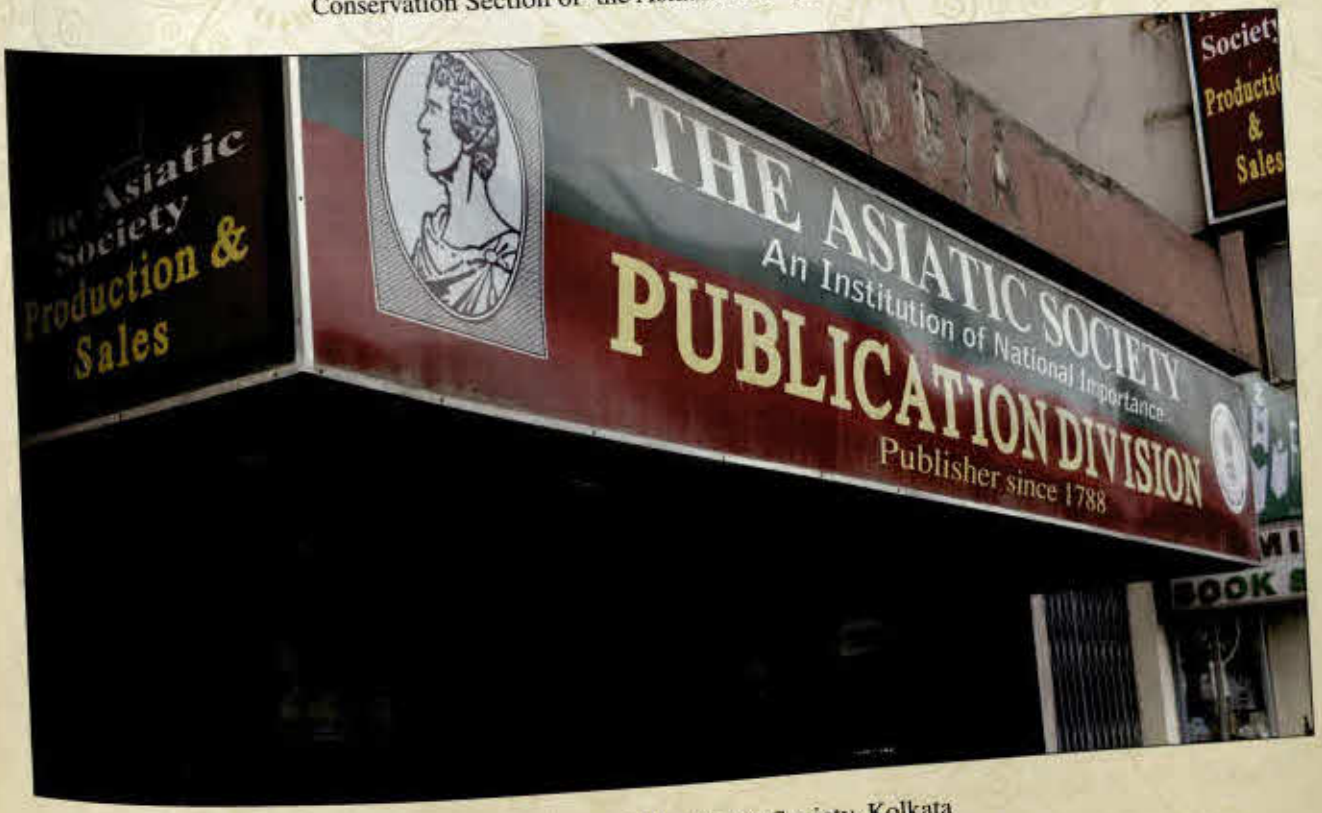

Publication Division of the Asiatic Society, Kolkata

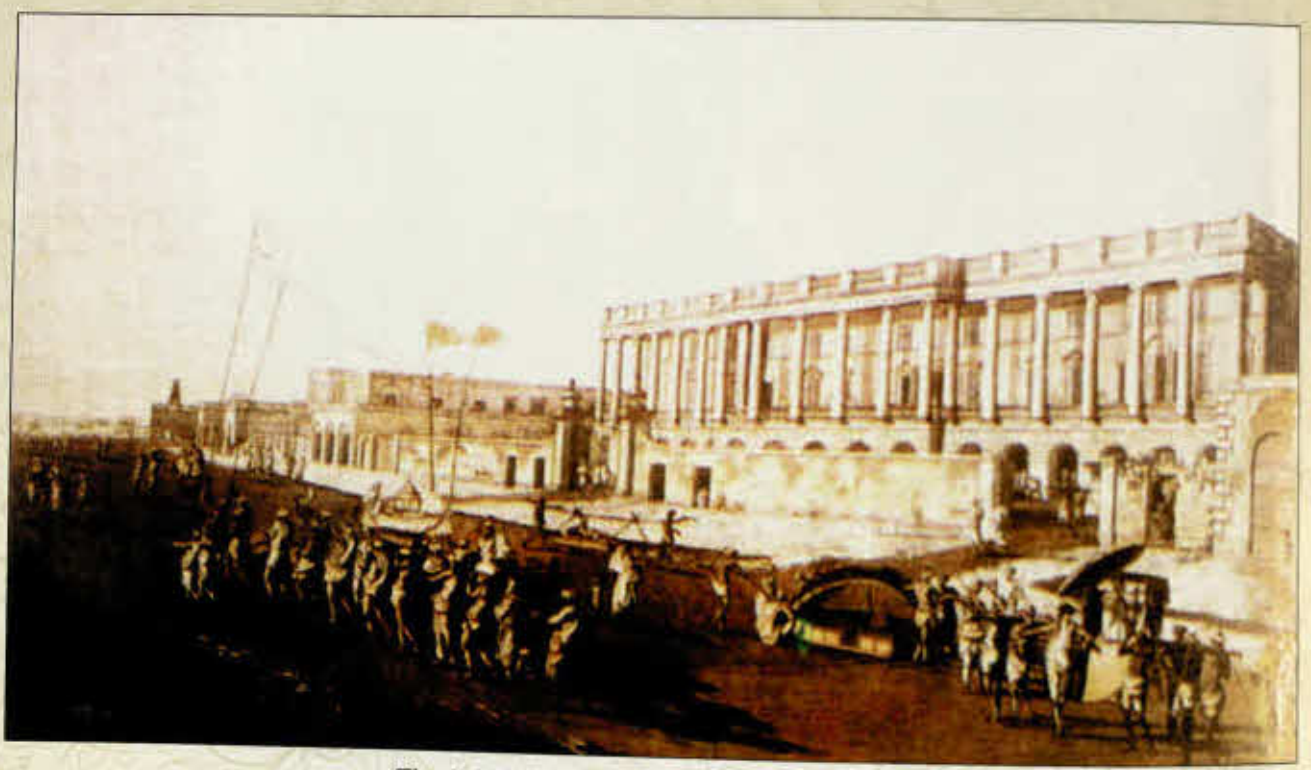

The Asiatic Society, Kolkata was founded in the Grand Jury Room of Supreme Court on 15.01.1784.

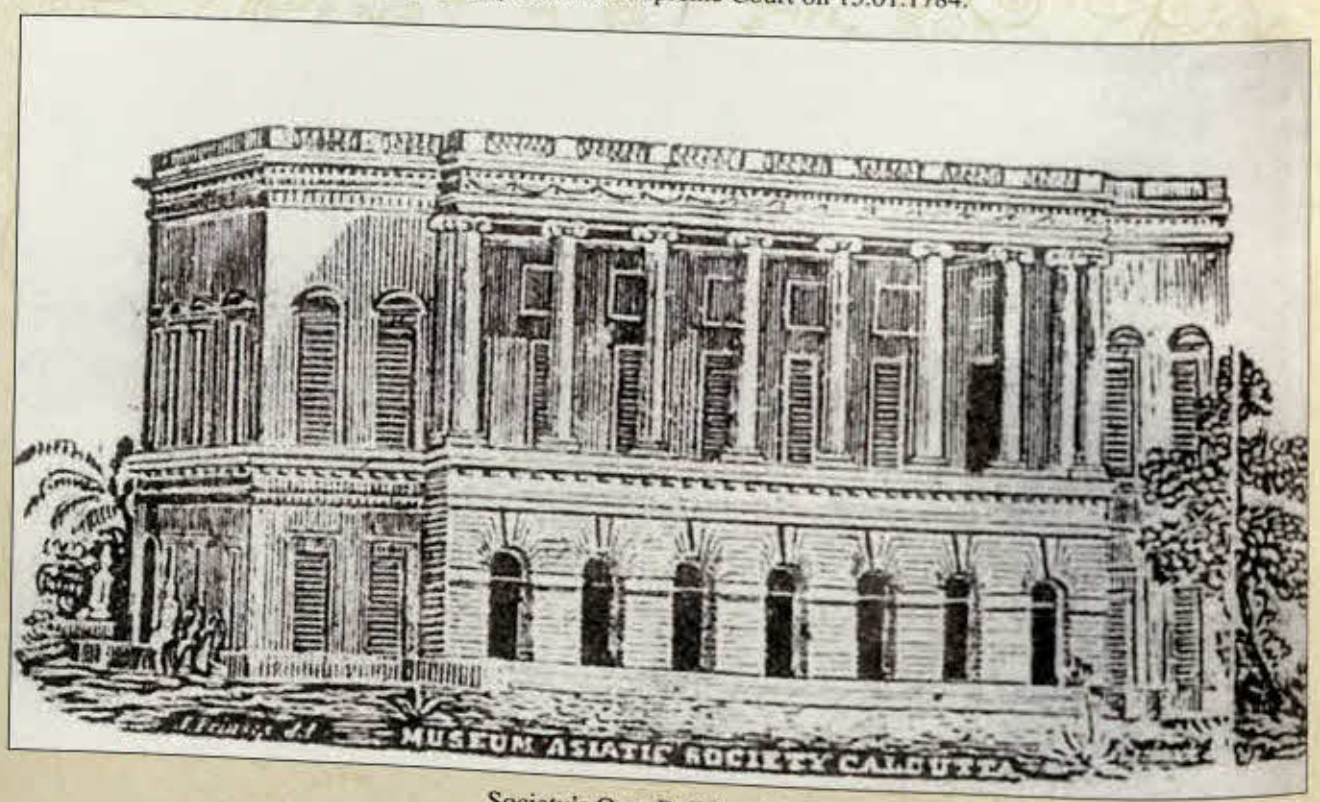

Society's Own Building (1808)

SOME OF OUR RECENT PUBLICATIONS

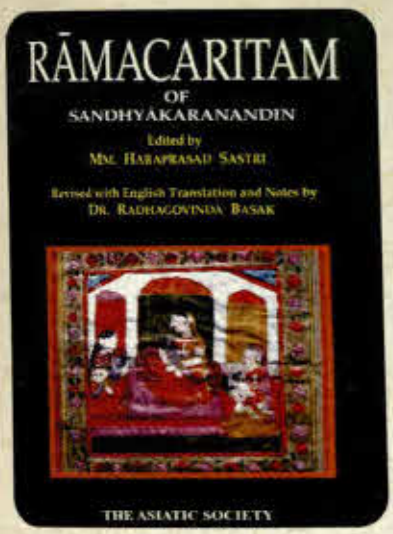

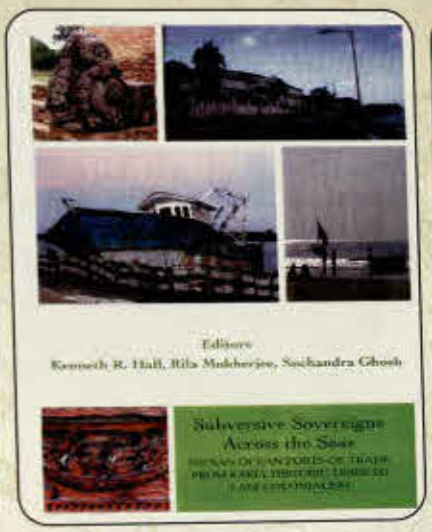

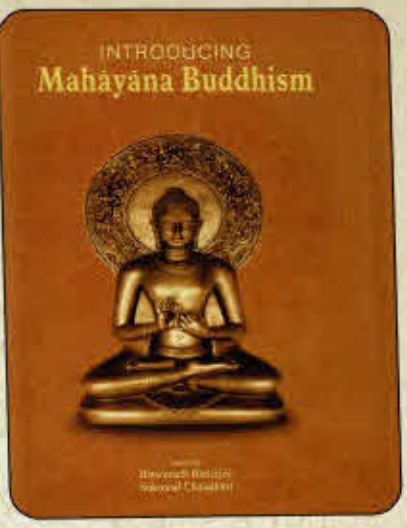

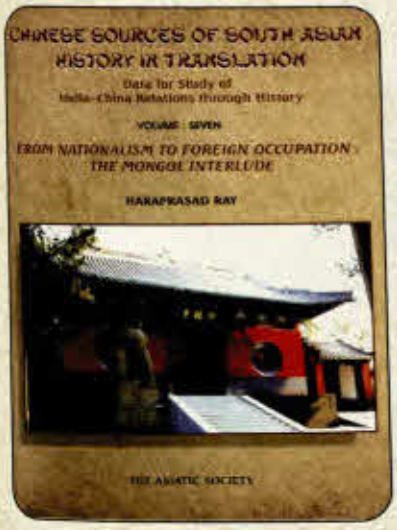

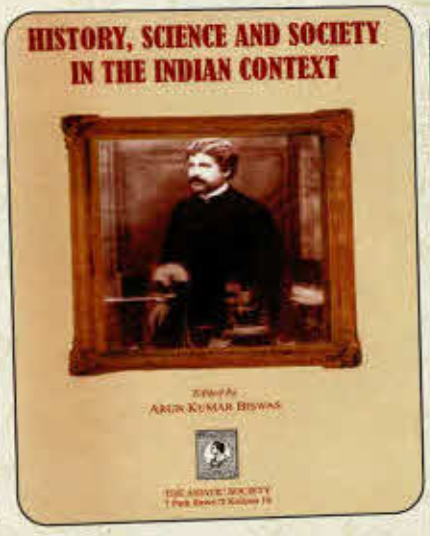

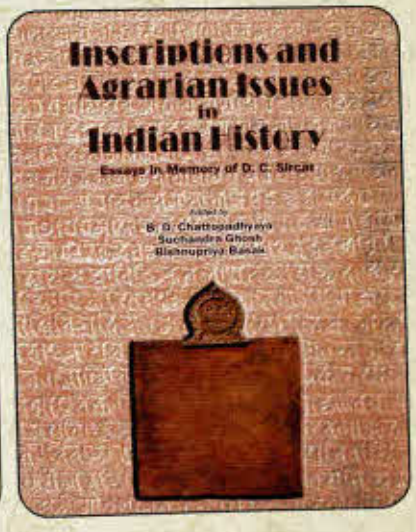

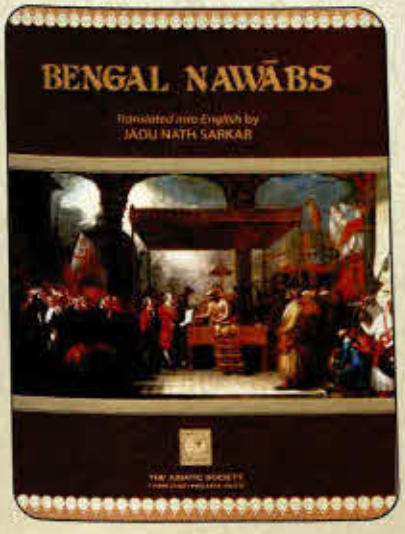

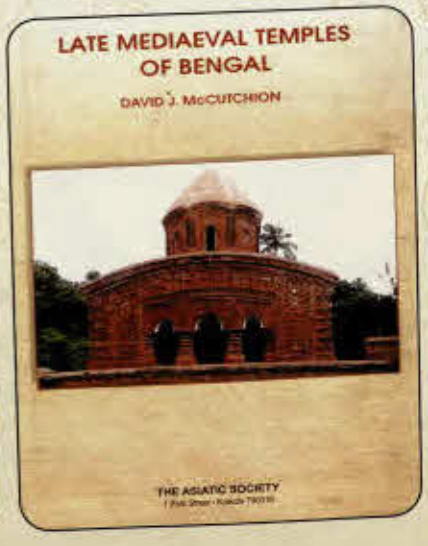

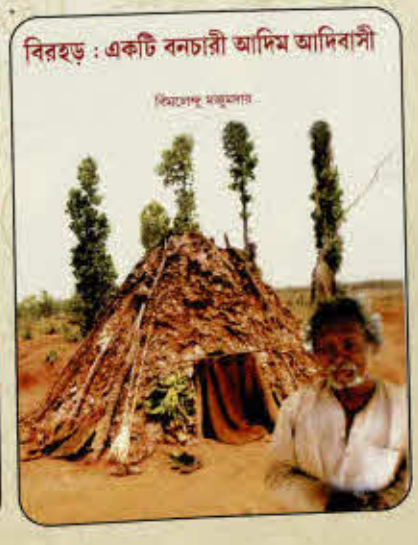

Bulletins
2017-18
Spare Copies Available
Monthly Bulletin
January 2018
February 2018
March 2018
Volume XLVII No. 3
Volume XLVI No. 5
Volume XLVI No. 4
May 2017
April 2017
June 2017
July 2017
August 2017
December 2017
THE ASIATIC SOCIETY
1 PARK STREET • KOLKATA-700016

दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता-७०० ०१६

The Asiatic Society
1 Park Street, Kolkata-700 016